

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

CB
18/9/85

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 3, 1985 (श्रावण 12, 1907)
o. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 3, 1985 (SRAVANA 12, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 1 जुलाई 1985

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 अप्रैल 1985

सं० ए०-19011/3/85-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग श्री ए० एन० वर्मा, भा० प्र० से०, को 25 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक आयोग के सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं

एस० पी० जैन
अवर सचिव (प्रशा०)
कुले अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1985

सं० ए०-32103/1/85-प्रशा० I—सं० लो० सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री मुकुल चटर्जी जिन्हें के० स० से० के ग्रेड-1 की वर्ष 1984 की चयन सूची में क्र० सं० 9 में सम्मिलित कर लिया गया है, को राष्ट्रपति द्वारा 6-5-1985 से आगामी आदेशों तक आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियमित आधार पर कार्मिक एवं प्र० सु० विभाग के का० जा० सं० 4/15/84-सी० एस० (1) दिनांक 18-4-1985 के पैरा 2 के अध्वधीन सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-38013/10/84-प्रशा० III—कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री० आर० के० गौड़ को 30 जून, 1985 के अपराह्न में निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

सं० पी०-1790/प्रशा० III—दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान से बहिर सेवा की शर्तों पर प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन होने के कारण श्री कैलाश चंद्र ने संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 14 जून, 1985 के अपराह्न से अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० पी० जैन
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 मई 1985

सं० ए०-32014/1/-85-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के का० जा० सं० से० के निम्नलिखित सहायकों

को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	अवधि
1	2	3
1.	कुमारी भारती नरसिम्हा	1-5-85 से 30-6-85 तक
2.	श्री बीर इन्दर	1-5-85 से 30-6-85 तक
3.	श्रीमती मौली तिवारी	16-5-85 से 30-6-85 तक
4.	श्री एच० सी० शर्मा	20-5-85 से 30-6-85 तक
5.	श्री पहलाय सिंह	1-6-85 से 14-7-85 तक
6.	श्री ए० एस० वेदी	16-5-85 से 29-6-85 तक
7.	श्री एस० बी० गुप्ता	16-5-85 से 29-6-85 तक
8.	श्री तारा सिंह (अ० जा०)	16-5-85 से 14-6-85 तक

दिनांक 17 जून, 1985

सं० ए० 32014/1/84-प्रशा० III—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए तथा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सह्य नियुक्त करते हैं ।

क्रम सं०	नाम	प्रवृत्ति की अवधि
1	2	3
1.	श्री के० वी० तिवानी	10-6-85 से 25-7-85 तक
2.	श्री तारा सिंह (अ० जा०)	15-6-85 से 12-7-85 तक

एस० बैनर्जी
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 11 जून, 1985

सं० 15011/20/85-स्थापना—टेक्नीकल ग्रुप ई० एम० ई० मुख्यालय, दिल्ली केन्ट-110010 से भारमुक्त होकर आष्टिकल कमरामैन श्री बी० आर० के० मुरली, ने 1 जून, 1985 पूर्वाह्न से स० व० प० राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में फोटोग्राफिक आफिसर के पद का कार्यभार संभाला ।

श्री मुरली, अकादमी में दिनांक 1-6-1985 से तीन वर्ष की अवधि की प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और केन्द्रीय सरकार के नियमाधीन समय समय पर देय भत्तों के साथ 650-30-740-35-810-ब० रो०-35-880-40-1200 रु० के वेतनमान में वेतन पायेंगे ।

दिनांक 21 जून 1985

सं० 15011/16/85 स्थापना—3री बटालियन, आर० ए० सी० जयपुर (राजस्थान) के कम्पनी कमांडर श्री रस्तम अली ने 9 जून, 1985 पूर्वाह्न से अकादमी में मुख्य-कवायद अनुदेशक के रूप में कार्यभार संभाला ।

श्री रस्तम अली अकादमी में 9-6-1985 से मुख्य कवायद अनुदेशक (पुलिस उपाधीक्षक) के रूप में पहली बार तीन वर्ष की अवधि की प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे तथा 650-30-740-35-810 ब० रो०-35-880-40-1000-ब० रो०-40-1200 रु० वेतनमान में तथा विशेष वेतन 100 रुपये मासिक पायेंगे ।

जी० सी० सिंघवी
निदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० डी०-1-6/85 स्थापना-I—श्री बलवीर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, 62 वाहिनी, के० रि० पु० बल की सेवाएं 01 जून, 1985 (अपराह्न) से गृह मंत्रालय को सौंपी जाती है ।

अशोक राज महिपति
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं० ई०-32015/(4)/17/85-कामिक-1—राष्ट्रपति, श्री आर० डी० पाल को प्रवृत्ति पर, 18 मई, 1985 के पूर्वाह्न से 24-9-1985 तक के लिए या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ और अस्थायी आधार पर के० अ० सु० ब० यूनिट, एच० जैड० एल० टुन्डू में सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 12 जुलाई 1985

सं० ई०-32015/(4)/19/85-कार्मिक-1-राष्ट्रपति, श्री के० के० निरंजन को, प्रोन्नति पर, 16 मई, 1985 के पूर्वाह्न से 24-9-85 तक के लिए या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ और अस्थायी आधार पर के० श्री० सु० ब० यूनिट, नालको, अंगूल में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

महानिदेशक/के०ओ०सु०ब०

विरत मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

प्रतिभूति कागज कारखाना

हौशंगाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० 7(59)/2985—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(59)/7707 दिनांक 8-11-984 का अधिक्रमण करते हुए, श्री राजकुमार फोरमैन (उत्पादन) को दिनांक 1-1-1984 से नियमित रूप से सहायक मुख्य रसायनज्ञ के पद पर नियुक्त किया जाता है। वे दो वर्ष तक परीवीक्षाधीन रहेंगे।

श० रा० पाठक

महाप्रबंधक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षक विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० 17-वा० ले० प०/167-69—सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा नई दिल्ली के श्री पी० एन० गुप्ता लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवाषिता आयु पूरी करने पर दिनांक 30-6-1985 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 9 जून 1985

सं० 18-वा० ले० प० 1/200-69—अपर उप नियंत्रक महालेखा परीक्षक (वाणिज्यिक) ने महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद के कार्यालय में कार्यरत श्री एम० ए० सिद्धीकी, लेखा-परीक्षा अधिकारी (वा०) को के०सि०से० (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 48 के उपबन्ध के अधीन तारीख 1-6-1985 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से स्वैच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

के० पी० लक्ष्मण राव

सहायक नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (वा०)

महालेखाकार (लेखा)-I, बिहार का कार्यालय

रांची-2, दिनांक 10 जुलाई, 1985

का०आ०सं०-प्रशा०-स्था०/229—महालेखाकार (लेखा)-1 बिहार, रांची ने निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों

को पहली जून, 1985 से उसी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करने की कृपा की है।

सर्वश्री

1. क्षिति रंजन गुप्ता
2. सुशील कुमार मुखर्जी
3. नगेन्द्र किशोर मंडल
4. भेरख चन्द्र दत्त
5. हरिपद राय

समीर बनर्जी

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-2, बिहार

रांची, दिनांक 11 जुलाई 1985

सं० एल० ए०/प्रशा० 1-स्था०I/ए०ओ० (पदोन्नति)-1370—महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-2 बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थानीय अंकेक्षण शाखा के श्री भोला प्रसाद, सहायक लेखा परीक्षा पदाधिकारी को 8-7-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक लेखा परीक्षा पदाधिकारी के पद पर वेतनमान 840-40-1000-ब० रो०-40-1200 रुपये में स्थानापन्न रूप से सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

डे० मुखर्जी

स्थानीय लेखा परीक्षक

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) कर्नाटक

बैंगलोर-560001, दिनांक 30 मई, 1985

सं० म० ले० (ले० प०)-1/प्रशा० 1/ए० 1/85-86/131—महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-1 निम्नलिखित दो (2) सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को रु० 840-40-1000-ब० रो०-40-1200 के वेतनमान में केवल अस्थायी क्षमता में उनके वरिष्ठों को बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले आगामी आदेश तक उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

सर्वश्री

1. जी० वी० नागराज
2. टी० एस० कृष्ण राव

दिनांक 1 जून, 1985

सं० म० ले० (ले० प०) 1/प्रशा०I/ए०-1/85-86/136—महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-1 निम्नलिखित दो (2) सहायक लेखा-परीक्षा अधिकारियों को रु० 840-40-1000-ब० रो०-40-1200 के वेतन मान में केवल अस्थायी क्षमता में उनके वरिष्ठों को बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले आगामी आदेश तक उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

सर्वश्री

1. एम० नरसिंहन
2. एम० सी० श्रीधर मूर्ति

उनके लेखापरीक्षा अधिकारी के पदोन्नति होने के फलस्वरूप स्वामी संकलन (7वां संस्करण) के एफ० आर० 22 सी० के नीचे दिए गए भारत सरकार के निर्णय (15) भा० सं० गृ० मं०, कार्मिक और प्रशासनिक (सुधार विभाग के शा० सं० एफ० 7/1/80 स्था० पी० सु० दिनांक 26 सितम्बर, 1981) के अनुसार उन्हें पदोन्नति होने के दिनांक से एक महीने के अन्दर विकल्प प्रकट करना होगा।

दिनांक 10 जून 1985

सं० म० ले० (ले० प०) 1/प्रशासन/2/ए०-1/85-86/—156 महालेखाकार (ले० प०)-1 ने श्री जी० सी० शिवराम शर्मा सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी को रु० 840-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में केवल अस्थायी क्षमता में उनके बरिष्ठों को बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले आगामी आदेश तक उनके कार्यभार ग्रहण के दिनांक से सवर्ष पदोन्नति किये हैं।

उनके पदोन्नति होने के फलस्वरूप स्वामी संकलन (7वां संस्करण) के एफ० आर० 22 सी० के नीचे दिए गए भारत-सरकार के निर्णय (15) (भा० सं० गृ० मं० तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, शाप संख्या एफ० 7/1/80-स्था० पी० ए० दिनांक 26 सितम्बर, 1981) के अनुसार पदोन्नति होने के दिनांक से एक महीने के अन्दर अपने विकल्प प्रकट करना होगा।

अपठनीय ह०
उप महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम, म० प्र०

ग्वालियर, दिनांक 11 जुलाई 1985

क्रमांक प्रशासन 11/समूह-2/सं० ले० प० अ०-अ० अ०/85-86—प्रमो० गजट/12/113/231—महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम, मध्य प्रदेश, ग्वालियर ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 में उनके नाम के आगे दर्शाये दिनांक से पदोन्नति किया है।

क्रमांक	नाम	स्थायी क्रमांक	सं० ले० प० अ० के रूप में पदोन्नति का दिनांक	
सर्वश्री				
1.	जी० एल० जैन	02/1506	26-3-85	पूर्वाह्ल
2.	एफ० सी० देवगण	02/513	15-4-84	"
3.	एस० सी० गुप्ता	02/545	17-5-85	"
4.	मोहनदास	02/1567	17-5-85	"
5.	एच० पी० श्रीवास्तव	02/1790	10-6-85	"

(ह०) अपठनीय
उप महालेखाकार (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं० 6/1074/75-प्रशासन (राज०)/3424—इस कार्यालय के श्री निरोती लाल, उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात, सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर, 30-6-85 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/1434/83-प्रशासन (राज०)/3435—इस कार्यालय के श्री बी० के० मेहरा, नियंत्रक, आयात तथा निर्यात, सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 30 जून, 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

से० कुजूर
उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 जुलाई, 1985

सं० 17011/191/81/प्र०-6—निदेशक, निरीक्षण, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) श्री [REDACTED] घोष का 12 जून, 1985 को निधन हो गया।

एस० एल० कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महा निदेशक, पूति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985

सं० ए-17011/158/79-प्र०-6—राष्ट्रपति, निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-III (वस्त्र शाखा) श्री सुन्दर लाल को दिनांक 27 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के दिए जाने तक, 1100 (छठा वर्ष अथवा इससे कम)-50-1600 रुपये के वेतनमान में नियमित आधार पर उप निदेशक, निरीक्षण (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-II) (वस्त्र शाखा) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री सुन्दर लाल ने 26-4-1985 के अपराह्न से, निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 27-4-1985 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, कानपुर के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० ए-17011/177/80-ए-6—राष्ट्रपति ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अभ्यार्थी श्री आर० एन० दत्ता को दिनांक 20-5-1985 के पूर्वाह्न से आगामी तक भारतीय निरीक्षण सेवा (ग्रुप-ए) के ग्रेड-3 की धातु-कर्म शाखा में सहायक निरीक्षण (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

2. श्री आर० एन० दत्ता ने निरीक्षण निदेशक, जमशेदपुर के कार्यालय में दिनांक 20-5-1985 के पूर्वाह्न से सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उसी कार्यालय में दिनांक 20-5-1985 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 10 जुलाई 1985

सी-18011/5/79-ए-6—पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय की दिनांक 4-2-1982 की अधिसूचना संख्या ए-6/247(388) का अतिक्रमण करते हुए राष्ट्रपति ने यह निर्णय लिया है कि श्री एस० सी० आनन्द की भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" (इंजीनियरी शाखा) में उच्च निदेशक निरीक्षण (इंजीनियरी) के पद पर पदोन्नति की तारीख 10-3-1970 (पूर्वाह्न) मानी जाएगी।

2. यह अधिसूचना श्री एस० सी० आनन्द द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर की गई सिविल रिट याचिका संख्या 403/85 के 14-3-1985 के निर्णय में दिए गए निर्देशों के अनुसरण में जारी की गयी है।

सोहन लाल कपूर, उच्च निदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० ई०I-2(1)/85(.)—अधोहस्ताक्षरकर्ता एतद् द्वारा श्री एस० सी० मुखर्जी को इस कार्यालय में दिनांक 1-7-1985 के पूर्वाह्न से अवकाश रिक्ति पर अस्थायी रूप से स्थानापन्न सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दीपक कुमार घोष, लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 10 जुलाई 1985

शुद्धि-पत्र

सं० 6961बी/ए-19012(1-एन० एम०)/83/19ए—
इस कार्यालय के दिनांक 16-11-84 की अधिसूचना संख्या 7728 बी/ए-19012(1-एन० एम०) 83-

19ए के अंतर्गत अधिसूचित भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री एन० मरान की नियुक्ति-तिथि 16-8-84 (पूर्वाह्न) के स्थान में 12-9-84(पूर्वाह्न) पढ़ा जाए।

दिनांक 12 जुलाई 1985

सं० 7103बी/ए-19012(श्री० एस०)/81/19बी—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (सर्वेक्षण) श्री एम० घोष को अधिकारी सर्वेक्षक के रूप में उसी विभाग में, नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 20-5-1985 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी, निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० ए-19012(164)/84-स्था० ए० पी० पी०—
दिनांक 1 जुलाई 1985 (पूर्वाह्न) को एन्थ्रॉप सेवा निवृत्ति लेने पर श्री आर० ए० मेघानी, स्थायी भण्डार पाल और स्वायत्त सहायक भण्डार अधिकारी को एतद् द्वारा 1 जुलाई 1985 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया गया है। और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

दिनांक 11 जुलाई 1985

सं० ए-19011(56)/84-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री टी० आर० शेषाद्री, स्थायी वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो से क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 19 जून 1985 के पूर्वाह्न से, तदर्थ आधार पर 6 माह के लिए या नियमित रूप से भर जाने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करने हैं।

पी० पी० वादी

प्रशासन अधिकारी

कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1985

सं० 17/17/85-एस०-4—पदोन्नति होने के परिणाम-स्वरूप निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरिंग सहायकों ने प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख से अगले आदेशों तक आकाशवाणी और दूरदर्शन के विभिन्न केन्द्रों/कार्यालयों में अस्थाई

क्षमता में सहायक इंजीनियर के पद पर का कार्यभार संभाल लिया है ।

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-85, दिनांक 9 जुलाई 1985

क्र० सं०	नाम	केन्द्र/कार्यालय	पदभार संभालने की तिथि
1.	श्री वी० पी० सहगल	आ०, सूरतगढ़	6-5-85 (पूर्वाह्न)
2.	श्री पी० भास्करन नाथर	दूरदर्शन केन्द्र, गोहाटी	20-5-85 (पूर्वाह्न)
3.	श्रीमती सुशीला कृष्णा- मूर्ति	आ०, मद्रास	5-6-85 (पूर्वाह्न)
4.	श्री जवाहर लाल सिंह	उ० श० प्र०, आ०, अलीगढ़	30-4-85 (पूर्वाह्न)
5.	श्री पी० वीरैया	एल० पी० टी० वी० आर० सी०, डिब्रुगढ़	10-6-85 (पूर्वाह्न)
6.	श्री टी० वी० वैद्यनाथन	दूरदर्शन केन्द्र, राजकोट	5-6-85 (पूर्वाह्न)
7.	श्री के० एस० प्रकाश राव	एल० पी० टी० आर० सी०, बलारी	31-5-85 (पूर्वाह्न)
8.	श्री नरेश भान साध	आकाशवाणी, लखनऊ	10-6-85 (पूर्वाह्न)

बी० एस० जैन
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० 4(33)/84-एस०-रू-विवाह के फलस्वरूप कुमारी एम० कलावती, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, मद्रास ने अपना नाम "श्रीमती कला रवि" रख लिया है और भविष्य में वह इसी नाम से जानी जाएगी ।

(ह०) अपठनीय
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

भारतीय वन सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 9 जुलाई 1985

क्रमांक 4-2/81-प्रशासन —श्री भूपति मोहन देव, त्रिपुरा वन विभाग के सहायक वन संरक्षण, जो कि भारतीय वन सर्वेक्षण, पूर्वी अंचल, कलकत्ता में सहायक निदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 14 जून 1985 की अपराह्न से कार्यमुक्त कर दिया गया है तथा उनकी सेवाएं त्रिपुरा सरकार को सौंप दी गई हैं ।

देवेन्द्र भूषण मिश्र, निदेशक

सं० पी० ए०/73(7)85-आर०-4/687—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र डा० भानुदास गोविन्द रानपिसे को निवासी चिकित्सा अधिकारी के पद पर भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में 24 जून, 1985 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की अवधि तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं ।

सं० पी० ए०/73(7)/85-आर०-4/688—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र डा० मुकेश दोदेजा को निवासी चिकित्सा अधिकारी के पद पर भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में 17 जून, 1985 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की अवधि तक अस्थायी रूप में नियुक्त कर रहे हैं ।

म० व० गाडगील,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 10 जून 1985

सं० जी० पी० एस०/41/17/85-प्रशा०/4654—परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखापाल श्री अम्बुल सत्तार हैदर शैख, को इसी निदेशालय में दिनांक 14-5-85 (पूर्वाह्न) से 12-6-85 (अपराह्न) तक रुपये 650-30-740-35-880-व० रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है ।

दिनांक 4 जुलाई 1985

सं० क्र० भंनि/41/2/85-प्रशा०/3903—परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भण्डारी श्री पी० बी० वाडके को इसी निदेशालय में दिनांक 13-5-85 (पूर्वाह्न) से 21-6-85 (अपराह्न) तक रुपये 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है । यह नियुक्ति सहायक भण्डार अधिकारी श्री एल० एच० बागवे के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिये छुट्टी प्रदान की है ।

सं० क्र० भंनि/41/18/85-प्रशा०/4615—परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भण्डारी श्री टी० जी० गिववानी को इसी निदेशालय

दिनांक 6-5-1985 (पूर्वाह्न) से 7-6-1985 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भण्डार अधिकारी, श्री सदानन्द के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिये छुट्टी प्रदान की है।

सं० क्रमनि/41/2/85-प्रशा० 4621—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भण्डारी, श्री जी० कुप्पुस्वामी को इसी निदेशालय में दिनांक 6-5-85 (पूर्वाह्न) से 7-6-85 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भण्डार अधिकारी, श्री एले मैथ्यू के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिये छुट्टी प्रदान की है।

पी० गोपालन
प्रशासन अधिकारी

निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400094, दिनांक 4 जुलाई 1985

सं० सी० ई० डी०/ए०/2(16)/4387—निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० बी० मोहनन्, अस्थायी सहायक लेखापाल, निर्माण एवं सेवा वर्ग को श्री एन० पार्थिवन, सहायक लेखा अधिकारी, जो छुट्टी पर गए हुए हैं, के स्थान पर दिनांक 10-6-85 (पूर्वाह्न) से 10-7-85 तक अस्थायी रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० के० कपूर
प्रशासन अधिकारी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1985

सं० ए-32013(मेट-1)/7/83-स्था० 1—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित मौसम विज्ञानी श्रेणी-II सहायक मौसम विज्ञानी को उसी विभाग में, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से अगला आदेश मिलने

तक, स्थानापन्न मौसम विज्ञानी श्रेणी-1 के रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	मौसम विज्ञानी श्रेणी-1 के रूप में कार्यभार संभालने की दिनांक
1.	श्री के० रामचंद्रन	10-9-1984
2.	श्री लखमी सिंह	1-10-1984
3.	श्री के० रतनम	29-6-1984
4.	श्री पी० एन० खन्ना	25-2-1985
5.	श्री के० के० चक्रवर्ती	25-2-1985
6.	श्री बी० के० होजरा	25-2-1985
7.	डा० बी० के० बासु	25-2-1985
8.	श्री आर० डी० वशिष्ठा	25-2-1985
9.	श्री बी० बी० सिंह	29-4-1985
10.	श्री ए० बी० मजुमदार	27-2-1985
11.	श्री वी० पी० वर्मा	21-3-1985
12.	श्री आर० के० बंसल	26-2-1985

एस० के० दास
मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं० ए-32013/7/83-ई० सी०—इस विभाग की अधिसूचना सं० ए-32013/7/83-ई० सी०, दिनांक 26 नवम्बर, 1984 के क्रम में राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित दो सहायक तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं और प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती का वर्तमान स्टेशन	स्टेशन जिस पर तैनात किया गया है	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
----------	-----	--------------------------	---------------------------------	------------------------------

सर्व श्री

1. एस० एस० वैमानिक कंग
संचार स्टेशन, अमृतसर
रेडियो निर्माण और विकास ए० ए०, नई दिल्ली
8-3-85
2. एच० सी० वैमानिक सचदेवा
संचार स्टेशन, जम्मू
वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली
20-5-85

उपर्युक्त अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति हो जाने से वे इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगे और तदर्थ आधार पर की गई सेवा नागर विमानन विभाग में न तो तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में बरीयता के प्रयोजन के लिए और न ही अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पात्रता के लिए गिनी जाएगी।

वी० जयचन्द्रन
सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

सं० ए-32013/2/82-ई० एस०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों की बरिष्ठ उड़नयोग्यता अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 1-5-84 से 31-8-85 तक एक वर्ष चार मास की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की अनुमति प्रदान करते हैं।

1. श्री एस० एस० नट
2. श्री एस० एस० कुनेर
3. श्री अनुपम बागची
4. श्री पी० एम० गोयल
5. श्री एच० एम० फुल
6. श्री मोहम्मद मुस्तफा
7. श्री एल० ए० महालिंगम
8. श्री देव प्रसन्ता घोष
9. श्री एल० एम० माथुर
10. श्री डी० पी० घोष

2. राष्ट्रपति, श्री एस० एल० बोहरा की बरिष्ठ उड़नयोग्यता अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 1-5-84 से 30-11-84 तक सात मास की अवधि के लिए जारी रखने की अनुमति प्रदान करते हैं।

एम० भट्टाचार्य
सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतलय

कानपुर, दिनांक 21 जन 1985

सं० 2/85—इस समाहृतलय के निम्नलिखित वर्ग "ख" अधिकारी अधिवर्षता की आयु पर उनके

नाम के सामने दी गई तारीख से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम व पद	दिनांक
सर्वश्री		
1. शान्ति स्वरूप	अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, कानपुर	31-1-84
2. आई० एम० के० शिवपुरी	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर-1 मंडल	31-1-84
3. एम० एन० कटारू	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बरेली मंडल	31-3-84
4. जे० पी० श्रीवास्तव	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर-1 मंडल	31-5-84
5. जी० आर० आनन्द	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीतापुर मंडल	31-5-84
6. पी० एस० अवस्थी	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, कानपुर	30-6-84
7. पी० एस० व्यास	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, आगरा मंडल	30-6-84
8. एस० जैड० अली	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सीतापुर, मंडल	31-8-84
9. एच० सी० दास अम्बा	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, आगरा मंडल	31-8-84
10. ए० पी० सिन्हा	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, कानपुर	31-10-84
11. सी० एल० दुबे	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अलीगढ़ मंडल	31-12-84
12. एस० के० घोशाल	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर-1 मंडल	31-1-85
13. पी० एस० सक्सेना	वहीं	28-2-85

जी० ए० मैगी
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं० 5/85—समाहृतलय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर के श्री एन० डी० मेथ्राम, सहायक समाहर्ता, समूह "क" निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30 जून, 1985 अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

आर० के० आदिम
उप समाहर्ता (कार्मिक एवं स्थापना)

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 8 जुलाई 1985

सं० 11-टी० आर० (2)/85(.)—राष्ट्रपति, श्री एस० के० मजूमदार को 10 जून, 1985 (पूर्वाह्न) से आमापी आदेशों तक तदर्थ आधार पर, मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में इंजीनियर अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 11-टी० आर० (3)/85(.)—राष्ट्रपति, श्री अमिताभ बनर्जी को रीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में तारीख 1-6-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, तदर्थ आधार पर, इंजीनियर अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० 7-टी० आर० (8)/85—राष्ट्रपति, भारतीय नौवहन निगम, बम्बई के कप्तान ए० के० मल्होत्रा को दिनांक 15 जून 1985 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष की अवधि तक प्र० पी० राजेन्द्र बम्बई पर नाटिकल अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त करते हैं।

अमिताभ चन्द्र

नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० ए-19012/1103/85—स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्रीमती रेनु मल, अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810 व० रो० 35-880-40-1000 व० रो० 40-1200-रूपये के वेतनमान में 24-5-1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थाई और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी श्रोत्रा

अवर सचिव

केन्द्रीय जल आयोग

2-176GI/85

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रमाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 24 जून 1985

सं० 2203/560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रमाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पि० वि० ई०
ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 24 जून 1985

सं० 4682/560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पि० वि० ई० ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और साहकिरान पेपर्स प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 24 जून, 1985

सं० 7624/560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर साहकिरान पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 और कैरली रबड़ फैक्टरी प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 26 जून 1985

सं० 3345/लिक/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कैरली रबड़ फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ए० विजयन मेनन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
केरल

कम्पनी अधिनियम 1956 और जनपदश्री
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई, 1985

सं० 16085/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जनपदश्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गोसेन एंड कम्पनी (इंडिया)
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 17646/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गोसेन एंड कं० (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ग्लास सिडिकेट प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई, 1985

सं० 17683/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ग्लास सिडिकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पाल ब्रदर्स (ग्रामब्रेला)

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 223/8/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी

जाती है कि पाल ब्रदर्स (ग्रामब्रेला) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मिलम क्राफ्ट प्राइवेट

लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 24568/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मिलम क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एवरेस्ट बुड प्राइवेट

एंड एलार्ड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 30228/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एवरेस्ट बुड प्राइवेट एंड एलार्ड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अलकनन्दा इंजिनियर्स

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 30776/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अलकनन्दा इंजिनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और साइंटिफिक साफ्टवयर

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 32375/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1955 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि साइंटिफिक साफ्टवयर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईस्टर्न कनसेसियनस लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 9552/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ईस्टर्न कनसेसियनस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० दास गुप्त
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में मै० शीला सिने कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड—स्वालियर के विषय में।

स्वालियर—474009, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० 2337/पी०एस०/सी०पी०/1627—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मै० शीला सिने कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, स्वालियर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स श्यामलाल जनकराज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

स्वालियर, दिनांक 12 जुलाई 1985

क्रमांक 1024/पी० एस०/सी० पी०/1041—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० श्यामलाल जनकराज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० करमारकर
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, स्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चांदी प्रोडक्शन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं० स्टेट/560/3127/3296—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन (3) मास के अवसान पर चांदी प्रोडक्शन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सनगोल्ड फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं० स्टेट/5228/3298—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सनगोल्ड फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लखबीर फाइनेन्स ट्रेडर्स और एक्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं० स्टेट/560/4538/3300—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन (3) मास के अवसान पर लखबीर फाइनेन्स ट्रेडर्स और एक्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बी० डी० चिट फण्ड एण्ड फाइनेन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 10 जुलाई, 1985

सं० स्टेट/560/3090/3302—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बी० डी० चिट फंड एण्ड फाइनेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी० एम० जैन
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कटक

कटक, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० एस० ओ०/एकजीसब/कटक/85-86/

342-48—अतः मुझे, आर० सी० सेठी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5203 है तथा जो मौजा बाखराबाद में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगित प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थगित प्रतिफल से ऐसे स्थगित प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय कुमार सिंह पिता श्री भावप्राही सिंह, ज्यामाही पोस्ट बक्शी बाजार, जिला कटक (उड़ीसा)।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री रोहीताश सिंह पिता रामधन सिंह, घाटशेर पोस्ट जिला पुलिस स्टेशन नांगल चौधरी।

जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)।

2. श्री एम० के० आवुजाकर पिता मृत एम० सरीफुद्दीन सैयदपुर पोस्ट/थाना बक्सी बाजार जिला कटक (उड़ीसा)।

3. श्री वीरसिंह पिता उमराउसिंह गांव नांगल पोस्ट रमुलपुर थाना कनीना जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)।

4. श्री प्रताप सिंह पिता प्रभाती लाल गांव नांगल पोस्ट रमुलपुर थाना कनीना जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)।

5. श्री बादरा आलम पिता एस० के० अवुजाकर सैयदपुर पोस्ट थाना विहारपुर जिला कटक (उड़ीसा)।

6. श्री हुसमरा बेगम पुत्री मृत मुहम्मद एम० एम० अली पोस्ट धुदाकुलाट थाना पहामुन्टी जिला कटक (उड़ीसा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा बाखराबाद, टाउन विशीतावर, राउसपाटना के नाम से पहचाना जाता है। थाना नं० 204 सी० एस० खाता नं० 1599 प्लॉट नं० 1833 एरिया एसीओ 383 डिसमिल और सी० एस० खाता नं० 1610, प्लॉट नं० 1835 ए० सी० ओ० 217 डिसमिल मौज ए० सी० ओ० 300 डिसमिल माड़ा रु० 3.50/- और भकान उसका होलडींग नं० 182/ए, डीड नं० 19 कटक म्युनिसिपैलिटी।

आर० सी० सेठी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 3-7-1985

माहर

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० 3/973/अर्जन/85-86—अतः मुझ, प्रबोध

कुमार दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हो० नं० 5 जुबली रोड, थाना विस्तुरपुर,
जमशेदपुर में स्थित है और वेलडीह ट्रेडिंग एरिया जमशेद
पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय, जमशेदपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 13-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कोथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मोहराव फिरोज दारोगा वल्द स्व० फिरोज
जमशेद दारोगा निवासी नं० 5 ब्लाक नं० 5-ए,
कोरामंगल बंगलौर-560034।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री याजेद सम कपाडिया वल्द सम सीर
बजी कपाडिया वेलडीह लेख थाना विस्तुरपुर
जमशेदपुर

2. श्री नासीर अरदेशित पिरोमावे निवासी
नं० 12 वेलडीह लेख जमशेदपुर

3. श्री दोराव मामिठ साव मिस्त्री वल्द
स्व० मामिठ साव दोरावजी मिस्त्री 12 हिल
भिवरोड, जमशेदपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि प्रावण समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय दो मंजिला मकान जिसका रकबा 312
एकड़ है तथा जो छी० नं० 5 जुबली रोड वेलडीह ट्रेडिंग
एरिया तथा थाना विस्तुरपुर जमशेदपुर में स्थित है एवं
जो पूर्ण रूप से वसिधा सं० 6519 दिनांक 13-11-84
में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन अवर निबन्धन जमशेद
पुर द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 10-7-1985

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) श्री नरेन्द्र शर्मा,
ताकिन—घरारी,
थाना—घोसी
जिला—गया।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना
भारत सरकार

- (2) श्री दुधेश्वर नाथ ठाण्डे,
सा०—पावार,
थाना—सदेश,
जिला—भोजपुर।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० 3/974/अर्जन/85-86—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दुबे;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 169/290 सी, टाइप सी,
ब्लाक-सी, प्लॉट नं० 29, बार्ड नं०-3 है, तथा जो कंकड़बाग
पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1998 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, नमूने दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन कट्टा में अधिक जमीन अथ एक मंजिला मकान के जो
सेक्टर-सी, मोहल्ला-कंकड़बाग, डाकघर-लोहियानगर, पटना में
स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण बसिका सं० 1-13699,
दिनांक 16-11-84 में वर्णित है और जिसका निबंधन सब
रजिस्ट्रार ऑफ एस्तेट्स, कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना।

तारीख : 11-7-85
माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

- (1) श्री एन० ए० एम० जाहावर सजिक,
2. श्री ए० नूजहान ।

(अन्तरक)

- (2) श्री के० एम० पातुमाल ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० 168/नवम्बर/84:—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल
राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० डोर सं० 11, मोर स्ट्रीट, मद्रास-1 है, जो मद्रास में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रेणी पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर डाकुमेंट सं० 2311/
84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करता हूँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०में दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कांक्षित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 11, मोर स्ट्रीट, मद्रास- 1
एम० आर० मद्रास उत्तरडाकुमेंट सं० 3211/84 .

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख : 12-7-1985.

मोहर :

प्रस्ताव आर्क.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निदेश सं० 169/नवम्बर 84 ---अतः मुझे के० वेणुगोपाल राजू

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उपरा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 3, है तथा जो सुन्कुराम चेटी स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर दस्तावेज सं० 3182/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती तारीजातम नागराज, (अन्तरक)

(2) एस० ए० एम० एस० अमिनाइ रहमा,
2. एस० ए० एस० एच० क्षिति भद्रमिता,
3. ए० अय्यत वजिहा,
4. ए० के० एम० सिति नागिरा ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परिभा-
ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 3, सुन्कुराम चेटी स्ट्रीट, मद्रास-1
एम० आर० मद्रास, उत्तर, दस्तावेज सं० 3182/84

के० वेणुगोपाल राजू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, मद्रास

दिनांक : 12-7-1985
साहिर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० 172 नवम्बर 84/—अतः मुझे के० वेणुगोपाल
राजू

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 39/2 है तथा जो तिदवहीपुर गांव
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर दस्तावेज
सं० 2998/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिनी
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्मातृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एम० एन्ड के० आर० सुन्दरम,
इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्रा० लि०,

(अन्तरक)

(2) पी० गीविन्द स्वामी

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण तिदवहीपुर गांव (सर्वे नं० 39/2)

के० वेणुगोपाल राजू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 12-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयुक्त, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 जून 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5817—अतः मुझे जे० एल०

गिरधर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
परिष्कार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन शक्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी वस्तु जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कल्लू राम पुत्र श्री आसा नन्द
घासी डब्ल्यू जी-480, मोहल्ला सुराज गंज,
जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री जसवन्त सिंह,
श्रीमती बलजीत कौर पत्नी गुरचरन सिंह,
घासी 338, गुस्तेगबहादुर नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 3271,
दिनांक नवम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
ने लिखा ।

जे० एल० गिरधर

मुख्य प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 28-6-1985

माहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. 1-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5820---प्रतः मुझे जे० एल०

ग्राहकालिया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य -

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री कसूरी लाल, राम नारायण चानन राम,
पुत्र गौरी दत्त पुत्र तुलसी राम,
बासी कोटकपुरा, जिला फरीदकोट

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती शीला देवी पुत्री चानन राम पुत्र रोमान,
पत्नी ओम प्रकाश बन्सल पुत्र सदापाम बासी बन्सल स्ट्रीट, कोट
कपूरा जिला फरीदकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाँच :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अगोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख में 244 दिनांक
नवम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा

जे० ए० स ग्राहकालिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

दिनांक 11-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 5821 और 5822—अंतर् मुझे

जे० एस० ग्रहलुवालिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है (और
जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो
बुढ़लाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुढ़लाडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर व दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मनीं देवी विश्वा जस्सी राम,
(घिलेख नं० 976) और
दिनेश कुमार, पुत्र शिवचरन दास
(घिलेख नं० 1125),
आर० ओ० बुढ़लाडा, जिला भटिण्डा

(अन्तरक)

(2) जगरूप सिंह पुत्र चेतन सिंह,
वासी मेन मार्केट, बुढ़लाडा, जिला भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ह है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुराची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि घिलेख नं० 976 दिनांक, 11/84
और 1125 दिनांक 12/84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बुढ़लाडा
ने लिखा।

जेस० ए० ग्रहलुवालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 12-7-1985
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) अध्यापक विभाग

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई-4/37ईई/13232/84-85--अतः मुझे

ए० प्रभाव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 133, जो 4 थीं मंजिल, "द्वारका अपार्टमेंट्स" अय पाली हिल्स, शांती आश्रम के पास, बोरिवली
(प), बम्बई-92 में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख
1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(2) श्री विरेन्द्र, सुरेन्द्र राजपूरकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 133, जो 4 थीं मंजिल, द्वारका अपार्टमेंट्स, अय
पाली हिल्स, शांती आश्रम के पास, बोरिवली (प), बम्बई-92
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/13223/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रभाव

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स विजय नगर कार्पोरेशन S

(अन्तरक)

(2) श्री रामलाल मुंधा ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/13127/84-85—अतः मुझे
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1407, जो, 14वीं मंजिल, इमारत नं०
57/58, योगी नगर प्लॉट नं० 57/58, एच० नं० (अंश), 5,
3, 14 और 17, एक्सप्रस रोड, बोरिवली (प),
बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका उपाबद्ध आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, "उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1407, जो 14वीं मंजिल, इमारत नं० 57/58,
योगी नगर प्लॉट नं० 57/58, एच० नं० (अंश), 5, 3, 14
और 17, एक्सप्रस रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/13127/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 1-7-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती माधुरी भाटिया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) श्री शांतीकुमार एम० कपाडिया और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) मेनर्स दत्तानी इंटरप्रायजेस ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई-4/37ईई/13428/84-85--अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 41, जो 4थी मंजिल, दत्तानी नगर
हमारन नं० 4, एम० वि० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में
स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिनका वारंतामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269कख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वये
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 41, जो 4थी मंजिल, दत्तानी नगर, हमारन नं०
4, एम० वि० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है ।
अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/13428/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री मुरलीधर गंगाराम कालरा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्री योगेशचंद्र चिमणलाल शहा और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/13342/84-85---अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, जो, ए-विंग, बोरिवली
गोदावरी को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, पहली कार्टर
रोड, बोरिवली (पू०), बम्बई-66 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिण कर रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 5, जो, ए-विंग, बोरिवली गोदावरी को-ऑप०
हाउसिंग सोसाइटी लि०, 1ली कार्टर रोड, बोरिवली(पूर्व)
बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-4/37-ईई/13342/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री वि० एम० दोशी ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एन० मोदी ।

(अन्तरिती)

(3) श्री श्री० एम० दोशी ।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं० आई-4/37-ईई/13535/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।और जिसकी सं० फ्लेट नं० 32, जो, ए-इमारत, पूनीता
फ्लेट ओनर्स को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एस०वि०
रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है। (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन तब तक के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;फ्लेट नं० 32, जो, ए-इमारत, पूनीता फ्लेट ओनर्स
को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एस०वि० रोड, कांदि-
वली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-4/37-ईई/13535/84-85
और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-7-1985

मोहर :

एक बार. डी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-4/37-ईई/13409/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लॉक नं० 15, जो, विंग-बी, विरा सदन, सवेर बाग, एस०वि० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: नहीं/हां

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों के, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या हो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री सुक्ला अनीलकुमार चंद्रकांत ।

(अन्तरिक)

(2) श्री हेमंत रमनलाल पाध्ये ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना प्राप्ति करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए कार्यवाही करना है ।

उक्त संपत्ति के बचन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्य—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त अधिनियम के बध्नाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बध्नाय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 15, जो, विंग-बी, विरा सदन, सवेर बाग, एस०वि० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-4/37-ईई/13489/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-7-1985

माहूर :

रकन बाई. टी. एन. एस. -----

(1) जय पाली विल्डर्स ।

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अविनाश एस० कुलकर्णी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन में सम्मन्ध में कोई भी वाक्षेप है—

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13158/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 117, जो, 4थी मंजिल,
"द्वारका अपार्टमेंट", जय पाली हिल, शांती आश्रम के पास,
बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि, यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
शत दिग्गमिचित अनुबोध है उक्त सम्पत्ति विहित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया जा सकता है—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के
वास्तव में कभी कथन या अनुबोध करने में दुविधा
के लिए अई/ब।

(ख) ऐसे किसी जाय या अधिकतम या अन्य वास्तविक
को, किन्तु भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्वेषणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने में सुविधा
के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वेषण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
विहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अन्वय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 117, जो, 4थी मंजिल, "द्वारका अपार्टमेंट";
जय पाली हिल, शांती आश्रम के पास, बोरिवली (प०),
बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-4/37-ईई/13158/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-7-1985

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अरविंद कुमार के० सोलंकी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० आर० शहा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/14860/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5 जो, चंद्र दर्शन को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 148, जवाहर नगर, गोरगांव(प०), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5, जो, चंद्र दर्शन को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 148, जवाहर नगर, गोरगांव(प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/14860/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 2-7-1985

मोहर :

राज्य बाह्य टी. एन. एल.-----

(1) श्री जकब पेसि एलिजाह।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कॉन्वूड इंटरिअर डेकोरेटर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14076/84-85—प्रतः मुझे,

ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो, इमारत नं० 18

गोकुलधाम हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, व्हिलेज डिडोशी और चिचोली,
गोरेगांव, बम्बई-63 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच इसे अंतरण के लिए तय नामा
महा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के
क्षयिण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के नामों पर—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो, इमारत नं० 18-बी, गोकुलधाम
हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, व्हिलेज डिडोशी और चिचोली, बोरि-
वली तालूका, गोरेगांव-मुलूड लिंक रोड, बम्बई-63 में स्थित
है।

अनुसूची जिसकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/14076/84-8
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 12-7-1985

अक्षर

प्रकट जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ऐरणाकुलम

ऐरणाकुलम, कोच्चिन, दिनांक 24 जून 1985

निर्देश सं० एल०सी० 759/84 86—अतः मुझे, सची
चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट
कोरपेरेशन में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय वेस्ट हिल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक के
स्वीक्षण में कमी करने या उससे बचने से सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनिः—

(1) श्री अम्बालि माधवी के लिए ए० कार्तिकेचन् ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रफीक के लिए आयिशु और
रफीना के लिए रंला ।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तारीख 12-11-1984 उपरजिस्ट्र कार्यालय वेस्ट हिल
के दस्तवज सं० 998 में सलगन अनुसूची के अनुसार
कालिकट कोरपेरेशन सर्वे सं० 19-21-605 में 41.09
सेन्ट भूमी के साथ दो मकान की 1/20 भाग ।

सची चौधरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ऐरणाकुलम

तारीख : 24-6-1985

मोहुर

उक्त आदेश टी. एन. एन. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, कोचिन 16, दिनांक 24 जून 1985

निर्देश सं० एल०सी० 761/85/86-अतः मुझे, सची
चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट
कोरपरेशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय वेस्ट हिल में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 12-11-1984 और 14-11-
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि वहापूँवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पञ्च
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाका क्या
प्रतिफल, विनिर्दिष्ट अनुपेक्षा से उक्त अन्तरक निर्दिष्ट
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बाधा, उक्त
अधिनियम के अधीन यह होने के अन्तरक के अन्तर
के कमी करने या उक्त करने में सूचना के लिए;
और/वा

(ख) एवम किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किन्ना जमा था, छिपाने में सूचना के लिए

(1) श्रीमति अम्बालि माधवी के लिये ए०
कतिकेथन् ।

(अन्तरक)

(2) श्री रफीक के लिये आयिगु और
रफीना के लिये अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन को लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जहाँहस्तासारी के पास
निहित में किए जा सकेंगे ।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

तारीख 12-11-84 और 14-11-1984, उपरजिस्ट्र
कार्यालय वेस्ट हिल के दस्तवेज सं० 998 और 1008
में सलगन अनुसूची के अनुसार कालिकट कोरपरेशन सर्वे
सं० 19.21.605 में 41.09 सेन्ट भूमि के साथ दो
मकान के 1/20 और 19/20 भाग ।

सची चौधुरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 24-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ई० एन० विलियम् ।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर एम०सी० प्रभाकर, सविता प्रभाकर, प्रवीण प्रभाकर और प्रज्ञा प्रभाकर "मैनेस्ट" के लिये डाक्टर एम० मि० प्रभाकर ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, कोच्चिन 16, दिनांक 21 जून 1985

निर्देश सं० एल०सी० 747/85-86—अतः मुझे, सभी चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मट्टाश्चेरी गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोच्चिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-11-1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—176 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

तारीख 12-11-1984, उपरजिस्ट्र कार्यालय कोच्चिन के दस्तवेज सं० 3316 में सलंगन अनुसूची के अनुसार मट्टाश्चेरी गांव सर्वे सं० 728/1 में 181/2 सेंट भूमि के साथ एक मकान सं० 12/1203, और चार दूकान कमरे सं० सीसी, 12/1301, 12/1302, 12/1304 और 12/1305 ।

मची चौधुरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 21-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, कोच्चिन-16, दिनांक 21 जून 1985

निर्देश सं० एल०सी० 756/85-86--प्रतः मुझे, सची
चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, ज। कोच्चिन
कोरपोरेशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कोच्चिन् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—

(1) श्रीमति शारदा

(अन्तरक)

(2) श्रीमति ई० के० पञ्चायनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तारीख 14-11-1984, उपरजिस्ट्र कार्यालय कोच्चिन
के दस्तवेज सं० 3353 में संलग्न अनुसूची के अनुसार
कोच्चिन् कोरपोरेशन् में 8.375 सेन्ट भूमि के साथ एक
मकान सं० VIII /1229 ।

सची चौधरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 21-6-1985

मोहर :

एकल भाई.डी.एन.एन.-----

(1) श्रीमति ई० के० पञ्चायती ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ई० एन० विजयनू ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम कोच्चिन 16, तारीख 21 जून 1985

निर्देश सं० एल० सी० 757/85-88—अतः मुझे सची
चौधरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोच्चिन
कोर्पोरेशन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
कोच्चिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 14-11-1984

का अधोस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की वारत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य कांस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधि-
नियम, में उक्त अधिनियम व
के अधीन, निम्नलिखित व्य

269-ब के अन्तरण
की उपभारा (1)
[5—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तारीख - 14-11-1984, उपरजिस्ट्री कार्यालय कोच्चिन
के दस्तावेज सं० 3394 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कोच्चिन
कोर्पोरेशन में 3 सेंट भूमि के साथ एक मकान सं० 14/628।

सची चौधरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 21-8-1985
गोहर 3

प्रकृप आई. टी. एन. एस.

(1) श्रीमति ई० के० पञ्चायनी।

(अन्तरक)

(2) श्री ई० एन० विजयन्

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 21 जून 1985

निर्देश सं० एल० सी० 758/85-86—अतः मुझे सची चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकोषभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निम्नांकित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोच्चिन कार्पोरेशन में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोच्चिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की गवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

को उक्त सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई जाकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तारीख 21-11-1984, उप रजिस्ट्री कार्यालय कोच्चिन के दस्तवेन सं० 3450 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कोच्चिन कार्पोरेशन में 8.900 सेट भूमि।

सची चौधरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 21-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 18 जून 1985

निर्देश सं० एल० सी० 754/85-86—अतः मुझे सची
धौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो
कालिकट टोण कललिक्कन्नू में स्थित है और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कालिकट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दख्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दख्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अन्तर्गत (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति मात्युद पेल जोन और अन्नमा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्विचि पानुम्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तारीख 29-11-1984 उप रजिस्ट्री कार्यालय कालिकट
के दस्तावेज सं 1056 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कालिकट
टाउन कालाथिलकुन्नु त्रेञ्ज सर्वे नं० 6-8-170 में 2.99 सेंट
भूमि के साथ पांच मकान कमरे ।

सची धौधरी

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 18-6-1985

मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 18 जून 1985

निदेश सं० एल० सी०/755/85-86—अतः मुझे, सची
चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके
द्वारा पदार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम
गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम
गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 28-11-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत के दायित्व
में आयी करों का उक्त अन्तरण में विविधता के बिना
और/वा

एकीकरण से और किसी अन्य वास्तविक
को जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अवधारण अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, विधान में विविधता
के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री तंजि होमस अलियास चौहान ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माया गोपालन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तरावधि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि दाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रिक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही पदों होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

तारीख 28-11-1984, उप रजिस्ट्री कार्यालय एरणाकुलम
के दस्तावेज सं० 3797 में संलग्न सं० अनुसूची के अनुसार
एरणाकुलम गांव सर्वे नं० 343/1 में 6.537 सेंट भूमि के साथ
एक डबल स्टोरी मकान ।

सची चौधरी

संलग्न प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 18-6-1985

मोहर :

प्रारूप आर्द्ध. टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०/एक्यु०/15/21/85-86---

अतः मुझे, सो० चं० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 200+0+2 है तथा जो टीमक्री नागपुर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1998 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-11-1984

को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्न अनुपातित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयिनी को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के अन्तर्गत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री शरफुद्दीन करीम चव्हाण
आनन्द भंडार के सामने, श्रमपेठ, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र रामदासजी गुप्ता,
टीमक्री बाजार, नागपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 200+0+2 को टीमक्री नागपुर में स्थित है।

सो० चं० जोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, नागपुर

दिनांक : 3-7-1985
मोहर :

प्ररूप माह. हो एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०/एकडु०/13/20/85-86—अतः
मुझे, मो० चं० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 152/5 है तथा जो मौजा सोमकवाडा, त०
जि० नागपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 29-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्रम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

6-176 GI/85

- (1) 1. श्री फकीरचन्व रघुनाथ चन्दनखेड़े,
2. श्री सुनीफ रघुनाथ चन्दनखेड़े,
चन्दन नगर, नागपुर
3. श्रीमती अतिल्याबाई यशवन्त जिवने,
कंठखाना, नागपुर
4. श्रीमती यांगोनाबाई नरेश सोनरवके,
घरमपेठ, नागपुर ।

(अन्तरक)

- (2) श्री मांजुर्न को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
तरफे, श्री पी० एम० इंगोले, प्रेसीडेंट,
बजाज नगर, नागपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों 45
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

3.00 एकड़ गैर कास्तकारी जमीन जिसका ख० नं०
152/5 है और जो मौजा सोमकवाडा त० जिला नागपुर में
स्थित है ।

मो० चं० जोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नागपुर

दिनांक : 1-7-1985

मोहर :

प्रकृप आई.डी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एवडी/12/20/85-86—

यतः, मुझे, एम० सी० जोशी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 ख नं० 119 है, तथा जो बैरामजी टाऊन
नागपुर में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर
हाकुमेंट सं० 5861) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 के अधीन, तारीख 19 नवम्बर, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान
प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिष्ठित है अधिवक्त
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
जैसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
इदोष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित
हो किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी बाध की निम्नलिखित, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्के भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रतनधीप कोभापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी बां तर्फे
श्री ही० एम० गंधुहा प्रेसिडेंट शेख कारोनी, नागपुर
(अन्तरक)
2. श्री पूषी पाल सिंह अचतार सिंह बैरामजी टाऊन, नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति को बचन के लिए
कार्यवाही करना है ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी
अवधि बाध में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिव के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बंधोहस्ताधारी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4 और उसके ऊपर बना मकान जो
ख० नं० 119, बैरामजी टाऊन, नागपुर।

एम० सी० जोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नागपुर

तारीख : 1-7-1985
मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकडी/19/2/85-88

प्रति: मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन यथम प्राधिकारी का, यह विवेक करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 237 250 है, तथा जो भोजा शिगबाई ठाकुर
नागपुर में स्थित है) और इससे उपाद्व्य अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, नागपुर
(डायमेट सं० 6744) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-11-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान
वैल्युएशन के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का
वर्ण्य प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-
रिती (अंतरांतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
व्ययित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एनी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अरुंधत राव/वर्जुन राजन,
(2) लक्ष्मण,
(3) श्रीमति अलपूर्णा अई,
(4) श्रीमति जीजाबाई कृष्णराव धोबटे,
(5) श्रीमति दीराबाई मनोहर राव भांगे,
(6) शिगाबाई ठाकुरी, नागपुर
(अन्तरक)
(2) राजाराम फो०-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०,
तर्फे श्री टी० जी० मानकर,
अध्यक्ष, सिविल लाइन, नागपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाई करने का है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

9.00 एकड़ खत जमीन जिसका ख नं० 237, 250 है
और जो भोजा शिगबाई ठाकुरी, तं० जि० नागपुर में स्थित है,

एम० सी० जोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 10-7-1985
बोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 9 जुलाई, 1985

निदेश सं० अई० ए० सी०/एक्सी/18/21/85-86—

अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० का० सकास 4880 है तथा जो प्लेट नं० 43 पर चन्द्रधर नगर, नागपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर (डाकूमेंट सं० 2403) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; या/वा

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दासोदर लक्ष्मणराव कतमकर,
43, चन्द्रधर नगर, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीनाक्षी सुरेश ओण्कर,
43, चन्द्रधर नगर, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान जिसकी म्यु० का० सं० 4880 है तथा जो प्लेट नं० 43 पर, चन्द्रधर नगर, नागपुर में स्थित है।

एम० सी० जोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नागपुर

तारीख : 9-7-1985
मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकसी०/16/21/85-86—

अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 10, जिसका बिल्डिंग नं० 541 है,
और प्लेट नं० 2 है अतः जो प्लॉट नं० 70 वेस्ट हाईकोर्ट रोड,
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर
(डाकूमेंट सं० 2329/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 16-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूय या अन्य सम्पत्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माधव राव नारायण राव धाडे,
(2) श्री श्रीधर राव माधव राव धाडे,
सिविल लाइन, नागपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री जानराव शामराव जी सावरकर
लक्ष्मी भवन, चौक मोतमारे बिल्डिंग धरमपेट,
नागपुर।
(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तगत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के पत्र
मिळित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 10, जिसका बिल्डिंग नं० 541 है अतः प्लेट नं०
2 है जो प्लॉट नं० 70 में वेस्ट हाईकोर्ट रोड पर स्थित है जिसका
एरिया 77.899 एकड़ है।

एम० सी० जोशी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नागपुर

तारीख : 10-7-1985

कोड

प्रकृष जाई.टी.एच.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 9 जुलाई, 1985

निर्देश सं०आई ए सी/एचवी 17/21/85-86-

अतः सू०, एम० सी० ओकी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 2, है तथा जो प्लेट नं० 291 पर,
लक्ष्मीनगर, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नागपुर (डाकूमेंट सं० 5806) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सू० यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संगत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अभिहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय का किसी धन या अन्य वास्तवों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमति आशा नारायण, नवनगुण
(2) श्री नारायण, नवनगुरु
कोल्हा पुर (म० स्टे०)

(अन्तरक)

- (2) कु० सुजाता कमलाकर,
कुलकर्णी 11, शंकर नगर,
नागपुर।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 02 जो प्लेट नं० 291 पर लक्ष्मीनगर, नागपुर
में स्थित है।

एम० सी० ओकी,
सक्षम अधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नागपुर

तारीख : 9-7-1985
मोहर :

उक्त बाई. टी. एच. एच.

(1) एलाईट थो. प्राप. हाउसिंग सोसाइटी लि.,
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विनय कुमार पाल।

(अन्तरिती)

सहायक आयकर

की यह सूचना जारी करके पब्लिक संपत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

कलकत्ता, दिनांक 19 जून, 1985

निदेश सं० ए० सी०-23/रेंज-2/कलकत्ता/85-88 —:

यतः मुझे, शेख नईरुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ब के अधीन सहायक आयकारी को, यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 3, है तथा जो विधान शिशु सरनि, कलकत्ता-54
में स्थित है (और इसे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-11-1984,ये पब्लिक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन
करने का कारण है कि यथापब्लिक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवहार प्रतिकर से, ऐसे व्यवहार प्रतिकर का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
है कि निम्नलिखित उपायय में उक्त अन्तरण विधि
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बात या विधि या अन्य प्राप्ति
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;1130 वर्ग फीट प्लॉट नं० 3, विधान शिशु सरनि
प्लॉट नं० 123, ब्लॉक नं०-1, कलकत्ता-54 में अब स्थित है।
दलील सं० —एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का
आई 13734।शेख नईरुद्दीन,
सहायक आयकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2 कलकत्ताधनः अथ, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की व्यवस्था
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की व्यवस्था (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

तारीख : 19-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एड. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) में बर्णित सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जून, 1985

निदेश सं० ए० सी० -22/आर०-11/कलकत्ता/85-86—

प्रति: सुश्री, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो विधान शिशु सरनि, कलकत्ता-54 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरांतरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दायमान की वजह से कमी करने या उसके बचने के उद्देश्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णाई :-

(1) एलाईट को-आपरखि हाउसिंग सोसाइटी लि०।
(अन्तरक)

(2) श्री समरेश सेनगुप्त।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को तब लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1130 वर्गफिट, प्लॉट 3, विधान शिशु सरनि, प्लॉट सं० 601, कलकत्ता-54 . स्थित है।

दलील सं० एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का आई० 13737।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-2 कलकत्ता

तारीख : 19-6-1985
माहूर :

प्रमुख कार्य, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जून, 1985

निदेश सं० ए० सी०-21/आर-11/कलकत्ता-85-86—

अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और इसकी 3 है तथा जो विधान शिशु सरनि कलकत्ता-54
में स्थित है, (और इसे उपाय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), राजस्वीय अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए० कलकत्ता
में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रा-
उल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्तित्व में कमी करने या उक्त करने में विधि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दृष्टि के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
7-176GI/85

(1) एलाइट को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० ।

(अन्तरक)

(2) विमान चन्द्र मुखर्जी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

1130 वर्ग फिट प्लॉट 3, विधान शिशु सरनि कलकत्ता,
प्लॉट नं० 413, कलकत्ता-54 में स्थित है ।

दलील सं० -एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का
आई 13827 ।

शेख नईमुद्दीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख : 19-7-1985

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जून 1985

निर्देश सं० ए० सी०-20/आर-2/कलकत्ता/85-86---यतः,
मुझे, शेख नईमुद्दीन,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विपश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो विधान शिशु सरनि, कलकत्ता-54
में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर०
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 17 नवम्बर, 1984

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विपश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एतद् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शाब्दिक में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के निम्न:
जी०/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भाग या अन्य जातिवा
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एलाइट को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
(अन्तरक)

2. श्री बिमान पाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सव्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोहस्ताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1130 वर्ग फुट प्लॉट 3, विधान शिशु सरनि, ब्लाक
नं०-2, प्लॉट नं०-223, कलकत्ता-54 में अब स्थित है।

दलित संख्या—एम० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का
आई 13735।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख : 19-6-1985

मोहर :

प्रकट नम्बर टी. एच. एच. - ३ - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० ए०सी० 2/रेंज-4/कल/85-86—अतः मुझे,

शंकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो हुगली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुगली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कथित होने के कमी करने या उसके बचने में विवाह के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहे या, छिपाने में सूत्रित हो कि—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुक्ति गोस्वामी

(अन्तरक)

2. श्री रामेन्द्र, सुन्दर, रामेन्द्र किशोर, रामेन्द्र रतन गांगुली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 4 काठा जमीन का साथ मकान।

पता—मौजा बालागढ़, थाना चुचुड़ा, जिला—हुगली

दलिल सं०—1984 का 7215।

शंकर के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 3-6-1985

मोहर

प्रकाशक श्री. टी. एन. एच. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयुक्त

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए० सी०-25/आर-2/कलकत्ता/85-86—यतः
मुझे, शेख नईमुद्दीन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का
अन्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/7 है, तथा जो बुडोशिवतला मेन रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 20 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल के पन्ना प्रतिफल
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण उचित में वास्तविक रूप से उचित
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, विपणन में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ओएसटारन इण्डिया कर्माशयल कम्पनि लिमिटेड
(अन्तरक)
2. जानवार मिल्स लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त उचित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

11 बिघा 4 कठ्ठा जमीन का साथ मकान, 5/7, बुडोशिवतला
मेन रोड, थाना—बेहाला, कलकत्ता में अब स्थित है। इस
प्राधिकारी के कार्यालय में 20-11-84 तारीख में रजिस्ट्री ई
रजिस्ट्री का क्रमिक संख्या 31।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख : 12-7-1985

और

प्रत्यक्ष प्रारूप में प्रकाशित

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० एसी-24/आर-2/कलकत्ता/85-86—यतः, मुखे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये के अधिक है

और जिनकी सं० 162 है, तथा जो जी-ब्लाक, न्यू आलिमपुर, कलकत्ता-53 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए की गई।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्री प्रद्युत कुमार मुखर्जी

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा राजदेव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1389 वर्ग फुट प्लॉट, नं०-162, जी-ब्लाक न्यू आलिमपुर, कलकत्ता-53 में अब स्थित है।

दलिल संख्या—आर० ए० कलकत्ता का 1984 का आई 13849।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख : 10-7-1985

माह 2

प्रत्येक भाग टी.एन.एन.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए०सी० 5/रंज-4/कलकत्ता/1985-86—यतः मुझे
शंकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 49 है तथा जो लाडानडा रोड़ में स्थित
है (और इससे 'उपाब्ज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
28 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, ऐसे अयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाग की वापस, उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या कि वा वास्तविक आदि, जिन्हें
द्विधा के विपरीत

जहाँ तक, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) इमि लियोनोरा पटन

(अन्तरक)

(2) प्रिन्डलेज बैंक

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—3 का० 12 छः 3 स्के० फिट जमीन का साथ मकान
पता: 49, लाडानडा रोड़, बार्जिलिंग
दलित सं०—1984 का 14266

एस० के० बनर्जी,
सक्षम प्राधिकारी,
आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज-4, कलकत्ता

दिनांक: 12-7-1985

मोहर

प्रश्न आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1957 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या बी०-130/एक्यू०—

यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तिमंजला मकाम है तथा जो गोला पर० हैदराबाद, जिला सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकताओं, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शंकुन्तला गुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्री बनवारी लाल कोडिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताभूती के पात्र सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

तिमंजला मकाम स्थित गोला पर० हैदराबाद, तह० मुहम्मदी, जिला-सीतापुर जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सीतापुर के कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1984 को किया जा चुका है। (जैसा फार्म 37-जी संख्या 5573 में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-7-1985

मोहर :

प्रकट बाह्य टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या सी-46/एक्यू०—यतः

मुझ, श्रीमती यू० कान्जीलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि नं० 445/1 है तथा जो ग्राम-देवर-
खेडा, तह० बिलारी मुरादाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26 नवम्बर 1984।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को खयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तथा तथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
राख्यिक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन यह होने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
की सिद्ध;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री सीता राम
2. श्री मान सिंह

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स चन्दौसी इण्डस्ट्रियल कोआपरेटिव द्वारा
चेयरमैन, श्री कमलेश चन्द्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 445/1, पैमाईसी 2-01 जिसमिल, स्थित
ग्राम-देवरखेडा, परगना और तह० बिलारी जिला-मुरादाबाद
जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के
कार्यालय में किया जा चुका है। (जैसा फार्म 37-जी संख्या
2625 में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-7-1985
मोहर :

प्ररूप बाई: टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एच-56/एक्यू०-----यतः

मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमिधरी आराजी नं० 58, 60 और 61
है तथा जो ग्राम धानीपुर, पर० खैराबाद जिला-सीतापुर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीतापुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 14 नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
प्राप्ति में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-176 GI/85

(1) 1. श्री गोपाल चन्द

2. श्री शधेयाम

(अन्तरक)

(2) श्री हरी चन्द गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमिधरी आराजी नं० 58, 60 और 61 पैमाईसी
1.31 एकड़ स्थित ग्राम धानीपुर पर० खैराबाद जिला
सीतापुर, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सीतापुर
के कार्यालय में दिनांक 14-11-1984 को किया जा चुका
है (जैसा फार्म 37-जी संख्या 3641 में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या के-154/एक्यू—यतः

मझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विषयम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 101ए है तथा जो ग्राम—मनिहार
गोटा, तह० खटीमा, जिला—नैनीताल में स्थित है (और इसमें
उपाय अन्तर्गत् में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरता
अधिकारी के कार्यालय सितारगंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26 नवम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में अस्तित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उमम बनने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कलम सिंह मियान

(अन्तरक)

(2) मेसर्स खैनात रेफरेंड्रीज (प्रा०) लि० लखनऊ

(अन्तरिती)

(3) क्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पाम लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 101ए, पैमाईसी 1 बीघा 18 बिस्वा 11
बिस्वान्सी और भूमि नं० 100 पैमाईसी 3 बीघा 3 बिस्वा
और 1/2, बिस्वान्सी, टोटल 5 बीघा 1 बिस्वा 11/1/2
बिस्वान्सी स्थित ग्राम—मनिहार गोटा, तह० खटीमा, जिला—
नैनीताल जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीरता अधिकारी सितारगंज
के कार्यालय दिनांक 26-11-1984 को किया जा चुका
है।

श्रीमती यू० कान्जीलाल,

मध्यम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-7-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एन.---

(1) श्री मदन लाल रस्तोगी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-य के अधीन सखम प्राधिकारी

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० नं० आर० संख्या के-155/एक्यू०—यतः

मुझे श्रीमती यू० कान्जीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सखम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीमती जी० आई० नं० 59 तथा जो कलकत्ता गंज जिला-फतेहपुर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्ययमान प्रतिफल से, ऐसे ब्ययमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, या भा अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर उक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिसमें उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कोई करने या उक्त अधिनियम में सुविधा के लिए, और/या

दो मंजिला मकान नं० 59, स्थित कलकत्ता गंज जिला फतेहपुर, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फतेहपुर के कार्यालय में दिनांक 15-11-1984 को किया जा चुका है (जैसा फार्म 37-जी संख्या 3357 में वर्णित है)।

जो ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी बातों बाधिए या, जिसमें से सुविधा के लिए;

श्रीमती यू० कान्जीलाल

सखम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-य की अनुसूची में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा 11 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 2-7-1985

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-223/एक्यू०—यतः

मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० महान है तथा जो मोहल्ला-दौलतबाग, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1984।

यदि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मूलखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित या प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया अन्तरण था, लिखित में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निर्मूलखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. हाजी आशक हुसैन
2. मो० फारूक
3. हाजी मो० यामीन
4. हाजी मो० इरफान
5. श्रीमती नूरजहां बेगम

(अन्तरक)

- (2) श्री मो० मुलेमान खां

(अन्तरिती)

- (3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पैमाईसी 214-26 वर्ग मीटर स्थित मोहल्ला दौलतबाग मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 8173 में वर्णित है (जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में नवम्बर, 1984 को किया जा चुका है।

श्रीमती यू० कान्जीलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-7-1985

माहिर

प्रकरण भाग. टी. एन. एन. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1980

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एन-95/एक्यू०—यतः

मुझे, श्रीमती यू० कान्तीलाल जां,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिनकी सं० भूमि है तथा जो मंजा बमेटा बंगर खीमा पर० भरवर खाता तह० हल्द्वानी जि० नैनीताल में स्थित (श्री० इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्राप्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

- (1) 1. श्री तरसेम सिंह
2. श्री सर्वजीत सिंह
3. हरजेन्द्र सिंह

(अन्तरक)

- (2) नेशनल लैम्पन इन्डस्ट्रीज लि० रजि० आफिम
डी-38 इण्डस्ट्रियल एरिया मेरठ रोड गाजियाबाद-
31

(अन्तरिती)

- (3) क्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्थित मंजा बमेटा बंगर खीमा पर० भरवर खाता तह० हल्द्वानी जिला नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी संख्या 2304 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हल्द्वानी के कार्यालय में दिनांक 29-11-1984 को किया जा चुका है।

श्रीमती यू० कान्तीलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, लखनऊ

दिनांक : 2-7-1985

माहिर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एस-369/एक्यू-यतः

मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जियवी सं० दो मंजिला मकान नं० 102/44 है तथा जो शिवाजी मार्ग, थाना कैसरबाग, लखनऊ में स्थित है (और इसका उत्ताद्वद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हर प्यारी देवी

(अन्तरक)

(2) 1. श्री शेख अब्दुल मुस्तलिब
2. श्रीमती अशरफ जहाँ

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माफ़े :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सह्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 102/44, पैमाईसी 1700 वर्ग-फिट स्थित शिवाजी मार्ग थाना कैसरबाग लखनऊ/जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में नवम्बर, 1984 को किया जा चुका है। (जैसा फार्म 37-जी संख्या 9939 में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-7-1985

मोहर

प्रमुख आई. टी. एच. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आ० संख्या एस-370/08यू०—यतः

मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें अनेकों संशोधन 'संशोधन अधिनियम' किया गया है), की धारा 269-ग के अधीन इसमें प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिसकी सं० मकान नं०, 352 है तथा जो हरिहर गंज, जिला-फतेहपुर में स्थित है (श्री० इसमें उपायुक्त अनुसूची में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल अन्तरित/अन्तरित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) जहाँ किसी आय का किसी धन या अन्य जाँचियों का निरीक्षण भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा सके या किया जाना चाहिए, या निष्पत्ति से निष्पत्ति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री देवा गंजर

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार सिंह चौहान

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिनके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास लिखित में किए गए सजा में।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 352 डी स्थित हरिहर गंज जिला-फतेहपुर, पैमाईसी 2334 वर्ग-फिट जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फतेहपुर के कार्यालय में किया जा चुका है। (जैसा फार्म संख्या 370 में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-7-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई०य०आर० संख्या एस-371/एक्यू०—यतः

मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्पत्ति करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो मोहल्ला बकसरिया,
जिला—शाहजहांपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय शाहजहांपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
के किन्हीं भारतीय नागरिक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रकोषार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किन्हीं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपरानु-
वर्त, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बालक राम रस्तोगी

(अन्तरक)

(2) 1. श्री श्याम सुन्दर कपूर

2. श्री विनोद कपूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की बर्तन को सिद्ध
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-
वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

बतुसूची

एक किता मकान मय भूमि पैमाईसी 140 वर्ग—मीटर
स्थित मोहल्ला बकसरिया जिला—शाहजहांपुर, जिसका पंजीकरण
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहजहांपुर के कार्यालय में नवम्बर,
1984 को किया जा चुका है।

श्रीमती यू० कान्जीलाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-7-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

1. कु० रश्मी सिंह

(अन्तरक)

2. श्रीमती सत्यवती देवी

(अन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-372/एक्यू०—यतः

मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो राश, पर० गोपामऊ,
तह० बजिला-हरदोई में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हरदोई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908
का 16) के अधीन, दिनांक 23 नवम्बर 1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्थिति
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, अन्तरण में कथित से दिनांक

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन उक्त उचित व्यक्तिगत व्यक्तियों, अर्पित :—

9-176 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कार्यवाहियों के पात्र
निमित्त से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराजी पैमाईसी 19 बीघा 13 बिस्वा और 10 बि-
स्वान्सी स्थित राश पर० गोपामऊ, तह० बजिला-हरदोई,
जिपका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हरदोई के कार्यालय
में दिनांक 23-11-1984 को किया जा चुका है (जैसा
फार्म 37-जी संख्या 3578 में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमतो प्रकाश मूर्ति ।

(अन्तरक)

भाषाकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के तहत मसूदा

(2) श्री उमा कान्त चतुर्वेदी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधीभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

काशीनय, सहायक नायकर नायक (निराशा)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

सं० जी० आई०आर० सं० यू०-41/एक्यू:-यतः मुने,
श्रीमती पू० कानजीबाल,
आर० ए० ए० ए० 1961 (1961 का 43) (प्रिम्) इसप्र
इस में ए० ए० ए० 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की भाग
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० पूर्ण क्रिनेट नं० 3 है तथा जो
नगरपालिका है (और इसे आबुद्ध पालुजी में पूर्ण रूप
में वर्णित है), निजीरता अधिनियम के कार्यालय, लाइनर में
निजीरता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 15-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यह अन्तरण के लिए उचित है।

(क) अंतरण से हुई किसी भाय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने का उसमें लब्ध होने योग्य अधिकार है।

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को बिना भारतीय करदाता के अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम या धन अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से संबंधित है।

कतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
नियमित निष्पत्ति स्थितियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पृथ्वी सम्पत्ति के भ्रजन के लिए आवश्यकिया करता हूँ।

सबसे संपन्न के वर्जन के लक्षण में यहाँ भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 गोखले मार्ग स्थित बिल्डिंग का पूर्ण फ्लैट नं० 3 का प्रथम तल का 1/6 हिस्सा, जिसका पंजाकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 15-11-1985 को किया जा चुका है।

श्रीमती य. ० कांजीलाल

सक्षम प्राधिकांरी

सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 2-7-1985.

माहिर :

अन्तर्गत बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आर्डी० आर० सं० 83/37 ईई/एक्यू०:—

यतः मुझे श्रीमती यू० कांजीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आश्वासन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 16 है तथा जो 24, न्यू बेरी रोड,
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
करारनामा जो कि अर्जुन क्षेत्र लखनऊ में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 30-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में अस्वीकार्य रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. मिर्जा हमीदुल्ला बेग (अर्थात् मिर्जा रशीदुल्ला
बेग),
2. मिर्जा अमीर उल्ला बेग,
3. तारीक मिर्जा असदुल्ला बेग,
4. अमीना रजिया रफत नाज बेगम ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती कौशल्या देवी,
2. पुष्पीन्दर कुमार अग्रवाल,
3. बलविन्द कुमार अग्रवाल,
4. मोहनन्दर कुमार अग्रवाल,
5. श्रीमती. मनीरमा, शर्मा
6. कु० सुजाना शर्मा,
7. राजीव शर्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह्म्यक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि प्लॉट नं० 16, पैमाईशी 40,000 वर्ग फीट स्थित 24,
न्यू बेरी रोड लखनऊ करारनामा जोकि अर्जुन क्षेत्र क्रम संख्या 98
पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 30-11-1984 को
पंजीकृत किया जारी चुका है ।

श्रीमती यू० कांजीलाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-7-1985

माहुर :

प्रमुख कार्य, टी.एन.एस.

(1) श्री बनवारी लाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स सक्सेना फार्म, वरेली ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायान्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० जी० आई० आर० संख्या 84/37 ईई/एक्यू०:—

यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पर्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जिनकी सं० खेतिहर जमीन है तथा जो ग्राम 'देशनगर, तह० नवाबगंज, जिला-बरेली' में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कारानामा जोकि अर्जन क्षेत्र लखनऊ, में आयकर अधिनियम 1961 के अर्जन दिनांक 30-11-1994

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपील :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बाद कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निकाला जाता पाया है, छिपाने में सुविधा के लिए;

खेतिहर जमीन पंमाईसी 9 बीघा 13 बिस्वा स्थित ग्राम—देशनगर तह० नवाब गंज, जिला—बरेली । कारानामा जोकि अर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 99 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 30-11-84 को पंजीकृत किया जा चुका है ।

श्रीमती यू० कान्जीलाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-7-1985

कोष्ठ 5

प्रमुख बाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

सं० जी० आई० आर० सं० 85/37 ईई/एक्यू०:—यतः
मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है, कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० आफिस नं० 21,22,23,24(ए०)(बी०)(सी०)
है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में करारनामा जोकि
अर्जन क्षेत्र लखनऊ, आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक
30-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् 3—

(1) मेसर्स हलवासिया प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०,
हलवासिया कोर्ट,
हजरत गंज,
लखनऊ ।

(अन्तरक)

(1) श्रीमती कमलीन सलूजा,
2. मास्टर जसजीत सिंह सलूजा,
द्वार पिता एवं एन० जी० श्री प्रित पाल सिंह सलूजा,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
गया है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, या उस अध्याय में
दिखा गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 21, 22, 23, 24 (ए०)(बी०)(सी०) सेक्टर फिलोर
पर, पैसाईसी 1192.27 कार्मन हाउस में, स्थित 11, एम० जी०
मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ । करारनामा जोकि अर्जन
क्षेत्र क्रम संख्या 100 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक
30-11-1984 को दिया जा चुका है।

श्रीमती यू० कान्जीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 2-7-1985.
सोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देशन नं० जी० आई० आर० सं० 86/37ईई/एक्यू०:—

यतः मुझे, श्रीमती गू० कांजीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० आफिस नं० 12 और 3 है तथा जो 11, एम० जी०
मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (आर इमरो
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय में करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र लखनऊ,
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 30 नवम्बर,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि०,
हलवासिया कोर्ट,
हजरत गंज,
लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) सरदार ईश्वर सिंह सलूजा,
कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 12 और 3 सेक्रेटरी फिलोर पर पैगाईसी
1003. 68 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित, 11 एम० जी० मार्ग,
हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ। करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र
क्रम संख्या 101 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक
30-11-1984 को पंजीकृत किया जा चुका है।

श्रीमती गू० कांजीलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ।

तारीख : 2-7-1985.

कोहर B

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-84/
1353:—अतः मझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 203 है तथा जो 47-48, प्रगती हाउस,
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
गृहीत गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में उचित
के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनि :—

(1) मै० सविता इन्टरप्राइजेज,
203, प्रगती हाउस,
47-48, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० रिचमंडो फैलकम त्रिवेगसोरम प्रा० लि०,
डी-414,
डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कटके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात्की व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 203, दूसरी मंजिल, तादादी-516, वर्ग फिट,
47-48, प्रगती हाउस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985.

मोहुर

प्राप्त आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/37 ईई/11-
84/1354 :—अतः मुझे, आर. पी. राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
‘1961 का अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री गजपती सं. प्लॉट नं. 603-ए है तथा जो 89, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज—
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख
नवम्बर 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि उपावृद्ध संपत्ति का दर्जित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री अशोक कुमार एन्ड सुरेश कुमार कक्कड़,
निवासी—ई-499, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता गोयल पत्नी श्री ओ० पी० गोयल,
निवासी—के० 8, एन० डी० एस० ई०-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की यावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

प्लॉट नं०-603, ए, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तावादी—
352 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : 8-7-1985.
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भाग 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/11-84/

1355—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भाग
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 303, है तथा जो 40-41
 नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
 अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली आयकर अधिनियम
 1961, के अधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 बन्दूक प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
 अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी नाम की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तर्गत
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
 10—176 GI/85

(1) श्री शेखर मेहरा,
 निवासी— ई/105, अरोड़ा कालोनी
 भोपाल (एम० पी०)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा अग्रवाल पत्नी श्री बी० एम० अग्रवाल
 कुमारी गीताजंली अग्रवाल जी/श्री श्री बी० एम०
 अग्रवाल मास्टर संगित अग्रवाल मास्टर सौरभ
 अग्रवाल सुपुत्र श्री बी० एम० अग्रवाल निवासी
 सी-65 स्वामी नगर, नई दिल्ली,

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० प्लॉट नं० 303, 40-41 नेहरू प्लेस नई
 नई दिल्ली, तादादी 57 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

सोहर ३

हस्त लिखित, टी. 9 नं. एन. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू० 1/37ईई/11-84/1356

—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
संशोधन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं०-1124 है तथा जो 89, नेहरू
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उद्घाटन अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधि-
नियम 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथाप्रोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वापस में कमी करने या उससे बचने से सूचना
के बिना; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया गया था किन्तु जो संपत्ति से
सूचना के बिना;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के अन्तर्गत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिः—

(1) सकीपर सेल्स प्रा० लि०,
22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रिता दुआ,
निवासी—एफ—एफ—11,
बजाज हाऊस, 97,
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रोक्त संपत्ति की अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक 1—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी अन्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

संपत्ति

प्लेट नं० 1124, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,

ताबादी-150 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-7-1985

मोहर :

प्रमुख बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० आई०ए०सी०/ए०यू०/1/37-ईई/11-84/1357

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० एस 339 है तथा जो ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किन्ना जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैजर्स पन्जवानी बुल्डिंग, स्टाल-7,
शंकर मार्केट, नई दिल्ली 4।
द्वारा श्री मान सिंह सुपुत्र श्री चन्दगी राम,
निवासी-बी-5/63,
आजाद एपार्टमेन्ट-3, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्री मनमोहन माइनी एन्ड संजीव माइनी,
निवासी-53, त्यागी रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर, तावादी-870 वर्ग फिट, एस-339,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-7-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष भाई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आ.ई.ए.सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/1358

—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरंजित्री सं० प्लाट नं० एम-339, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीरं इससे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिल्लेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) मेहर्स पन्जवानी बुल्डस,
स्टाल-7, शंकर मार्केट, नई दिल्ली,
द्वारा श्री मनसिंह सुपुत्र श्री चन्दगी राम,
निवासी-बी-5/83, आजाद एपामेंट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० के० बन्सल,
निवासी-एम-43,
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेनमेट फ्लोर, गारादी-900 वर्ग फिट, एस-339,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-7-1985

मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई.ए.सी.ए/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/1359

अतः मुझे, आर०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं० फाट नं० 108, है तथा जो 108, सुर्मा फ्लैट बिल्डिंग, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दृश्यमान प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आधिकारिक रूप से अधिगत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती निरा सहगल,
निवासी-6/15,
वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) जुबिटर मशीन प्रा० लि०,
एल-206, प्रैटोर बौलांग-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तादादी-620 वर्ग फिट पट्टी मंजिल, 320 वर्ग फिट मैजिनिन फ्लैट, 108, सुर्मा फ्लैट बिल्डिंग, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

आर०पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-7-1985
मोहर :-

प्रमुख भाग, डॉ. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/

1362—अंतः मुझे, आर०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० जी-5वी, है तथा जो 51-52, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुरूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गेडोर टुलस (इन्डिया) प्रा० लि०,
51-52, गेडोर हाऊस,
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोकिला देवी पत्नी श्री मदन लाल,
श्रीमती राबिल देवी पत्नी श्री द्वारका नाथ,
निवासी-डी-649, चित्तरंजन पार्क, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो तम अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-5वी, तादादी-553.81 वर्ग फिट,
51-52, गेडोर हाऊस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 8-7-1985

मोहर ॥

प्रश्न नम्बर टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1363---

अतः मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 405, है, तथा जो निर्मल टावर बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप में गृहीत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अवलोकन में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात् :-

1. श्री एल० आर० लुधरा,
निवासी ए-10, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विनोद बिहारी पत्नी श्री जोगिन्द्र बिहारी,
निवासी 16/16, शामनाथ मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिप्रेतक्षरी के माध्यम से निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पद्यों और बयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2, भाग, प्लॉट नं० 405, निर्मल टावर, 26 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादावी 235 वर्ग फिट, का आधा भाग।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 8-7-1985

मोहद :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1364—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० जी०एफ०-5 है, तथा जो साकेत नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमूर्ची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से स्थापित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी कटने या उबलने बचने में क्षति के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अधीन के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री ओमप्रकाश गुप्ता, एण्ड श्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता निवासी एन-99, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मास्टर अमित त्यागी एण्ड मास्टर अनुज त्यागी, निवासी एम-83, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदनुवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्साहरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ड्रो० सं० जी०एफ०-5, अनुपम सिनेमा, कम्प्यूनिटी सेन्टर, साकेत, नई दिल्ली, तादावी, 164 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1985

माहुर

प्रत्यक्ष, भारत, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन गणना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-1/37ईई/11-84/1365—

अतः मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-2 है, तथा जो 18, टोडर मल रोड, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में वृद्धि के कारण
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्तमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राप्ति
या प्रतिफल निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
प्रकट जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—176 GI/85

1. मित्र इन्टरप्राइजेज, प्रा० लि०
ई 4/15, मन्डेवानान, एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद जाविद,
7627-पी, दरोगा भवो, ब्रेश नगर,
सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कमरा नं० बी-2, बेसमेंट फ्लोर, तादादी, 315
वर्ग फिट, 18, टोडर मल रोड, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 5-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एन्यू-1/37ईई/11-84/1366—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-4 है, तथा जो 18, टोडरमल
रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उभावृद्ध अनुसूची में
और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय में अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण यह है कि किसी भाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
नहीं है; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. किज इन्टरप्राइजेज, प्रा० लि०
ई-4/15, सन्डेवाला, एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद, इरशाद,
7627-पी, दरोगा गली, खुरेश नगर,
सदर बाजार, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कमरा, नं० बी-4, बेसमेंट फ्लोर तादादी 433.7
वर्ग फिट, 18, टोडरमल रोड, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 5-7-1985
मोहर

प्रमाण नम्बर: डी. एच. एच. - - - - -

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1374-

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 26, है, तथा जो 17, बाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्बित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सवित्व में कमी करने या उससे कम में सूचना के लिए सूचित/घा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या वस्तु आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भारतीय आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्धनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, विभागे में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स गुजराल इस्टेट, (प्रा०) लिमिटेड,
17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रेनु आनन्द, और श्रीमती गीता आनन्द,
निवासी ए-69, ग्रुप इन्डस्ट्रीयल, एरिया,
बजीरपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उपरिक्त के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में मध्य परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 26, लोअर ग्राउन्ड, फ्लोर, जिया विल्डिंग,
17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 178.8 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-7-1985

प्रोहुर

प्रकृष आर्.पी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-1/37ईई/11-84/1367-

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-3 है, तथा जो 18, टोडर मल रोड,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि संप्रत्यक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तु से कमी करने या उचित करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी बात या किसी पद या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरित की जाया प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. ब्रिज इन्टरप्राइजेज, प्रा० लि०
ई-4/15, मकडेवालान, एम्सटेशन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री मोहम्मद असलम,
7627-पी, दरोगा गली, खुरेश नगर, सदर बाजार
दिल्ली।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करवा दी हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उक्त सम्पत्ति की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक कमरा न० बी-3, बेसमेन्ट, तादादा, 315 बग (फट,
18, टोडर मल रोड, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

* सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 5-7-1985

मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1368---

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-1, है, तथा को 18, टोडर मल रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अनुसूच सं 18 की बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को शायित्य में कमी करने या तससे बचने में सुविधा के लिए; बाह/बा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार यह, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. ब्रिज इन्टरप्राइजेज (प्रा० लि०)

ई-4/15, सन्डेवालान, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद खुर्रोद,

7627-पी, दरोगा गली/खुरेश नगर,
सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आप्रतिष्ठा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कमरा, एन०पी०बी०-1, बेसमेन्ट, फ्लोर, तादादी 650 वर्ग फुट; 18, टोडर मल रोड, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 5-7-1985

आह्वार

प्रमुख आई.टी.एन.एल. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मानकर बाधक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1369---

अतः मुझे आर० पी० राजेश

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 24 है, तथा जो कैलाश कालोनी
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन
रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के
अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
बहु प्रमाणित से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्व्य बास्तियों
की जिन्हें भारतीय बाधकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री देविन्दर कुमार आनन्द,
एफ-1/100, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विनय सुखानी,
निवासी बी-31, कलाश एपार्टमेंट, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुपस्थिति

शोप नं० 24, ग्राउन्ड फ्लोअर, अजित अरकाडी काम्पलेक्स
कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, तादादी 224 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-7-1985

मोहर :

प्रकृष माई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1370—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-423, है, तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निगों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री राम कुमार बहल (विंग कमान्डर रिटायर्ड)
नं० 2, रिबीरा मारिन, डरीव, बोम्बे ।
(अन्तरक)
2. श्री दिनेश कुमार जैन, (एच० यू० एफ०)
बी-422, डिफेंस, कालोनी, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० डी-423, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, तादादी 361 वर्ग गज ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 5-7-1985

मोहर

प्रकृष्ट भाग. टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

सादा प्रकृष्ट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई-11-84/ 1371—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग नं० 19, है, तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सम्बन्ध में कभी करने या उसने बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मैं० सुनी इन्टरप्राइजेज,
32-32, नेहरू प्लेस, फ्लैट नं० 403, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती रज्जना लक्ष्मीकिशोर,
कुमारी दीपिका लक्ष्मीकिशोर,
कुमारी अयोपति लक्ष्मीकिशोर
3/37, कानान कालोनी, मुजफ्फरनगर, (यू० पी०)
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग नं० 19, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी,
500 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 5-7-1985
मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-1/37ईई/11-8 4/1373--

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-267, ग्रेटर कैलाश, है, तथा जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों द्वारा ही प्राप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या किन्हीं में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—176GI/85

1. मै० कौशल्या कन्सल्टेशन

ए-7/2, न्यू फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बाने चन्द, मालु,

निवासी 11- अशोका रोड, 5-बी, श्रीनिकेतन, अलीपुर, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करा है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

संपूर्ण

यूनिट नं० 111, पहली मंजिल, और दूसरी मंजिल, के सामने का भाग (बरसाती) निर्माणाधीन भवन नं० एस-267 ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली तादादी, 2100 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 5-7-1985

प्रोडर ।

प्रूप. बाइ. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०-एक्यू-1/37ईई/11-84/1375—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-ए, ग्राउन्ड फ्लोर है, तथा जो बजाज हाउस, 97, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, - अर्थात् :—

1. ब्रिगेडियर एम० आर० दत्त, और
श्रीमती कौशल्या दत्त,
निवासी सी-12, चिराग इन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राम दुलारी गुप्ता पत्नी श्री राम रतन गुप्ता,
निवासी टी-12, ग्रीन पार्क, मेन नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्तुष्ट

प्रो० सं० 5-ए, ग्राउन्ड फ्लोर, बजाज हाउस, 97, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी, 310.35 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 5-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1376—

अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-375 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन दिनांक
नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे
व्यवमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक थे
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं० जकारिया शाहिद इम्पीक्स (प्रा०) लि०
97, अलि उमर गली, बोम्बे ।

(अन्तरक)

2. (1) मास्टर उमर लतिक सुपुत्र श्री इनामुल हक,
(2) मास्टर फहाद-इक्रम सुपुत्र श्री एकरमुल, हक
निवासी भाटि गली, मुरादाबाद (यू० पी०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
आवेदनार्थ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

तादादी 950 वर्ग फिट, प्लॉट नं० ई, दूसरी मंजिल,
एस-375 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-7-85

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भाउत चटुकाव

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1377—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० डी, एस-375 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-12, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जन :-

1. मैं जाकिरा शाहिद इमपक्स प्रा० लि०,
97, अलि उमर स्ट्रीट, बोम्बे।

(अन्तरक)

2. श्री हबीब-उर-रहमान,
द्वारा : मैं जाकिर सन्स इमपक्स,
लाल बाग, मुरादाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयाह्वयक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तावादी, 950 वर्ग फिट, फ्लैट नं० डी, पहली मंजिल, एस-375, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 5-7-1985

मोहर

प्रमुख बाई. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई-०.ए०.सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1378—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० डब्ल्यू-65, है, तथा जो ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संकेत प्रतिफल से अधिक है और अतः (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनमोहन चतरथ,
23, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. मै० कमाल डिवेलपर्स, एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०
जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

4/5 भाग, फ्लैट नं० डब्ल्यू-65, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली,
तावादी, 221.4 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 8-7-1985

कोष्ठ ३

प्रकृत आई.डी.एन.एन.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एव्यू-1/37ईई/11-84/1379—

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 112 है, तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के राज्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ, जो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गुह्य द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

1. मैसर्स गुजराल इस्टेट प्रा० लि०,
17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञान सिंह, सुपुत्र श्री सरदार सिंह,
निवासी 37-ए, गोविन्द नगर, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 112, बेसमेन्ट, फ्लोर, "विजया बिल्डिंग",
17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 221.4 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 8-7-1985

कीमत ४

एक वाद की पुनः एव —

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ०/1/37 ईई/11-84—

1380—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू-65 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जेन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव से कमी करने या उक्त कमाने में सूचना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मन मोहन चतुर्थ, 23, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता, एण्ड कमल डिवलपर्स एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जुन चतुर्थ, सी-168, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तादादी-2600 वर्ग फिट, कन्स्ट्रक्टिड, डब्ल्यू-65, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

मोहर

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84

1381—अतः मूले, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस बं० 7, है तथा जो 17, बाराखम्बा
रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन वा अन्य जातिस्थों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. म० गुजराल इस्टेट प्रा० लि०, 17, बाराखम्बा
रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री वेद रत्न अग्रवाल सुपुत्र श्री प्रकाश चन्द
अग्रवाल, निवासी—बी-179, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
सावधानियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

स्पेस नं० 7, लोवर ग्राउण्ड फ्लोर "विजया बिल्डिंग"
17, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तावादी—137 वर्ग
फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली; 110002

तारीख: 8-7-1985

मोहर:

प्रश्न बाढ़. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/137/ईई/10-84

1382—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 25, है तथा जो 3 एन्ड 4, साउथ एन्ड लेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-रक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—176GI/85

1. मै० कैलाश नाथ एण्ड एसोसियेट्स, 1006, कंचन जुंगा, 18 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अरुणा जाला, फ्लैट नं० 4-बी० 33 पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 25, तावादी-1820 वर्ग फिट, प्रोपोजिड मल्टी स्टोरीड ग्रुप हाउसिंग स्कीम, गोरी एपार्टमेंट, 3 एन्ड 4, साउथ एन्ड लेन, नई दिल्ली, और एक कार पार्किंग।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1985

मोहर

प्रत्यक्ष बाई. डी. एम. एच. * * * -

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-84/

1383—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग की प्रतीति द्वारा अधिनियम के अन्तर्गत अन्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक० एक०-110, है तथा जो 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

की प्रतीति द्वारा अधिनियम के अधीन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अधिनियम के अधीन किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-वर्ग अन्तरित इत्यादि प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, किन्तु न सुविधा के

1. श्रीमती बलजीतपबरा पत्नी गुप कैप्टन पी० एस० बरार, निवासी—एफ०-30, प्रगति विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. म० चोनडक इन्टरप्राइजेज, बी०-37, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों पर ध्यान दिया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित नब्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एफ०-एफ०-110, पहली मंजिल, सादावी-393 बर्ग फिट, मानसरोवर, 90, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, को :—

तारीख: 8-7-1985
मोहर:

प्रारूप आदेश टी. एन. एस. ----

1. मै० डी० एस० बुन्दर्स, ए-2/140, सफदरजंग इन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्रीमती उषा रानी एन्ड मुरजी धर अग्रवाल निवासी
105 नेहरू नगर आगरा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अग्रवाल हाउस,

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के माध्यम से लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/
1386—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू०-165, है तथा जो ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का शत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

अनुसूची

दूसरी मंजिल हाउस नं० डब्ल्यू०-165 ग्रेटर कैलाश
भाग-2 नई दिल्ली तादादी—800 वर्ग फिट।आर० पी० राजेश
सक्षम अधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली/नई दिल्ली-110002तारीख : 8-7-1985
मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सञ्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37-ईई/10-84/
1387—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० देविका टावर है तथा जो 6 नेहरू
प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख नवम्बर 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

1. मै० प्रगति कल्ट्रकशन कम्पनी (देविका टावर)
बोयी मंजिल सेटीला हाउस 73-74 नेहरू
प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० देविका इस्टेट मैनेजमेंट प्रा० लि० देविका
टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बेसमेंट फ्लोर और छत, देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली, ताशदी—

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष माह. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/10-84/
1388—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 8, है तथा जो 17, बाराखम्बा
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक की
कार्यवाही में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अनुसरण
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० गुजराल इस्टेट प्रा० लि०, 17, बाराखम्बा
रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्वरजीत सिंह सुपुत्र श्री गोपाल सिंह, निवासी
ई-569, ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 8, लोवर ग्राउण्ड फ्लोर, "विजया बिल्डिंग"
17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी—266.3 वर्ग
फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

माहउ

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जलाई 1985

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/
1389—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
आर० सी० की सं० स्पेस नं० 17, है तथा जो 17, बाराखम्बा
रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उदात्त अनसूची
में आर० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हताधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० गुजराल इस्टेट प्रा० लि०, 17, बाराखम्बा
रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्दरजीत सिंह सुपुत्र श्री गोपाल सिंह,
निवासी—ई-569, ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 17, सोवर ग्राउण्ड फ्लोर, "विजया बिल्डिंग"
17, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी-178.8 वर्ग
फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेदन सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/
1390—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर. जिनकी सं० फ्लैट नं० 303, है तथा जो प्लॉट नं०
36, कैलाश कालोनी, एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है
(आर. इसमें उपाबद्ध अनुसूची में आर. पूर्ण रूप से वर्णित
है), निम्नलिखित अधिकारी वे: कार्यालय, अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तर्गत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नाम्नांकक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) इस सूचना में कोई भी व्यक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
कोई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० ईलाइट डिवेनर्स प्रा० लि०, 115, अन्सल
भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती चम्पावती सी/प्रो० डा० चमन लाल
महलोत्रा, प्रोफसन एण्ड हैड आफ फार्मासोजी,
क्रिचियन मेडिकल कालेज, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो कि
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में कोई
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताधारी के
बाद लिखित में किया जा सकने:

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, प्रोजेक्ट ईलाइट हाउस, प्लॉट नं०
36, कम्युनिटी सेंटर, कैलाश कालोनी एक्सटेंशन (जमरूद-
पुर) नई दिल्ली, तादादी-492 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

मोहर :

प्रकृत्य आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/II-84/

1392—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्ज अर्जकी सं० फ्लैट नं० 20, है तथा जो 17, बाराखम्बा
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (अर्ज इससे उपाबद्ध अनुसूची
में अर्ज पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
सांस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
बाधना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, के लिए :—

1. मै० ए० बी० इस्टेट्स, 280, सूर्या किरन, कस्तूरबा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद खन्ना सुपुत्र स्व० श्री मदन मोहन
खन्ना, निवासी—एफ०-437-बी०, म्यू राजेन्द्र,
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 20, लोवर ग्राउण्ड फ्लोर, विजया, 17,
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी—178.8 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

माहुर :

प्रकरण जारी: सी. एच. एच. 32-11-84

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

अवगत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/
1394—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० सी०-302, है तथा जो पालम
एपार्टमेंट, विजयासम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे
उपाय अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रसंगिक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा कि वा चाहा जा रहा था, किताबों में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की व्यवस्था
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

14-176 GI/8

1. मे० चोपड़ा प्रोमोटर्स एन्ड विल्डर्स, 7-ए०/27
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी के० आर० बहवेद, निवासी—ई-9/19,
वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करती हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बन्धन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बन्धन में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० सी-302, दूसरी मंजिल, पालम एपार्टमेंट,
328/1, विजयासम, नई दिल्ली, सादाही—850 वर्ग
फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

प्रकृष भाई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/
1395-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० के०-202, है तथा जो पालम
एपार्टमेंट, 328/1, विजयवासन, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य जास्तिवां
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
अं०, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० चोपड़ा प्रमोटर्स एन्ड बुल्डर्स, 7-ए/27, डब्ल्यू
ई-ए०, कैरोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुनील मुखर्जी सी/श्री मै० अरोड़ा एन्ड एसो-
सियट्स, जी-एल-2, अन्सल भवन, कस्तूरबा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के नि
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अग्रसूची

फ्लैट नं० के०-202, पहली मंजिल, पालम एपार्टमेंट
328/1, विजयवासन, नई दिल्ली, तादादी-850 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

मोहर:

प्रकृष धार्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-84/
1396--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० एम-103 है तथा जो पालम
एपार्टमेंट, 328/1, विजवासन, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. म० चोपड़ा प्रोमोटर्स एन्ड ब्रसुल्डर्स, 7-ए०/27,
कैरोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा कपूर, ई-258, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एम०-103, ग्राउण्ड फ्लोर, पालम एपार्टमेंट,
328/1, विजवासन, नई दिल्ली, ताबादी-850 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

मोहर:

नवीन न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक

न्यायिक न्यायिक न्यायिक, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

न्यायिक न्यायिक

न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक (न्यायिक न्यायिक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/
1397—अर्जन मुक्त, आर० पी० राजेश,

न्यायिक न्यायिक न्यायिक, 1961 (1961 का 43) (न्यायिक न्यायिक)
इसके अन्तर्गत 'न्यायिक न्यायिक' का न्यायिक न्यायिक, की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्रकाशित की, यह सूचना करने का
कारण है कि न्यायिक न्यायिक, न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी०-101, है तथा जो पालम
एपार्टमेंट, 328/1, विजयवाहन, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाय न्यायिक न्यायिक में जोर पूर्ण रूप से वर्णित है),
न्यायिक न्यायिक अधिकारियों के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई
दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1984

को सूचना न्यायिक के अधीन सूचना न्यायिक से न्यायिक न्यायिक
न्यायिक के लिए न्यायिक की गई है और न्यायिक न्यायिक
करने का कारण है कि न्यायिक न्यायिक न्यायिक का अधीन सूचना
न्यायिक, इसके अन्तर्गत न्यायिक से ऐसे न्यायिक न्यायिक का न्यायिक
न्यायिक से अधिक है और न्यायिक (न्यायिक) और न्यायिक
(न्यायिक) के बीच ऐसे न्यायिक के लिए न्यायिक न्यायिक
न्यायिक, न्यायिक न्यायिक न्यायिक के अधीन न्यायिक न्यायिक
में वास्तविक रूप से न्यायिक नहीं किया गया है—

(क) न्यायिक से न्यायिक न्यायिक का न्यायिक न्यायिक
न्यायिक के अधीन न्यायिक करने के न्यायिक न्यायिक
न्यायिक में न्यायिक करने या न्यायिक न्यायिक में न्यायिक
के लिए; न्यायिक/न्यायिक

(ख) न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक
को, न्यायिक भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या न्यायिक अधिनियम, या
न्यायिक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधीन न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक
न्यायिक या न्यायिक न्यायिक न्यायिक या न्यायिक में न्यायिक
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
न्यायिक, न्यायिक अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, न्यायिक न्यायिक न्यायिक, न्यायिक—

1. मै० चोपड़ा प्रोमोटर्स एण्ड बिल्डर्स, 7-ए०/27,
उल्हू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिक)
2. मै० के० एल० पी० फाइनांस लि०, ई-29,
साउथ एक्सटेंशन भाग-2, नई दिल्ली।
(अन्तरिक)

न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक के न्यायिक के लिए
न्यायिक न्यायिक करता है।

न्यायिक न्यायिक के न्यायिक के न्यायिक में न्यायिक भी न्यायिक—

(ख) इस सूचना के अन्तर्गत न्यायिक न्यायिक की तारीख से
45 दिन की न्यायिक या न्यायिक न्यायिक न्यायिक पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की न्यायिक, जो भी
न्यायिक न्यायिक में न्यायिक होती हो, के भीतर न्यायिक
न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक;

(क) इस सूचना के अन्तर्गत न्यायिक न्यायिक की तारीख से
45 दिन के भीतर न्यायिक न्यायिक न्यायिक में न्यायिक
न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक के न्यायिक
न्यायिक में न्यायिक या न्यायिक।

न्यायिक न्यायिक—न्यायिक न्यायिक न्यायिक न्यायिक का, जो न्यायिक
न्यायिक, के अध्याय 20-क में न्यायिक
है, न्यायिक न्यायिक, जो न्यायिक अध्याय में न्यायिक
है।

न्यायिक

फ्लैट नं० सी०-101, ग्राउण्ड फ्लोर, पालम एपार्टमेंट,
328/1, विजयवाहन, नई दिल्ली, तारखी—850 वर्ग
फिट।

आर० पी० राजेश
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 8-7-1985
मोहर

प्रकाश भाई. टी. एन. एम्.

1 मै० चोपड़ा प्रोमोटर्स एण्ड बुल्डर्स

7-ए/27, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० अनिल गर्ग एण्ड श्रीमती अल्का गर्ग, निवासी—

ई-60, ग्रेटर कैलाश इन्क्लेव-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37-ईई/11-84/

1398—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-202, है तथा जो पालम
एपार्टमेंट, विजवाहन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारियों के कार्यालय, अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली,
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख
नवम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए एक पावा पत्र प्रवि-
ष्ट निम्नलिखित अनुबन्धों के अन्तर्गत विहित के वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी भाव की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
वास्तु में कमी करने या उससे बचने में प्रविष्ट,
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तुओं
की चिन्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
प्रविष्ट के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करने का है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के अन्तर्गत में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबधुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात
निहित में किए जा सकेंगे।

समाप्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त सबको यदि बचों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-202, पहली मंजिल, पालम एपार्टमेंट,
विजवाहन, नई दिल्ली, तादादी—850 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/27-ईई/11-84/

1399-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्रेषित करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० एम-204, है तथा जो पाल्म एपार्टमेंट, 328/1, विजयवन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के तहत तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिये था, छिपा में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० चंदा प्रोमोटर्स एन्ड विल्डर्स, 7-ए/27, डब्ल्यू० ई० ए०, रोड बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बी० के० अपूर, निवासी—ई-258, ग्रेटर कैलाश -1, नई दिल्ली।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एम-284, पहली मंजिल, पाल्म एपार्टमेंट, 328/1, विजयवन, नई दिल्ली, तादादी—850 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

मोहर :

प्ररूप नार्, टी. एन. एम.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
अधिनियम (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37ईई/11-84/-

1400--अर्ज सं० आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-6 है तथा जो कैलाश एपार्टमेंट, लाजपत
राय रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961,
के अधीन तारीख तदम्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अत्यधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निहित आस्त्यिक
रूप में अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
सहित में करी करने या उसके करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यिक
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट करने के लिए
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें से सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिना नीधरी डी/अ० नं० हनुमान सिंह,
निवासी-कैलाश एपार्टमेंट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मास्टर धिरज पामी

जन्म तिथि 29-10-1969

माइनर यू०/जी०

पिताजी श्री हरीश कुमार पामी,

निवासी-बी-8, कैलाश एपार्टमेंट,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकट किये गए और पथों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर, फ्लैट, नं० बी-6, एन० किचन, 2 बेड
रूम, 1 सर्वेन्ट रूम, डबलू-सी० कैलाश एपार्टमेंट, लाजपत
राय रोड, नई दिल्ली तादादी—1100 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37ईई/11-84/-

1401--प्रतः सूझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं०-11, है तथा जो फ्लैट्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख नवम्बर-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पड़ा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिबों का, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिये था छिपाने में के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० युनाईटेड बिजनेस प्रा० लि०,
702, विशाल भवन,
95, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार धवन
और श्रीमती प्रमिला धवन,
सी/ओ श्री बी० एल० खन्ना एन्ड सन्स,
निवासी-61/2165, गुरुद्वारा रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बालीब ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं०-11, फ्लैट्स कालोनी, नई दिल्ली तादादी-1827
वर्ग फिट ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

मोहर ३

प्रथम भाग, टी. एच. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 5 जुलाई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5809—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 347/1/2 ग्राम
बावड़िया कलां, जिला भोपाल में स्थित है (और इससे उपायद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकारी के
कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रारकी अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्याप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वस्तु उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कसी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
बोर्ड/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—166 GI/85

1. श्री जीत मल
(2) नन्द किशोर
रामनारायण पुत्रगण
श्री हजारीलाल
निवासी-बावड़िया कलां,
जिला भोपाल।

(अन्तरक)

2. चेयरमैन दि हेली आस कापरेटिव हा० सोसायटी
लिमि०
भोपाल द्वारा अध्यक्ष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उक्तों से अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 347/1/2, ग्राम बावड़िया कलां, जिला
भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नं० 37 जी० में लिखित
है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल)

तारीख 5-7-1985

मोहूर

इसका नाम: डॉ. एम. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल**

भोपाल, दिनांक: 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० आर्ई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3810—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक मंजिला मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शौकत जव
पत्नी खलील अहमद अंतारी
निवासी चौकी तलैया भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परवेज हुसैन
पत्नी जव्वार हुसैन एवं
श्रीमती फर्जाना पत्नी जावेद अली निवासी-
नूर महल, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 33 पर निर्मित मकान, सी मेक्टर, इन्द्रपुरी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण निभरण अन्तरिती द्वारा अत्यापित फार्म नम्बर 37 जी० में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 5-7-1985

माहुर :

प्रारूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 5 जुलाई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5811--अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 466/2, 463, 464, 464/4 है, तथा जो ग्राम सलैया जिला भोपाल में स्थित है (और इससे उवाच्य अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1984

की पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी लाभ या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री मांगीलाल पिता बोदर लाल
निवासी-सलैया जिला भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री अरार० के० मालवीय
पिता प्यारेलालजी
एवम् वी० एन० जयसवाल
वास्ते सहुबादु गृह निर्माण सहकारी समिति सस्था
मर्या० भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 466/2, 463, 464, 464/4, ग्राम सलैया तह० हजूर जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी० में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 5-7-1985

मोहर ७

प्रकृ. भाई. टी. एन. एच. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जेन/भोपाल/5812—अतः
मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 10 पर बना मकान है, तथा जो
ग्राम आनन्द नगर जिला भोपाल में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उच्छेद करने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के संबंध में

(1) श्रीमती कृष्णा भस्मे
पिता श्री विनोबा भस्मे
निवासी-तुलसी भवन,
आनन्द नगर, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णा भोपाल लिटोरिया
पिता भैयालाल लिटोरिया
नि० क्वा० नं० 72/2एन-2 बी०
सेक्टर, गोविन्दपुरा, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10 पर बना हुआ मकान, ग्राम आनन्द नगर,
भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी० में
निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-7-1985
मोहर :

प्रकाशक: टी. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउत सरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5813—अतः
मुझे एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक मकान नं० 26 है, तथा जो साकेत नगर,
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गइ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
नहीं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
नहीं, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत :-

(1) लेफ्टी० कर्नल मदन मोहन मुकुर्जी
आत्मज स्व० श्री ज्योतिष चन्द्र मुकुर्जी,
निवासी 129, डी० डी० ए० (एम० आई० पी०)
फ्लैट्स, शेख-सराय-1, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) दौलत कुंवर
पत्नी ठाकुर पृथ्वीराज सिंहजी विडवाल,
निवासी 171, अनुपनगर, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 26 जो कि साकेत नगर, इन्दौर में स्थित है।
यह वही स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा
सत्यापित फार्म नं० 37 जो० में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-7-1985
मोहर

प्रथम भाग: टी. एन. एच. :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल तारीख 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5814—अतः,
मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है—

और जिसकी संख्या भूमि खसरा नं० 311/2 है, तथा जो ग्राम
नैनंद तहसील इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (190
का 16) के अधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसमें दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निष्ठ में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कार्यक्रम में कमी करने या उसके अन्तर्गत में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती दौलतबाई
पिता श्री शिवरामसिंहकी ठाकुर,
निवासी चौथी पलटन खासबर दार लाईन,
इन्दौर

(अन्तरक)

- (2) (1) उषाहाई पति विजयसिंह
निवासी 59, महावीर मार्ग गांधीनगर,
इन्दौर
(2) श्रीमती प्रमिलादेवी पति
श्री कैलाशचन्द्र निवासी 42/1,
शेकरगंज, इन्दौर,
(3) श्री संजयसिंह पिता श्री विजयसिंह
आ० पा० क० विजयसिंह
पिता श्री मज्जासिंह निवासी 59, महावीर मार्ग,
गांधीनगर इन्दौर,
(4) श्रीमती छाया पति श्री गोपाल, श्रीवास्तव
निवासी 130, रूपराम नगर,
इन्दौर,
(5) धर्मदेव पिता मुरलीधर निवासी 59 महावीर
मार्ग, इन्दौर
(6) श्रीमती जानकीबाई
पति रामचन्द्र कल्याणी निवासी 72/2, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 311/2 है जो ग्राम नैनंद तह० इन्दौर में
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं०
37 जी० में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया
है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-7-85

मोहर :

रूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5815-— अतः

मुख्य, एम० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खसरा नं० 311/1 है, तथा जो ग्राम नैनोद, तहसील व जिला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री प्रतापसिंह,
सन आफ श्री हनुमन्सिंगजी ठाकुर,
निवासी गांधीनगर,
इन्दौर।

(अन्तरक)

- 2, ऊषाबाई पत्नी श्री विजयसिंग,
निवासी 56, महावीर मार्ग,
(2) प्रमिलादेवी पत्नी श्री कैलाशचन्द्र यादव,
निवासी 42/1 शक्करगंज, इन्दौर
(3) संजयसिंह आत्मज श्री विजयसिंग (नाबालिग)
द्वारा संरक्षक श्री विजय सिंह
आत्मज मन्ना सिंह,
गांधीनगर, इन्दौर
(4) श्रीमती छाया पत्नी श्री गोपाल श्रीवास्तव,
निवासी रूपराम नगर,
इन्दौर।
(5) धर्मदेव आत्मज श्री मुरलीधर
निवासी 56, महावीर मार्ग,
गांधी नगर, इन्दौर
(6) श्रीमती जानकी बाई पत्नी रामचन्द्र,
निवासी 72/2, शक्करगंज,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 311/1 जो कि ग्राम नैनोद तहसील व जिला इन्दौर में स्थित है। यह वही स्थावर संपत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-7-85

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक: 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5816--अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 221, खातीवाला टैंक (स्कीम
नं० 44) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के
कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अब्दुल बहाब खान
पिता श्री अब्दुल बहोद खान,
निवासी 222, खातीवाला टैंक, इन्दौर
मुख्त्यार श्री रतननाल
पिता श्री छोगामल जैन,
निवासी 19-ए, महेश गाड लाइन,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल मजीब
पिता श्री मोहम्मद इसाक
निवासी 37/3, मोहनपुरा,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तक्षेप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 221, है जो खातीवाला टैंक (स्कीम नं० 44),
इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण
फार्म नं० 37-जी० में लिखित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित
किया गया है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 8-7-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पटना रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक, 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5817—अतः

मुझे एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि की संख्या भूमि खतरा नं० 291 है, तथा जो ऐमार्गिद
बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उभावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी के कार्यालय बुरहानपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
वायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—176 GI/85

(1) श्री भद्रानन्द मिश्रा श्री भोलीनन्द सेठ
मिर्दीवाली सिंगुल, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) द इंडियन लेबर को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसाटी,
बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खतरा नं० 291 है जो ऐमार्गिद, बुरहानपुर में
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसे विवरण फॉर्म नं०
37-जी० में निहित है तथा अर्जिती द्वारा सत्यापित किया गया
है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-7-85

मोहर :

प्रकट जाई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5818—अतः

मुझे एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 75/1 (ब्लॉक नं० 30) है, तथा जो चौक, बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतराकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हाजी खुदा बक्ष बाह मोहम्मद,
चौक, बुरहानपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमलादेवी
पति श्री श्रीवालयजी जैन,
लालबाग रोड, बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावर के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 75/1 ब्लॉक नं० 30) है जो चौक, बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी० में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारा संस्थापित किया गया है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 8-7-85
कोट्टर B

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5819—अतः

मुझे एस० सी० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या "मुकुट टाकीज" है, तथा जो शंकर वाडे,
भाटापारा, जिला रायपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय भाटापारा में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, मध्यम्वर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की इच्छमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इच्छमान प्रतिफल से, ऐसे इच्छमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री केशोजी भाई सोलंकी
(2) मुकुट भाई सोलंकी
(3) चटावर सिंह सोलंकी,
भिवासी शंकर वाडे,
मुकुट टाकीज, भाटापारा,
जिला रायपुर।

(अन्तरक)

- (2) श्री सतीश कुमार
आत्मज श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल
(3) श्री बिहारी हनुलाल आत्मज श्री मोहनलाल
अग्रवाल द्वारा शंकर वाडे,
मुकुट टाकीज, भाटापारा,
जिला रायपुर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"मुकुट टाकीज", जो कि शंकर वाडे, भाटापारा, जिला
रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 8-7-1985

मोहर :

प्रकाश जाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5820—अतः

मुझे एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खसरा नं० 1295 (पी० एच० नं०
78) आर० नं० 269 है, तथा जो नया अपापारा, दुर्ग में स्थित
है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1984
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके सम्बन्धित प्रतिफल से, ऐसे सम्बन्धित प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
है कि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में अस्तित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
द्वयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गणेशीलाल एचम् श्री रमेश प्रसाद,
आत्मज श्री सुखदेव प्रसाद गुप्ता,
निवासी शनीचरी बाजार,
दुर्ग (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री गजानन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमि०,
अमापारा मोहन नगर,
दुर्ग, द्वारा
अध्यक्ष श्री विट्ठल आत्मज श्री कृष्णाराव सखरकर
निवासी मोहन नगर,
दुर्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

लक्ष्योद्देश्यः—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि खसरा नम्बर 1295 (पी० एच० नं० 78, बी एम
269) जो कि नया अपापारा, दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर
सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित
फार्म नं० 37 जी० में लिखा है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 8-7-85

मोहर 8

प्रकट नाम टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5821—अतः

मूझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या तीन मंजिले मकान का ग्राउण्ड फ्लोर है, तथा जो लाजपत कुंज, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपरान्त अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भगवानदास रूपचन्दानी
आत्मज श्री भूलचन्द रूपचन्दानी,
1071 नेपियर टाउन,
जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनीलकुमार जैन,
आत्मज स्व० श्री गरीबदास पखार,
निवासी 87, नर्मदा रोड,
जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिले मकान का ग्राउण्ड फ्लोर जिसका नगर-पालिका निगम का नं० 1071 है तथा जो लाजपत कुंज, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख : 8-7-1985
मोहर

प्रकृष माह. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5822—अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 102 एवं 102/1, लार्डगंज,
जबलपुर है, तथा जो लार्ड गंज वार्ड, जबलपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्राप्ति से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री विशम्बर नारायण
आत्मज श्री रामनारायण तिवारी,
आर/मो० 102, 102/1, लार्डगंज,
जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कस्तूरचन्द आत्मज गोपालदास जैन
(2) शीलचन्द (3) पन्नालाल (4) कालूराम
(5) राजेन्द्र, समस्त पुत्र श्री कस्तूरचन्द जैन
निवासी शाहपुरा बिट्टोनी,
तहसील पट्टन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुज्ञा

मकान, जिसका नं० 102 एवं 102/1 है तथा जो लार्डगंज
वार्ड, जबलपुर में स्थित है यह वही स्थावर सम्पत्ति है, जिसका
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी०
में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 8-7-1985

मोहर *

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5824--अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भवन दो मंजिला है तथा जो सिविल
स्टेशन चार्ज, रायपुर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिपती के कार्यालय
रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेश कुमार व्यास,
निवासी हास्पिटल चार्ज राजातालाब,
रायपुर।

(अन्तरक)

2. (1) अल्लादीन फरिश्ता
(2) अनवर अली फरिश्ता,
(3) अमीर अली फरिश्ता,
(4) आरिफ अली फरिश्ता,
(5) सुगद अली फरिश्ता,
सभी निवासी 2/2, शैलेन्द्र नगर,
रायपुर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला भवन, जो कि सिविल स्टेशन चार्ज, रायपुर
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

एस० पी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-7-1985
मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5823---अतः मुझे,
एस० सी० अर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए० मंजिला म. त. ख. नं० 179/9 है,
तथा जो ग्राम कीर्तिभाटा, जी० ई० रोड, राजनंदगांव में स्थित
है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजनंदगांव में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के लिए भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती शकुन्ता देवी श्री श्यामचरण देवदिया,
द्वारा श्री विक्टर मिश्री,
क्रिश्चियन कॉलोनी, सागर (म० प्र०) ।
(अन्तरक)
- (2) श्री डा० प्रभात कुमार तिवारी
आत्मनः श्री काशी प्रसाद तिवारी,
चौक मैडिकल आफिसर,
बालाघाट ।
- (2) श्रीमती जवा तिवारी पत्नी डा० पी० के० तिवारी,
- (3) श्री सुनील कुमार आत्मनः डा० पी० के० तिवारी,
निवासी बालाघाट ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला म. त. ख. नं० 179/9 है तथा
जो ग्राम कीर्तिभाटा, जी० ई० रोड, राजनंदगांव में स्थित
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जो में निहित है।

एस० सी० अर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 8-7-1985

सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5825---अंतः सुक्षे,
एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० तीन मंजिला मकान जिसका म्यू० नं० 14/206 एवं
14/231/2 (नजूल प्लॉट नं० 115, ब्लॉक नं० 77) है
तथा जो जय स्वस्थ चौक, मोदहापारा, रायपुर (म० प्र०) में
स्थित है और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के अधीन तारीख नवम्बर,
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधि-
नियम की अधीन करने के अन्तरक को कवित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, स्थानों में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
17—176 GI/85

1. नाबा० यशवन्त अमर सिंह पाठौर बल्द को
बर्नी अमर सिंह बल्द नामजी पाठौर,
साकिन फाफाडिड चौक, रायपुर (म० प्र०)
(अन्तरक)

2. मैं फरिश्ता एण्ड फरिश्ता भागीदार
श्री प्रमीर श्री फरिश्ता
बल्द स्व० बर्जीर श्री फरिश्ता
साकिन गैलेन्द्र नगर, रायपुर (म० प्र०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान, नगरपालिका निगम मकान नं०
14/206 और 14/231/2, नजूल प्लॉट नम्बर 2/115, ब्लॉक
नं० 77, रस्ता 2425 वर्ग फुट, जो जयस्वस्थ चौक, मोदहापारा,
रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फॉर्म नं० 37 जी० में निहित है।

एस० सी० शर्मा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 8-7-1985
मोहर :

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस.-----

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5755 ---अतः मुझे
वी० कु० बरनावाल,

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नकी सं० भूमि एवं मकान है, तथा जो सुंदर नगर, रायपुर
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्री-तर्फ अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीध ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वी० एम० ठाकरे पिता माधो राय ठाकरे,
निवासी—ग्राम पुंछ, अहामपुर ।

(अन्तरः)

2. श्रीमती माया ताम्रकार पत्नी श्री जे० लखान ताम्रकार
द्वारा श्री जे० के० दर्मा
निवासी—गली बाजार, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि एवंकान, सुंदर नगर रायपुर में स्थित है, यह वह
स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित
फार्म नंबर 37-जी० में लिखा है।

वी० कु० बरनावाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 13-5-1985 ।

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तर्ज्ञान)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त संपत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि ग्राह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) कर्मचारी से हुए किसी बात की बावजूद, उसके अधिनियम की अधीन आने के संस्कार के अतिरिक्त या कमी करने या जमास करने में सुविधा के लिए;
और/वा

अनसूची

(३) एसी किसी आय या किसी धन या वस्तु नास्तित्वों को, किन्तु भारतीय नागरिक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयागनाथ अस्तित्वों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सिपाने में सुविधा की लिए;

सम्पत्ति सतावध में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिनी द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी० में निहित है।

वैजयन्त कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ

तारीख : 29-4-85 ।
मोहर :

प्रकट बाह्य टी. एम. एम. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
रा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5735—प्रतः मुझे,
वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की
अधिनियम के अधिनियम उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख तबम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त के दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और
अंतरिती (अंतरितीया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब
आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
प्रतिफल में वार्षिक रूप से किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वसत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
प्रतिफल से कमी करने या उक्त करने से प्रतिफल
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाया चाहिए या, जिनमें से
किसी के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री सुमेर सिंह पिता ठाकुर जालम सिंह जी,
निवासी-15, क्षणिक मार्ग, माधव नगर,
उज्जैन ।

(अन्तरक)

2. श्री जवाहरलाल पिता शंकरलालजी जैन
निवासी-माधवनगर, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में स्थापित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति आजाद नगर उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर
सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित
फार्म नंबर के 37-जी० में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सहायक प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-4-1985

मोहर

इस भाग में टी. एन. ए. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आगत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5736—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो उज्जैन में स्थित है
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से अभिहित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से पूर्व किसी भाग की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंग-
नाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

(1) श्री सुमेर सिंह पिता ठाकुर जालम सिंह जी निवासी-
15, क्षणपक मार्ग, माधव नगर उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री जवाहरलाल पिता श्री शंकरलालजी निवासी-
माधवनगर, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पाब लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, आजाद नगर, उज्जैन में स्थित है। यह वह
स्थायर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा
सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :-

संख्या: २३३३/८५,-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5737—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3, प्लॉट नं० 77 बी पर है तथा जो मनीषपुरी कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) दायमान से हुई किसी भाव की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसार के दायमान से कभी कल्प या उचित रूप से सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों के विषय भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स वृन्दावन अपार्टमेंट्स तरफे भागीदार बालकृष्ण पिता दीलतराम अग्रवाल निवासी-158, साकेत नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जीला पति डा० नरोन्हा निवासी 10, रानाडे कम्पाउंड, ओल्ड पलासिया, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधास्ताक्षरी के पास लिखित में दिकार जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इस सूचना के अन्तर्गत और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नंबर 3, प्लॉट नंबर 77 बी पर बना हुआ, मनीषपुरी कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल;

सहायक प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. एन. ए. एम. ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5738—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके बख्शात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सहायक अधिकारी को यह निर्णय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, प्लॉट नं० 893 पर (स्कीम नं० 31)
है तथा जो जीवन दीप कालोनी, इंदौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के हयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उक्त पत्र विश्वास
करने का कारण है कि यथास्थित सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य उसके हयमान प्रतिफल से, उक्त यथास्थित प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव्य में कमी करने या उक्त करने से अधिक
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
के प्रयोजनार्थ अन्तरित करने के लिए किया गया
या या किया गया अधिनियम, 1957 के अधिनियम
के लिए;

(1) श्री मानिक पिता बिशन 2. सोमा पति बिशन निवासी
893, जीवनदीप कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप कुमार पिता गुरमुखदास 54, बैराठी
कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करा जाएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादनी के
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान, प्लॉट नं० 893 (स्कीम नं० 31), जीवनदीप
कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है
जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर
37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः पत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अन्तरणों के अन्तर्गत :—

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्रश्न आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आर्. टी. एन. सी०/अर्जुन/भोपाल 5739—अतः

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करके
यह कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक मंजिला मकान म्यु० नं० 70, प्लॉट
नं० 99 ए पर है तथा जो कालोनी नगर, इंदौर में स्थित है
(और इससे उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के बराबर
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि क्या पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे बराबर प्रतिफल के
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच उसे, अंतरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
कार्यालय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

जो कोई किसी आय या किसी धन अथवा वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अथवा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्येक अथवा किसी एक या अधिक अथवा
या या किसी आय या किसी धन अथवा वास्तुओं
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुलाबराव पिता केशवराव गोपाले निवासी-70,
कालोनी नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा देवी पत्नी विष्णुप्रसाद खत्री
निवासी-26/4, नार्थ राज मोहल्ला, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कइते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों काइया हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकी :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान म्यु० नं० 70, प्लॉट नम्बर 99 ए
पर, कालोनी नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति
है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं०
37 जी में निहित है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर

प्रकृष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5740—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 154 ए पर बना प्रथम मंजिल का प्लैट नं० सी है तथा जो स्कीम नं० 44 इंदौर विकास प्राधिकरण, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18—176GI/85

(1) श्री श्रीचन्द्र पिता श्री ताराचन्द्र भुग फ्लैट नं० ए एंड बी, तल मंजिल 154-एम खातीवाला टैंक, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री गजानन हड्डीकर पिता श्री भारायण हड्डीकर बी-17, एम० आई० जी० कालोनी जेल रोड इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

प्लैट नंबर सी प्रथम मंजिल, प्लॉट नंबर 154 ए पर, इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 44, इंदौर में निहित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

योग्य :

प्रारूप आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5741—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्की संप्लॉट नं० 7 है तथा जो अहिल्यामाता कालोनी,
न्यू देवास रोड, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अर्थ में, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :-

(1) श्री राजेन्द्र कुमार शाह निवासी-51, बल्लभ
नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) अध्यक्ष पार्श्वनाथ गृह निर्माण सहकारी संस्था
संस्थापित इंदौर एस-313-14, परधीकरण भवन
इंदौर (श्री सुरेन्द्र सांघी, अध्यक्ष)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7, अहिल्या माता कालोनी, न्यू देवास रोड,
इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में
निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एच. - - - - -

(1) श्री भद्रवार पिता श. चंद जी निवासी सं० नं० 104, बैराठी कालोनी सं० 2, इंदौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5742—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयवाचक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 58 पर बना हुआ ग्लारेज व प्लॉथ तक निर्माण कार्य है तथा जो विशा नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है (भारत इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी (अन्तरिकीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृष्टिकोण से कमी करने या उसके अन्तर्गत में दृष्टिकोण से किए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य मास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूकता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अन्तरण के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को मामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्त व्यक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यतीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 58 पर बना ग्लारेज व प्लॉथ तक निर्माण कार्य, विशा नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिकी द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5743—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मकान, प्लॉट नं० 122 है तथा जो आनंद
नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) को
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय पिता श्री लक्ष्मणराव देशपांडे निवासी-
35, व्यासफल, जूनी, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र शर्मा पिता श्री लक्ष्मणजी शर्मा
निवासी-44, बहादुरगंज, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में किसी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान, प्लॉट नं० 122 पर आनंद नगर, इंदौर में स्थित
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/85/44--अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म.प्र.स्यु. नं० 55 है तथा जो सुभाष मार्ग घाई नं० 15, धार में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 AT 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को मिले और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी धन का बाँटिए था, छिपावे में सुविधा से मिले;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री दत्तात्रय पिता बिनार राव माडे निवासी-55, सुभाष मार्ग, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विलास पिता प्रभा कर राव मुंगेर, इंदौर तथा सुकाम रतनाम म० नं० 55, घाई नं० 15, सुभाष मार्ग, धार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्जन की नियम कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महान नं० 55, घाई नं० 15, सुभाष मार्ग, धार में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण अन्तरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5745—अतः

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का
उत्तरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट, देवी ग्रहिल्या कालोनी, इंदौर है,
तथा जो इंदौर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री तथा अधिारी के
कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्री तथा अधिनियम, 1908 (1908
का 16 के अधीन दिनांक नवम्बर 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथित में कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिारी :—

(1) श्री प्रवीण चन्द्र पिता देवजी कठिरा निवासी—8
बल्लभ नगर कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार पिता श्री चन्दनमलजी बण्डी
निवासी—5/3, महारगंज, इंदौर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट, देवी ग्रहिल्या कालोनी, (गौशाला), इंदौर में
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर

प्रश्न बाई.टी.एन.एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माउंट रुडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5746—अतः

मुक्त, वीरेन्द्र कुमार बगनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माना जा रहा है पट्टी है तथा जो मनावर जिला धार में स्थित है (अर्थात् उसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीरता अधिकारी के कार्यालय, मनावर में रजिस्ट्रीरन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पास गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में कमी करने या उक्त करने में सूचना के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मांगी लाल पिता सरदार मनजी मनावर मेह०
जिला धार।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल ठुण पिता बोंदरजी निवासी-मनावर
तह० जिला धार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, मनावर जिला धार में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सहायक फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बगनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर

राज्य न्यायिक अधिकार, ए. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सम्पत्ति

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5747—प्रतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो नीमच में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984।

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी न्यून की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के बावजूद में कमी करने या उक्त अंतरण में सुधार के लिए; जाँच/वा

(ख) ऐसी किसी न्यून या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम के अधीन द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वास्तविकता के अनुसार प्रकट नहीं किया गया, जिन्होंने वास्तविकता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. रघुनंदनजी पिता नथमलजी चर्मा
2. श्रीमती सौ० गुलाब देवी पत्नी श्री रघुनंदनजी चर्मा निवासी—नीमच कैंट।
(अन्तरण)

(2) श्री कुतुबुद्दीन पिता इशाक अली तैयबप्रली जी रावटीवाला निवासी—बोहरा बाखल, माना चौक, रतलाम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नीमच कैंट में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका संपूर्ण चित्रण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5748—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, ब्लॉक नं० 36, प्लॉट नं० 94 है तथा जो खंडवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खंडवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री जवाहरलाल पिता खुशीरामजी सोमानी
नि० 97, जयरामपुर, हंदौर।

2. श्री चुन्नीलाल वतद अर्जुनदासजी निवासी
खंडवा।

(अन्तरक)

(2) श्री बेगामल पिता सुगनामलजी निवाबि सुगन
सोप फैक्टरी, बिटठल मंदिर के सामने, खंडवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान ब्लॉक नं० 36, प्लॉट नं० 94 पर खंडवा सिटी
खंडवा में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5750—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 6 का एक भाग है तथा जो
रेस कोर्स रोड, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदनचाल पिता लुण्डेलाल गर्ग निवासी-6, रेस
कोर्स रोड (डा० रोशनमिह भंडारी मार्ग) इंदौर।
(अन्तरक)

(2) श्री नारायण पिता लक्ष्मणजी अग्रवाल निवासी-
78, सियागंज, इंदौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध
किसी उक्त व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नंबर 6 का एक भाग, ए मंजिला, रेस कोर्स
रोड, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5751—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरतवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 131 है तथा जो कैलाश पार्क
कालोनी (मनोरमागंज), इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से मुझे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच पूर्ण अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वाम्बविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माधव प्रसाद पिता श्री नगजीरामजी निवासी-
191, तिलक नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री रतनलाल पिता रामनाथ राठी
2. हेमलता पति वृजमोहनदास राठी
3. अनिता पति मत्वनारायण राठी
निवासी-7 सी, कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 131, कैलाश पार्क कालोनी, (मनोरमागंज)
इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरतवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

सोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5752—अतः

मुझ, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 23/113 है तथा जो शंकर
नगर, रायपुर में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भार्गवी देवी सतपथी जौजे लक्ष्मण सतपथी
निवासी—कटोरा तालाब, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जीवनलाल सिधसिया वत्स पीरूलाल निवासी—
राजा तालाब, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 23/113, शंकर नगर, रायपुर में स्थित
है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ग० सी०/अर्जुन/भोपाल/5753—अतः

मूझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 306 डी है तथा जो शोलेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अक्षर कुमार सिंह मिनास पिता मत्था सिंह मिनास निवासी-पंढरी तराई, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री टीकमदास थौरानी पिता भारोमल निवासी-306, डी, शोलेन्द्र नगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 306 डी, शोलेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फॉर्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5754—अतः

मुद्ग, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नंबर 15/569 है तथा जो जवाहर नगर वार्ड, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) फर्म शारदा टाकीज इंडियन पार्टनरशिप एक्ट के अन्तर्गत रजिस्टर्ड मैनेजिंग भागीदार 1. ललित कुमार व श्यामाचरण तिवारी व उषादेवी पत्नी ललित कुमार व लवकेश कुमार आ. ललित कुमार तिवारी निवासी—राजा तालाब, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) फर्म एरिस्टो इलेक्ट्रिकल्स इंडियन पार्टनरशिप एक्ट के अन्तर्गत रजिस्टर्ड मैनेजिंग पार्टनर मोती लाल व मौजामल निवासी—जवाहर नगर, वार्ड, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान नम्बर 15/569, जवाहर नगर वार्ड रायपुर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5756—अतः

मूझे, वीरेन्द्र कुमार वरन्वाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 283 है तथा जो साकेत नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1989।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री प्रताप सिंह राव पिता श्रीपतराव साबले निवासी-44 बी, राजेन्द्रनगर इंदौर नरफेग आम मु० श्री ज्ञानाराम पिता श्रीपतराव साबले नि० डी-2 एम० ओ० सी० लार्ड्स, इंदौर।

(अन्तरक)

- (2) श्री शांतिलाल पिता मेवारामजी जैन निवासी-129, शास्त्री मार्केट, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 283, साकेत नगर, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार वरन्वाल,

सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5757—अतः
मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 240 है, तथा जो साकेत नगर,
इंदौर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती श्यामागनी पति श्री अर्जुनदेव चोपड़ा
निवासी-19/2, मनोरमागंज, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री लक्ष्मणदास पिता श्री रिज्जुमलजी बिनयानी
2. मुखचन्द पिता लक्ष्मण दास
3. श्री मोहनलाल पिता श्री लक्ष्मण दास
4. श्री बिनोद कुमार पिता लक्ष्मणदास
निवासी-14, एम० आई० जी० कालोनी, इंदौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 240, साकेत नगर, इंदौर में स्थित है

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5758—अतः

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—176GI/85

(1) श्री हीरालाल पिता श्री पीडूरंग निवासी—545/7, नेहरू नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री रामजी पिता श्री जगन्नाथ शंकर कुमार का बगीचा, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाध में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5759—अतः
मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० एन-32 है, तथा जो साकेत
नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राज बैजामिन पति श्री बैजामिन खान
निवासी—क्रिश्चियन कॉलेज, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश 2. भगवानदाम पिता श्री इम्मकलालजी
मनसुखानी निवासी—34, मंगलम, ओल्ड पलामिया,
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
गोली 2

5 सेट

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एन-32, साकेत नगर, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5769—अतः

मूझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 715 पर बना भूकान का नंबर (तीनरी मंजिल) फ्लैट नं० 9 है, तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम नं० 44, इंदौर में स्थित है (और इससे उगावड़ आसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भविष्य में उगावड़, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बन्ध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भोजन तारी गन्मद्रकशन कंपनी इंदौर तथा फे पाटनर गोपाल पिता राम शरण बंसल निवासी—9 बी, आदर्श नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री उपेन्द्र कुमार शाह पिता नटवरलाल शाह निवासी—16, नगर निगम रोड, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 615 पर बना भूकान (तीनरी मंजिल का भाग), फ्लैट नं० 9, इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम क्रमांक 44, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7-5-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5774—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 309 पर बना हुआ मकान
म्यु० नं० 149 का भाग है तथा जो काटजू नगर, रतलाम
में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेन्द्र सिंह आत्मज श्री भवरपाल सिंहजी भाटी
निवासी-149, काटजू नगर, रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) श्री समीरमल पिता मांगीलालजी श्रीरा महाजन
निवासी-मोहिला 3, रामगढ़, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

हस्ताक्षर

प्लॉट नंबर 3 का मकान म्यु० प्लॉट नंबर 149 का भाग
काटजूनगर, रतलाम में स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जून 1985

निवेश सं० आर० 1503/84-85—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यूनिसिपल सं० 57-57/1-85—अपार्टमेंट
सं० ए-1 है, तथा जो ओसबरन रोड, बंगलूर में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
6-11-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातिफल से एंसे दृश्यमान प्रातिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रातिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दि ग्रासमेरे हाउसिंग कॉ०—आप० सोसायटी लिमिटेड,
सं० 57/58, ओसबरन रोड, बंगलूर-42।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शशिकला एन० रामनाथ,
सं० 57/58, ओसबरन रोड,
बंगलूर-42।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1324/84, दिनांक 6-11-84)
सम्पत्ति है, जिसका म्यूनिसिपल सं० 57-57/1-58
(अपार्टमेंट सं० ए-1), जो ओसबरन रोड, बंगलूर, में स्थित
है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 18-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० 45360/84-85—यतः मुझे, प्रार० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 233/ए/19 है, तथा जो 39 कास, II ब्लाक,
राजाजीनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-11-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० कृष्णप्पा,
सं० 233/ए, 39 कास,
II ब्लाक, राजाजीनगर,
बेंगलूर-10

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० जे० पद्मा,
सं० 584, III ब्लाक,
राजाजीनगर, बेंगलूर-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कंता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 3515/84, दिनांक 21-11-84)
सम्पत्ति है, जिसकी सं० 233/ए/19, को 39 कास रोड,
II ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर, में स्थित है।

प्रार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10-6-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० 45158/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6/ए और 7 है, तथा जो सरस्वतीपुरम, VII
क्रास यामराजा मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-11-1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री आर० एम० श्री शूला,
2. आर० बी० प्रसीजा, और 3. प्रमोदा,
सं० 6/ए और 7, सरस्वतीपुरम, के० टी० जी० मट
रोड, मि० एच० मोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एम० कुमार और (2) आर० एस०
शिवा शंकर, सं० 4, के० लिंगय्या कालोनी, नजरबाद
मोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 4104/84, दिनांक 2-11-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 6/ए और 7, जो सरस्वतीपुरम,
7 क्रास, धामराजा मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 6-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० 45078/84-85—यन: मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 214 है, तथा जो ब्लॉक-I, कोरामंगला एक्स-
टेंशन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इतना अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर
दक्षिण तालुक, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 30-11-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामेश बाजपै ,
सं० 651, कोरामंगला, ब्लॉक-III,
बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनसेंट जेम्स डिमोजा,
2. श्रीमती ब्लास फ्लेवि डिमोजा,
सं० 13, लेविम रोड, कूक टीन,
बेंगलूर-84 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 5427/ दिनांक 30-11-84)

खानो जगह है जिसकी सं० 214, जो ब्लॉक-I, कोरामंगला
एक्सटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 10-6-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जून 1985

निदेश सं० 45645/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, तथा जो आहुगोडि, बंगलूर में स्थित है
(और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 8-11-84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21-176GI/85

(1) श्री एम० जी० सिद्धाया ,
सं० 7C, कुमारस्वामी लेफ्टोड,
बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० ए० पद्मा,
सं० 6, II फ्लोर,
II क्रॉस, लालबाग, रोड,
बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ह है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3174/84, दिनांक 8-11-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 1, जो आहुगोडि, बंगलूर, में स्थित
है ।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 14-6-85

सांहर :

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 जून 1985

निवेश सं० 44762/84-85—यन: मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 112 है, तथा जो विन्नामंगला लेग्रीट बंगलूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 11/84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मेनेजस सिसिलिया,
सं० 145, V फ़ास, केमिनिडज लेग्रीट,
अलसूर, बेंगलूर—8

(अन्तरक)

- (2) श्री विक्टर मेनेजस,
सं० 145, V फ़ास, केमिनिडज लेग्रीट,
अलसूर, बेंगलूर—8

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2234/84, दिनांक 11/84)

संपत्ति है, जिसकी सं० 112, जो विन्नामंगला लेग्रीट,
बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 17-6-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 मई 1985

निदेश सं० 45925/84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1799 है, तथा जो बि० एस० के० II स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 18) के अधीन, दिनांक 17-1-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री टी० कृष्णटपा,
सं० 28-बी, XIV मैन,
क्रास, हनुमन्तानगर,
बंगलूर-50 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सैदा हालिमुन्नीसा,
सं० 23, खान्जि स्ट्रीट,
बसवनगुडि, बंगलूर-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4101/84 दिनांक 17-1-85)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 1799, जो बि० एस० के० II स्टेशन, बंगलूर, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 20-5-85

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 मई 1985

निदेश सं० 46108/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 448 है, तथा जो एच० ए० एल०—स्टेज,
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 30-1-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ललिता,
सं० 421/3, इन्दिरानगर,
I स्टेज, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती जी० वेंकयम्मा और
2. श्री एस० एन० जी० कृष्णराव,
सं० 101, आर्शाकरण,
सं० 39, के० आर० रोड, बंगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् हस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3283/84, दिनांक 30-1-85)

संपत्ति है, जिसकी सं० 448, जो एच० ए० एल०—III
स्टेज, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मई 1985

निदेश सं० 46077/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है, तथा जो केंपापुरा अग्रहारा होसहल्लि, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-1-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंग्रे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंग्रे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ललितम्मा,
सं० 343, V ब्लॉक,
जयानगर, सोत,
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० पी० सुहारा,
सं० 329/9, 17 मैन रोड,
विजयानगर, वेस्ट, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्तावेज सं० 3514/84, दिनांक 18-1-85)

संपत्ति है, जिसकी सं० 11, जो केंपापुरा अग्रहारा, होसहल्लि, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 13-5-85

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एच. एड.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मई 1985

निदेश सं० 46076/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 और 10 है, तथा जो II मैन रोड, तिम्मान-
हल्लि, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-1-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
दिया गया प्रतिफल निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के बिना भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाना था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए ।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1)
के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) श्रीमती एन० - कमलम्मा,
सं० 19, पेट्टिप्रोव स्ट्रीट,
सेप्पिंगंस रोड, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमी के० विजयालक्ष्मी,
सं० 58, 'हेलन सेंटर',
अग्रहारा, दासरहल्लि, मागडि रोड,
बेंगलूर-22 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3312/84, दिनांक 16-1-85)
सम्पत्ति है, जिसकी सं० 9 और 10, जो I मैन रोड,
तिम्मानहल्लि, बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 13-5-1985

मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 मई 1985

निदेश सं० 46151/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी की यह विन्यास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18 और 19 है, तथा जो वि० वि० पुरम,
वेस्ट, सरकल रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। निर्दिष्ट अर्जन रेंज, 1985
(1985 का 16) के अधीन, दिनांक 31-1-85,

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी
(अन्तरिणीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निमित्त से
वास्तविक रूप से स्थापित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावद उक्त अधि-
नियम की धारा 269-ब के अन्तरक के बाधित्व से
कभी करने या करने भवने में सुविधा की निवृत्ति;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन का अन्य वास्तविकताओं
को, जिन्हें भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बाव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा की निवृत्ति;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
से, यहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित है—

(1) 1. श्री गारला विश्वनाथ गुप्ता,
2. जि० सदानन्दा गुप्ता,
सं० 16, वेस्ट सरकल रोड, वि० वि० पुरम,
बेंगलूर—4 ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० नाशराजा,
सं० 18, वेस्ट सरकल रोड,
वि० वि० पुरम, बेंगलूर—4 ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की प्रक्रिया में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
कबूद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बमोद्देश्यकारी के
पात निमित्त में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसने प्रयुक्त बावों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 4421/84, दिनांक 31-1-85)
सम्पत्ति है, जिसका सं० 18 और 19, जो वि० वि० पुरम,
वेस्ट सरकल रोड, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 25-5-85

माहुर :

प्रत्येक भाई, डी. एच. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 मई 1985

निदेश सं० 45930/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 298 है, तथा जो मैको लेमोट, बेंगलूर में स्थित
है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 24-1-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रमाणों
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
कीमत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) श्री हरिचन्द,
सन/आफ लेफ्टिनेंट करनल संसारचन्द,
विलेज और पोस्ट काकोन,
जिला—होशियारपुर, पंजाब।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वी० रामनाथ,
सं० 896, X क्रॉस,
जे० पी० नगर—II फेंस, बेंगलूर-78।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4226/84, दिनांक 24-1-85)
सम्पत्ति है, जिसका सं० 298, जो मैको लेमोट, बेंगलूर
में स्थित है)

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 20-5-85

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं० 46011/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० अपार्टमेंट सं० 302 है, तथा जो II फ्लोर,
दीप महल बिल्डिंग, बोलूर विलेज डेरेबेल वार्ड, मंगलूर सिटी
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 1/85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में साधना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाता आदिग धन, छिपान में साधना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22—176GI/85

(1) श्री फ्रेड्रिक पिंटो,
मलयंदोर विल्ला चिलिमबि,
अखा, मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री ब्लाजे लिम्नाल, पिंटो,
2. श्रीमती द० जि० पिंटो, "ग्रेस मरिया",
किन्निगोलि, मंगलूर तालुक, द० क० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां वह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1572/84, दिनांक 1/85) ।

सम्पत्ति है, जिनकी सं० 302, जो II फ्लोर, दीप महल
बिल्डिंग, बोलूर विलेज, डेरेबेल वार्ड, मंगलूर सिटी में स्थित है ।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-4, बंगलूर

तारीख : 14-6-1985

भाहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० 45960/84-85—यतः मूझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो प्लॉक-ए, दोमलूर-II स्टेज एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाधुत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-1-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मुशीलम्मा 2. एस० जयाराम
3. एस० कृष्ण 4. एस० मुनिराज,
सं० 2, अन्वेद्या, गाड़न, टूयनाहल्लि,
बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) टेरेन्से ब्राव्वा,
प्रतिनिधि श्रीमती,
नं० 73, सेंट मार्क्स रोड, बेंगलूर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3098/84, दिनांक 17-1-85) सम्पत्ति है सं०, जिसका सं० 2, जो, प्लॉक-ए, दोमलूर-II स्टेज, एक्सटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है।

र० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 3-5-85

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 मई 1985

निदेश सं० 46143/84-85—मत: मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 1611 है, तथा जो बि० एस० के०-II स्टेज,
बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अतुल्यता में और पूर्ण-
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 8-1-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री एम० आर० वासुदेवा राव,
नं० 66, III क्रॉस विवेकनगर,
बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० सत्यानारायण
नं० 85, -XI क्रॉस,
गाइडनगर, बेंगलूर-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3998/84, दिनांक 8-1-85)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 1611, जो बि० एस० के० II
स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है

आर० भारद्वाज,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज बेंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-5-85

शोहरत

एकम बार, टी. एन. ए.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 मई 1985

निर्देश सं० 45923/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 11/01 है तथा जो 40 कास, -VII ब्लॉक जयानगर, बेंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-1-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० श्रीवर,
ए1-4, सेंट्रल एवेन्यू कन्टिन्युएशन,
ए० टी० ए० कालोती, बेंगलूर-16 ।
(अन्तरक)

(2) श्री के० विजया राघवन और
2. श्रीमती वि० शांता नं० 3/2,
दिवान, माधवा राव रोड, बसवनगुडि,
बेंगलूर-4
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्धुत्व

(दस्तावेज सं० 4081/84, दिनांक 17-1-85)
सम्पत्ति है जिसका सं० 11/01, जो 40 कास, -VII ब्लॉक, जयानगर, बेंगलूर-II में स्थित है ।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 16-5-85

माहुर :

प्रकाशक: टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 मई 1985

निदेश सं० आर०-1529/8-85—यतः मुझे, आर०
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1070 है, तथा जो 35 डी क्रॉस VI-टी ब्लॉक
जयनगर, बेंगलूर-41 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-11-84, बेंगलूर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमं दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री आर० सत्यनारायणा
सन/आफ एम० रामस्वाम्या
नं० 7, 36 क्रॉस X₁-ब्लॉक,
जयनगर बेंगलूर-41 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नागरत्नम्मा,
पत्नि टी० वी० श्रीनिवासय्या
2. श्रीमती उमा नागराज पत्नि आफ एस० नागराज
1070, 35डी क्रॉस, IV-टी ब्लॉक,
जयनगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के इस
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1326/ए/84-85 दिनांक 6-11-1984)

सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 1070 जो 35 डी क्रॉस, IV-
टी० ब्लॉक जयनगर, बेंगलूर-41 में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 18-5-85

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जून 1985

निर्देश सं० 45790/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 986 है, तथा जो "शांति महल" मद्रास-बेंगलूर रोड, कोलार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. अब्दुल गफार, 2. मोहम्मद इब्राहिम, 3. मोहम्मद सादिक 4. मनजूर अहमद (मैनर), मां फजलुन्नीसा, यामराजपेट, चिक्काबल्लापुर, कोलार डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमति सकिना बेगम 2. मुबीदना खान, 3. लियाकतअलि खान, (4) नसीमा बेगम, मैनर जि० रहाम-तुल्ला, एस० आर० गफार (पिता), एस० ए० अब्दुल सफूर शैक, केर/आफ सा खान, बिसमिल्ला, सिल्क प्रेनेज, अम्मावरपेट, कोलार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

बंगलूर

(दस्तावेज सं० 3013/84, दिनांक 11/84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 986, जो "शांति महल" मद्रास-बेंगलूर रोड, कोलार, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 24-6-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूस्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 19 जून 1985

निर्देश सं० 45157/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो गोकुलम III स्टेज वि० वि० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (16 का 1908) के अधीन, दिनांक 21-11-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रसारित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 8—

(1) श्री बी० एम० प्राभु स्वामी,
सं० 3, माडेल हाउस,
गोकुलम III स्टेज,
वि० वि० मोहल्ला, मैसूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० प्रभाकरा शेनाय,
मंजुश्री काम्पीण्ड,
मंगलूर—1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंजुश्री

(दस्तावेज सं० 4099/84, दिनांक 21-11-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 3 जो, गोकुलम III स्टेज, वि० वि० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर बाबूस्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 19-6-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 जून 1985

निदेश सं० 45896/84-85—यतः मुझे, आर० भागद्वज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है, तथा जो II क्रम, स्वाति मैन रोड,
शांतिनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-11-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
या आम्नीरक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भू या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 4—

(1) श्री एस० सी० कोटप्पा
सं० 6, III क्रम, स्वाति
मैन रोड, शांतिनगर,
बेंगलूर—27।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० बीमप्पा,
सं० 6/1, लक्ष्मी रोड,
III क्रम, शांतिनगर, बेंगलूर—27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4323/84, दिनांक 12-11-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 6, जो III क्रम, स्वाति मैन रोड,
शांतिनगर, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भागद्वज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 21-6-85

मोहर ॥

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 जून 1985

निदेश सं० 45734/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 327/39 है, तथा जो 37-बी क्रम IX ब्लाक जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जी० कृष्णकुमार,
सं० 22, 1 मेनरोड,
नंजामबा अग्रहारा,
यामराजपेट, बेंगलूर—18

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० संजीव मूर्ति,
मंसर्स मूर्ति मेडिकल्स, सं० 1008,
26-मैन, IV- 'टी', ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर—II

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3325/84, दिनांक 19-11-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 327/39, (327), जो 37-बी-क्रम, IX- ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बेंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—176 GI/85

दिनांक : 18-6-1985

मोह रः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 19 जून 1985

नोटिस नं० 45449/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 90(147) है, तथा जो पापण लेन, अक्किपेट कास, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाधुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरिक्षों) के बीच एक अन्तरण के लिए न्य बाया तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से अधिगत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

(1) 1. श्री एराप्पा 2. इ० राजाशेकर, 3. इ० विश्वाभाथ 4. इ० कुमार, 5. इ० गुरुप्रसाद, 6. इ० विजयाकुमार 7. श्रीमती ज्योनम्मा तथा 8. कुमारी नलिनि, केयर/आफ डी० बी० श्रीकर, नागराजा केमिकल्स, एस० बी० एम० रोड, तुमकुर, सं० 24, 51 कास, सिद्धारामण दिण्णे, राजाजीनगर, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सम्पत, सं० 90, पापण लेन, अक्किपेट कास, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बंधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्ष होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2400/84, दिनांक 5-11-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 90(147), जो पापण लेन, अक्किपेट कास, बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बेंगलूर

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 19-6-85

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. - - -

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० 45468/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस०-115, 114 और टी० एस०
सं० 57, 58 है, तथा जो, अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 17-11-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप
रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सीबान
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मेसर्स आदर्श एण्टरप्राइसेस, गणेश कृपा,
आपोसिट ज्योति टाकीस, बालमट्टा, मंगलूर,
बै पार्टनरस (1) श्री एच० जयाप्रकाश
2. श्रीमती पद्मावती रिसैटडिंग एण्ड
कट्रि टेंपल रोड, मंगलूर,

(अन्तरक)

(2) श्री डानिवल मेनेजस,
केर/आफ श्री ए० डिसौजा, मे क्यीन
ब्रिज न्यू रोड,
मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1275/84 दिनांक 17-11-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० आर० एस० 115, 114 और
टी० एस० सं० 57, 58, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर तालुक,
में स्थित है।

र० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, बंगलूर

दिनांक : 27-6-85

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० 45763/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी खाता सं० 728 है, तथा जो कविराहल्लि विलेज,
बंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियमों के
कार्यालय बंगलूर, दक्षिण, तालुक, में दिनांक 9-11-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के
बाबित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया,
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० अशरत आलि खान,
नं० 39, अपस्टेरेस,
टेबरि रोड, बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नूरजान,
सं० 5/1, II मैम रोड,
लक्कासन्ना, बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 6233/84 दिनांक 9-11-84)

सम्पत्ति है, जिसकी सं० 728, जो कविराहल्लि विलेज,
बंगलूर दक्षिण तालुक, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 27-6-85

सोह्रा

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 जून 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45070/84-85--अतः मुझे,
आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओरिजिसकी सं० 951 है तथा जो सार्विक II फेम जे० पी०
नगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बेंगलूर दक्षिण तालुक में राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 27-6-84

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यक्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके सम्यक् प्रतिफल से, ऐसे सम्यक् प्रतिफल का वृद्ध
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी कटने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; जोड़/बा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यह: जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वास्तियों प्रकट है--

(1) श्री जी० सत्यानारायण, नं० II,
VII फ़ास स्विमिंग पूल एक्सटेंशन,
बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल० विजयालक्ष्मी,
नं० 29/8, 38 फ़ास, 8 ब्लॉक,
जयानगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोध्यताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

बयान

(दस्तावेज सं० 5122/84 मा० 24-11-85)

संपत्ति है जिसकी सं० 951, जो सार्विक II फ़ेम,
जे० पी० नगर, बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 27-6-1985

जोड़

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45039/84-85--अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1, 2, 3, 4, 5 और 6 है तथा जो III में और I क्रम 4, 5, 7, 8, 9 और 10, गांधी नगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपरि उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डॉ० एच० जी० सुन्दरामा रेड्डी

डाक्टर विजयचन्द्रन कुमारी विजयलता रेड्डी
डाक्टर एच० जी० रामकृष्ण रेड्डी, श्री एच०
आर० वेंकटेश्वर रेड्डी श्रीमती विजयवाणी रेड्डी,
उनके प्रतिनिधि श्री के० सी० सुन्दरामा रेड्डी
हैं नं० 17/1, बेल्लारी रोड, सदाशिव नगर,
बेंगलूर-560080 ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० टी० मरिस्वामी रेड्डी
श्री जी० टी० वेंकटस्वामी रेड्डी
श्री जी० टी० कृष्णप्पा रेड्डी,
श्रीमती वेंकटम्मा, श्रीमती चेलम्ममा,
श्रीमती लीलावतम्मा, श्री जी० वी० नागराज
रेड्डी ।
श्री जी० एम० तिममा रेड्डी
श्री जी० एम० सतीशा रेड्डी,
श्री जी० वी० पालाशा, श्री जी० के० गणेशा,
श्री जी० वी० चन्द्रशेखर रेड्डी और
मास्टर जी० के० सुरेश प्रतिनिधि
श्री जी० टी० कृष्णप्पा रेड्डी जो गुन्नूर विलेज,
वरतूर होब्ली बेंगलूर सीध तालुक में रहते
हैं ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2532/84-85 ता० 21-11-84) ।
सम्पत्ति है जिसकी सं० पुराना सं० 41 और 42 और नया सं० 41, 45, 45/1, 45/2, 45/3, 45/4 जो III में रोड, गांधी नगर, डिबीजन नं० 22 बेंगलूर सिटी और सम्पत्ति है जिसकी सं० 40, 40/1, 41/1, 42, 43, और 44 जो I क्रम गांधी नगर डिबीजन नं० 22 बेंगलूर सिटी और नया म्युनिसिपल सं० 1, 2, 3, 4, 5 और 6 जो III में रोड, गांधीनगर बेंगलूर और वगैरा सम्पत्ति सबके सं० 4, 5, 7, 8, 9 और 10 जो I क्रम गांधी नगर, बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 11-7-1985

गोहर ■

प्रमाण आहूति, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन पञ्चन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 95/84-85/37 ईई०—अतः
मुझे, आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लॉट नं० एफ-4 है तथा जो "जो सेहना
अपार्टमेंट्स पणजी, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पणजी, गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. डॉ० परांसिस लियो पिन्टो ।
2. श्री तोमे जोस एम० जे० बी० पिन्टो ।
3. श्रीमती ग्रेडना डी० मारिमा पिन्टो ।
जे० एस० एम० पिन्टो कलनगुठ, गोवा ।
(अन्तरक)

- (2) मै० रमेश कामत एण्ड एसोसिएट्स
सिरगवकर रोड, पणजी, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी०/25नव०, 84 तारीख 14-11-84)

प्लॉट नं० एफ-4 ।

"जोसेन्डा अपार्टमेंट्स" पणजी, गोवा ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 10-7-1985
मोहर :

प्ररूप मार्ग टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाइल सरकार

कायानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० डी० आर० / 98/84-85/37 ईई०—अतः

मुझे, आर० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० एम-3 है तथा जो 'जोसेन्डा अपार्टमेंट्स' पणजी, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-11-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कींचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार यह, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) 1. डॉ फ्रांसिस लीओ पिन्टो।
2. श्री नामे जोसे एम० जे० वी० पिन्टो।
3. श्रीमती ईडना डी० मारिया जे० एस० एम० पिन्टो, कलनगुठ, गोवा।

(अन्तरक)

- (2) अगोस्तानो डोमींगोस वाज वाप पेडो वी० वाज, पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाकी—

(क) इस सूचना के उद्यपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उद्यपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बंगलूर

(वस्तावेज सं० डी० आर० 98,84-85,37ईई० तारीख 14-11-1984)।

फ्लैट नं० एम-3 "जोसेन्डा अपार्टमेंट्स" पणजी, गोवा।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 10-7-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-1629/84-85-अतः मुझे, एच०

आर० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०-8/25 है तथा जो राजा नगर, गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का वंश प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
24—176 GI/85

(1) श्री विमल सपरा पत्नी
श्री के० जी० सपरा, निवासी ए-15,
न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शिखरचन्द कौन पुत्र स्व० श्री पूरन चन्द्र
जैन, निवासी 2-बी/ए-5, नेहरू नगर,
मेक्टर-2, गाजियाबाद।

(अन्तरिणी)

(1) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(2) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन नं० आर०-8/25, राजा नगर, गाजियाबाद।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

प्रमुख भाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1984

निदेश सं० एम०-6/85-86—अतः मुझे, एच० आर०
दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 516 है तथा जो विलायत करनवास में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29-11-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दयाराम व फिरेराम पुत्रगण
श्री हनूप सिंह निवासी विलायती करनवाल, तहसील
दादरी, जिला गाजियाबाद ।
(अन्तरक)

(2) श्रीराम फाईवर्स लि० कम्पनी
एक्सप्रेस बिल्डिंग 9/10,
बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
वास लिखित में किहू न सकेगा।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों की रीति का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(खसरा नं० 516) ।

ग्राम विलायत करनवास तहसील दादरी, जिला
गाजियाबाद ।

एच० आर० दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर

प्रथम भाग.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-9/85-86—अतः मुझे, एच० आर०

दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस सी-8 है तथा जो शास्त्रीनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती उषा मोहन पत्नी श्री दिनेश मोहन, 59, आवास विकास सिविल लाइन्स, मुरादाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रकला पुत्री श्री आनन्द किशोर पत्नी श्री गोपीचन्द्र, निवासी राम कुमार भवन, सराय काजी, मुरादाबाद ।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) क्रेतागण ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टी नं० एस० सी०-8 शास्त्रीनगर, गाजियाबाद ।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

प्रकृष्ट भाई. टी. एच. एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० एम०-14/85-86-अतः मुझे, एच० आर०
दास

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो पठानपुरा, में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकांश के कार्यालय, सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
11-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वर्तमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे वर्तमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को धिन्दा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) डा० नलिनेश कुमार पुत्र श्री बुध प्रकाश मोती
श्वेत, रानी बाजार, सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भानकौरी पत्नी श्री रामजी लाल वर्मा,
राम नगर, कोर्ट रोड, सहारनपुर।

(अन्तरिती)

(3) केतागण।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) केतागण।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें पयक्त सड़ों और पदों का,, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट स्थित ग्राम पठानपुरा, अहमदनगर सहारनपुर।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-40/85-86—अतः मुझे, एच० आर०

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मुरारीपुरम में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-84
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पक्षपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी या अधिक की मात्रा. उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथ-साथ से कभी कर देने या उक्तसे करने से संबंधित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से
लाभ के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुमेरचन्द पुत्र श्री हरशरण दास जैन,
निवासी छीपीबाड़ा, मेरठ सिटी ।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश बत्रा पुत्र श्री अमीर चन्द बत्रा,
निवासी ताहिर हुसैन केला वाली गली, मेरठ
सिटी ।

(अन्तरिती)

(1) क्रेतागण ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

(2) क्रेतागण ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान मुरारी पुरम आम्रपाली सिनेमा के पीछे, मेरठ ।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भावनकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० एम०-42/85-86—अतः मुझे, एच० आर०
दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है तथा जो सिविल लाइन्स में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ से रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
12-11-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के वास्तविक
में कमी करने या उच्च करने के सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हूँ—

(1) श्री सुधीर कुमार पुत्र श्री विष्णु शरण गुप्ता,
345, वेस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ शहर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मधु गुप्ता पत्नी श्री राम किशन गुप्ता,
व श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री राम किशन गुप्ता,
निवासी 70-ए, अलीमपुरा, मेरठ कैंट।

(अन्तरिती) —

(3) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(2) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2 बाक्री सिविल लाइन्स, शहर मेरठ।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर

अल्प भाई.टी.एल.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-43/85-86—अन: मुझे, एच० आर०

दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 165 है तथा जो पटेल नगर, में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उमेश चन्द्र अग्रवाल पुत्र एम० एम० अग्रवाल,
88, पी० एल० शर्मा रोड, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन लाल पुत्र श्री गोकुल चन्द्र, मारिका
पाल पत्नी श्री किशन लाल 842 आगपत गेट,
मेरठ।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 165 स्थित नार्थ पटेल नगर, मेरठ।

एच० आर० दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-48/85-86—अतः मुझे, एच० आर०

दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 37 है तथा जो देवनगर में स्थित है (और इससे उपासद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा में सिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा में सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वस्तु :-

- (1) श्रीमती अतरकली पत्नी श्री अशर्फी लाल,
निवासी 37, देवनगर, मेरठ ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती बमन्ती देवी पत्नी श्री गोरधन दास,
निवासी बागपत गेट, मेरठ ।
(अन्तरिती)
- (3) क्रेतागण ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) क्रेतागण ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महान नं० 37 देवनगर, मेरठ ॥

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1 - 1985

मोहर :

प्रकट बाध. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-49/85-86—अतः मुझे, एच० आर०
दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 37 है तथा जो देवनगर में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त वर्णन में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

25 —176 GI/85

(1) श्रीमती अन्तर कली पत्नी श्री अशर्फी लाल वर्मा,
37 देवनगर मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोवर्धन दास पुत्र
श्री फेरूमल 10, बागपत गेट, मेरठ।

(अन्तरिती)

(3) वही।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुख

मकान नं० 37, देव नगर, मेरठ।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

बीडर ३

भास्कर भार्गव, टी.एच.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-56/85-86—अतः मुझे, एच० आर० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेचन करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम खेड़ी करमू में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-11-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सम्बन्ध में कमी करने या उससे अचानक में सविधा की लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरोज बाला पत्नी श्री हरपाल सिंह, ग्राम खेड़ी कैरफना पोस्ट शामली जिला मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

(2) मै० गोखला फ्रेंसिसस सोसाइटी, 40 मकान नं० 13, महात्मा गांधी पथ भागलपुर (बिहार) (अन्तरिणी)

3. क्रेतवण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. क्रेतावण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

यदि वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतग्राम खेड़ी पो० शामली जि० मुजफ्फरपुर

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहूर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० एम०-58/85-86—अतः मुझे, एच० आर०
दास

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो मायापुर में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिहारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्षे प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्त से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए वा, जिन्हें में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को अर्जित :—

(1) श्री मनोहर लाल खन्ना पुत्र श्री जोधा राम खन्ना
आदि, निवासी श्रवण नाथ नगर, हरिद्वार, जिला
सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) अखिल भारतीय जी नगर समाज धर्मशाला द्वारा
श्री कन्हैया लाल महामंत्री निवासी धर्मशाला,
हरिद्वार, जिला सहारनपुर।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

(4) क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिस के धारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित श्रवण नाथ नगर, मायापुर हरिद्वार जिला
सहारनपुर।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

प्रकाशक भाग टी.एन.एच.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-61/85-85-अतः मुझे, एच० आर०
दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिमकी सं० 193 है तथा जो बेगम बाग में स्थित है (श्रीर
इससे उपाख्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित में
अवस्थापक रूप से निश्चित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वस्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कारण से कमी करने या उचित करने के लिये
नहीं किया जा सकता

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, बिना के
अवस्थापक के निम्न:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:--

(1) श्री तोताराम पुत्र श्री निर्मल सिंह
बेगम बाग, मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्री उत्तम सिंह पुत्र सरदार निर्मल सिंह
बेगम बाग, मेरठ ।

(अन्तरिती)

(3) श्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अभिधोग
में सम्पत्ति है) ।

(4) श्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

रजिस्ट्रीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अवस्थापक

मकान नं० 193, छोटा बेगम बाग, मेरठ ।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

कोडर ।

प्रमुख कार्य, डी. एम्. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-73/85-86--अतः मुझे, एच० आर०
दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 825/1 है तथा जो मो० इस्माइल खां में
स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
23-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकद्वि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरता (अन्तरताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
सादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित या वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक व इस प्रकार की अन्य बातों, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
अधिकारों को कभी करने या उक्त करने में अतिरिक्त
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में अतिरिक्त
के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री जय प्रकाश पुत्र श्री सूरज भान,
369, राम नगर, गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र स्वरूप पुत्र श्री छेदालाल,
श्री गोपाल कृष्ण पुत्र श्री छेदालाल,
पटपरा, बनकोर, बुलन्दशहर ।

(अन्तरिणी)

(3) क्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाँच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 825/1, मो० इस्माइल खां, राम नगर,
गाजियाबाद ।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

रक्षक बाई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-74/85-86—अतः मुझे, एच० आर०

दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० 94 है तथा जो हरदेव सहाय में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी 17-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी भाव की पावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

तब, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपेक्षा में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतन लाल पुत्र श्री विधावामल,
94, हरदेव सहाय, गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरिता देवी अग्रवाल पत्नी
श्री गुलाब चन्द, 328,
गोपुरी, गाजियाबाद ।

(अन्तरित)

(3) केशागण

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) केशागण

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितग्रह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

सत्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

कानपुर

मकान नं० 94, हरदेव सहाय, गाजियाबाद ।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

प्ररूप माह' टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निवेश सं० एम०-79/85-86—अतः मुझे, एच० आर०
दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट है तथा जो ग्राम पसौडा पर लोनी
में स्थित है (और इससे उगावख अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की जाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० जयप्रकाश एण्ड कम्पनी,
आर-6, नेहरू इनक्लेव कालाजी नई दिल्ली
द्वारा पार्टनर श्री जय प्रकाश गोवाल ।
(अन्तरक)

(2) मै० अमृत सहकारी आवास समिति लि०,
पंजाब एण्ड सिन्ध विटिंग जी० टी० रोड,
पसौडा पर लोनी तहसील व जिला गाजियाबाद ।
(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट स्थित पसौडा पर लोनी तहसील व जिला गाजियाबाद ।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

प्रकट नाम: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साध्य सरकार

कार्यालय: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-82/85-86—अतः मुझे, एच० आर०
दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन अधिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1389 है तथा जो कनवाली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-11-
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना था कि या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बनवारी एवं मुकुन्द लाल
निवासी ग्राम कनवाली, सेन्द्रल दून, देहरादून।
(अन्तरक)
- (2) मै० दून इंजीनियर्स को आपरेटिव हाउसिंग
सोसाइटी टी-15, यमुना कालोनी, देहरादून।
(अन्तरिती)
- (3) क्रेतागण
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- (4) क्रेतागण
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेत नं० 1389 स्थित ग्राम कनवाली सेन्द्रल दून,
देहरादून।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एन. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० एम०-83/85-86-अतः मुझे, एच० आर०

दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1173 है तथा जो कनवाली सेन्ट्रल हुन
में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, देहरादून
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बावत में कमी करने या उससे बचने में दुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसार
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
26-176 GI/85

(1) श्री गणेश सिंह पुत्र श्री रामचरण सिंह,
दिवासी 339, मुकुन्दगढ़, देहरादून।
(अन्तरक)

(2) हुन इंजीनियरिंग को-ऑपरेटिव हाउसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, टी-15 यमुना कालोनी,
देहरादून।
(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) क्रेतागण
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
व्यक्तियों द्वारा उक्त सूचना के प्रकाशन के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

सहस्र

खेत न० 1173 कनवाली सेन्ट्रल हुन, देहरादून।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

क्षेत्र काई टी. एम. एच. —

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-122/85-86-—धन: मुद्रा, एच० आर०

दास

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० के० एच०-34 है तथा जो रेजिस्ट्रार में
स्थित है (और इससे उपानद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रेजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रेजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 26-11-84

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्य
शतफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दा
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण व ह्रास किसी बाध की वजह से, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण
में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी वन या अन्य वास्तविक
को बिना भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, किया जाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री अर्जुन रेंज जॉन्स राजा पुत्र श्री जे० बी० राजा,
2339/15, किलपुरा, 'राजवाड़ा' नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

(2) श्रीमती शान्ति देवी पुत्री श्री राजिग राम,
विवासी राजवाड़ा, रामपुर व उर्मिला
स्वयंता पत्नी श्री हरिश्चन्द्र विहारी पुर,
निबिदा लाइन्स, बरेली।
(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) क्रेतागण
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाध :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

सकान न० के० एच०-34, स्थित कश्मिर, गाजियाबाद।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1 7 1985

मोहर

प्रकरण अधिनियम टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-121/85-86-आर० मुझे, एच० आर० दांग

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें से के० के० 62 है तथा जो कवि नगर में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अफ़ार की कार्यालय धारा 269-ब से रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम 26-11-1984

यदि भूव्यक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रत्यक्ष के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रमाणों का उचित बाजार मूल्य इसमें दृश्यमान प्रमाणों से ऐसे दृश्यमान प्रमाणों का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अर्जित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तियों का जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री साधुराम अग्रवाल पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, एन०-186, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मृदुला तायन पत्नी श्री प्रेम नारायण तायन, नव निकेतन, माँहड़ीपुर, गोंयपुर।

(अन्तरिणी)

(3) क्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्मृति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० के के 62, कवि नगर, गाजियाबाद।

एच० आर० दांग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

महेश :

प्रत्यक्ष बाई-टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-149/85-86-उत्तर कुंज, एच० आर०
दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे पी० के० ई०-92 है तथा जो वि. नगर में स्थित है
(और इस उपपद्धत अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-10-84

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब-पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
मासविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से कुछ किसी आय की दृष्टि से उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के निम्न;
प्रकार

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती जयना मेहता पत्नी श्री बी० के० मेहता,
निवासी डी-136, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती गान्धा देवी जैन पत्नी श्री चन्द्र जैन व
श्री चन्द्र जैन पुत्र गंध प्रभाष जैन,
निवासी कोठी प्रमिदादन, कालडा कालोनी,
निवात गंज लखनऊ।
(अन्तरिती)

(3) श्रेतागण
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) श्रेतागण
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट न० के ई-92 कवि नगर, गाजियाबाद।

एच० आर० दास

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

महिर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० एम० 152/85-86:—अत मुझे, एच० आर० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा को घुकना पर० लोनी में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची सं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच उस अंतर के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगपाल सिंह
पुत्र श्री कुंअर सेन
150 जी० टी० रोड,
गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स विश्व धर्म एकेडमी द्वारा
शासकीय निदेशक फादर कीसि आस्टर्न कानपुर
आर०/ओ० एस-102 ग्रेटर कैलाश,
न्यू दिल्ली-48।

(अन्तरिती)

3. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति से हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट ग्राम घुकना पर० लोनी तहसील ब जिला गाजियाबाद

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

इसका भाई, टी. एम. एल. - - -

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० एम-155/85-86—अतः मुझे, एच० आर० दाम
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 57 है, तथा जो नोएडा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नोएडा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्तिवद रूप से अधिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद ही कभी करने या उससे लपने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनीत कुमार वर्मा

डी०-122 पंचशील इन्कलेहा

बयू दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री खिल गगपाल एवट

श्री एन० एल० नागपाल,

एन० 298 पठचशील पार्क हन्यू दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग
में सम्पत्ति है)।

4. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना के प्रकाशन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि लंबी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में न लिखित द्वाारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 57, सेक्टर 15 ए, स्थित नोएडा जिला
गाजियाबाद।

एच० आर० दाम,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

प्रमुख कार्य, टी. ए. इ. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन मान्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० एम-159/85-86:— पतः मुने, एच० आर० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विवेक करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 51 है तथा जो इण्डस्ट्रियल इस्टेट
में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 27-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विवेक
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पेड़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच के अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में दायित्व
रूप में वर्णित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में लगी करने या उचित करने के अधिनियम के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी बात का हिस्सा है, छिपाने में भविष्य
के लिए।

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, स. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सौ. राकेश उमिनियरिंग वश्ये
गली नं० 4 पहाड़ गंज,
नई दिल्ली द्वारा राधे श्याम (पार्टनर)।
(अन्तरक)
2. श्री पुरुषोत्तम लाल सचदेव
पुत्र श्री आयाराम व अन्य,
1635/33 नाई वाला करोलबाग,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)
3. वही
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।)
4. वही
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त सबों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुत्व

प्लॉट नं० 51 स्थित कालोनी आर्यनगर, लोनी, शाहदरा

एच० आर० दास,
सहायक प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985
मोहर :

प्रमाण आर.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

निर्देश सं० एम-182/85-86:—अतः मुझे, एच०आर० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या, 20, 21, 23 और 34 है तथा जो
साम देहरा खास में स्थित है और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 नवम्बर, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विस्वास करने
का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक है कि किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अपार सिंह,
पुत्र श्री सरदूल सिंह,
21 जरजोन रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

2. कुमारी बी० ० शगबर,
पुत्री स० शेर अहमद खान,
75 राजपुर रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

3. वही

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. वही

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 90 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को उक्त अधिनियम द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट स्थित देहरा खास, पछवाइन, देहरादून।

एच० आर० दास,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० एम० 95/85-86 अतः मुझे, एच० आई० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है तथा जो दौलतपुर में स्थित है और
(इसे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रार
तारीख 16-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21 —176 GI/85

1. श्री राम जी लाल एण्ड सन्स,
168 राइट गज, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम द्वारा
राम लाल सिंह मंत्री,
जी० टी० रोड, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

3. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्र

प्लॉट स्थित दौलतपुरा गाजियाबाद

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बानपुर

कानपुर दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० एम-196/85-86—अतः मुझे, एच० आर० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 47/103-एम है, तथा जो दालन घाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० एस० के० गुप्ता,
पुत्र श्री बी० पी० गुप्ता,
1 ए रैसकोर्स, देहरादून।

(अन्तरक)

2.
म० बन्सन एण्ड एसोसियेट्स
2 मिडिलटन रोड, फ्लैट नं० 7,
सेकेंड फ्लोर, कल-कत्ता बी० ओ० 15/1
त्यागी रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

3. वही
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. वही
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यायाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत स्थित मौजा दालन घाला, देहरादून।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० 231/85-86--अत मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 36 है तथा जो खड्डेरा मेहसील दादरी
में स्थित है (और इससे उपाकृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) राजस्त्रीय अधिकारी के कार्यालय, दादरी में,
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन अन्य वास्तव्यो
के लिए भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राज कौर बेबा निखवा,
निवासी मिल-अन्देरा तहसील दादरी
जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र सिंह, बिजेन्द्र सिंह,
पुत्र श्री रणजीत सिंह, वीरेन्द्र सिंह,
देवेन्द्र सिंह, डी० साधन सिंह,
निवासी खड्डेरा मेहसील दादरी
जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

3. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 36 खड्डेरा तहसील दादरी जिला गाजियाबाद

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 1-7-85
मोहर

प्रूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक: 1 जुलाई, 1985

सं० एम-232/85-86—अतः मुझे, एच० आर० दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अनुरोध है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या डब्ल्यू-8 है तथा जो नाएडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय नोंदशा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिन्न नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार भन में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० जे० आई० हथीन कापट्स
सी०-33 निगामुद्दीन स्टेट,
नई दिल्ली द्वारा एम० के० जन।

(अन्तरक)

2. मै० आर० सी० फ्रेविस (प्रा०) लि०
5808 सदर बाजार, दिल्ली द्वारा
एल० के० जैन।

(अन्तरिती)

3. वही

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. वही

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 8 सेक्टर XI नोंदशा।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985
मोहर :

प्रमुख बाई, टी. एन. एच. एच.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० एम० 233/85-86:—अतः मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 92 है तथा जो बीज गोदाम है स्थित
है और इससे उपाय अतुल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित
है, राजपूत अविधायी के कार्यालय सिकन्दराबाद में,
राजपूत अविधायी, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; बाई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था किया जाने सुविधा के लिए;

जहाँ यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री इन्दरसवरूप भटनागर
पुत्र श्री स्व० बाबू सुन्दर सवरूप
भटनागर नि० 458 सेक्टर नं० 17
फरीदाबाद (हरियाणा)।

(अन्तरक)

2. श्री गनेशी लाल
पुत्र श्री बेनी राम
केदार नाथ
पुत्र श्री बनारसी दास
निवासी कस्बा सिकन्दराबाद
बुलन्दशहर (उ० प्र०)।

(अन्तरिती)

3. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अव्योहताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

म० नं० 92 मीजा काय स्थवाड तहसील सिकन्दराबाद
जिला बुलन्दशहर।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जुन रेंज कानपुर

तारीख: 1-7-1985
मोहर

प्रकृष माह. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कामपुर

कामपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० एम 237/85-86:—अतः मुझे, एच० आर० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कोठी है तथा जो अछोईवाला देहरादून
में स्थित है (और इससे उपायबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 29-11-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बात की वजह से, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यवस्था में कमी करने या उक्त वर्णन के विधि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें वे विधि
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है:—

1. श्री हंस कुमार गुप्ता
पुत्र श्री त्रिलोक चन्द्र गुप्ता
निवासी हाल IIएफ-72
नेहरू नगर, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कान्त,
पुत्र श्री जनार्दन प्रसाद
जनरल मैनेजर,
प्रो० एम० जी० सी० नाजिरा
जिला शिवगंज (आसाम)। (अन्तरिती)

3. केतागण
(वह व्यक्ति, जिसके अधिसूच
में सम्पत्ति है)।

4. कतागण
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जाता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी स्थित, अछोईवाला देहरादून।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कामपुर

तारीख : 1-7-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० एम-242/85-86:—अतः मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 926/927 है, तथा जो अहमदपुर में
स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), जिसकी सहायक अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में,
राजस्तीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 9-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रासंगिक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश अरोड़ा

पुत्र श्री स्व० लाला भोलादास

पता रेलवे रोड, ज्वाला पुर

जिला सहारनपुर

(अन्तरक)

2. श्री ए० सी० दुबे आफिसर इन्चार्ज

म्यूनिциपल बोर्ड हरिद्वार।

(अन्तरिती)

3. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोस्ताक्षरी जागता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 926/927 ग्राम अहमदपुर खुर्द
जिला सहारनपुर।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रोज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एम्. एड. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

निर्देश सं० एम-246/85-86:-अतः, मुस, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खसरा संख्या 1615 है तथा जो नई आबादी पिलबुआ में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री 5वां अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 7-11-1984

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालीकृत अवस्थिति से उक्त अन्तरण लिखित में बाध्य-कृत रूप में अधिलेखित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि जा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मध्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1) के अधीन निर्मालीकृत अवस्थिति, अधिलेखित :-

1. श्री कुन्द व यूनुस
पुत्र श्री मोहम्मद इमाम ईन निवासी
मो० शिवाजी नगर
पिलबुआ पर डासना
तहसील हापुड़, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री बड़ी प्रताप
पुत्र श्री उमराव सिंह
नि० मो० आर्य नगर पिलबुआ
तहसील हापुड़, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

3. क्रेतागण
(वह व्यक्ति, जिसे अविमोग में सम्मति है)।

4. क्रेतागण
(वह व्यक्ति, जिसे बारे में अविमोगकारी जनता है कि वह सम्पत्ति में स्तिवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताधरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 1615 नई आबादी पिलबुआ तहसील हापुड़ गाजियाबाद।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985
मोहः

प्ररूप आई. टी. ए. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ए० 31/85-86:—अतः मुझे, एच० आर० दास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन यद्यपि प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आकार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 876 है तथा जो आगरा में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 13-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाबा बबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विषय में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

28—176 GI/85

1. श्रीमती गौरी पुत्री श्री रनबीर सिंह
टोकी आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ पुत्र रेनबा
निवासी चन्दपुरा तह० देवी
जिला आगरा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 876 प्लॉट नं० पर बना है।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० ए निर्देश 52/85-86:—अतः, मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिमका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 476 है तथा जो नागला में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 5-11-1984

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवक्षित
होने का कारण है कि धारापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, यद्यपि उक्त अधिनियम के अधीन उक्त अधिनियम का
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच में अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
शत निम्नलिखित उद्धरण के उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक
मूल्य से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अधिनियम सं 475 किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधिनियम अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था। धिष्ठान में सुविधा
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्रीमती जसवन्त कौर बेबा सरदार प्रीतम सिंह आदि
साकिन हाल नगदा पदी, आगरा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा पचोरी पत्नी हरी बाबू पचोरी
श्रीमती कुसुम लता पत्नी किशन बाबू
आदि—साकिन—हींग की मण्डी, आगरा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आयवाद नं० 475 नगला पदी, आगरा।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985

मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए० 54/85-86:—अतः, मुझे, एच० आर० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 478 है तथा जो में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
वै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गौरी पुत्री श्री रत्नवीर सिंह
अमरपुरा टोकी आगरा।
(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा देवी एवं श्रीमती इन्द्रा देवी
पुत्रियां श्री रत्नवीर सिंह,
निवासी चमरपुरा मजरा मौजा टोकी
फतेहाबाद, आगरा।
(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जो 876 प्लॉट नं० पर बना हुआ है।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985

मोहुर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

माउण्ट बारकाठ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

सं० ए० 57/85-86:—अत मुझे, एच० आर० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो ककरेठा में स्थित है
(और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी) कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)) अधीन,
तारीख 14ड11-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
बाद/बा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

1. श्री राम सनेही पुत्र परशावी
निवासी, ककरेठा, जिला आगरा।

(अन्तरक)

2. महेश सहकारी समिति लि०
द्वारा सचिव धिनेश चन्द सिंह पुत्र
श्री कपूर चन्द, नोबस्ता
लोहा मण्डी—आगरा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्गण के निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तर्गण के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
था है।

अनुसूची

जायदाद वाले मौजा ककरेठा, जिला आगरा।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

सं० ए० 60/85-86:—अतः, मुझे, एच० आर० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या 876 है तथा जो में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है, रजिस्ट्री-हस्त अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अन्तर्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गौरी पुत्री श्री रनवीर सिंह
चमर पुरा टोकी-आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री भरत सिंह पुत्र श्री रनवीर सिंह
सकिन चमर पुरा, फतेहबाद,
आगरा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भकान जो 876 साट नं० पर बना हुआ है।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985
आह्वार :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए० 62/85-86:— अतः मुझे, एच० आर० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या खसरा नम्बर 926 है तथा जो यवना
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप
से बाँटा है), राजेंद्रावती अधिभूत के कार्यालय आगरा
में, राजेंद्रावती अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधिनियम तारांक 12-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
वस्तुओं के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, यावत्, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राधा स्वामी सतसंग
शाह देवादा बाग—आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री राजा बलवन्त सिंह सहकारी आवास समिति लि०
आगरा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधीहस्ताधारी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अधी खेती मीजा मऊ मुस्तकिल।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-7-1985
मोहर:

प्रकरण आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए० 63/85-86—अतः मुझे, एच० आर०

दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिरकी सं० 737 है तथा जो, चौक दराम मंडी में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नात :—

1. गिरीश मज पुत्र छत्रोजन आदि
निवासो मण्डो राम दास पुरो
मथुरा।

(अन्तरक)

2. डा० के० पी० बंसन, पुत्र कैलाश चन्द,
मबी राम दास—मथुरा।

(अन्तरिती)

3. अंतरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता टान सं० 737 चौक दराम मण्डो मथुरा।

एच० आर० दास;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985

मोहर :

प्रकट बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए 78/85-88:—अतः मुझे, एच० आर० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 402 है तथा जो न्यू विष्णु पुरी अलीगढ़
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-11-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का समुचित
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक है कि किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के संबंध में :—

1. श्री हरी शंकर गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्री दोरी लाल
न्यू विष्णु पुरी अलीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्रीमती वीना गुप्ता पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल
न्यू विष्णु पुरी, अलीगढ़।
(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. -----

(वह व्यक्ति, जिस बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवन्ध है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमोदी

मकान नं० 2/154 विष्णु पुरी अलीगढ़।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम. - - -
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

तात्कालिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निवेदन सं० ए 79/85-86:—अतः मुझे, एच० आर० दाम,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3/144 है तथा जो राम घाट अलीगढ़
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
29—176 GI/85

2. श्रीमती गीता कुमारी पत्नी अश्वनी कुमार
राम घाट रोड, अलीगढ़।
(अन्तरक)
2. श्री राजेन्द्र प्रसाद गर्ग पुत्र श्री विशम्भर दयाल गर्ग
निवासी कोडिया गंज—अलीगढ़।
(अन्तरिती)

3. अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान राम घाट रोड, अलीगढ़।

एच० आर० दाम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 3-7-85

मोहुर :

प्रारूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

सं० ए० 83/84-85:—अत मुझे, एच० आर० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो दोदपुर में स्थित है
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-11-1984।

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किताब जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित शर्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुखती देवी पत्नी श्री खेत सिंह
ग्राम उत्तरा, अतरोनी अलीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नसीम इकददार पत्नी श्री श्री काजी कददार
नवील मिह्रीकी निवासी नगीना
विजनौर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. -----

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान ग्राम दादोपुर अलीगढ़।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

प्रकृष बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

सं० ए० 85/85-86:—अतः मुझे, एच० आर० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो मऊ में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 5-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कार्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
अ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती निहारी देवा शिविया
निवासी मौजा मऊ तह० व जिला—आगरा।
(अन्तरक)

2. दयानन्द नगर सहकारी आवास समिति लि०
द्वारा सचिव, श्री रामवीर सिंह वर्मा
पुत्र श्री अल्लू सिंह
निवासी प्रकाश नगर, भोगी पुरा—
आगरा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जायदादा जमीन 7002 वर्ग मीटर मौजा मऊ जिला
आगरा।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985
मोहर

प्रश्न नम्बर टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाष्य सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

सं० ए 80/85-86:—अत मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 31/71 है तथा जो आगरा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
15-12-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को हथबज
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके हथबज प्रतिफल से, एवम् हथबज प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
नामा नमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
को निए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा
को लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजेन्द्र पाल शर्मा मास्टर राम जी पाल,
निवासी खालसा गली आगरा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिथलेश जैन पत्नी सन्तोष कुमार जैन,
निवासी लुहारी गली आगरा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

मकान नं० 31/71 लुहारी गली आगरा।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985

मोहर :

प्ररूप आर्ट.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निदेश सं० ए-90/85-86:—अतः मुझे, एच० आर०
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एम० पी० रोड़, आगरा
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
11-12-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कविरा सहकारी आवास सं० लि०,
आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रजनी देवी पत्नी
श्री विनोद कुमार अग्रवाल आदि,
नि०—महावीर नगर,
फिरोजा बाद,
आगरा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायी संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

धर्मा इन्क्लेव एम० पी० रोड़, आगरा।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985.

मांहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निवेश सं० ए-92/85-86:—अतः मुझे, एच० आर०
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो डैम्पियर नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-11-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फूल चन्द गर्ग पुत्र,
श्री लाला नरसिंह,
डैम्पियर नगर,
मथुरा।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार पुत्र,
श्री देवी दास जी,
निवासी डैम्पियर नगर,
मथुरा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(यह व्यक्ति, जिसकी अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद डैम्पियर नगर, मथुरा।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 3-7-1985.

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निदेश सं० ए०-94/85-86:—अतः मुझे, एच० आर०
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन गश्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23 है तथा जो एम० जी० रोड, आगरा में स्थित
है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11
दिसम्बर, 1984 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कविरा गहकरी आवाज रजिस्ट्री लि०,
आगरा।
(अन्तरक)

(2) श्री गणेश चन्द पुत्र,
श्री रमेश चन्द,
मुहल्ला गंज,
फिरोजाबाद,
आगरा।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 423, धर्मा इन्क्लेव, एम० पी० रोड, आगरा।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985.

माहूर :

प्रारूप आर्द.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निदेश सं० ए०-97/85-86:—अर्जन: मुझे, एच० आर०

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 326 है तथा जो इनक्लेव एम० पी० रोड, आगरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण मैं हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए० से किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कविराज सहकारी आवास समिति लि०,
आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती देवी पन्नी,
श्री मुन्ना लाल,
237, जलेश्वर रोड,
फिरोजाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 326 इनक्लेव एम० पी० रोड, आगरा।

एच० आर० दास,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए०-99/85-86—अनः, मुने, एच० आर०
दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24, 225 है तथा जो आगरा में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 11-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

30-176 GI/85

- (1) कविरा सहकारी आवास समिति लि०
आगरा।

(अन्तरक)

- (2) श्री रमेश चन्द शर्मा पुत्र
स्व० श्री राम शर्मा
जसराना
मैनपुरी।

(अन्तरिती)

- (3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 24, 225, धर्मा इनक्लेव एम० पी० रोड आगरा।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985

मोहर :

प्रारूप भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए०-100/85-86—अनः मुझे, एच० आर०
दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14, 21, 22, 23 है तथा जो भोपट्टी में स्थित
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरुखाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
5-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
व्यस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ललित कुमार गोहनका
पुत्र श्री गोधर गोहनका आदि
मार्फत भगवान कोल्ड स्टोरेज
फरुखाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव कुमार रसतोगी,
पुत्र श्री शिव नारायण रसतोगी,
द्वारा—मुशीला कोल्ड स्टोरेज,
फरुखाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति का अन्तरण के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 14, 21, 22, 23, भोपट्टी, फरुखाबाद।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ए०- 101/84-85—अतः मुझे, एच० आर०

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 109 है तथा जो रहचटी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिकोहाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दख्खान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य उसके दख्खान प्रतिफल में एममें दख्खान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एम अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम भरोसे लाल पुत्र,
श्री शिव प्रसाद यादव,
नि० कटरा मिरा,
कस्बा—शिकोहाबाद,
जि०—मैनपुरी।

(अन्तरक)

(2) जवाहर सहकारी गृह निर्माण समिति लि०,
शिकोहाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत नं० 109 मि०—मोजा रहचटी, शिकोहाबाद।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985

मोहर :

प्रकृप बाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निदेश सं० के०-36/85-86—अतः मुझे, एच० आर०

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 496 है तथा जो ब्लॉक सी, स्कीम 7 स्वरूप नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) बिना ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; विष्णुकिशोर दत्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए; और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अधिनियम, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्रीमती डा० सुमन वर्मन
पत्नी, श्री अतुल कुमार,
7/32, तिलक नगर,
कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री संगम लाल गुप्ता,
श्री बनवारी लाल गुप्ता,
श्री किशोरी लाल गुप्ता
सुपुत्र, श्री मुन्नालाल गुप्ता,
76/174, सब्जी मंडी,
कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 496, ब्लॉक सी, स्कीम 7, गुटटैया स्वरूप नगर,
कानपुर।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-7-85.
मोहर :

रूप माह.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निर्देश सं० के०-38/85-86-प्रत० मुझे, एच० आर०
दासे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1038 है तथा जो चन्दारी-कानपुर में स्थित
है (आप इसे उभावट खनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्री की अधिनीति के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरकों) के लिये प्रत्येक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
से कभी कर या सबसे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, जहाँ उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हुकम चन्द जायसवाल
श्री सूरज प्रसाद जायसवाल,
नि०-30/99, माहेश्वरी मंहाल, कानपुर
(अन्तरक)

(2) जगन्मथ प्रसाद रस्तोगी व
श्रीमती स्वराजराणी रस्तोगी,
निवासी-105/689,
कालपी रोड,
भन्जाना पुरवा शहर,
कानपुर।
(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)।

(4) क्रेतागण।
वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को
पात लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराणी प्लॉट नं० 1038, स्थित ग्राम चन्दारी, कानपुर।

एच० आर० दास,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 4-7-1985

माहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निदेश सं० के०-40/85-86-अन: मुझे, एच० आर०
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 1038 है तथा जो ग्राम चन्दारी में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 ए.टी. 16) के अधीन, तारीख 27
नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दख्यमान प्रतिफल से, ऐसे दख्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में बाध्य-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तुण से हुई किसी भाव की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
कोई/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या विधानों में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हुकुम चन्द जायसवाल सपुत्र,
श्री सूरज प्रसाद जायसवाल,
निवासी-30/99,
साहेबखरी मोड़ान,
कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ प्रसाद रस्तोगी,
श्रीमती स्वरज रानी रस्तोगी,
निवासी 105/689,
कालपी रोड, कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिधोग में
अम्पत्ति है)।

(4) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह अम्पत्ति
में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी नौ पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

आ० न० 1038, स्थित ग्राम चन्दारी, कानपुर।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-7-1985.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वानपुर

पुर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निर्देश सं० के०-41/85-86-अनः मुझे, एच० आर०
दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 240, 441 है तथा जो ब्लॉक वेस्ट स्कीम 2
पुराना वानपुर में स्थित है (और इसे उधावद्ध अनसूची में भी
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीधारी अधिपति के कार्यालय, वानपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
12 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रन्तो देवी वाजपेयी, श्रीमती आभा शकुला,
कु० अचला वाजपेयी आदि,
नि० 81/36, पटकापुर,
वानपुर।

(अन्तरक)

श्री महेन्द्र कुमार सुरेका

3 ए/185,

आजाद नगर,

वानपुर।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

240/241, ब्लॉक वेस्ट, स्कीम 26, पुराना वानपुर।

एच० आर० दाम,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वानपुर

तारीख : 4-7-1985

मोहर :

प्रकट भाग टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निदेश सं० के०-43/85-86—अतः मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1004/1005 है तथा जो जगई पुरवा में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पत्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरगुन सुपुत,
श्री बशी
नि०—जगईपुरवा,
कानपुर । (अन्तरक)

(2) श्री नेहरु स्मारक सहकारी समिति,
द्वारा प्रेम प्रकाश त्रिपाठी, सत्रेदरी,
128/35, जी० ब्लाक,
किदवई नगर, कानपुर । (अन्तरिती)

(1) क्रेतागण ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।

(4) क्रेतागण ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के लज्जत क संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिखे जा सकेंगे ।

(स्पष्टीकरण) :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आ० न० 1004, 1005, स्थित जगई पुरवा, कानपुर ।

एच० आर० दास,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर ।

तारीख 4-7-1985

मोहर

प्रकाश बाई. वी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निर्देश सं० के-45/85-86:-प्रतः सुझे, एच० आर०

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जल्दी संख्या—है तथा—जो, में स्थित है (और इससे उपा-
युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय उरई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक में हुए किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बावत में कमी करने या उससे बचने में दृष्टि
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रकोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दृष्टि
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

31-176GI/85

(1) श्री बसन्त लाल सुपुत्र
श्री चतुर्भुज,
नि० ग्राम कुठौदा पर० उरई,
जि० जालौन।

(अन्तरक)

(2) श्री किशना व मानिक व श्री प्रताप
पुत्रगण श्री इन्द्रजीत, प्रमोद व उदय आदि,
नि०—मौजा कुठौदा पर०—उरई,
जि० जालौन।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-7-1985.

मोहर ■

इसका धारा 1, एच. एच. एच. एच.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० के०-52/85-86—अतः, मुझे, एच० आर०

दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 128/एफ/68 ए है तथा जो कदवई नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विचार करने का कारण है कि यथार्थपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरक के लिए शय गया गया प्रतिफल भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

(1) श्री रूप किशोर अग्रवाल सपुत्र
स्व० बाबू मोहन लाल अग्रवाल,
नि० 30/33, माहेस्वरी मोहाल,
कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री होरी लाल गुप्ता सपुत्र
श्री गुलजारी लाल गुप्ता,
निवासी 87/310, आचार्य नगर
कानपुर ।

(अन्तरिती)

(3) जेतागण ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जेतागण ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के सब सिद्धि में किया जा सकेंगे।

संज्ञाकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० न० 128/एफ/68 ए, कदवई नगर, कानपुर ।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-7-1985.

मोहुरा

माहुर :

प्रथम भाग : टी. एम. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० के०-54/85-86—अतः मुझे, एच० आर०

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10/429 है तथा जो खलासी लाइन्स में स्थित है
(और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26
नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए व्ययित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बावित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है, अन्तरण से हुई आय, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री सरवारी लाल सपुल
स्व० श्री झंडाराम,
11/311, सूटर गंज,
कानपुर । (अन्तरक)
- (2) श्री मनोहर लाल संतवानी
स्व० श्री जय किशन दास,
नि०-7/188, स्वरूप नगर,
कानपुर । (अन्तरिती)
- (3) क्रेतागण ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

- (4) क्रेतागण । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवश है) ।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

समाप्तिकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बध्नाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं० 10/429, खलासी लाइन्स, कानपुर ।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-7-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० 3033/8062/84-85—यतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ० नं० 110 सागर अपार्टमेंट्स 926
सिनेगाग स्ट्रीट पुणे-1 है तथा जो पुणे में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पुणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पि० वि० महाउकर एण्ड सन्स
926 सिनेगाग स्ट्रीट
पुणे-1

(अन्तरक)

(2) श्री अहमद शरीफ म० उस्मान
श्रीमती मुमताज अहमद उस्मान
398 नाना पेठ
पुणे-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 110 सागर अपार्टमेंट्स 926 सिनेगाग स्ट्रीट
पुणे-1.

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 8062/84-85 जो दिसम्बर
1985 जो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख : 11-6-1985.

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एल.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 3733/772 एक्कू 84-85—यतः मुझे,
अनिल कुमार,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 45 ए/2 ए बोपोर्डा पूना (क्षेत्र 6500
स्के० फी०) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए व्यवस्था नवा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य मास्तियों
को जिनमें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए या, विधान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) श्री नारायण रामन्ना गजबरे
59, एल फिस्टन रोड
बोपोर्डा पूना ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी
भागीदार—दयालमी मोहन राठोड
752 रविधर पेठ
पूना-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहेस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/7729/84-85 को
नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

(क्षेत्र 6500 स्के० फी०) ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना ।

तारीख : 6-6-1985
मोहर :

राज्य वाणिज्यिक न्याय मंडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/7477/84-85—यतः सुझे,

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 104/1/1 (भाग) इरान्डवाना पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की ध्वजाव प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के वास्तविक में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) सैमर्स देवधर एन्ड जोशी
प्रमोटर्स और बिल्डर्स
1298 सदाशिव पेठ
पूना-30

(अन्तरक)

(2) श्री रामदास बाबुराव नकेश
1930, सदाशिव पेठ
पूना-30.

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/7488/84-85 को नवम्बर 1984 जो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज पूना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-6-1985

मोहर

प्रकट आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/7822/84-85:—यतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 104/1/1 (भाग) एरडावना पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाकृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की भाष, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाष या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैमर्स देवधर एण्ड जोशी
प्रमोटर्स एण्ड बिजनेस
1298 सदाशिव पैठ
पूना-30.

(अन्तरक)

(2) श्री यशवन्त आर० गोखले
176/ए/1 पर्वती
पूना ।

(अन्तरिती)

ये सब सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता है ।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण 2:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/7822/84-85 को दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख : 7-6-1985.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1985

निदेश सं० 37ईई/7823/84-85-यन: मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 104/1/1 (भाग) एरडावना पूना
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिनाम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32—176 GI/85

(1) सैयद देवदास एम. जोशी,
प्रमोद एन्ड बिल्डर्स,
124 महाशिव पेठ,
पूना-30.

(अन्तरक)

(2) श्री ए. एम. जोशी,
सुन्दर निवास,
कांयसंड, पूना-29.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण सं० 37ईई/7823/84-85 को
माह दिनाम्बर, 1984 का सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 7-6-1985.

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना दिनांक 4 जून, 1985

निदेश सं० 37ईई/15322/84-85-अतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 57, सर्वे नं० 43, नवधर गांव, ता०
बसई, जिला धानू जो धानू में स्थित है। (और इससे उपाध्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज
पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्ष 1985—

(1) श्रीमती शारदा योगराज भंडारी,
डी-21, पंजाब हो० सोसायटी,
टेंगोर रोड, सांताक्रुज ((डब्ल्यू०),
बम्बई-54. 1

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सीमा कंस्ट्रक्शन कंपनी,
54 काजल अपार्टमेंट्स (ए) 53,
आनन्द नगर (नवाधर),
बसई रोड (डब्ल्यू०) 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/15322/84-85 को
जो अप्रैल 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख : 4-6-1985.

माहुर :

प्रकृप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना दिनांक 4 जून 1985

निदेश सं० 37 ईई/16375/84-85-अत, मधे,
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बगला न० 48, आय० बीएस टाईप प्लान न० 43
बांधी हुई जगह 1013 स्क्० फुट देहात बालीव तासबसई जि०-
ठाना, (क्षेत्र 1013 स्क्० फी०) है तथा जो ठाना में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में औच पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा :-

(1) मैसर्स दादिया और एसोसिएट,
कीर्ती वैभव सवारी नामा,
बम्बई-15.

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल केशवजी पुरेछा,
23 रामेश्वर रामगली एस० व्ही० रोड
क्रांतिविल डब्ल्यू०),
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
अवधारणा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 37 ईई/16375/84-85 को
जो मई 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)
(क्षेत्र 1013 स्क्० फी०)

अनिल कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 4-6-1985.
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून, 1985

निदेश सं० 37 ईई/7981/थाण/84-85-प्रतः मुझे
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ० न० 414, प० न० 16 हिस्सा-17, डी
बी० सी० वासी नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, (रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय के बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लिबर्टी इन्वेस्टमेंट्स प्रा० लि०,
302, डलमल हाउस,
206, नारिमन पार्क,
बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल सत्तार इब्राहिम डोसा,
32, 36 बाबला टैंक, कोन मार्ग,
बम्बई-3.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 424, प्लॉट न० 16, हिस्सा-17, डी बी सी
वासी, नई बम्बई।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 9781/84-85 जो अक्तूबर
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रज
पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूना

तारिख : 11-6-1985.
मोहर

प्रकृ. भा. टी. एन. ए. २ = २०००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून, 1985

निर्देश सं० 37ईई/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ० नं० 411, प्लॉट नं० 16 हिस्सा-17, डी० बी० सी० वाशी, नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाँट/बा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लिबर्टी इन्वेस्टमेंट्स प्रा० लिमिटेड,
302, डलमल हाउस,
206, नरिमान पाईंट, बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री इब्राहीम ओमर डीसा,
32/36, बाबाला टैंक, फ्रांस मार्ग,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँ-जहाँ के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 411, प्लॉट नं० 16, हिस्सा-10, डी०बी०सी० वाशी, नई बम्बई।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 9779/84-85 को अक्टूबर, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 11-6-85

सिद्ध

प्रकृष बाई, टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून, 1985

निर्देश सं० 9778/84-85—यतः मुझे, अनिल कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ० नं० 413, प० नं० 16, हिस्सा-17,
डी०बी०सी०, वाशी, नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूने में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब में अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लिबर्टी इन्वस्टमेंट्स पि० लि०,
302, डलमल हाउस, 206, नरिमान पार्क,
बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल रज्जाक इब्राहीम डीसा
2/36, बाबला टैंक, क्रीस मार्ग,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 413, प्लॉट नं० 16, हिस्सा-17, डी०बी०सी०, वाशी
नई बम्बई जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 9778/84-85 अक्टूबर 84
के सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूने के दफ्तर
में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 11-6-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून 1985

निर्देश सं० 37ई/10231/84-85—अतः मुझे अनिल कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 106 प्लॉट नं० 17 हिस्सा-17
डी०बी०सी० वाशी नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
(रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लिबर्टी इन्वेस्टमेंट्स पि० लि०
302 डलमल हाउस
206 नरिमान पॉइंट बम्बई।

(अन्तरक)

2. अ. नटराजन
ए/17 इन्जीविडार सी०
मलाड (पश्चिम) बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 106 प्लॉट नं० 17 हिस्सा-17 डी०बी०सी०
वाशी नई बम्बई।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 10231/84-85 को नवम्बर
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
पूने के दफ्तर में लिखा गया है]।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 11-6-85
मोहर :

रक्षक आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/7075/84-85—अतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट 90 तलमजला शैलेश इंडस्ट्रियल
इस्टेट नं० 1 प्लॉट नं० 75-76 म० नं० 31, 34, 35 नवंबर
तालुका बसई जिला थाना है तथा जो बसई में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया

आ. नि. सं. 37ईई/7075/84-85

की दि० १२/६

1. श्री कस्टमन

109 के० टी० चेम्बरस बसई रोड (डबलू)

(अन्तरक)

2. मेसर्स दिवे मोल्डर्स इलुमिनेशियल

292 मुनिल हाउस न्यू 11वां रस्ता

चेंबूर बम्बई-79।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/9075/84-85 जो अक्टूबर
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नं०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-6-85

मोहर :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 37ईई/6728/84-85—अतः, मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 7, तीसरी मंजिल, सं० नं० 27, 1
ए, एरडवना पूना-4 क्षेत्र० 510 स्वे० फु है तथा जो पूना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

33—176 GI/85

1. मेसर्स मयुरेश एंटरप्राइसेस
722, 45, गंगाधर लक्ष्मी पार्क,
नवी पेठ, पूना-30।

(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार मल्होत्रा, और श्रीमती सरोज
राज मल्होत्रा, इ-6, शंकर छाया सोसायटी
इरडवना, पूना-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 27ईई/6928/84-85 जो
अक्टूबर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

(क्षेत्र० 510 स्वे० फुट)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9-9-84

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 37ईई/437/84-85—यतः, मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 4, पहली मंजिल, बी विंग, धनश्री
अपार्टमेंट फ्लैट नं० 16 ओका कालोनी, दिन। विजय कालोनी
के पास ट्रिम्बक रोड, नासिक

है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स सुले कंस्ट्रक्शन
38 प्रधान पार्क, महात्मा गांधी रोड,
नासिक।

(अन्तरक)

2. श्री सुनिल सुरेश पलुसकर,
1895 पार्वती सदन,
तीवधां लेन, नासिक सिटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/437/84-85 जो नवम्बर
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना
के दफ्तर में लिखा गया है)।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 9-9-84

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 37ईई/408/84-85--अतः, मुखे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 7 गोपिका अपार्टमेंट को-ऑपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी सं० नं० 922/4 प्लॉट नं० 2 ए और सं०
नं० 922/5, प्लॉट नं० 2 बी नासिक, (क्षेत्र 540 स्क्व फुट)
है तथा जो नासिक में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
नवंबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शाश्वत में कमी करने या उसमें बचने में भविष्य
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
अविषय के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर कार्य करता हूँ—

1. श्रीमती। वसन्त मधुकर। गुरुवाट
फ्लैट नं० 7 गोपिका अपार्टमेंट सोसायटी, सिड्के कालोनी,
नासिक-2।
2. मेसर्स निर्माण बिन्डर्स
4612-के, पोद्दार भवन पुराना आगरा रोड,
पंचवटी, नासिक-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण नं० 37ईई/408/84-85 जो नवम्बर
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज,
पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

(क्षेत्र 540 स्क्व फुट)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 9-9-84

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून 1985

निर्देश सं० 37 ईई/9594/84-85--अतः मुझे, अनिल
कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 6, बिल्डिंग नं० बी-1, प्लॉट नं०
5, सं० नं० 114, 115-2बी, 116, 1 से 6, कोफराड गांव, बसई,
थाने है तथा जो थाने में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक नायकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब बाधा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी नाय का बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
नाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किना जाना चाहिए था, किनाये में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मे० परांजये कन्स्ट्रक्शन कं०,
34, महात्मा गांधी मार्ग,
विले पार्ले (पूर्व),
बम्बई-57।

(अन्तरक)

2. एस० एल० करूलकर,
6/125 विजय नगर,
अंधेरी (पूर्व), बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के नि
कार्यवाहिता करता है।

उक्त संपत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मांगोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या इतना जितनी अवधि को
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
निमित्त में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरणः—इसमें प्रमुख सूचना दी गई है, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 6, बिल्डिंग नं० बी-1, प्लॉट नं० 5, सं० 114,
115-2बी, 116, 1 से 6 कोफराड गांव, बसई, थाने।

(जैसे रजिस्ट्रीकृत क्र० 9594/84-85 जो अक्तूबर, 84 को
सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में
लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 11-6-85

मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० 37 ईई/6860/84-85—अतः मुझे अनिल
कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 11 और 12 कमलतारा अपार्टमेन्ट्स
[धोले पाटिल रोड, पूना-1

है तथा जो पूना, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मूविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जातः :—

1. श्री मदन ताराचन्द सामन्त

फ्लैट नं० 11 और 12, 191 धोले पाटिल रोड, पूना-1।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जयश्री पी० छावरिया,

फार्व स्टार अपार्टमेन्ट्स, 4/7 बन्द गार्डन रोड,

पूना-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ईई/6860/84-85 जो
अक्तूबर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-6-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० 37 ईई/7025/84-85—अतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 11, 12 आयडियल कालोनी, सं०
नं० 927 कोथरुड, पूना-29 है तथा जो पूना में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण (अर्जन)
रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देन के अंतरक के
प्रयत्न में कामी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पर्याजनाथ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्—

1. श्री एम० एन० गोडबोले 17/2 गुरुदायना प्रधान रोड पूना-4
श्री यू० एन० गोडबोले 493 माडल कालोनी पूना-16
(अन्तरक)

2. चाफलकर लड्डा एन्ड को०
295 पर्वती पूणे-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/7055/84-85
जो माह अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 6-6-1985
मोहर :

प्रश्न जाई. टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-पूना

पूना, दिनांक 6 जून 85

निर्देश सं० 37 ईई/6506/84-85—अतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शाप नं० 6 और 7 तल मंजला सी०टी०एम०
नं० 1303 सदाशिव पेठ पूर्ण-30 है तथा जो पूना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वनों के अन्तरण के
आयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती नंदाकिनी कृष्णेश्वर द्विविड़
मार्फत मेसर्स थून अजेन्सिस भवानी
पेठ पूना-2

(अन्तरक)

2. छाया प्रकाश प्रवार
307/बी शुक्रवार पेठ, पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/6906/84-85 को
जो माह अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-6-85

मोहर १

प्रकरण, भाई. टी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/6701/85-85—अतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 7 तीसरी मंजिल सं० नं० 27/
7-ए०अरेडावना पूना (क्षेत्र 550 स्क्वै० फु०) है तथा जो पूना में
स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित में कभी कड़न वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स मयुरेश एंटरप्राइसेस
722/45 लक्ष्मी पार्क "गंगाधर" नवी पेठ पूना-30
(अन्तरक)

2. श्री समैय्या बसय्या मिठापती
ई-2 शंकर छाया को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
कर्वे रोड पूना-2
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37 ईई/6707/84-85 को
जो माह अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 6-6-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/7249/84-85 या मुझे अनिल कुमार
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डीएन० बि० चौथी मंजिल विभाग 9
ठाकर हाउस 2417 जनरल धर्मेश्वरा रोड पूना-1 (क्षेत्र 1910
स्के० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी
के कार्यालय सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
पूना, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-
फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में प्रविष्टि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ठाकुर एण्ड परमार प्रापर्टीज प्रा० लिमिटेड
119/117 1ली मंजिल स्ट्राट
बम्बई-2

(अन्तरक)

(2) श्री राशीद गरीफ नराफी
गुरु नानक हाऊस पारखानी हाऊस
पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 20 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों के में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/7241/84-85 को जो
नवम्बर 1984 को सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

तारीख: 4-6-1985

मोहर :

इसका नाम 'टी. एन. एच.' है—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, तारीख 4 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/10765/84-85-अतः मुझे अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० टी०-एम० 966/ए० एफ० पी० 794/- ए० प्लॉट नं० 4, शिवाजी नगर पूना-16 (क्षेत्र-770 स्क्व० फ०) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की राशि उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वर्धन में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स राजाराम शिराके एन्ड एसोसिएट्स
प्लॉट नं० 394/ए० शिवाजी नगर,
पूना-16

(अन्तरक)

(2) श्री सुदर्शन नारायण खचरे
विष्णु नारायण खचरे
श्रीमती पुष्पा दिनकर खचरे
मकाम पोस्ट शैल गांव बाजार मोनाला,
जिला बुलढाना

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्री त नम्बर 37ईई, 10765/84-85 को जो मार्च 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है। (क्षेत्र 770 स्क्व० फ०)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख 4-6-85
मोहर :

सहायक आयकर अधिनियम, 1961

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

4 जून, 19

निर्देश सं० 78ई/10792/84-85-अतः मुझे अनिल कुमार

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० बी० 3 पहला मंजिला खजिजा अपार्ट-मेन्ट सं० नं० 16/1+2 150-153 ए० प्लॉट नं० 12 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारियों के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सहायक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) के० प्रोमोटर एन्ड बिल्डर्स,
58/ए० स्टू-बा हाऊजिंग सोसायटी
विश्राम वाई पूना-15

(अन्तरक)

(2) श्री एन० टी० मथाई और
श्रीमनों पाणमा,
एन० मथाई 22 बाम्ब पूना रोड,
खडकी पूना-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्री-त क्र० 378ई/10792/84-85 जो माह मार्च 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण (अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 4-6-85
मोहर

सूचना आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना, तारीख 19 जून, 1985

निर्देश सं० 37ईई/10325/84-85-अतः मुझे

अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के
अधीन सूचना प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10 पहला मंजिला श्रीनिकेतन
प्लॉट नं० 2 और 9 पार्वती भिन्मा के पीछे क्षेत्र 630 स्के०
फु० है तथा जो ठाना में स्थित है (और इससे उभावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज, पूना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्ना
प्रतिफल से अधिक है और धम्पटक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल विम्बलिखित उद्देश्य से उक्त धम्पटक लिखित में वास्तविक
मूल्य से अधिक नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए; या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स श्री इंटर प्रायर्स
161 पोगारा पेंले रोड,
बम्बई-9

(अन्तरक)

(2) श्री मनोज राय,
103ई सेक्टर मिल स्टाफ क्वार्टरस,
पी० बी० मार्ग, बटली,
बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् अक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जो रजिस्ट्रीत सं० 37ईई/10325/84-85 जो
नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।
(क्षेत्र 630 स्के० फु०)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, पूना

तारीख 19-6-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 जून, 1985

निर्देश सं० 37ईई/12434/84-85—यतः मुझे

अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० डी० 7/8 दूसरा माला सं० नं०
122 जूना नया सं० नं० 349 भाग 349/1 सरभाण्डारकर रोड
पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाध्व्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितीयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विधित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
क्षयित्व से कमी करने या उससे बचत का उद्देश्य
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवा
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैजर्स हरमैन एजेन्सीज
793 फैमिलो हाऊस,
जय जमगाव रोड, बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीरामजी रमेश जी
सुजनानी और जी० आर० सुजनानी
देवीराम मेशन क्वार्टर गेट
पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुच
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/12344/84-85 जो
मई 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)
(क्षेत्र 1700 स्के० फु०)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 19-6-85

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 12 जून 1985

निवेश सं० 37ईई/13254/84-85—यतः मुझे अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिद्रो सं० नं० 261 ए० (आ) बी० विंग रहने की
जगह विराट क्षेत्र 757 स्के० फि० है तथा जो विराट में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स श्री गणेश विल्डर्स
केयरआफ 2अ, 2ब सामना एण्ड कम्पनी
आगतसी रोड, विराट (उन्ल्यू०)

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर ए० मिमी और
मेघना राम मिमी
सुख सागर गोधाम विराट (उन्ल्यू०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
30 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/13254/84-85 जो
फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के पत्र में लिखा गया है।)
(क्षेत्र 757 स्के० फि०)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 12-6-85
मोहर :

प्रकरण नम्बर. टी. एम्. एम्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जून 1985

निर्देश सं० 3763/1775/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 345 क्षेत्र नं० 1 सं० नं० 350
(अंतिम प्लॉट नं० 145 एफ० पी० नं० 229 सब प्लॉट नं०
5) है तथा जो टाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इच्छमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इच्छमान प्रतिफल से, ऐसे इच्छमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाज़त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रवीन्द्रस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड
372 नरसी मेहता स्ट्रीट,
बम्बई-5

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अमर इंटरप्रायजेस
3/73 अभिनय पार्क
गाटेदिया नगर घाटकोपर (इ)
बम्बई-77

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण नं० 37ईई/1775/84-85 जो
मई 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 24-6-85
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 21 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/10265/84-85-मतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितकी संख्या यूनिट नं० 7 ग्राउन्ड फ्लोर नवघर वसई
थाने है तथा जो थाने में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रति-
फल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में व्यक्ति
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में व्यक्ति
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री घनसुखलाल मलिक
य लक्ष्मी बिल्डर्स .92, राममंदिर मार्ग
विले पार्ले (इस्ट), बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन आत्माराम मागे
105 आंवरखेरी जीवन विकास केन्द्र मार्ग,
विले पार्ले, बम्बई-57

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 7, ग्राउन्ड फ्लोर, नवघर, वसई, थाने (जैसे
कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 12069/84-85 जो जनवरी 1985
को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे के
दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 21-6-85
मोहर :

प्रकरण बाई., टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 जून, 1985

निर्देश सं० 37ईई/311/85-86—यतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या: नं० 670/1 बिवे वाई पूना 37 है त
जो पूना में स्थित है (श्रीर इयं उपायुक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री धर्माधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख अप्रैल
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
मूल्य का निम्न अंश है और इसके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबित में करी करमें या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
में जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम

(1) श्रीमती ताराबाई नन्दराम बिवे,
श्रीर अन्य
431 कसबा पेठ पूना 11

(अन्तरक)

(2) मैमर्स युनिटी बिल्डर्स,
409/6 गुलटेकर
पूना 37

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/311/85-86 जो
अप्रैल 1985 को सहायक आयकर आयुक्त अर्जन (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।)

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 19-6-85

साहू :

ग्रुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 25 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/10324/84-85—यतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ़ॉ० नं० 2, 1ली मंजिल, एंगल्म-84 अपार्ट-
मेन्ट्स प्लॉ० नं० 6 (पार्ट-1) ब, स० नं० 30, कीथरुड, पुणे-
29 है तथा जो पुणे में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फ़रवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उपलब्ध
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूचन
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रविन्द्र जोशी एण्ड कं०
425/25 ट० म० ब० कालनी,
पुणे-37।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० स० बनवासि
लाट नं० 2011/10 रघुनन्दन
मित्रनगर को० आप हा० उ० स०
पुणे-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है,

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, 1ली मंजिल, एंगल्म-84 अपार्टमेन्ट्स प्लॉट
नं० 6, (पार्ट-1) ब० स० नं० 30, कीथरुड, पुणे-29

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत फ़ॉ० 10324/84-85 जो फ़रवरी,
1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 25-6-85
माहूर :

प्रकृष माई.टी.एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाषित सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, तारीख 24 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/10531/84-85—यतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ़० नं० 3, 1ला मंजिल, ब्रह्मा दर्शन सं० पं०
2, 3, 10, ओसवाल पार्क, शिवाजी नगर, पुणे-5 है तथा जो
पुणे में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फ़रवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ब्रह्मा बिल्डर्स
10, ओसवाल पार्क,
शिवाजी नगर, पुणे-5।

(अन्तरक)

(2) श्री माजिक जोगदड़ तथा सिलमिता जोगदड़
30, जवाहर नगर,
पुणे-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, 1ली मंजिल ब-प्लान नं० 1, 3, 10

ओसवाल पार्क, शिवाजीनगर, पुणे-5

(क्षेत्र : 515 चौ० फ़ी०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत फ़० 20531/84-85 जो फ़रवरी
1985 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 24-6-85

मोहर :

इसका बाई. टी. एन. एच.:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 10 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/7724/84-85—अतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं० नं० 104/1/1 भाग इसडवाना पूना 4
क्षेत्र 599 स्के० फ़ी० है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1985

को पंजीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बहापणोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धुह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित सूत्रों से उक्त अन्तरण निर्धारित के
आस्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अवित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाया जाहिण या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स देवधर एन्ड जोशी
प्रोमोटर्स एन्ड बिल्डर्स
1285 सदाशिव पेठ, पूना 30

(अन्तरक)

(2) श्री आर्ल आर० पागे
1847 सदाशिव पेठ, पूना 30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पंजीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्थ के सम्बन्ध में कोई भी वादोपवाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
कम हो, के भीतर पंजीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकन नं० 3766/7924/84/85 जो
दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)
(क्षेत्र 599 स्के० फ़ी०)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 10-6-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, तारीख 24 जून, 1985

निर्देश सं० 3766/11075/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 405 चौथा मंजिला लोक इंडिया विल्डिंग वाशी प्लॉट नं० 59 सेक्टर 17 डीबीसी० आली बम्बई (क्षेत्र 770 स्के० फी०) है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्राप्तफल से, ऐसे व्यवधान प्राप्तफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाका बाका प्रविष्टि-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ललित सी० गांधी,
चीफ प्रोमोटर्स लीकाई लिमिटेड
क्रो० आ० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड,
14 विशाल शापिंग सेक्टर,
अन्धेरी (इ०) बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री रामदास दयानन्दा कुडवा और
श्री देवदास दयानन्दा कुडवा
1 श्री हाऊस रामनगर विक्टोरिया हाउस सामने
मायाखला बम्बई-27

(अन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी या पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3766/11075/84-85 को दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है)
(क्षेत्र 770 स्के० फी०)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 24-6-85

मोहर :

इसमें बाध'टी.एम्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की;
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्थसचिव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 जून 1985

निर्देश सं० 3766/8089/85-86—यतः, मुझे,
अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं० नं० 104/1/1 भाग एरडावना पूना-4 क्षेत्र 600 स्के० फि० है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स देवधर एन्ड जोशी
प्रमोटर्स एन्ड बिल्डर्स
1297 सदाशिव पेठ
पूना-30

(अन्तरक)

(2) श्री आर० डी० जाधव
17 कलनिस गार्डन-सी/10
पूना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराया हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 3763/8081/84-85 को दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना के वपतर में लिखा गया है ;
(क्षेत्र 600 स्के० फि०)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज पूना

तारीख: 25-6-85

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

पुना, तारीख 10 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/13369/84-85—यतः सुमे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ० नं० ए० 1/103, 1ली मंजिल-ए,
तंवर नगर, बम्बई पुना मार्ग मुम्बरा, थाने है तथा जो थाने में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राजस्थान बिल्डर्स,
ए/2, स्वाती बिल्डर्स
जुहु लेन, अन्धेरी (प), बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मृत्तमा विलाम
नुरल हुदा मस्जिद
सोशल नगर, काला किला,
घावो, बम्बई-17

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए/1/103, 1ली मंजिल-ए, तंवर नगर, बम्बई
पुना मार्ग, मुम्बरा, थाने।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 13369/84-85 जो मार्च
1985 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पुना

तारीख : 10-6-85

मोहर :

प्रकाशक: डी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, तारीख 14 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/10237/84-85—यतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ० नं० 309, श्रीमस प० नं० 21, हिस्सा 17, नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शाह एण्ड बहोरा कन्ट्रेक्टर्स पी० लि०
7, नानामाय मेनशन, सरप० म० मार्ग
फोर्ट, बम्बई-1

(अन्तरक)

(2) श्री निवृत्ति तुकाराम राजपूत,
जी-170-171, अन्नमस मार्केट,
मुंबे, बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 309, श्रीमस, प्लॉट-21 हिस्सा-17, नई बम्बई (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 10297/84-85 जो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पुना

तारीख : 14-6-85
मोहर :

प्रमाण आइ.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/11820/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 10, 11, 12, 13 1ली
मंजिल, शितल इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 2 प्लॉट नं० 30,
31 (पार्ट), 35 (पार्ट) 55 सी (पार्ट) नवघर थाने
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना वांछित था, क्रियान्वित में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, भू., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :-

36—176GI/85

(1) स्वास्तिक डेवलपमेंट्स,
12, दुभाश लेन, व० प० मार्ग,
बम्बई-4।

(अन्तरक)

(2) समर इन्टरप्राइसेज
अब्दुल करीम हाजी अहमद समर,
6, तुलख मार्ग, नेशनल हाऊस,
1ली मंजिल, बम्बई।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अर्थवत्त में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
साक्षिण्य में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

यूनिट नं० 10, 11, 12, 13, 1 ली मंजिल, शीतल
इंडस्ट्रियल इस्टेट नं० 2, प्लॉट नं० 34, स० नं० 30,
32 (पार्ट), 35 (पार्ट), 55-सी (पार्ट) नवघर, बसई,
थाने।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 11820/84-85 जो जन-
वरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख : 14-6-1985

साहूर

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.

(1) मैसर्स रेकसन इन्टरप्राइजेज,
361/62 बुधवार पेठ, पूना-2।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री गोरिश पी० येडवड
84 नवी पेठ, एल बी मार्ग,
पूना-30।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जून, 1985

निर्देश सं० 37 इड/7467/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11 सावली अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 101, सं० ब० 121, 122 रामबाग कालोनी कोथरुड पूना-29 (क्षेत्र० 582 स्क्वे० फिट०) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातिगतों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इड/7468/84-85 जो माह नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।) (क्षेत्रफल 582 स्क्वे० फिट)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 10-6-1985
मोहर

प्राकृत आर्.टी.एम.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 19 जून 1985

निर्देश सं० 37 66/15574/84-85—अतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 132 हिस्सा नं० 28, खाटेमनवाली है तथा जो कल्याण स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री रमेश लक्ष्मण हिरावले

श्याम सुदाम हिरावले

रेलवे क्वार्टर्स आर० बी०-1/घम नं० 11 कल्याण

(अन्तरक)

(2) श्री आर० के० डेव्हलपमेंट

मू० राय, पी० खाडवली,

त० कल्याण, जि० ठाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3766/15574/84-85 जो दिसम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिया गया है।)

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 19-6-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 19 जून 1985

निर्देश सं० 37 इड/8077/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 104/1/1 भाग इरडावना पूना-4
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स देवधर एण्ड जोशी प्रोमोटर्स एण्ड बिल्डर्स,
1298 सदाशिव पेठ,
पूना-30।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वत्सला बाई पी० सगके,
ए/6/4, आंचला को-आप० हो० सोसायटी,
कोथरुड, पूना-29।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 66/8077/84-85
जो दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 19-6-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 10 जून 1985

निर्देश सं० 3766/1142/84-85—यतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ० नं० 4, विशाल दर्शन, प० नं०
33, सं० नं० (10), (12) साई नगर, बसेई (प०)
थाने है तथा जो थाने में स्थित है) और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीत अधि-
कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्ध;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) विशाल अन्तर्गणन कं०,
137 जवाहर नगर,
गोरेगांव (पश्चिम)
बम्बई-62।

(अन्तरक)

(2) श्री मनजीत सिंह मोहन सिंह भसीन,
द्वारा प० सं० सेठी, आनन्द सागर,
पहली मंजिल, बल्लभ भाई मार्ग,
चिल पार्क (पश्चिम), बम्बई-56।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4, विशाल दर्शन, प्लॉट नं० 33, सं० नं०
(10), (11), (12), साई नगर स्कीम, बसेई (पश्चिम)
थाने (क्षेत्रफल 2670 चौ० फिट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीत क्र० 9942/84-85 जो नवम्बर
1989 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज,
पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख 10-6-1985

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निवेदन सं० 37 66/1453/84-85-अतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 2909, जोशी बाग,
कल्याण (क्षेत्रफल 557.50 स्क्वैर फीट) है तथा जो कल्याण
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज पूना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कायित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाव में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री रामचरन श्रीराम पंडित,
जोशी बाग, कल्याण।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्र किरन जैन,
भार्फत मैन्स मातृ-पा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
जोशी बाग, कल्याण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्री नं० 37 66/1453/84-85 को
अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)
(क्षेत्रफल 557/50 स्क्वेयर फीट)।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 13-1-1985
मोहर

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 37 33/9455/84-85-अतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 573.75 चौ० फिट सं० ट०
सं० नं० 2909, जोशी बाग, कल्याण है तथा जो कल्याण
में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीद्वारा अधिारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत को गड़ है और मझे यह निष्कर्ष
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भूमा या अन्य जास्तिबों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचरण श्रीराम पंडित,
मातु पा वन दृक्कण
जोशी बाग, कल्याण।

(अन्तरक)

(2) श्री भागसाई भाभुतमल जैन,
मातु पा वन दृक्कण
जोशी बाग, कल्याण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 573.75 चौ० फिट, ख० ट० सं०
नं० 2909, जोशी बाग, कल्याण।

(जैसा कि रजिस्ट्री त क्र० 9455/84-85 जो अक्टूबर
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज,
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 13-6-1985

मोहर

रूप माई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 37 66/9454/84-85-अतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एम० नं० 2909, जोशी बाग कल्याण क्षेत्रफल 557.50 चौ० फिट है तथा जो कल्याण में स्थित है (जो इससे उपात्रक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या इससे बचने में सविधा के लिए और/या

को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था विधान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचरन श्रीराम पंडित,
मैन्स मातृ पा इन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
जोशी बाग, कल्याण।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती धानाबाई ताराचंद जैन,
द्वारा मैन्स मातृ पा इन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
जोशी बाग, कल्याण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्री नं० 37 66/9454 जो अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख: 13-6-1985
नोहर :-

प्रश्न बाह्य. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायान्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 37 66/9813/84-85—यतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 115/1—2, 150, 153/1
प्लॉट नं० 1, सी० टी० एम० नं० 2792 येरवडा पूना-6
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज
पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अक्टूबर 1984 को

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, अधिपान में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

37—176GI/85

(1) श्री एस० एन० खेडेकर, पार्टनर,
मैसर्स के० प्रमोटर्स एण्ड बिल्डर्स,
के० बी० 11, ए-9
58/ए कस्तूरबा हाऊसिंग सोसायटी
येरवा पूना-1।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकुन्द मारैछंद गोरे,
रेलवे क्वार्टर्स नं० के० बी० II/ए-9,
साडीवाला रोड पूना-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 66/6813/84-85 को
अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 13-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

अन्तर्गत सूचना

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 37 इह/9247/84-85—यतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ताजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० एच० 419 सी० टी० एस०
नं० 9070 गोसरीपाडा, अर्जना कम्पाउन्ड, पूना ठाना
रोड, भिवंडी है तथा जो भिवंडी में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाकत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने से अंतरक के
कार्यालय में किसी करने या उससे बचने में सविधा
से निषेध; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधमार्ग अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किबा जला बाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षा ३—

(1) श्री लक्ष्मणदास शिखल गवलानी,
श्रीमती मोहनी लक्ष्मणदास गवलानी,
12/325 फावर्ड हाऊस
अगरवाला स्कूल के पीछे
बडाला बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मूनफिल्डस ट्रेडिंग और इन्वेस्टमट प्रा० लि०,
161 लवली होम, के० के० परेडा,
कुलाबा बम्बई-9।

((अन्तरिती))

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त इतिहास के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकतः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिवस की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इह/9247/84-85 को
अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 12-6-1985

माहूर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० 37 इड/9937/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 13, सं० नं० 82/2 ए, पर्वनी,
सहायक नगर, पूना (क्षेत्र० 811 स्के० फीट) है तथा जो
पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज पूना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अक्टूबर 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स नाम्हनकर डिसा एण्ड एसोसिएट,
1535, सदाशिव पेठ,
पूना-30।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वप्न गंधा विष्णु वैद्य,
1332 शुक्रवार पेठ,
पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन से निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी बातें:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इड/9937/84-85 को
अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)
(क्षेत्र० 911 स्के० फुट)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख: 6-6-1985

माहुर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 37 इड/6583/84-85—यन: मुमे, अनिल कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, सं० नं० 116/1-2
150+153/1 मोहनवाड, पूना-6 है तथा जो पूना में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिणी
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
• दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा एकत्र नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० एन० खेडेकर (एच० यू० एफ०)
प्रो० के० के० कन्स्ट्रक्शन
द्वारा कस्तूरबा हाऊसिंग सोसायटी
विश्राम वाडा, पूना-15।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीतलालक्ष्मी परमेश्वरन,
द्वारा पंजाब नेशनल बैंक,
पूना कैम्प, ब्रांच पूना-1।

(अन्तरिणी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन में
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इड/6583/84-84 को
अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 13-6-1985

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 37 इड/8544/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लॉट नं० 47/42 बिल्डिंग नं० बी-3
फ्लैट नं० 4 सं० नं० 114, 115, 2 बी 116 1 से
6 मरुखोंफिड नं० बमई, जिना थागा है तथा जो थागा
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स परांजपे कन्स्ट्रक्शन कंपनी,
34 एम० जी० रोड,
विले पार्ले (ईस्ट)
बम्बई-57।

(अन्तरक)

(2) श्री किणोर एस० मेधा
केअर आफ पी० जी० कुलकर्णी
2 श्री सोसायटी, पुरुषना मेन,
पोस्ट आफिस के सामने,
विले पार्ले (ईस्ट)
बम्बई-58।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इड/9644/84-85 जो
अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 12-6-1985

मोहर :

प्रकाश बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाग
269-ब (1) के अधीन सूचना

साक्षर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 37 इइ/9391/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 8, बिल्डिंग नं० 2 ला मातना
श्री वल्लभ नगर पूर्णिमा टाकीज के सामने, मुरबाड रोड
कल्याण सिटी सर्वे नं० 3137 ए 3139, 3141 पी,
3126, 3124, 3154 पी है, तथा जो कल्याण में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति संघर्ष का उचित बाजार
मूल्य, उसके सम्मान प्रतिफल से, ऐसे सम्मान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के छिद्र तब तक नया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरण के
बायबल से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावतः अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स वल्लभ बिल्डर्स,
पूर्णमा टाकीज के सामने
मुरबाड रोड, कल्याण।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुप्रभा डी० मेहता,
लींगल और नेचुरल गार्जियन आफ मिस स्वाती
डी० मेहता,
ब्लाक नं० 8, श्री वल्लभ नगर, पूर्णिमा टाकीज
के सामने, कल्याण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या उत्तरम्भी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इइ/9391/84-85 जो
अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, पूना

तारीख : 12-6-1985
मोहर :-

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउस सुपुल्ल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 37 इड/7112/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गर्वे नं० 93 ए/3 कावर्ड फ्लैट नं०
3025/9 तहसील हुवेली, जिला पूना है तथा जो पूना में
स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्चह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावट, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
के अन्तर्गत उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इंदरराज शेपमल परमार
809 बुधवार पेठ,
पूना-2।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स परमार एसोसिएट,
1153/बी, रविवार पेठ,
पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इड/7112/84-85 जो
अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 12-6-1985

मोहर :

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 37 इड/7157/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सं० नं० 47, सं० पं० नं० 7, सं० ट०
सं० नं० 3746, पार्वती, पुणे-9 है तथा जो पुणे में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने की अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उल्लेख बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसार कम्पिनी द्वारा एकत्र नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सावित्रीबाई म० जोधवानी
406 नाना पेठ पुणे-2।

(2) किशनचंद वारकादास गेलवानी
634 बल्लभ पटेल स्ट्रीट
पुणे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रुक्मिणी बाई स० निर्वाण
208 रास्ता पेठ पुणे।

अनुराधा ग० बगाडे
478-बी/6 पार्वती अनुराग सोसाइटी
पुणे-9।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं० नं० 47 सब-प्लॉट नं० 7 सं० ट० सं० नं०
3746 पार्वती पुणे-9।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 7157/84-85 जो अक्टूबर
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-6-1985

आह्वार

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० 37 इड/9066/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 301, तीसरी मंजिल, गिरनार
महाल पार्ट नं० 20 और 21 सं० नं० 19, 25, 26 और
30, दिवानमन, तहसील वसई, जिला ठाना (क्षेत्र 530
वर्ग फिट) है तथा को ठाना में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
मासिक कम से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्य में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या वस्तु वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

38—176GI/85

(1) मैसर्स गिरनार विस्डर्स
के० टी० चैम्बर्स, पहला माला,
स्टेशन रोड, वसई (वेस्ट),
जिला ठाना।

(अन्तरक)

(2) मै० नारायण नागप्पा शिरालीकर
सी० सी० एस० कालोनी,
एस० एम० पेट, ब्लाक नं० 29/1006/सायन
कोलीवाडा, अनटाप हिल,
बम्बई।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन रेंज के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन रेंज सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकरण नं० 37 इड/9066/84-85
को अक्टूबर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरी-
क्षण): अर्जुन रेंज पूना के पत्र में लिख दिया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 10-6-1985

कोडर 8

प्रकट भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० 37 इड/9029/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 597 सदाशिव पेठ, पूना-30 है तथा जो
पूना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्तूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब नामा नया
प्रतिफल, भिन्नभाषित जूबोस से उक्त अन्तरक विहित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक है कि किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उद्धे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय बाण-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पत्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

(1) श्रीमती लक्ष्मीबाई गणेश दातार और
डा० कमलाकर गणेश दातार
मथुरा स्टे, नवीं पेठ,
पूना-30।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पोखाल बिल्डर्स ब्रह्मदट हाउस,
1482 सदाशिव पेठ,
तिलक रोड,
पूना-30।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बावतः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या उसके पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इड/9029/84-85 जो
अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 12-6-1985

माहुर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निवेश सं० 37 इइ/7023/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० बिबेवाडी, केतकी अपार्टमेंट
प० नं० 692/2/6 बिबेवाडी, पुणे-37 है तथा जो पुणे
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है

और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
हूँ किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित सूचना दे रहा हूँ :—

(1) मैसर्स एस० के० इन्जीनियर्स,
613, नाना पेठ,
पुणे-2।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णाबाई माहती बिन्डमार,
ब्लाक नं० 6, रूम नं० 357,
स्वार गेट पुलिस लाइन,
पुणे-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० बिबेवाडी, केतकी अपार्टमेंट, प्लैट नं० 9,
692/1/6 बिबेवाडी, पुणे-37।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 7023/84-85 को अक्टूबर
1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 13-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जून, 1985

निर्देश सं० 37 इड/9103/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० /10 फ्लाट नं० 62/13 कुलगांव है
तथा जो कुलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज
पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, तब
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स रेणुका बिल्डर्स,
कुलगांव,
पोस्ट तालुका उल्हासनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील गोपाल कृष्ण ऊललाल,
बी-15, गणेश प्रसाद,
10 सीलटर रोड, गैन्ट रोड (डब्ल्यू)
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इड/9103/84-85 को
अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 10-6-1985

महूर :

रक्षक आई.टी.एन.एच. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पुना

पुना, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/9780/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन प्रथम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ० नं० 412, प० नं० 16, हिस्सा-17 डी० बी० सी०, वाशी, नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जुन रेज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पक्का गया प्रतिफल, विमोचनार्थ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में लक्ष्य के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी अन्य या अन्य या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० लिबर्टी इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०,
302, डायमल हाउस, 106 नरिमान पाईट,
बम्बई-21।

(अन्तरक)

2. अब्दुल मजिद इब्राहीम डोमा,
32/36, बाबला टेक, क्रोस मार्ग,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ० नं० 417, प्लॉट नं० 16, हिस्सा-17, डी० बी० सी०, वाशी, नई बम्बई।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 9780/84-85 जो अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, पुना

तारीख : 11-6-1985

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/8947/84-85—अतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ० नं० 13, लिबर्टी काम्पलेक्स, प्लॉट नं० 17, डी० बी० सी०, सिडको, वाशी, नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० लिबर्टी इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०, 302, डलभन हाउस, 206, भारिमन प्वाइंट, बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री पापिन्द्र सिंह के० बतरा, फ्लैट नं० 13 लिबर्टी काम्पलेक्स, प्लॉट नं० 17, डी० बी० सी०, सिडको, वाशी, नई बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति की अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, लिबर्टी काम्पलेक्स, प्लॉट नं० 17, डी० बी० सी०, सिडको, वाशी, नई बम्बई।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण सं० 8947/84-85 को अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 11-6-1985

मोहर :

प्रकृष्ट जाई. टी. एम. एस. -----

बाबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 11 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/7024/84-85—अनः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ० नं० 1, स्वीट होम अपार्टमेंट्स
प० नं० 9, सं० नं० 49, कोशरूड, पुणे-29 है, तथा जो
पुणे में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिगारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पत-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

1. मै० चाफलकर लड्डा एण्ड क० 215 पार्वती,
पुणे-9।

(अन्तरक)

2. श्री व० न० जोशी नं० 3 स्नेहा अपार्टमेंट्स,
प्लॉट नं० 27 सं० नं० 88/3 चिंतामन नगर,
पुणे-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राह्यताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

आदेश

प्लॉट नं० 1, स्वीट होम अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं० 9,
सं० नं० 49, कोशरूड, पुणे-29 (क्षेत्र 807 चौ० फी०)
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 7024/84-85 जो अक्टूबर
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जन
रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-6-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 37-ईई/9498/84-85—अतः मुझे, अनिल
कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

सं० तुलीज मालासोपारा (इ० ग्राम पंचायत
तुलाचि, जि० धाना है तथा जो धाना में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर अवरधन
(निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विधित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन करने की आवश्यकता की
शक्ति से करी करने या उक्त करने में विधि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तव
को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, विधान में विधि
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तुलाराम एन० जाधव भिमसे प्रभादेवी, एन० जाधव,
श्री सुरेश टी० जाधव, ठाना।

(अन्तरक)

2. मै० स्वर्णा प्रोपर्टी डेवलपमेंट, 39, मालाड शापिंग
सेक्टर, ग्राउण्ड फ्लोर, एस० वी० रोड मालाड
(उड्यु०) बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुप्राण

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/9497 जो अक्टूबर
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज
पुना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख : 13-6-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० 37-ईई/7220/84-85—अतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० सी०-2, तीमरी मंजिल, हेरमेन्स
हाउस, नं० 1974, गफार बेग स्ट्रीट, पुना है तथा जो
पुना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. मेसर्स रमेश विल्डर्स, 697, साचापेट स्ट्रीट,
पुना— 1।

(अन्तरक)

2. युसुफ हातिम भाई लोखंडवाला, 363 बी,
भवानी पेठ, पुना—2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/7220/84-85 को
नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।)
(क्षेत्र : 9050 स्क्वे० फी०)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 6-6-1985

मोहर :-

प्ररूप जारी टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/7835/84-85—अनः मुसे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावत संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 904/9 भाग परजावना, पुना-4 है तथा जो पुना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुना के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर इन के अन्तरक के दायित्व में कभी करना या उससे बचने के उद्देश्य के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावितार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार यह, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेगर्स देवधर एण्ड जोशी, प्रमोटर्स बिल्डर्स,
924, सदाशिव पेठ, पुना-80।

(अन्तरक)

2. श्री रामा हनुमन्ता अनकुडी, हेल्थवैम्स के नामने
बाल नं० 4, नारैगलमठ बड़ा-वाडी, पुना-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाया।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/7835/84-85 जो दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 6-6-1985

साक्षर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/7165/84-85—अतः, मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एम्० नं० 235-ए, पुणे-9 है
तथा जो पुणे में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रंज,
पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्तर्गत अधिनियम, या अन्त-
रक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. सं० बी० सी० दिवाने एण्ड एसोसिएट्स, 21, मटर
छाया सोसाइटी, नगर मार्ग, पुणे-14।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रशेखर श्रीरंग निकम, 52, गुरुवार पेठ,
पुणे-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सी० टी० एम्, नं० 235-ए पार्वती, पुणे-9, (क्षेत्रफल
717.50 स्क्वियर फीट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 7165/84-85 जो अक्टूबर
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज,
पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-6-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बार्ड.टी.एन.एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 11 जून 1985

निर्देश सं० 2 37-ईई/10490/84-85—अतः, मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ० नं० 5, बिल्डिंग नं० ए, पाया हाउसिंग कामप्लेक्स, सं० नं० 2/1+2, औंध, पुणे है तथा जो पुणे में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यता का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० पोखवाल विल्डर्स, ह्वाइट हाउस, 1482 सदाशिव पेणे, पुणे-30।

(अन्तरक)

2. श्री दिनेश सी० तिवारी, ए एल०-1-21, स्टाफ प्लेट्स, टेल्को कालोनी, पिम्परी, पुणे।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

सत्यापन :—इसमें प्रयुक्त बार्ड और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ० नं० 5, बिल्डिंग नं० ए, पाया हाउसिंग कामप्लेक्स, सं० नं० 2/1+2, औंध, पुणे।

(क्षेत्र: 726 चौ० फी०)

(जैसेकि रजिस्ट्रीकृत क्र० 10490/84-85 जो फरवरी, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

तारीख: 11-6-1985

मोहर:

प्रकृष बाई. ट. एच. एच. - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1985

निर्देश सं० 37-ईई/13852/84-85—अतः मुझे,

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 8, ग्राउण्ड फ्लोर,
बिल्डिंग नं० 4, प्लॉट नं० 184 से 189, सं० नं० 31,
34, 35, 36 व 37, नवघर, वसई, थाने है तथा जो
थाने में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुणे
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्येकमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. मै० मनिष इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट, 126/128,
शेख मेमन स्ट्रीट, 1ली मंजिल, बम्बई-2।
(अन्तरक)

2. मै० महाराष्ट्र केम-आक्स इण्डस्ट्रीज, 205/2, फेज-
ए, कुतबी, 375, नरसी मेहता स्ट्रीट, बम्बई।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यान :—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृत की

इण्डस्ट्रियल यूनिट बियरिंग नं० 8, ग्राउण्ड फ्लोर
बिल्डिंग नं० 4, प्लॉट नं० 184 से 189, सं० नं० 31,
34, 35, 36 व 37, नवघर, वसई (पूरब) थाने।
(क्षेत्र : 670 चौ० फी०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 13852/84-85 को मार्च,
1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज,
पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 4-6-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस.-----

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

साहाय्य सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 जून 1985

निर्देश सं० 38-ईई/12074/84-85-अतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट बोरी पाखडी गांव, उरण, सं० नं०
88, हिस्सा नं० 7, सं० स० नं० 92482, 929, 930
931, विकर सेक्शन, स्कीम नं० यू० एल० सी०/पी० ए०/
एफ०/62, एस० आर०-8, बोरी पाखडी गांव है तथा जो
थाने में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए बन्तारित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बन्तारित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच दूरे अन्तरण के लिए तब बाधा तथा
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण विधि
यं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से शुरू किसी भाग को बाधित उक्त अधि-
नियम के प्रतीक कर एवं के अन्तरक के बाधित यं
करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोचनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूची
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

1. मै० सुनिती एण्टरप्राइजेस, 110, सावित्री हाउस,
नगीनदास मास्टर मार्ग, बम्बई-23।

(अन्तरक)

2. मै० विव्या बिल्डर्स, 12-ए, श्री डायमंड सेंटर,
एल० बी० एस० मार्ग, विक्रोली, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो गांव बोरी पाखडी, उरण में स्थित है और
जिसका सं० नं० 88, हिस्सा नं० 7, सं० स० नं० 924,
925, 929, 930 तथा 931 है जो विकर सेक्शन स्कीम
नं० यू० एल० सी०/पी० ए०/एफ०-62/एस० आर०-8/10
अक्टूबर 1984 के मुताबिक है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 12074/84-85 जो जनवरी
1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 26-6-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एन.-----**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना****भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 जून 1985

निर्देश सं० 37-ईई/13265/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 735 गांव मीरा थाने है तथा जो थाने में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूने में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत् द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत् में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. श्री भास्कर नवश्या बाबर, द्वारा में 2 शेख कन्स्ट-कशान्स, 32, इन्नाहीम रहमतउल्ला मार्ग, बम्बई-3 (अन्तरक)

2. मै० शेख कन्स्टकशान्स, 32 इन्नाहीम रहमतउल्ला, मार्ग, बम्बई-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहितकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स० नं० 735, गांव मीरा, तालुका तथा शहर थाने।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 13265/84-85 जो फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 26-6-1985
मोहर:

प्रकृष बाई. टी. एन. एच. - - - - -

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 26 जून 1985

निर्देश सं० 37-ईई/13271/84-85—अतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 200, गांव मीरा, थाने है तथा
जो थाने में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुणे
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बालकृष्ण राजनी कुलमे तथा अन्य, द्वारा मै०
शेख कन्स्ट्रक्शन्स, 32, इब्राहीम रहमतउल्ला मार्ग,
बम्बई।

(अन्तरक)

2. मै० शेख कन्स्ट्रक्शन्स, 32, इब्राहीम रहमतउल्ला
मार्ग, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं० नं० 200, मीरा गांव, थाने।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 13271/84-85 जो फरवरी,
1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज,
पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुणे

तारीख : 26-6-1985

मोहर :

प्राकृत आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/13269/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 75 हिस्सा नं० 1 सर्वे नं० 190 गांव सीरा में स्थित ता० और जि० थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :—

40—176GI/85

1. श्री नाना नवशया बाबर और अन्य, द्वारा मैसर्स शेख कन्स्ट्रक्शन्स, 32 इब्राहीम रहमतउल्ला रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

2. मैसर्स शेख कन्स्ट्रक्शन्स, 32, इब्राहीम रहमतउल्ला रोड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई/13269/84-85 जो फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-6-1985

मोहर

प्रकरण आई टी एन एस

1. श्री दत्तात्रय रामचन्द्र पाटिल और अन्य, दादा पाटिल वाडी, नवपाडा, थाना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स मास्ती विल्डर्स, शाप नं० 2, मांवी विल्डिंग, एन० एस० रोड, मुंबई (4), बम्बई-80।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/1198/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नवपाडा, थाना, में एक पक्का विल्डिंग और साथ में कुछ टेम्परेरी शेड्स हैं तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्पत्ति के रूप में अधिस्त नही किया गया है :—

(क) अन्तरण वह है किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा का निष्पादन और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्त

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37-ईई/1198/84-85 और अप्रैल, 1985 जो कि सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 27-6-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/13270/84-85--अतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 744, 746, 747 और 748 है तथा जो गांव मीरा ताल और जिला थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नाना नवशया बाबर एन्ड अन्य, द्वारा मैसर्स शेख कन्स्ट्रक्शन्स, 32, इब्राहीम रहमतउल्ला रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

2. मैसर्स शेख कन्स्ट्रक्शन्स, 37, इब्राहीम रहमतउल्ला रोड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के निम्न कार्यवाहियां करवाए हैं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिये गये हैं।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई/13270-84-85 जो फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-6-1985

मांहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**भारत सरकार**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जून 1985

निर्देश सं० 37-ईई/7703/84-85—अतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 114 सं० नं० 62/2 ए०, पार्वती सहकार नगर, पूना-9 क्षेत्र 776 स्के० फिट है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स नाम्हानकर डिमा एन्ड असोसियेट्स, 8535, सदाशिव पेठ, पूना-30।

(अन्तरक)

2. श्री रविन्द्रा यव्यंकटेश टिलक, 1095, सदाशिव पेठ, पूना-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/7703/84-85 जो नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जून 1985

निर्देश सं० 37-ईई/11267/84-85—अतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लॉट नं० 4, पहला माला गुरु अपार्टमेंट,
सं० नं० 113, उकर पूना-15 फ्लॉट नं० 16, क्षेत्र 782
स्क्वे० फिट है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स के० प्रमोटर्स एन्ड बिल्डर्स, 46/ए० कस्तूरबा
हार्जिसिंग सोसायटी, विश्रान बाड़ा, पूना-15।
(अन्तरक)

2. श्री आर० टी० चौधरी और आर० आर० चौधरी,
सं० नं० 9, पांडुरंग निवास, जाधव बस्ती,
उकर, पूना-15।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/11267/84-85
जो मार्च 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)
क्षेत्र : 762 स्क्वे० फिट।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18-6-1985

मोहर :

प्रश्न नम्बर, टी. एन. ए.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयुक्त

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 14 जन 1985

निदेश सं० 37-ईई/10711/84-85—अतः मुझे, अनिल

कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दूकान नं० 34 ग्राउण्ड फ्लोर, वर्धमान मार्केट, प० नं० 75, हिस्सा 17, वाशी, नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से इसे दसमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधिनियम के अन्तर्गत के अन्तरक के बायस्ब में किसी कारण या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मी० वर्धमान कन्ट्रैक्शन्स, 40-41, विशाला शोपिंग सेंटर, सुर सं० ब मार्ग, (अंधेरी-कुर्ली मार्ग) अंधेरी (पूरब), बम्बई-69।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल कुराम मू० अली हुसन, डायमंड जवर स्टोर्स, जय शंकर बिल्डिंग, संधानी ईस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 83, ग्राउंड फ्लोर, वर्धमान मार्केट, प्लॉट नं० 75, हिस्सा-10, वाशी, नई बम्बई
(क्षेत्र 810 चौ० फी)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 10011/18-14 जो सहायक आयुक्त आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख : 14-6-1985

मोह

प्रकृष बाई. टी. एम. एड.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/10183/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 75, सेक्टर 27, तल मंजला, नं० 29, वर्धमान मार्केट, वाशी, न्यू बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक है हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचन में सूचिधा के लिए; और/या

(ख) एस किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा के लिए;

1. मेसर्स वर्धमान कन्स्ट्रक्शन्स, 40-41, विशाल शापिंग सेंटर सर० एम० वी० रोड, (ग्रंथेरी-कुर्ला रोड), अन्धेरी (इ०), बम्बई-69।

(अन्तरक)

2. मेसर्स रोशन इन्टरप्राइजेस, फ्लैट नं० 697, करू रोड, वडाला, बम्बई-31।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत न० 37-ईई/10183/84-85 जो नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख : 12-6-1985

माहूर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मेरे द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/10852/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोबिवर्ला गांव, तालुका कल्याण, सं० नं० 293 हिस्सा नं० 5 है तथा जो कल्याण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिगतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक को शायिक में कभी करने या उससे उच्चन में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स श्रुवी बिल्डर्स, 1/5, माया नगर
ठाना (ई०)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विमल कान्ता कार्थ, ब्लॉक नं० 10,
गोधावरी सोसायटी, डोबिवर्ला (ई०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/10852/84-85 जो दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 24-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जून, 1985

निर्देश सं० 37ईई/13523/84-85—अतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 307, सैयम इन्टरप्राइसेज, सेट प्लॉट नं०
40, सेक्टर नं० 17, नी० बी० सी०, बम्बई, है तथा जो नया
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम में व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

41—176GI/85

1. मैसर्स साई बाबा, एन्टरप्राइसेज,
4 माशियाना एन० एस० रोड, नं० 10,
विल्ह पार्ले बम्बई -58

(अन्तरक)

2. इस्माईल वाय मोडक,
सी-5/9/11, सेक्टर आई०, ए०, सी०बी०डी०, बेलापुर,
नया बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जमाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/13523/84-85 जो
मार्च, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 28-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना,

पूना, दिनांक 18 जून, 1985

निदेश सं० 37ईई/10320/84-85—अतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 5, धनलक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट,
प्लॉट नं० 104, 106 और 107 सं० नं० 31 (भाग),
सं० नं० 34, 35 और 36, नवाधर का भाग बसई (इ),
जिला० थाना, (क्षेत्र—1040 वर्ग फिट) है, तथा जो ठाना
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रसंगिक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा।

1. मैसर्स धन लक्ष्मी, बिल्डर्स, , पार्टनर द्वारा :
श्री डी० एम० टाक,
82, राम मंदिर रोड, विले-पार्ले (इ),
बम्बई ।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण दास प्रसाद, लुहासका, पार्टनर :
रिधानु इंजीनियरिंग वर्क्स, गाला नं० 5,
धन लक्ष्मी इंडस्ट्रियल, इस्टेट, नवाधर,
बसई (इ), ठाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में मैं भी जागरूकः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/10320/84-85 जो
नवम्बर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

(क्षेत्र० 1040 वर्ग फिट) ।

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-6-1985

मोहर :

व्यक्त बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० 37ईई/11733/84-85--अतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ० नं० 8, 2री मंजिल, मोहित पार्क,
प० नं० 140, लुलानगर, पुणे-40 है, तथा जो पुणे में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुना ने रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
की, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, अक्टूबर 3--

1. मै० फादर स्टार बिल्डर्स ।

10, कमल चेम्बर्स, 36 म० गांधी मार्ग,
पुणे-1

(अन्तरक)

2. श्री शकीला जमील अहमद,

516, सिनेमा स्ट्रीट,
पुणे-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6, मोहित पार्क, प्लॉट नं० 140, लुलानगर,
पुणे-40 (क्षेत्र० 1630 वर्ग फिट) ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 11733/84-85 जो
अप्रैल, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुना

दिनांक 27-6-1985
मोहूरः

प्रथम भाग टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जून, 1985

निवेश सं० 37ईई/12071/84-85—अतः मुझ, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 5, मंजिला, मखघर गांव, तह० भसीन, जिला ठाना है, तथा जो ठाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चांछा था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धनसुख लाल एम० टिलक,
भागीदार : धनलक्ष्मी विल्डर्स,
62, राम मंदिर, रोड, विले-पार्ले (इ),
बम्बई ।

(अन्तरक)

2. श्री टी० साथीनाथ कर्ता,
मैसर्स एफ० एच० यू० एफ०, मैसर्स हैपीलट, 169/बी,
अंधेरी, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, बी० वेसाई रोड,
अंधेरी (डब्ल्यू), बम्बई-59 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पट्ट सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/12071/84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 27-6-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 14 जून, 1985

निर्देश सं० 37ईई/1167/84-85—अंतः मुसे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 15, 16, 17 और 18 पहला
माला, अनिल इंडस्ट्रियल एस्टेट, नं० 2, प्लॉट नं० 34,
सं० नं० 30, 31 (भाग), 34 भाग, 55 सी० भाग, नवाधर
गांव, त० बसेई, जिला ठाणा है, तथा जो ठाणा में स्थित है
(और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्वास्तिक डेवलपमेंट,
12, दुभाप लेन,
व्ही० पी० लेन, बम्बई-4

(अन्तरक)

2. रेंगसी टेक्सटाइल मिल,
3, मेढास हाउस नगीनदास मास्टर रोड,
बम्बई-23

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर उक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/11819/84-85 जो
जनवरी, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 14-6-1985
साहंर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून, 1985

निदेश सं० 37ईई/7606/84-85-अंतः सुषो, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० सं० नं० 26, प्लॉट नं० 149, धनकूट,
कालोनी, कोथरुड, पूना-29 है तथा जो पूना में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्रविष्टि के तहत निम्नलिखित आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारण से कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेरर्स अनूला इंटरप्रायजेज,
31, शिल्प बिहार कालोनी,
पूना-4।

(अन्तरक)

2. श्री मैनेवेल शान्तनु राव, पोहार कर और
ऊषा बाई, मैनेवेल पोहारकर,
79, कोथरुड, पूना-29

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/7606/84-85 जो.
नवम्बर, 1984 को सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 7-6-1985
पोहार

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० 37ईई/11604/84-85—अतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० 4 रूम का प्लॉट, पहला मंजिल, पर नर्वे
नं० 47/6, बी-2, प्लॉट नं० 1, एरंडवान, पूना (क्षेत्रफल
805 वर्ग फिट) है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे
उत्पन्न अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री की
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक: अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से ऐसे इसमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मैसर्स राधिका अपार्टमेंट्स,
सर्वे नं० 47/6, बी-2, प्लॉट नं० 1,
एरंडवान, पूना-34।

(अन्तरक)

2. कुमार जीनदत्ता शेट्टे,
1194/24, घाले रोड, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीत क्र० 37ईई/11604/84-85
अप्रैल, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 27-6-1985

मोहर :

श्रावण आर्.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जून 1985

निदेश सं० 37ईई/12248/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे पहले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ० नं० 603, 6 टी मंजिल, लोकशिल्प बिल्डिंग, वाशी, प० सं० 50, हिस्सा, 17, डी० बी० सी०, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रभावशाली सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उक्त वचन में अधिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावशाली अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या लिखाने में अधिभा के लिए;

यह अधि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, अनुसूची में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अजित सं० गांधी,
लोक शिल्प को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि.
14, विंगल शॉपिंग, सेंटर,
म० व० मार्ग, अंधेरी, (पूरब) बम्बई।

(अन्तरक)

2. ललिता वासुदेवान तथा 2. वासुदेवन 4. मंगम गोखले
मार्ग, चेम्बूर बम्बई।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालम्भी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 603, 6 टी मंजिल, बिल्डिंग लोकशिल्प, वाशी प्लॉट नं० 5, हिस्सा, 17, डी० बी० सी०, बम्बई।

(क्षेत्र० 64० वर्ग फिट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 12248/84-85 जो जनवरी, 1985 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 28-6-1985

मोहर :-

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 मई, 1985

निर्देश सं० 37ईई/785/84-85—अतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 58, सर्वे नं० 89-90, लोकमान्य
कालोनी, कोयरुड, पूना, (क्षेत्रफल

1018 वर्ग फिट), है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे
उत्पन्न अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

42—176 GI/85

1. श्री कांतीलाल नरेशी शाह,
18, अजीत सोसायटी, भगवान नगर के पास,
दैकरा पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अंकूर प्रमोटर्स,
1226-सी, शुक्रवारपेठ, शुभाष नगर,
गल्ली नं० 4, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/785/84-85 जो मई,
1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-5-1985

मोहर :

प्रमुख बाह्य.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 मई, 1985

निर्देश सं० 37ईई/10379/ 84-85---अतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 110, सर्वे नं० 26, कोथरुड, गांव
पूना, (क्षेत्रफल 7280 वर्ग फिट) है, तथा जो पूना में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल स्वीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण में
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
न, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिः :—

1. श्रीमती सुशीला बाई, गोविन्द एकबोरे,
रेलवे क्वार्टर्स, भुसावल,।

(अन्तरक)

2. ए० बी० एसोशिएट्स,
1206/23, बी, शिवाजी नगर पूना-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/10379/84-85 जो
फरवरी, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, पूना के पत्र में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 18-5-1985

मोहर :

अरूप बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 मई, 1985

निर्देश सं० 37ईई/7159/84-85—अतः मुझे अनिल
 कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० टी-3, तीसरा मंजिला, सर्वे नं०
 42ए/18, एरन्डवना, पूना-4 है, तथा जो पूना में स्थित है
 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
 (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 यद्वा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती
 (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
 विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से है किसी आय की वास्तव उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
 को, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किन्ना जाना जा रहा था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब के अनुसार
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्या 2—

1. नाटेकर गांधी एण्ड कंपनी,
 1206, बॉ/15, शिवाजी नगर, डी० जी० पूना।
 (अन्तरक)

2. श्री घनशंकर विनायक जोश,
 53, श्री निवास, मोदी बाग,
 पूना-16
 (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन में निम्न
 कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्तभारी के वास्त
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/7159/84-85 जो
 अक्तूबर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन
 रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 17-5-1985
 मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 मई, 1985

निर्देश सं० 37ईई/663/84-85—अतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 47/22, एरन्डवना, लॉ कालेज, रोड,
टी०पी० स्कीम, नं० 1, पूना-4 है, तथा जो पूना में स्थित
है (और इससे उपायद्वयसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० डी० कर्बे,
47/22ए एरन्डवना, पूना-4

(अन्तरक)

2. ओम इन्जीनियर्स एण्ड बिल्डर्स,
43/4, एरन्डवना, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/663/84-85 जो मई,
1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 17-5-1985
मोहर :

प्रकृष माई.टी.एन. एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, पूना

पूना, दिनांक 17 जून, 1985

निदेश सं० 37ईई/7730/84 85—अतः मुझे अनिस
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 2043, ग्रीष्म रोड, पूना-3
तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रॉज, पूना में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे
व्यवधान से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
व्यवधान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिदा
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हृतीम भाई, गुरामाई गोपबाबाला, और अन्य
1571, शुक्रवार पेठ, पूना।

(अन्तरक)

2. श्री इकराम मालिक खान,
1202/5, घोले, रोड, पूना-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/7735/84-85 जो
नवम्बर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिस कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, पूना

दिनांक 17-5-1985

मोहर :

प्रकृष प्राई टी. एन. एल. -----

1. डा० आशुतोष बा० दक्षित,
836, सदाशिव पेठ, पूना 30

(अन्तर-र)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्री विनय बाबूराव काले और अन्य
“विश्वनाथ सदन” खारकन लेन, थाना।

(अन्तर-रिग)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निदेश सं० 37ईई/11739/84-85—अनः मुझे अनिल
कुमारआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसका सं० प्लॉट नं० 5-2रा मंजिला, दाक्षित बाग,
अप.टेमेन्ट्स, सो० टा० एन० नं० 69 डा/2बा, नई सदाशिव
पेठ, पूना में है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी,
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज
पूना में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधिन दिनांक अप्रैल, 1984प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
से प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण व है कि किसी भाव को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शास्त्र में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनाथ अन्तरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/11739/84-85 जो
अप्रैल, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना।दिनांक 31 5 1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निदेश सं० 37ईई/10041/84-85—अतः मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसे सं० प्लेट नं० 34, दूसरा मंजिला, नवधर लैन्ड पार्क में, बर्ही रोड, सर्वे नं० 46 (भाग,, प्लॉट नं० 8, आनन्द नगर, योमना, गवहर् बसई, तथा जो बसई में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीरसी अधिारी के दायित्व स्तर पर आवाक कर (निरक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

का उपावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० हुआ कि किसी आब की धारत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षेत्राधिकार में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूमि-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रेयजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

1. मैपर्स व्ही० एच० इन्टरप्राइजेज,
कोर्टे चैम्बर, दूसरा मंजिला, नया मरीना लाईन्स,
बम्बई 6।

(अन्तरक)

2. श्रीमती खलीजा बीबी, इसाख समता,
और अन्य,
दूसरा मंजिला, एल० जे० क्रास रोड, नं० 2,
माहेंम, बम्बई-16

(अन्तरिती)

की यह सूचना प्राप्ति करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त यथावर सम्पत्ति में कृत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये गये हैं।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रेशन क्र० सं० 37ईई/10041/84-85 जो नवम्बर, 1984 को नईवृत्त अध्याय आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में विद्यमान है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

नोट : उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, यदि, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :

रूप माई.टी.एन.एच.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निवेश सं० 37ईई/9620/84-85—प्रतः मुझे अनिल
कुमार

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

और जिसकी सं० फ्लॉट नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोर, साट नं० 27,
रेड, रोज, को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी स्केयर नं० 2
बसई, नया बम्बई है तथा जो बसई में स्थित है (और इससे
उपवाद्य धनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार
अवेडारे के कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

को पेशकश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमांश
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दसमांश प्रतिफल से ऐसे दसमांश प्रतिफल का
बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
4. अ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रेड रोज, को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि०,
फ्लॉट नं० 27, साटल, बसई, नया बम्बई ।
(अन्तरक)

2. श्री मनु, के० सोबर्ता,
मनु महल, किश, सकल, मतुंगा, बम्बई-18
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9620/84-85 जो
अक्टूबर, 1984 को सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 31-5-1985
माहुर :

हज़ार बाई. टी. ए. ए. ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निदेश सं० 37ईई/6524/84-85—अतः मुझे अनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 8 और 9, ग्राउड फ्लोअर गायत्री रोड, बसई (पूर्व), थाना में है तथा जो नवधर बसई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप में वर्णित है) एनेस्ट्रीटरी अवेन्यू के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अधिनियम दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उक्त बचने में बाधना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना था, छिपाने में सक्षम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
43—176GI/85

1. गायत्री बिल्डर्स,

विकास उद्योग नगर, रेलवे क्रॉसिंग के पास,
भायंदर, (पूर्व), जिला थाना।

(अन्तरक)

2. मैसर्स, फार्मास्यूटिकल्स, और सर्विसेस इक्विपमेन्ट,
बॉ1/10, बा, जम्बो दर्शन, को-ऑपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी, गल्ली, नं० 2, अंधेरी, (पूर्व),

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/16524/84-85, जो मई, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 31-5-1985

मोहर :]

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निदेश सं० 37ईई/3408/84-85—अतः सुमो अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
समके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए.1/104, "ए" बिल्डिंग, में
पहला, मंजिला, तन्नावर नगर, बम्बई, पूना रोड, मुम्बरा,
जिना थाता, (क्षेत्रफल 848.50 वर्ग फुट) है, तथा जो
थाता में स्थित है (और इनमें उदात्त अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

इत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स राजस्थान बिल्डर्स,
ए/2, स्वाति बिल्डिंग, जुहलेन,
अंधरी, (पश्चिम), बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री मेहबूबी शालीग्राम चौधरी,
नुरुल हुस्ना मस्जिद के पास, सोसियल नगर,
काला किला, धारवी, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/13408/84-85—जो
मार्च, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 31-5-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्जिअस, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना,

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० 37ईई/10803/84-85—अतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, गीताली बिल्डिंग, में, उत्तरी
भाग पर दूसरे मंजिल, 42, 768-9-10-15-16, शिवाजी
नगर, पूना-4 में है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
जमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
प्रतिशत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिजों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. वास्तुशिल्प,

93/2ए, एरन्डवना, पूना-4

(अन्तरक)

2. सुशीला दीनकर बेडेकर,

1259/2, जे० एम० रोड, पूना-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/10803/84-85 जो
मार्च, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 31-5-1985

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० 37ईई/11028/84-85—अतः मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में प्लॉट नं० 301, कदम अपार्टमेंट में, सर्वे नं० 214, पर्वती पूना 9, बांधा हुआ भाग 680 है, जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

मोहर/यस

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजकुमार जे० अग्रवाल,
मैक्स राज बिल्डर्स,
सर्वे नं० 9/3, एरवडा, पूना-6

(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी बाई, चन्द्रकांत सुनार,
955, बुधवार पैठ, पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/11028/84-85 जो मार्च, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार,
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 31-5-1985
मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एड. १९८५-१९८६

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/10864/84-85—अतः मुझे,
अनिल कुमार,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उपरोक्त पत्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी ग० पर्वत नं० सी०-17, तीसरी मंजिला,
हमरा काम्पलैक्स में एफ० पी० नं० 203, संगमवाडी,
टी० पी० स्कीम, तथा सर्वे नं० 349 और 349-ए०-1
बगला नं० 6, भंडारघर रोड, पुना (बांधा हुआ भाग-
590) है तथा जो पुना में स्थित है (और हममें उपावृत्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना, में, राजस्वीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री आर० एन० ठक्कर,
मेमर्स हरमस एजन्सीज,
793, फ़ैमिली हाउस,
बम्बई-14।

(अन्तरक)

2. श्री नौशद हुसेनवी वझीर
36, वन्दरलॉड,
7, एम० जी० रोड, पुना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से कुछ किसी आश की शकल उक्त
अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में सुविधा
के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
की, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(जैसा कि राजस्वीकृत क्र० 37-ईई०/10864/84-85
जो मार्च 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 31-5-1985
मोहर :

इसका बाह्य बी.एन.एन.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/12874/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 108, पहला मंजला, फ्लैट नं० 9, मर्वे नं० 44 और 46 नवघर वसई थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मेसर्स ह्री० एस० एन्टरप्राइजेस कोर्ट चेम्बर्स
दूसरा मंजिला नया मरीन लाईन्स बम्बई-20।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० जे० मुस्तानो

7 तुलगी महाल

तीसरा मंजिला राघवजी रोड

सेट्रल बैंक आफ इण्डिया के सामने

बम्बई-36।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/12874/84-85 जो फरवरी 85 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

तारीख : 31-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० आई० एस० सी० /एकुजिस्व कटक-1/
85-86/245-47—अतः मुने, आर० सी० मेठी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5325 है जो विमीनावर में स्थित है
(और इससे उगावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटक में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री मटवर मेन पिता डा० गोपीधर मेन,
कमला मेन स्वामी मटवर मेन काठगड़ा
शाही थाना पूरीघाट पोस्ट डिस्ट्रिक्ट
कटक (उड़ीसा)।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द प्रकाश मोड़ा पिता गोकुल चन्द मोड़ा
काठगड़ा, शाही थाना पूरीघाट,
पोस्ट/डिस्ट्रिक्ट कटक (उड़ीसा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की लागू होने से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और घर कटक जिला में स्थित है। ताउजी
नं० 2489, कटक थाना नं० 204, वाखरावाड़, मउजा
टाउन सिमीनावर (काठगड़ाशाही) खाता नं० 928 प्लाट
नं० 634 एरिया ए० सी० ओ० 287 उसमें दक्षिण पूर्व
माप के अनुसार ए० सी० ओ० 0.035.5 सहित एक
पुराना दो महीना कोठा, घर नं० 230, प्लाट नं० 13,
कटक मुनिसिपलिटि।

आर० सी० मेठी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-6-1985

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 10th July 1985

No. F.6/85-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri A. S. V. Raghvan and Shri R. S. Suri, Deputy Registrars to officiate as Joint Registrars in this Registry with effect from the forenoon of July 1, 1985 until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Shri S. S. Srivastava, Assistant Registrar to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of July 1, 1985 vice Shri A. S. V. Raghvan promoted as Joint Registrar.

R. SUBBA RAO
Registrar

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th April 1985

No. A.19011/3/85-Admn.I.—The Union Public Service Commission have been pleased to appoint Shri A. N. Varma, IAS, as Secretary of the Commission with effect from the forenoon of 25th April 1985, until further orders.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110 011, the 25th June 1985

No. A-32013/1/85-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri Mukul Chatterjee, a permanent Section Officer of CSS Cadre of UPSC, included in the Select List for Grade I of CSS for the year 1984 (No. 9) as Under Secretary in the Commission's Office on a regular basis with effect from 6th May 1985, until further orders, subject to para 2 of Department of Personnel & Training's O.M. No. 4/15/84-CS(I), dated 18-4-1985.

The 1st July 1985

No. A.38013/10/84-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri R. K. Gaur, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th June, 1985 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A), dated the 24th November 1973.

No. P.1790/Admn.III.—On reversion from deputation on foreign service terms from Delhi Electric Supply Undertaking, Shri Kailash Chandra has joined as Section Officer in the office of Union Public Service Commission w.e.f. the afternoon of 14th June 1985.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

New Delhi, the 21st May 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Period
1.	Kum Bharati Narasimha.	1-5-85 to 30-6-85
2.	Shri Bir Inder	1-5-85 to 30-6-85
3.	Smt. Molly Tewari	16-5-85 to 30-6-85
4.	Shri H.C. Sharma	20-5-85 to 30-6-85
5.	Shri Pahlad Singh	1-6-85 to 14-7-85
6.	Shri A.S. Bedi	16-5-85 to 29-6-85
7.	Shri S.B. Gupta	16-5-85 to 29-6-85
8.	Shri Tara Singh (SC)	16-5-85 to 14-6-85

The 17th June 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Period
1.	Shri K.V. Tewani	10-6-85 to 25-7-85
2.	Shri Tara Singh (SC)	15-6-85 to 12-7-85

S. BANERJEE,
Under Secy.
(Admn.)

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

SARDAR VALLABHBHAI PATHI NATIONAL POLICE ACADEMY

Hydrabad-500 252, the 11th June 1985

ESTABLISHMENT ORDER

No. 15011/20/85-Estt.—On relief from the Technical Group FME. Headquarters Delhi Cantt-110 010—Shri B. R. K. Murali, optical Cameraman assumed charge of the post of photographic officer in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad in the forenoon of 1st of June 1985.

2. Shri Murali, will be on deputation to the Academy for a period of three years with effect from 1-6-85 and will draw pay in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35 880-40-1200 with other allowances as admissible under the Central Government Rules.

The 21st June 1985

OFFICE ORDER

No. 15011/16/85-Estt. O.B. No. 125.—Shri Rustam Ali, Company Commander 3rd R.A.C. Jaipur (Rajasthan) joined duty as Chief Drill Instructor in the Academy on the 9th of June 1985, forenoon.

2. Shri Rustam Ali will be on deputation to this Academy as Chief Drill Instructor (Deputy Superintendent of Police) for a period of three years in the first instance from 9-6-1985 and will draw pay in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus special pay of Rs. 100/-month.

G. C. SINGHVI
Director

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 9th July 1985

No. D.1-6/85-Estt-I.—The services of Shri Balbir Singh, Dv. S.P., 62 Bn, CRPF, are placed at the disposal of Ministry of Home Affairs, on deputation basis, with effect from 1-6-1985 (AN).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 10th July 1985

No. E-32015(4)/17/85-Pers-I.—President is pleased to appoint Shri R. D. Pal, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit HZI. Tundoo with effect from the forenoon of 18th May 1985 on purely ad hoc basis and temporary upto 24-9-85 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 11th July 1985

No. F-32015(4)/19/85-Pers-I.—President is pleased to appoint Shri K. K. Niranjan on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit, NALCO, Angul with effect from the forenoon of 16th May 1985 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24-9-85 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

Sd/- ILLEGIBLE
Director General/CISF

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 9th July 1985

No. 7(59)/2985.—In supersession of this office Notification No. 7(59)/7707 dated 8-11-84 Shri Rajkumar, Foreman (Production) is appointed as Assistant Chief Chemist on regular basis with effect from 1-1-1984. He will be on probation for a period of two years.

S. R. PATHAK
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 8th July 1985

No. 1371-CA.I/167-69.—On his attaining the age of superannuation Shri P. N. Gupta, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi has retired from service with effect from 30-6-1985 A.N.

The 9th July 1985

No. 1379-CA.I/200-69.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri M. A. Siddiqui, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Accountant General (Audit-I), Andhra Pradesh, Hyderabad to retire voluntarily from Govt. service under provision of Rule 48 of CCS(P) Rules 1972 with effect from 1-6-1985 (FN).

K. P. LAKSHMANA RAO
Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
(A[CS] I BIHAR

Ranchi, the 10th July 1985

O.O. No. Admn-Confirmation-228.—The Accountant General (Accounts) I Bihar Ranchi is pleased to appoint the following officiating Accounts Officers in substantive capacity in the same cadre with effect from 1-6-1985.

Sl. No.	Name
	S/Shri
1.	Kshiti Ranjan Gupta.
2.	Sushil Kumar Mukherjee.
3.	Nagendra Kishore Mandal.
4.	Bhairab Chandra Dutta.
5.	Hari Pada Roy.

SAMIR BANERJEE
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
II, BIHAR

(LOCAL FUND AUDIT)

Ranchi, the 11th July 1985

No. 1A/Admn.I Estt.I-AO(Prem)-1370.—The Accountant General (Audit) II, Bihar has been pleased to promote Shri Bhola Prasad Asstt. Audit Officer of Local Audit Wing to officiate as an Audit Officer in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 8-7 1985 (F.N.) until further orders.

D. MUKHERJEE
Examiner of Local Accounts, Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-I)
KARNATAKA

Bangalore, the 30th May 1985

OFFICE ORDER

No. AG(Au)I/Admn.I/A-1/85-86/131.—The Accountant General (Audit-I) is pleased to promote the following two (2) Assistant Audit Officers as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking over charge.

S/Shri

1. G. V. Nagaraja.
2. T. S. Krishna Rao.

The 1st June 1985

OFFICE ORDER

No. AG(Au)I/Admn.I/A-1/85-86/136.—The Accountant General (Audit-I) is pleased to promote the following two (2) Assistant Audit Officers as Audit Officers in the scale Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors if any, with effect from the date of their taking over charge.

S/Shri

1. S. Narasimhan (1).
2. MC Sridhara Murthy.

Consequent on their promotion as Audit Officers the option to be exercised for fixation of pay in the higher scale as per Government of India decision (15) below FR 22 (C), Swami's Compilation (VIIth Edition) (G.I.M.H.A. Department of Personnel & AR OM No. F-7/1/80 Estt. P.I. dated 26th September 1981) should be exercised within one month from the date of promotion.

The 10th June 1985

No. AG(Au)I/Admn.I/A1/85-86/156.—The Accountant General (Audit-I) is pleased to promote Sri G. C. Shivarama Sharma, Asstt. Audit Officer as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of his seniors if any, with effect from the date of his taking over charge.

Consequent on his promotion as Audit Officer the option for fixation of pay in the higher scale as per Govt. of India decision (15) below FR 22 (c) Swamy's Compilation (VII Edition) (G.I.M.H.A. Dept. of Personnel & AR O.M. No. F. 7/1/80-Estt.P.I., dated 26th September 1981) should be exercised by him within one month from the date of promotion.

Sd/- ILLEGIBLE
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 11th July 1985

No. O.E. XI/Gr. II A/AAO-SO/1985-86/12/Prom. Gazette/113/231.—The Accountant General (Audit) : I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the following Section Officers as Asstt. Audit Officers in an officiating capacity

n the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name	Permanent No.	Date of joining as Asstt. Audit Officer
1	2	3	4
	S/Shri	02/	
1.	G.L. Jain	1506	26-3-1985 F.N.
2.	F.C. Deogan	513	15-4-1985 F.N.
3.	S.C. Gupta	545	17-5-1985 F.N.
4.	Mohan Das	1567	17-5-1985 F.N.
5.	H.P. Shrivastava	1790	10-6-1985 F.N.

M. DEENA DAYALAN,
Dy. Accountant General/(Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi-110011, the 10th July 1985

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1074/75-Admn(G)/3424.—On attaining the age of superannuation, Shri Niroti Lal Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office retired from Government Service with effect from the afternoon of the 30th June 1985.

No. 6/1434/83-Admn(G)/3435.—On attaining the age of superannuation, Shri B. K. Mehra Controller of Imports and Exports in this office retired from Government Service with effect from the afternoon of the 30th June 1985.

S. KUJUR
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
For Chief Controller of Imports & Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 10th July 1985

No. 17011/191/81/A6.—Shri A. T. Ghosh, Officiating Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta expired on the 12th June 1985.

S. L. KAPOOR
Dy. Director (Admn.)
for Director General, Supplies and Disposals

New Delhi-110 001, the 13th June 1985

No. A.17011/158/79-A6.—The President is pleased to appoint Shri Sunderlal, Inspecting Officer (Textiles) (Grade III of Indian Inspecting Service, Group 'A') (Textiles Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Textiles) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Textiles Branch) on regular basis in the scale of pay of Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600 with effect from the forenoon of 27th April, 1985 and until further orders.

2. Shri Sunder Lal relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Textiles) in the Office of Director of Inspection, Calcutta on the afternoon of 26-4-1985 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Textiles) in the office of Director of Inspection, Kanpur on the forenoon of 27-4-1985.

The 3rd July 1985

No. A-17011/177/80-A6.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Datta, a candidate Selected by UPSC, to officiate as Asstt. Director of Inspection (met) in the Metallurgical Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Group 'A') with effect from 20-5-1985 (FN) and until further orders.

2. Shri R. N. Datta has relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (met) on the Forenoon of 20-5-85 in the office of Director of Inspection, Jamshedpur and assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (met) in the same office on 20-5-85 (F.N.).

New Delhi, the 10th July 1985

No. C-18011/5/79-A6.—In supersession of the Directorate General of Supplies and Disposals Notification No. A6/247 (388) dated 4-2-82, the President is pleased to decide that the deemed date of promotion of Shri S. C. Anand to the post of Dy. Director of Inspection (Engg.) in Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engg. Branch) shall be 10-3-1970 (F.N.).

2. This issues in pursuance of the judgment direction dated 14-3-85 of Delhi High Court in Civil Writ Petition No. 403/85 filed by Shri S. C. Anand.

S. L. KAPOOR
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL
DEPARTMENT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 5th July 1985

No. EI-2(1)/85.—The undersigned hereby appoints Shri S. C. Mukherjee, to officiate in the post of Assistant Iron and Steel Controller in this office w.e.f. 1-7-1985 (F.N.) on temporary basis against leave vacancy.

D. K. GHOSH
Iron & Steel Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 10th July 1985

CORRIGENDUM

No. 6961B/A-19012(1-NM)/83/19A.—The date of appointment of Shri N. Maran, Assistant Geologist in the Geological Survey of India may be read as 12-9-84 (F.N.) instead of 16-8-84 (F.N.) as notified in this office notification No. 7728B/A-19012(1-NM)/83-19A dated 16-11-84.

The 12th July 1985

No. 7103B/A-19012(OS)/31/19B.—Shri M. Ghosh, S.T.A. (Survey), Geological Survey of India has been appointed on promotion by the Director General, G.S.I. as officer surveyor in the same department on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB 40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22-5-85, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th July 1985

No. A-19012(164)/84-Estt.A./PP.—On his voluntary retirement on 1st July, 1985 (Forenoon) Shri R. A. Menghani, Permanent Store Keeper and officiating Assistant Stores Officer has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1-7-85 and accor-

dingly his name is struck off the strength of the effective establishment of this Department from the said date.

The 11th July 1985

No. A-19011(56)/84-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri T. R. Seshadri, permanent Senior Mining Geologist to the post of Regional Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 19th June, 1985, for a period of 6 months or till the regular officer joins, whichever is earlier.

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 2nd July 1985

No. 17/17/85-SIV.—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineer in a temporary capacity at different Stations/Offices of All India Radio and Doordarshan from the date shown against each till further orders :—

S. No.	Name	Stations/Offices	Date of joining
S/Shri			
1.	V.P. Sehgal	AIR, Suratgarh	6-5-85 (FN)
2.	P. Bhaskaran Nair	DDK, Gauhati	20-5-85 (FN)
3.	Smt. Sushila Krishna-moorthy	AIR, Madras	5-6-85 (FN)
4.	Sh. Jawahar Lal Singh	HPT, AIR, Aizgarh	30-4-85 (FN)
5.	Sh. P. Veeraiah	LPT, TVRC, Dibrugarh.	10-5-85 (FN)
6.	Sh. T.V. Vaidyanathan	DDK, Rajkot	5-6-85 (FN)
7.	Sh. K.S. Prakasha Rao	LPT (TV) RC, Bellary.	31-5-85 (FN)
8.	Sh. Naresh Bhan Sadh	AIR, Lucknow	10-6-85 (FN)

B.S. JAIN
Dy. Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 9th July 1985

No. 4 (33)/82-SI.—Consequent on her marriage, Kum. M. Kalavathi, Programme Executive, All India Radio, Madras has changed her name of "Smt. Kala Ravi" and will be known as such in future.

I. S. PANDHI
Dy. Director of Administration
for Director General

FOREST SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 9th July 1985

No. 4-2/81-Adm.—Shri B. M. Dev, Asstt. Conservator of Forests of Tripura Forest Department, who was working as Asstt. Director in Forest Survey of India, Eastern Zone, Calcutta on deputation basis, has been relieved of his duties from Forest Survey of India, Eastern Zone, Calcutta w.e.f. the afternoon of 14th June, 1985 and his services have been replaced at the disposal of the Govt. of Tripura.

D. B. MISRA
Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 9th July 1985

No. PA/73(7).85-R-IV/687.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Bhanudas Govinda Ranpise as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 24, 1985 for a period of three years.

No. PA/73(7).85-R-IV/688.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Mukesh Dodeja as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 17, 1985 for a period of three years.

M. D. GADGIL
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 10th June 1985

No. DPS/41/17/85-Adm./4654.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Abdul Sattar Haider Shaikh, a permanent Asstt. Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 14-5-1985 (FN) to 12-6-1985 (AN) in the same Directorate.

The 4th July 1985

No. DPS/41/2/85-Adm./3903.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. B. Wadke a permanent Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 13-5-1985 (FN) to 21-6-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri L. H. Bagwe, Asstt. Stores Officer granted leave.

The 9th July 1985

No. DPS/41/18/85-Adm./4615.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri T. G. Gidwani a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 6-5-1985 (FN) to 7-6-85 (AN) in the same Directorate vice Shri Sadananda, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/41/2/85-Adm./4621.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. Kuppuswamy a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 6-5-1985 (FN) to 7-6-1985 (AN) in the same Directorate vice Smt. Aley Mathew, ASO granted leave.

P. GOPALAN
Administrative Officer

CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 4th July 1985

No. CED/A/2(16)/4387.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri V. V. Mohanan, a temporary Assistant Accountant in Construction & Services Group, as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 10-6-85 to 10-7-85 vice Shri N. Parthipan, Assistant Accounts Officer granted leave.

S. K. KAPUR
Administrative Officer

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 12th July 1985

No. A. 32013 (Met. I)/7/83-E.I. - The President has been pleased to appoint the undermentioned Meteorologists Grade II/ Assistant Meteorologists to officiate as Meteorologist Grade I in the same Department with effect from the dates indicated against their names and until further orders : -

S. No.	Name	Date from which officiating as Meteorologist Grade I
1.	Shri K. Ramachandran	10-9-1984
2.	Shri Lakhmi Singh	1-10-1984
3.	Shri K. Ratnam	29-6-1984
4.	Shri P.N. Khanna	25-2-1985
5.	Shri K.K. Chakraborty	25-2-1985
6.	Shri B.K. Hazra	25-2-1985
7.	Dr. B.K. Basu	25-2-1985
8.	Shri R.D. Vashistha	25-2-1985
9.	Shri B.V. Singh	29-4-1985
10.	Shri A.B. Mazumdar	27-2-1985
11.	Shri V.P. Verma	21-3-1985
12.	Shri R.K. Bansal	26-2-1985

S.K. DAS,
Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 10th July 1985

No. A. 32013/7/83-EC (.). - In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/7/83-EC dated the 26th Nov., 84, the President is pleased to appoint the following two Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. the date indicated against each and to post them at the station indicated against each : -

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
	S/Shri			
1.	S.S. Kang	ACS, Amritsar	RCDU, New Delhi	8-3-85
2.	H.C. Sachdeva	ACS, Jammu	ACS, New Delhi	20-5-85

2. The ad-hoc appointment of the abovementioned officers in the post of Technical Officer in the Civil Aviation Department shall not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and the service rendered on ad-hoc basis shall not count for seniority in the grade of Technical Officer or for eligibility for promotion to the next higher grades in the Civil Aviation Department.

V. JAYACHANDRAN,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 11th July 1985

No. A. 32013/2/82-ES.—The President is pleased to continue ad-hoc appointment of the following officers in the grade of Senior Airworthiness Officer for a further period of one year

four months i.e. with effect from 1-5-1984 to 31-8-1985 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

1. Shri S.S. Nat
2. Shri S.S. Kuner
3. Shri Anupam Bagchi
4. Shri P.M. Goyal
5. Shri H.M. Phull
6. Shri Mohd. Mustafa
7. Shri L.A. Mahalingam
8. Shri Deba Prasanna Ghosh
9. Shri L.M. Mathur
10. Shri D.P. Ghosh

2. The President is pleased to continue ad-hoc appointment of Shri S.L. Vohra in the grade of Senior Airworthiness Officer for a period of seven months from 1-5-84 to 30-11-84.

M. BHATTACHARJEE
Assistant Director of Administration

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 21st June 1985

No. 2/85.—The following Group 'B' Officers of this Collectorate retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each.

S. No.	Name of officer and post held at the time of retirement	Date of retirement
	S/Shri	
1.	Shanti Swaroop, Supdt. Gr. 'B'	Hdqrs. Office Kanpur 31-1-84
2.	I.M.K. Sheopuri Do.	Kanpur-I Divn. 31-1-84
3.	M.N. Katru Do.	Bareilly Divn. 31-3-84
4.	J.P. Srivastava Do.	Kanpur-I Divn. 31-5-84
5.	G.R. Anand Do.	Sitapur Divn. 31-5-84
6.	P.S. Awasthi Do.	Hdqrs. Office Kanpur 30-6-84
7.	P.S. Vyas Do.	Agra Divn. 30-6-84
8.	S.Z. Ali Do.	Sitapur Divn. 31-8-84
9.	H.C. Das Amba Do.	Agra Divn. 31-8-84
10.	A.P. Sinha Do.	Hdqrs. Office Kanpur 31-10-84
11.	C.L. Dubey Do.	Aligarh Divn. 31-12-84
12.	S.K. Ghoshal Do.	Kanpur-I Divn. 31-1-85
13.	P.S. Saxena Do.	Kanpur-I Divn. 28-2-85

G.S. MAINGI
Collector

Nagpur, the 10th July 1985

No. 5/85.—Shri N. D. Meshram, Assistant Collector of Central Excise Gr. 'A' of this Collectorate having attained the age of Superannuation retired from Government Service on 30-6-85 (A.N.).

R. K. AUDIM
Deputy Collector (P. & E.)

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
DIRECTOR GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 8th July 1985

No. 11-TR(2)|85.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Mazumder as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta on ad-hoc basis with effect from 10-6-1985 (F.N.) until further orders.

No. 11-TR(3)|85.—The President is pleased to appoint Shri Amitava Banerjee as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta on ad-hoc basis with effect from 1-6-1985 (F.N.) until further orders.

The 9th July 1985

No. 7-TR(8)|85.—The President is pleased to appoint Capt. A. K. Malhotra as Nautical Officer on T. S. Rajendra, Bombay on deputation from Shipping Corporation of India, Bombay, for a period of one year with effect from 15-6-1985 (F.N.).

A CHANDRA
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 9th July 1985

No. A-19012|1103|85-Ent.V.—Chairman, Central Water Commission appoints Smt. Renu Mal, Design Assistant, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on an ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 24-5-1985 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

MEENAKSHI ARORA
Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Ramal & Company Ltd.*

Madras-600006, the 24th June 1985

No. DN|220|560(3)|85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Ramal & Company Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
P.V.E. Transports Pvt. Ltd.*

Madras-600 006, the 24th June 1985

No. DN|560(3)|85. Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of P.V.S. Transports Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Saikiran Papers Pvt. Ltd.*

Madras-600006, the 24th June 1985

No. DN|7624|560(3)|85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Saikiran Papers Pvt. Ltd.,

unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act, 1956 and in the matter of
Kainali Rubber Factory Private Limited*

Cochin-602011, the 9th July 1985

No. 3345|Liq.|560(3)|4979|85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Kainali Rubber Factory Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Kerala

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Janapada Shree Private Limited*

Calcutta, the 5th July 1985

No. 16085|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Janapada Shree Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Gossen & Co. (India) Private Limited*

Calcutta, the 5th July 1985

No. 17646|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Janapada Shree Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Glass Syndicate Private Limited*

Calcutta, the 5th July 1985

No. 17683|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Glass Syndicate Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Paul Brothers (Umbrella) Private Limited*

Calcutta, the 5th July 1985

No. 22316|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Paul Brothers (Umbrella) P. Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Film Kraft Private Limited*

Calcutta, the 5th July 1985

No. 24568|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Film Kraft Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Everest Wood Products & Allied Industries Pvt. Ltd.*

Calcutta, the 5th July 1985

No. 30228/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Everest Wood Products & Allied Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Alaknanda Engineers Private Limited*

Calcutta, the 5th July 1985

No. 30776/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Alaknanda Engineers Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Scientific Software Private Limited*

Calcutta, the 5th July 1985

No. 32375/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Scientific Software Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Eastern Concessions Private Ltd.*

Calcutta, the 5th July 1985

No. 9552/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Eastern Concessions Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. DAS GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sheela Cine Company Pvt. Ltd.*

Gwalior-474009, the 9th July 1985

No. 2337/PS/1627.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sheela Cine Company Pvt. Ltd., Gwalior, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. KARMAKAR
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Chandl Production Private Limited*

Jalandhar, the 10th July 1985

No. Stat/560/3127/3296.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chandl Production Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sungold Finance & Investments Limited*

Jalandhar, the 10th July 1985

No. G/Stat/560/5228/3298.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sungold Finance & Investments Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Lakhbir Finance Traders and Exporters Pvt. Ltd.*

Jalandhar, the 10th July 1985

No. Stat/560/4538/3300.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Lakhbir Finance Traders and Exporters Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. B. D. Chit Fund & Financiers Pvt. Ltd.*

Jalandhar, the 10th July 1985

No. G/Stat/560/3091/3302.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of B.D. Chit Fund & Financiers Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

B. M. JAIN
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Shamlal Janakraj Private Limited, Indore*

Gwalior, the 12th July 1985

No. 1024/PS/CP/1041.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shamlal Janakraj Private Ltd., Indore has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. KARMAKAR
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
196 BAPUJINAGAR,
BHUBANESWAR-9 (ORISSA)

Bhubaneswar-9, the 3rd June 1985

Ref. No.IAC\Acq\CTC-1\85-86/245-47.—Whereas I, R. C. SETHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 5325, situated at Bisinabar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Cuttack on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Natabar Sen s/o Late Dr. Gopeswar Sen and (Transferor)

(2) Shrimati Kamla Sen w/o Shri Natabar Sen of Kathagarasahi, P. S. Purighat, P.O. Cuttack-1 Dist. Cuttack (Orissa). (Transferee)

(3) Shri Ananda Prakash Moda s/o Shri Gokul Chahnd Moda of Kathagarasahi, P.S. Purighat, P.O. Cuttack-1, Dist. Cuttack (Orissa). (Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with Building in District town and sub-registry, Cuttack Touzi No. 2489 Thana Cuttack number 204 Ph. Bakharabad, Mouza town Bishnabar popularly known as Kathagerasahi, Khata No. 928 C.S. Plot No. 634 total area Ae. 287 out of which only southern eastern corner measuring AO. 053.5 docimals with an old double storied building bearing holding No. 230 in Ward No. 13 of Cuttack Municipality.

R. C. SETHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar-9

Date : 3-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
196 BAPUJINAGAR,
BHUBANESWAR-9 (ORISSA)

Bhubaneswar-9, the 3rd June 1985

Ref. No. IAC/Acq/CTC-3/85-86/342-48.—Whereas I, R. C. SETHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5203, situated at Mouza Bakharabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Cuttack on 7-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bijaya Kumar Singh.
s/o Shri Rhabagrabi Singh.
Uchha Safi, P.O. Ruzi Bazar.
Dist. Cuttack (Orissa).

(Transferor)

- (2) 1. Sri Rohitash Singh s/o
Ramdhan Singh, Ghatsher,
P.O. Chitra P.S. Nangal Choudhury,
Dist. Mohindergarh (Haryana).
2. Sri S. K. Abuzaffar s/o
Late S. K. Sarifuddin
r/o Sayadpur, P.O./Ps. Binjharpur,
Dist. Cuttack (Orissa).
3. Sri Bir Singh s/o Umrao Singh
r/o Village Nangal P.O. Rasulpur P.S. Kanina,
Dist. Mohindergarh (Haryana).
4. Sri Pratap Singh s/o
Sri Prabbatilal,
r/o Nangal, P.O. Rasulpur, P.S. Kanina,
Dist. Mohindergarh (Haryana).
5. Sri Badra Alam s/o S. K. Abuzaffar,
r/o Sayadpur, P.O./P.S. Binjharpur,
Dist. Cuttack (Orissa).
6. Husnara Begum d/o Late Md. Ershad Ali
r/o P.O. Choudakulat,
P.S. Pattanundai,
Dist. Cuttack (Orissa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouza Bakharabad, Town Bisinabar Commonly known as Kausapatna P.S. No. 204-C.S. Khata No. 1599, Plot No. 1833 area Ac 0.083 dec. and C.S. Khata No. 1610, Plot No. 1835, Ac 0.217 dec. Total Ac 0.300 Dec. Rent Rs. 3.50 with building having Holding No. 182/A Ward No. 19 of Cuttack Municipality.

R. C. SETHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 3-6-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna, the 10th July 1985

Ref. No. III-973/Acc/85-86.—Whereas I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna
Holding No. 5, Jubilee Road P.S. Bistupur, Jamshedpur situated at Beldih Triangle area, Jamshedpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely :—

45—176 GI/85

- (1) Shri Dohrab Phiroz Daroga s/o
Late Mr. Phiroz Jamsheer Daroga,
r/o No. 5, Block A, Koramangala,
Bangalore-560 034.

(Transferor)

- (2) Mr. Yazed Sam Kapadia s/o
Mr. Sam Sorabji Kapadia,
Beldih Lake, P.S. Bistupur,
Jamshedpur.
2. Mr. Noshir Ardeshir Piroshaw, s/o
r/o No. 12 Beldih Lake,
Jamshedpur.

(Transferee)

- (3) Mr. Dorab Manekshaw Mistry,
s/o Late Maneckshaw Dorabji Mistry,
12 Hill View Road,
Jamshedpur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring .321 acres with double stroyed building with an out house (Super structures) on holding No. 5, Jubilee Road, situated at Beldih Triangle area P.S. Bistupur, Jamshedpur, Dist. Singhbhum and more fully described in deed No. 6519 dt. 13-11-1984 registered with S.R. Jamshedpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 10-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna, the 10th July 1985

Ref. No. III-974/Acq/85-86.—Whereas I. P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna holding No. 169/290 C type-C, Block-C, plot No. 29, Ward-3, Kankerbagh, Patna, situated at Kankerbagh, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Calcutta on 16-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narendra Sharma of Dharari,
P.S. Ghosi, Dist. Gaya. (Transferor)
- (2) Shri Dudheshwar Nath Pandey of Pawar,
P. S. Sandesh, Dist. Bhojpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kathas and odd with single storeyed building situated at Sector C, Kankerbagh, Patna and more fully described in Deed No. 13699 dated 16-11-1984 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 10-7-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1985

Ref. No. 168/November/84.—Whereas I, K. VENU-GOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 11, situated at Moore Street, Madras-1 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer Madras North (Doct. No. 3211/84) on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. N.S.A. Jahabar Sathick,
s/o N. S. Abdul Gaffoor.
2. A. Noorjahan,
d/o Abdul Mohamed,
Market Street, Manjakkollai,
Nagapattinam Taluk,
Thanjavur District.

(Transferor)

- (2) K. M. Pathumal,
d/o K. M. M. Mohamed Sheriff,
No. 14, Pandithar Hammed Street,
Ilayangudi, Ramnad District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 11, Moore Street,
Madras-1 S.R., Madras North. Doct. No. 3211/84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th July 1985

Ref. No. 160/November/84.—Whereas I, K. VENU-GOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No. Door No. 3, Sunkurama Chetty Street, situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doct. No. 3182/84) on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Parijatham Nagaraj,
5, Taylor's Road,
Madras-10.

(Transferor)

- (2) 1. S.A.S.M. Aminathu Rathuma,
2. S.A.S.H. Sithi Mursitha
3. A. Aysathi Vajiha
4. A. K. M. Sithi Nazeera,
No. 11, Armenian Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 3, Sunkurama Chetty Street, Madras-1.

S.R. Madras North. Doct. No. 3182/84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th July 1985

Ref. No. 172/November/84.—Whereas I, K. VENU-GOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 39/2, situated at Thiruvottiyur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Madras North (Doct. No. 2998/84) on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. K. R. Sundaram Industrial Estate Private Limited,
Kasi Koil Kuppam Street,
Thiruvottiyur, Madras-600 019.

(Transferor)

(2) Sri P. Govindaswamy,
s/o Planiswamy,
No. 22, Poondi Thangammal Street,
New Washermanpet, Madras-600 081.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Thiruvottiyur Village, Madras.
(Survey No. 39/2).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 28th June 1985

Ref. No. A.P. No. 5817.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, situated at Jalandhar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 2/34, situated at Block No. 2, Kirti Nagar Scheme Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kalu Ram s/o
Sh. Assa Nand,
r/o W.G. 480, Mohalla Suraj Ganj,
Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Gurcharan Singh s/o
Shri Jaswant Singh,
Smt. Baljit Kaur w/o
Gurcharan Singh,
r/o 338, Guru Teg. Bahadur Nagar,
Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 8 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House area 6 Mls. 115 S. ft. situated at Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3271 of November, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 28-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1985

Ref. No. A.P. No. 5820.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kat kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (17 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Kasturi Lal, Ram Narain, Chanan Ram ss/o Gauri Datt s/o Tulsi Ram,
r/o Kot kapura, Distt. Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shrimati Sheela Devi d/o Chanan Ram,
s/o Rodu Mal (w/o Sh. Om Parkash Bausal,
s/o Sada Ram),
r/o Bansal Street Kot kapura,
Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Plot situated in Kot kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2644 of November, 1984 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
ng Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 11-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th July 1985

Ref. No. A.P. No. 5821 and 5822.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Budhlada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Budhlada on November, 8 December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Mani Devi wd/o Jassi Ram, (R.D. No. 976) and Danesh Kumar s/o Shiv Charan Dass (R. D. No. 1125), r/o Budhlada Distt. Bathinda. (Transferor)
- (2) Shri Jagroop Singh s/o Chetan Singh, r/o Grain Market, Budhlada, Distt. Bathinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop situated in Grain Market, Budhlada and persons as mentioned in the registered sale Deed Nos. 976 of 11/84 and 1125 of 12/84 of the Registering Authority, Budhlada.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-7-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Jay Pali Builders.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Virendra Surendra Raj-purkar.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/13223/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00,000/- and bearing No. Flat No. 133, 4th floor, "Dwarka Apartments", Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 1-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

Flat No. 133, 4th floor, "Dwarka Apartments", Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/13223/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 12-7-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vijay Nagar Corporation.

(2) Mr. Ramlal Mundhra & Others.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/13127/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1407, 14th floor, Bldg. No. 57/58, Yogi Nagar, Eksar Road, Plot No. 57/58, Hissa No. (Pt.) 5, 3, 14 & 17, Survey No. 66, Borivali (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1407, 14th floor, Bldg. No. 57/58, Yogi Nagar, Eksar Road, Plot No. 57/58, Hissa No. (Pt.) 5, 3, 14 & 17, Survey No. 66, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37 EE/13127/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Madhuri Bhatia.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shantikumar S. Kapadia & Others.

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. Dattani Enterprises.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ARIV/37-EE/13428/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 41, 4th floor, Dattani Nagar Bldg. No. 4, S.V. Road, Borivali (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th floor, Dattani Nagar Bldg. No. 4, S. V. Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/13428/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 12-7-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Murlidhar Gangaram Kalra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Yogeshchandra Chimanlal Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGEIV, BOMBAY

Bombay the, 12th July 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/13342/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, A-Wing, Borivli Godhvari Co-op. Hsg. Society Ltd., 1st Carter Road, Borivli (East), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, A-Wing, Borivli Godhvari Co-op. Hsg. Society Ltd., 1st Carter Road, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/13342/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 12-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V.M. Doshi.

(Transferor)

(2) Shri R.N. Modi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri V.M. Doshi.

(Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGEIV, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. ARIV/37EE/13535/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 32, A-Bldg., Punita Flat Owners Co-op. Hsg. Society Ltd., S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 32, A-Bldg., Punita Flat Owners Coop. Hsg. Society, Ltd., S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/13535/8485 on 1-11-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1985
Seal

FORM ITNS—

(1) Sh. Shukla Anilkumar Chaudrakant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hemant Ramlal Padhya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. ARIV/37EE/13489/8485.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 15, Wing B, Veera Sadan, Zaver Baug, S.V. Road, Kandivlee (West), Bombay 400 067 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 15, Wing B, Veera Sadan, Zaver Baug, S.V. Road, Kandivlee (West), Bombay 67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/13489/8485 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Jay Pali Builders.

(Transferor)

(2) Shri Avinash S. Kulkarni

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ARIV[37EE]13158[8485.—Who.cas.-I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00,000/- and bearing No. Flat No. 117, 4th floor, 'Dwaraka Apartment', Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 117, 4th floor, 'Dwaraka Apartment', Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV[37EE]13158[8485 on 1-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 12-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Arvind Kumar K. Solanki.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. M. R. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. AR.III/37EE/14860/8485.— A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. Flat No. 5, Chandra Darshan Coop. Hsg. Ltd., 148, Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay 62.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Chandra Darshan Hsg. Ltd., 148, Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay 62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/14860/84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

Date : 12-7-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Jacob Percy Elijah

(Transferor)

(2) Conwood Interior Decorators Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR.III/57-EE/14076/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, Bldg. No. 18-B, Gokuldham Housing Complex, Village Dindhoshi & Chincholi, Goregaon, Bombay-63 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the Fair Market Value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Bldg. No. 18-B, Gokuldham Housing Complex, Village Dindhoshi & Chincholi, Borivli Taluka, Goregaon-Mulund Link Road, Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/14076/84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

47—176 GI/85

Date : 12-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM'
WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 24th June 1985

Ref. L. C. No. 759/85-86.—Whereas, I, Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at West Hill on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ambali Madhavi,
Rep. by Sri A. Karthikeyan (Husband),
1/10-A, Beach Road, Calicut.
(Transferor)
- (1) 1. Rafecque (Minor) Rep. by Smt. Ayishu,
Guardian,
2. Rafe-na (Minor) Rep. by Smt. Ramla, Guardian,
Pothikandiyil, Kolavallur, Kannangode.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/20 share over 41.09 cents of land and two buildings in Sy. No. 19-21-605 of Calicut Corporation, registered in SRO, West Hill, as per Doc. No. 998 dated 12-11-1984.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 24-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM'
WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 24th June 1985

Ref. No. L.C. No. 760/85-86.--Whereas, I, Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. 19-21-605 situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at West Hill on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ambali Madhavi,
Rep. by Sri Karthikeyan, Husband,
1/10-A, Beach Road,
Calicut.

(Transferor)

- (2) 1. Rafecque (Minor) Rep. by Smt. Ayishu, Guardian,
2. Rafeena (Minor) Rep. by Smt. Ramla, Guardian,
Kothikandiyil, Kolavallur,
Kannangode.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

19/20 share over 41-09 cents of land and two buildings in Sy. No. 19-21-605 of Calicut Corporation, registered in SRO, West Hill, as per Doc. No. 1002 dated 14-11-1984.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 24-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM'
WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 24th June 1985

Ref. No. L.C. No. 761/85-86.—Whereas, I, Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Hill on 12-11-1984 & 14-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ambali Madhavi,
Rep. by Sri Kanthikayan, Husband,
1/10-A, Beach Road,
Calicut. (Transferor)
- (2) 1. Rafeeqe (Minor) Rep. by Smt. Ayishu,
2. Rafeena (Minor) Rep. by Smt. Ramla,
Pothikandiyil, Kolavallur, Kannangode. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/20th share over 41.09 cents of land and two buildings as per Doc. No. 998 dt. 12-11-84 and 19/20th share over 41.09 cents of land with two buildings as per Doc. No. 1002 dated 14-11-84 of West Hill. This property is situated in Sy No. 19-21-605 of Calicut Corporation.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 24-6-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NARAYANI NILAYAM
WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 21st June 1985

Ref. No. L.C. No. 747/85-86.—Whereas, I,

Mrs. S. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated

at Mattancherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri E. N. Vijayan,
12/1303, Fair Price Shop No. 17,
Panayappally,
Cochin-2.

(Transferor)

- (2) 1. Dr. M. C. Prabhakar,
2. Mrs. Savitha Prabhakar,
3. Praveen Prabhakar and
4. Prasanna Prabhakar (Minors) Rep. by Dr. M. C. Prabhakar, Guardian, Laxmi Nursing Home,
Panayappally, Cochin-2.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18½ cents of land with an old residential building No. XII/1203, and four shop rooms bearing CC. No. 12/1301, 12/1302, 12/1304 & 12/1305 in Sy. No. 728/1 of Mattancherry village, registered in SRO, Cochin, as per Doc. No. 3316 dated 12-11-1984.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 21-6-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Sarada,
W/o Late Sreenivsa Rao,
H. No. VIII/1229,
Mattancherry.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM'
WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 21st June 1985

Ref. No. L.C. No. 756/85-86.—Whereas, I,
Mrs. S. CHAUDHURI,
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated
at Cochin Corporation
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Cochin on 14-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. E. K. Panchayani,
W/o Vadavathu Parameswara Menon, Vadavathu,
Document Writer, Mattancherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as gives in
that Chapter.

THE SCHEDULE

8.37 cents of land with a building No. VIII/1229 in Cochin
Corporation, registered in SRO, Cochin, vide Doc. No. 3353
dated 14-11-1984.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 21-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM'
WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 21st June 1985

Ref. No. L.C. 757/85-86.—Whereas, I,
Mrs. S. CHAUDHURI,
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated
at Cochin Corporation
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Cochin on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Smt. E. K. Panchayani,
W/o Vaduvathu Parameswara Menon,
Moolamkuzhi,
Cochin-2.

(Transferor)

- (2) Sri E. N. Vijayan,
Fair Price Shop No 17,
Panayappally, Cochin-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

3 cents of land with a building No. 14/628 in Cochin
Corporation registered in SRO, Cochin, as per Doc. No.
3394 dated 14-11-1984.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 21-6-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM'
WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-628016, the 21st June 1985

Ref. No. L.C. No. 758/85-86.—Whereas, I, Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Cochin Corporation (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Cochin on 21-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. E. K. Panchayani,
W/o Vadavathu Parameswara Menon,
Vadavathu, Moolamkuzhi,
Cochin-2.

(Transferor)

(2) Sri E. N. Vijayan,
Fair Price Shop No. 17,
Panayappally, Cochin-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8,900 cents of land in Cochin Corporation, registered in SRO, Cochin, vide Doc. 3450 dated 21-11-1984.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 21-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM'
WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 18th June 1985

Ref. No. L.C. No. 754/85-86.—Whereas, I, Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Kozhikode Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kozhikode on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act of the following persons, namely:—

48—176 GI/85

- (1) 1. S/Sri Mathew; 2. Paul; 3. Joy; 4. Smt. Annamma, Partners of Calicut Leather Mart, S. M. Street, Calicut.

(Transferor)

- (2) Smt. Imbichi Pathunna, D/o Sri A. V. Koya Moiddeen & W/o V. K. Ahammed Barami, Seyali House, Kottaram Road, Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.99 cents of land and five shop rooms in Survey No. 6-8-170 of Kozhikode Town, Kalathikunnu Desom, registered in SRO., Kozhikode as per Doc. No. 1056 dated 29-11-84.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 18-6-1985

Seal :

FORM ITN9—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM'
WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 18th June 1985

Ref. No. L.C. No. 755/85-86.—Whereas, I, Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ernakulam village for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Thampi Thomas alias Yohannan, Advocate, Nechupadam, Kadayiruppu kara, Kottayam Dist., Pin. 682 311.

(Transferor)

(2) Mrs. Maya Gopalan, Vadavattathu Veedu, Ayyampilly, Ernakulam District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.537 cents of land with a double-storeyed building in Sy. No. 343/1 of Ernakulam village, registered in SRO., Ernakulam, vide Doc. No. 3797 dated 28-11-1984.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 18-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR,
SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 1st July 1985

No. IAC/ACQ/14/20/85-86. —Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 152/5 situated at Mouza, Somalwada Tah. & Dist. Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 19-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntalabai Deorao Chandankhede,
2. Smt. Girja Urkydass,
3. Shri Sudhir
4. Sanjay
5. Shekher
—sons Deorao Chandankhede
Laskanibagh, Nagpur
(Transferor)
- (2) The Modern Co-op. Housing Society Ltd.,
through Shri P. M. Ingole, President Bajaj,
Nagpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.00 acres of non-agricultural land vide Kh. No. 152/5 situated at Mouza Somalwada, Tah. & Distt. Nagpur.

M. C. JOSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Nagpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR
SARAF CHAMBERS, SADAK, NAGPUR

Nagpur, the 3rd July 1985

No. IAC/ACQ/15/21/85-86.—Whereas, I,
M. C. JOSHI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
MM. No. 200 plus 0 plus 2 situated in Timki, Nagpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Nagpur on 7-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sharfuddin Karim Chavan,
Opp. Anand Bhandar,
Dharampath, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Navendra Ramdas Gupta,
Timki Bazar,
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house bearing MM. No. 200 plus 0 plus 2 situated in
Timki, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date: 3-7-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR
SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 1st July 1985

No. IAC[ACQ]13/20/85-86.—Whereas, I,
M. C. JOSHI,being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Kh. No. 152/5, situated at Mouza,
Somalwada Tah. & Distt. Nagpur,
and more fully described in the Schedule annexed hereto,
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Nagpur on 19-11-84for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act
-
- in respect of any income arising from the transfer
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
-
- any moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Fakirchand Ragunath Chandan Khade;
-
2. Sunil Ragunath Chandan Khade;
-
- Chandannagar, Nagpur.
-
3. Smt. Ahilya Bai Yesshuant Jinane;
-
- Untthanl, Nagpur.
-
4. Smt. Chaugona Bai Naresh Sontakke;
-
- Dharampeth, Nagpur.

(Transferor)

- (2) The Modern Coop. Housing Society Ltd. through
-
- Shri P. M. Ingale,
-
- President Bajaj Nagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publications of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

3.00 Areas of non-agricultural land vide Kh. No. 152/5
situated at Mouza, Somalwada Tah. & Distt. Nagpur.M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Nagpur

Date : 1-7-1985

Seal :

FORM I.T.N.3.———

(1) Ratnadeep Coop. Housing Society Ltd.,
through its President Shri V. M. Guha,
Sheikh Colony, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Prithpal Singh,
Bachhattasingh,
Byramji Town, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 1st July 1985

No. IAC/ACQ/12/20/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 4 and house thereon situated in Byramji-Town, Nagpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 19-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 and house thereon situated in Byramji Town, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 1-7-1985.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th July 1985

F. No. IAC.ACQ/19/22/85-86.-Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kh. No. 237 & 250 situated at Zingabai Takali, Teh. & Distt. Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 14-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Avchitrao
s/o Damduji Raut
(2) Shri Laxman
s/o Damduji Raut
(3) Smt. Annapurnabai
w/o Damduji Raut
(4) Smt. Ujjabai w/o Krishnarao Dhoble
(5) Smt. Mirabai w/o Manoharrao
Bhange Zingabai Takali
Teh. & Distt. Nagpur.

Transferors)

- (2) Rajaram Coop. Housing Society Ltd.,
through Shri T. S. Mankar,
President, Civil Lines, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9.00 Acres of Agricultural land vide Kh. No. 237 & 250 situated at Mouza, Zingabai Takali, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date : 10-7-85.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 9th July 1985

No. IAC/ACQ/18/21/85-86.--Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Mpl. House No. 4880 on plot No. 43 situated in Chakradhar Nagar, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Damodhar Laxmanrao Kalamkar,
43, Chakradhar Nagar,
Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Minakshi Suresh Doulkar,
43, Chakradhar Nagar,
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house bearing Mpl. No. 4880 on Plot No. 43 situated in Chakradhar Nagar, Nagpur

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Nagpur

Date : 9-7-85
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th July 1985

No. IAC.II/Acq/16/21/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10 in building No. 541, on plot No. 2 situated at Wad. No. 70 on West High Court Road, Nagpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 15-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Madhaorao Narayarrao Ghatate,
2. Shri Shridharrao Madhaorao Ghatate,
R/o Civil Lines,
Nagpur-1.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Janrao Shamraoji Savankar,
Laxmi Bhawan Chowk,
Gotmare Bldg. Dharampeth,
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, in Building No. 541 on plot No. 2 situated at Wd. No. 70 on West High Court Road, Nagpur admeasuring 77.899 Sq. Meters in Manja Gadga, Sheet No. 5 Chatta No. 162 and city Survey No 89.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date : 10-7-85.
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR**

Nagpur, the 9th July 1985

No. IAC/ACQ/17/21/85-86.—Whereas, I. M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 02 on Plot No. 291, situated at Laxminagar, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 17-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Asha Narayan Navangul,
2. Shri Narayan R. Navalgul
(Transferor)

- (2) Miss Sujata Kamlakar Kulkarni,
11, Shankar Nagar,
Nagpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 02 on Plot No. 291 situated in Laxminagar, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date : 9-7-85.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 19th June 1985

Ref. No. AC-23/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R.A., Calcutta on 17-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of
3, Bidhan Sishu Sarani,
Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Sri Benoy Kr. Pal of
Block No. 1, Flat No. 123,
3, Bidhan Sishu Sarani,
Calcutta-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat No. 123 measuring area 1130 Sft. situated at 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 13734 of S.R.A. Calcutta of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 19-6-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 19th June 1985

Ref. No. AC-22[R-II]Cal[85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.A., Calcutta on 17-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (Transferor)

(2) Sri Samaresh Sengupta of 3, Bidhan Sishu Sarani, Flat No. 601, Calcutta-54. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat No. 601 measuring area 1130 Sft. situated at 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 13737 of S.R.A., Calcutta of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 9-7-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 19th June 1985

Ref. No. AC-21[R-II]Cal/85-86 —Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.A., Calcutta on 17-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (Transferor)
- (2) Sri Biman Chandra Mukherjee of Flat No. 413, Aelite, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat No. 413 measuring area 1130 Sft. situated at 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. 1 13827 of S.R.A. Cal. of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 19-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 19th June 1985

Ref. No. AC-20[R-II]Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.A., Calcutta on 17-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (Transferor)
(2) Sri Biman Pal of Block-2, 2nd floor, Flat No. 223, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat No. 223 measuring area 1130 Sft. situated at 3, Bidhan Sishu Sarani, Block No. 2, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I-13735 of S.R.A., Calcutta of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 19-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd June 1985

Ref. No. AC-2/Acq. B-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Balagarh, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R. Hooghly on 23-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sukti Goswami,
W/o Sri Ajay Kumar Goswami,
Balagarh, Chinsurah, Hooghly.

(Transferor)

- (2) Sri Ramendra Sundar Ganguly
Sri Ramendra Kishore Ganguly
Sri Ramendra Ratan Ganguly
all of 13/A/6, Raja Peary Mohan Road,
Uttarpara, Hooghly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 4 cottahs with building, Mouja-Balagarh P.S. P.S. Chinsurah, Hooghly Deed No. 7215 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 3-6-1985.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1985

Ref. No. AC-25[R-II]Cal[85-86].—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5/7, situated at Buroshibhala Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 20-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Western India Commercial Company Ltd.,
of Didwana, Rajasthan. (Transferor)
- (2) Dunbar Mills Ltd.,
of 21, Strand Road,
Calcutta-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11 Bighas 4 Cottahs land with structure situated at 5/7, Buroshibhala Main Road, P.S. Behala, Calcutta, Registered before Competent Authority on 20-11-84 Vide Sl. No. 31.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 19-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th July 1985

(1) Sri Prodyut Kumar Mukherjee
of No. 162, G-Block, 1st floor,
New Alipore, Calcutta-53.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rajdev of
C/o Sri B. D. Rajdev,
No. 162, G-Block, 3rd floor,
New Alipore, Calcutta-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AC-24[R-II]Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH
NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. 162 situated at G-Block New Alipore, Calcutta-53
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Registrar of Assurance on 20-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
50—176 GI/85

THE SCHEDULE

1389 Sft. Flat situated at No. 162, G-Block, New Alipore,
Calcutta-53. More particularly described in Deed No. I 13849
of R.A. Calcutta of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 10-7-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1985

Ref. No. AC-5/Acq. R-IV/Cal./85-86.—Whereas, I SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 49, situated at Ladanda Road, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A. (Cal.) on 28-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ivy Leonora Patton,
10/117, Perouse Road,
Renevick New South Walse,
Australia.

(Transferor)

(2) Grindlays Bank
19, Netaji Subhas Road,
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 3 K-12 Ch-3 Sqft. of land with building.
Address : 49, Ladanda Road, P.S. & Dt. Darjeeling.
Deed No. : 14266 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 12-7-85

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shakuntala Gupta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Banwari Lal Keriya

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. B-130|Acq.—Whereas, I
MRS. U. KANJILAL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.A three storeyed house situated at Gola, Pargana-Hyderabad,
Distt. Sitapur(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Sitapur in November, 1984for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three storeyed house situated at Gola, Pargana-
Hyderabad, Tehsil-Mahammadi, Distt. Sitapur, registered by
the Registering Authority, Sitapur, on November, 1984 (as
mentioned in 37G Form No. 5573).

(MRS.) U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 2-7-1985

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Sita Ram
2. Shri Man Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. Chandausi Industrial Cooperative through
Chairman, Shri Kamlesh Chandra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. C-46/Acq.—Whereas, I

MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land No. 445/1, situated at Village Dewarkhera, Tehsil-Bilari, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 26-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

224/C1

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land No. 445/1, measuring 2-01 decimal, situated at Village—Dewarkhera, Pargana and Tehsil—Bilari, Distt. Moradabad, registered by the Registering Authority, Moradabad on 26-11-1984 (as mentioned in 37G Form No. 2625).

(MRS.) U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Gopal Chand
2. Shri Radhey Shyam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Hari Chand Gupta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. H-56[Acq.—Whereas, I

Mrs. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bhumidhari Arazi Nos. 58, 60 and 61 situated at Village Dhanipur, Pargana-Khairabad, Distt. Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sitapur on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhumidhari Arazi No. 58, 60 and 61 measuring 1.31 acres situated at Village—Dhanipur, Pargana—Khairabad, Distt. Sitapur, registered by the Registering Authority, Sitapur, on 14-11-1984 (as mentioned in 37G Form No. 3641).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(MRS.) U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 2-7-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kalam Singh Mian

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Khetan Refractories (P.) Ltd., Lucknow.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. K-154/Acq.—Whereas I,
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Land No. 101A situated at Village-Manihar Got, Tehsil-
Khatima, Distt. Nainital
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Sitarganj on 26-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land No. 101A, measuring 1 Bigha 18 Biswa 11 Biswansi
and Land No. 100, measuring 3 Bigha 3 Biswa and $\frac{1}{2}$ Bis-
wansi, total 5 Bigha 1 Biswa 11 $\frac{1}{2}$ Biswansi situated at Vill—
Manihar Got, Tehsil—Khatima, Distt. Nainital, registered
by the Registering Authority, Sitarganj on 26-11-1984.

(MRS.) U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-7-1985

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. K-155[Acq.---Whereas, I Mrs. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A double storeyed house No. 59 situated at Collectorganj, Distt. Fatehpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Fatehpur on 15-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal Rastogi

(Transferor)

(2) 1. Shri Kunj Behari Singh
2. Smt. Ketki Devi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 59, situated at Collectorganj Distt. Fatehpur, registered by the Registering Authority Fatehpur on 15-11-1984 (as mentioned in 37G Form No 3357).

(MRS.) U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 2-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. M-223/Acq.—Whereas, I
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
One house situated at Mohalla—Daulatbagh, Moradabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Moradabad in November, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) 1. Haji Ashaq Husain
2. Mohd. Farooq
3. Haji Mohd. Yamin
4. Haji Mohd. Irfan
5. Smt. Akila Begum
6. Smt. Noor Jahan Begum

(Transferor)

- (2) Shri Mohd. Suleman, Khan

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XAX of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 214-26 sq. mtrs. situated at Mohalla-
Daulatbagh, Moradabad (as mentioned in 37G Form No.
8173) registered by the Registering Authority, Moradabad,
on November, 1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 2-7-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Tarsem Singh
2. Shri Sarvajeet Singh
3. Shri Harjinder Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. National Lamps Industries Ltd., Ghaziabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. N-95/Acq.—Whereas, I
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Land situated at Mauza-Bameta Bangar Khima, Tehsil
Haldwani Nainital
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Haldwani on 29-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land situated at Mauza-Bameta Bangar Khima, Pargana—
Bhabar Chhakata, Tehsil—Haldwani, Distt. Nainital, regis-
tered by the Registering Authority, Haldwani on 29-11-1984 (as
mentioned in 37G Form No. 2304).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

51—176 GI/85

Date : 2-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Hat Pyari Devi

(Transferor)

(2) 1. Shri Sheikh Abdul Mutallib
2. Smt. Ashraf Jahan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. S-369/Acq.—Whereas, I
MRS. U. KANJILAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingA double storeyed house No. 102/44 situated at Shivaji Marg
P.S. Kaiserbagh, Lucknow(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at
Lucknow on November, 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 102/44, measuring 1700 sq.
ft. situated at Shivaji Marg, P.S. Kaiserbagh, Lucknow, regis-
tered by the Registering Authority, Lucknow, on November,
1984 (as mentioned in 37G Form No. 9939).MRS. U. KANJILAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, LucknowNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 2-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Daya Shanker

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Singh Chauhan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. S-370/Acq.—Whereas, I
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
(Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 352D situated at Hariharganj Distt. Fatehpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Fatehpur on 13-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 352D situated at Hariharganj, Distt. Fatehpur
measuring 2334 sq. ft. registered by the Registering Authority,
Fatehpur (as mentioned in 37G Form No. 370).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 169D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. S-371/Atq.—Whereas, I
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing one house situated at Mohalla—Baksaria, Distt. Sahajahanpur (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sahajahanpur in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Balak Ram Rastogi

(Transferor)

(2) 1. Shri Shyam Sunder Kapoor
2. Shri Vinod Kapoor

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house with land measuring 140 sq. mtrs. situated at Mohalla—Baksaria, Distt. Sahajahanpur, registered by the Registering Authority, Sahajahanpur (as mentioned in 37G form No. 5023), on November, 1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 2-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Km. Rashmi Singh

(Transferor)

(2) Smt. Satyawati Devi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. S-372/Acq.—Whereas, I
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Arazi situated at Rara, Pargana-Gopamau, Tehsil & Distt.
Hardoi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi measuring 19 Bigha, 13 Biswa and 10 Biswansi
situated at Rara, Pargana—Gopamau, Tehsil and Distt.
Hardoi registered by the Registering Authority, Hardoi on
23-11-1984 (as mentioned in 37G Form No. 3578).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 2-7-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

Ref. No. G.I.R. No. O-41/Acq.—Whereas, I,
MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Entire Flat No. 3 situated at 3, Gokhale Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|------------------------------|--|
| (1) Smt. Prakash Murthi. | (Transferor) |
| (2) Shri Umakant Chaturvedi. | (Transferee) |
| (3) Vendee. | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat No. 3 on the first floor of the building situated at 3, Gokhale Marg, Lucknow, and 1/6th share of the land on which the building is situated, registered by the Registering Authority, Lucknow, on 15-11-1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 3rd July 1985

Ref. o. G.I.R. No. 83/37EE/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Land on plot No. 16 situated at 24, New Berry Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mirza Hameedullah Beg
Attorney for Mirza Rasheedullah Beg.
2. Mirza Ameerullah Beg
3. Taique Mirza Asadullah Beg.
4. Amina Razia Raft Naz Begum.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Kausalya Devi.
2. Pushpinder Kumar Agarwal.
3. Bafinder Kumar Agarwal.
4. Mohinder Kumar Agarwal.
5. Smt. Manorma Sharma.
6. Km. Sujata Sharma.
7. Rajeev Sharma.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land on plot No. 16, measuring 40,000 sq. ft. situated at 24, New Berry Road, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 98, dated 30-11-1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-7-1985
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Banwari Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Eaxena Farms, Bareilly.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57, KAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 3rd July 1985

Ref. No. G.I.R. No. 84/37EE/Acq.—Whereas, I,
MRS. U. KANJILAL,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Agricultural land situated at Vill Deshnagar, Teh—Nawabganj, Distt. Bareilly.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 Bighas 13 Biswas situated at village Deshnagar, Tehsil Nawabganj, Distt. Bareilly. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 99 dated 30-11-1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

Ref. No. G.I.R. No. 85[37EE]Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Nos. 21, 22, 23, 24 (a) (b) (c) situated at 11, M. G. Marg, Hubibullah Compound, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52—176GI/85

- (1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd.
Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.
(Transferor)

- (2) 1. Smt. Kamleen Saluja.
2. Master Jasjit Singh Saluja
Through Father and N. G. Shri Prith Pal Singh Saluja.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of its publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 21, 22, 23, 24 (a) (b) (c) on the second floor measuring 1192.27 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 100 dated 30-11-1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 2-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd.
Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow. (Transferor)
- (2) Sardar Ishwar Singh Saluja, Kanpur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

Ref. No. G.I.R. No. 86/37EE/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Nos. 12 and 13 situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 12 and 13 on the IInd floor measuring 1003.68 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 101, dated 30-11-1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC\Acq.I\37EE\11-84\1353.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203 on 2nd floor of 616 sq. ft. in bldg. No. situated at 47-48, Pragati House, Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC\Acq. Range-I, in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Savita Enterprises,
203, Pragati House,
47-48, Nehru Place,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Resistoflex Vibrasorb (Pvt.) Ltd.,
D-414, Defence Colony,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 on 2nd floor of 516 sq. ft. area in building No. 47-48, Pragati House, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/11-84/1354.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 603-A, Nehru Place, mg. 352 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ashok Kumar and
Shri Suresh Kumar Kakkar,
R/o E-499, Greater Kailash-II,
New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanta Goel
W/o Shri O. P. Goel,
K-8, N.D.S.E. II, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603-A, 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 352 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1355.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303 in 40-41, Nehru Place, mg. 571 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shekhar Mehra,
E-1/105, Arera Colony,
Bhopal,

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Agarwal
W/o Shri V. M. Agarwal,
Miss Geetanjali Agarwal,
Master Agarwal,
Master Sowrab Agarwal sons and
D/o Shri V. M. Agarwal,
C-65, Soami Nagar,
Delhi-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 303 in 40-41 on 3rd floor of 571 sq. ft. Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1356.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1124, 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 150 sq. ft. situated at New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Skipper Sales Private Ltd.,
22, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Rita Dua,
FF-11, Bajaj House,
97, Nehru Place,
New Delhi-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1124, 89, Nehru Place, New Delhi-19, measuring 150 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

- (1) M/s. Panjwani Builders,
through Shri Man Singh
S/o Shri Chandi Ram,
R/o B-5/63, Azad Apartments-III,
New Delhi-16, (Transferor)
- (2) Mr. Manmohan Maini and
Sanjeev Maini
R/o Tyagi Road,
Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.I/37/E/11-84/1357.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Plot No. S-339, Greater Kailash-II, mg. 870 sq. ft. situated
at New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in November,
1984,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

THE SCHEDULE

Plot No. S-339, Greater Kailash-II, New Delhi, measur-
ing 870 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1358.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. S-339, Greater Kailash-I, Mkt. mg. 900 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Panjwani Builders,
through Mr. Man Singh,
R/o B-5/63, Azad Apartment-3,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. P. K. Bansal,
M-43, Greater Kailash-I Mkt.,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-339, Basement Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 900 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1359.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
Rs. 1,00,00/- and bearing
No. 620 sq. ft. on the F-F. 320 sq. ft. on Mez. floor situated
at The building situated at 108, Surya Kiran Building, K.
G. Marg, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Ac', 1961 in the Office
of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I on November,
1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been of
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—
53—176GI/85

(1) Mrs. Neera Saigal,
6/15, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Jupiter Machines (P) Limited,
S-206, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

620 sq. ft. on the First floor, 320 sq. ft. on the Maznine
floor, the building situated at 108, Surya Kiran Building,
Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1362.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G5B measuring 553.81 sq. ft. in 51-52 Gedore House situated at Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I on November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Gedore Tools (India) Pvt. Ltd.
51-52, Gedore House,
Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Shokila Devi
W/o Shri Madan Lal and
Smt. Rabel Devi
W/o Shri Dwarka Nath,
D-649, Chittranjan Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G5B measuring 553.81 sq. ft. in 51-52, Gedore House, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

(1) Shri L. R. Luthra,
A-10, Green Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vinod Vadera,
W/o Shri Gajinder Vadera,
R/o 16/16, Sham Nath Marg,
Delhi-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1363.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section
269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 405 Nirmal Tower Building 26, B. K. Road, situat-
ed at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I on November,
1984.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

 $\frac{1}{2}$ share in flat No. 405, Nirmal Tower Building, 26, Bara-
khamba Road, New Delhi, measuring $\frac{1}{2}$ of 235 sq. ft.

R. P. RAJESH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-7-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC\Acq.I\37EE\11-84\1364.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. GF-5, situated in Anupam Cinema Community Centre situated at Saket, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC\Acq. Range-I in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Om Prakash Gupta and
Shri Narinder Kumar Gupta,
R/o N-99, Greater Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Master Amit Tyagi and
Master Anuj Tyagi,
R/o M-83, Saket,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

GF-5, Situated in Anupam Cinema Community Centre, New Delhi, Saket, measuring 164 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE/11-84/1365.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,00/- and bearingOne room No. B-2 in the basement floor mg. 315 sq. ft.
situated at 18, Todar Mal Road, New Delhi.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. TII Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at IAC[Acq. Range-I in November,
1984.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Brij Enterprises Pvt. Ltd.
E-4/15, Jhandewalan Extn.,
New Delhi-55.

(Transferor)

(2) Mohd. Salim,
7627-P, Darogha Street,
Quresh Nagar,
Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One room No. B-2 in the basement floor measuring 315
sq. ft. at 18 Todar Mal Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Brij Enterprises Pvt. Ltd.,
E-4/15, Jhandewalan Extn.
New Delhi-55.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

(2) Mohd. Irshad
7627-P, Darogha Street,
Quresh Nagar,
Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferee)

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1366.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One room No. B-4 in the basement floor mg. 433.7 sq. ft. situated at 18, Todar Mal Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

One room No. B-4 in the basement floor measuring 433.7 sq. ft. at 18 Todar Mal Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 5-7-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gujral Estates Pvt. Ltd.,
17, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Renu Anand and
Mrs. Geeta Anand,
R/o A-69, Group Industrial Area Wazirpur,
Delhi-52.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IAGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1374.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing Space No. 26, L.G.F. 17, B. K. Road, mg. 178 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property; and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 26, on Lower Ground Floor in 'VIJAYA' building, 17, Barakhamba Road, New Delhi-1, mg. 178.8 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE[11-84]1367.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing One room No. B-3, in the basement floor mg. 315 sq. ft. situated at 18, Todar Mal Road, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC[Acq. Range-I in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Brij Enterprises (P) Ltd.,
E-4/15, Jhandewalan Extn.,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mohd. Adam,
7627-P, Darogha Street,
Quresh Nagar,
Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One room No. B-3, in the basement floor measuring 315 sq. ft. at 18, Todar Mal Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE/11-84/1368.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

One room No. B-1, on Basement floor, mg. 650 sq. ft. situated at 18, Todar Mal Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC[Acq. Range-I on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

54—176GI/85

- (1) M/s. Brij Enterprises (P) Ltd.,
E-4/15, Jhandawalan Extn.,
New Delhi-55.

(Transferee)

- (2) Mohd. Khurshid,
7626-P, Darogha Street,
Quresh Nagar,
Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One room No. B-1, in the basement floor, measuring 650 sq. ft. at 18, Todar Mal Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1369.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 24 (G.F.) Ajit Arcade Complex, Kailash situated at Colony, New Delhi-48, mg. 224 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Devender Kumar Anand,
F-1/100, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Vinay Sukhani,
B-31, Kailash Apartment,
Kailash Colony,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 24 (G.F.) Ajit Arcade, Complex, Kailash Colony, New Delhi-48, measuring 224 sq. ft. -

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE/11-84/1370.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. D-423, Defence Colony, New Delhi, mg. 361 sq. yds. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC[Acq. Range-I in November, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kumar Behl (Wing Commander Retired),
No. 2, Riviera,
Marine Drive,
Bombay-400020. (Transferor)
- (2) Shri Dinesh Kumar Jain (HUF),
D-422, Defence Colony,
New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-423, Defence Colony, New Delhi, mg. 361 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1371.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Building No. 19, Barakhamba Road, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Supra Enterprises,
32-33, Nehru Place,
Flat No. 403,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Panjana Lakhtakia,
Kmari Deepti Lakhtakia,
Kmari Jyoti Lakhtakia,
III/37, Canal Colony,
Muzaffarnagar (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 19, Barakhamba Road, New Delhi mg. 500 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM ITN3—

(1) M/s. Kaushalya Constructions,
A-7/2, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bane Chand Malu,
11, Ashoka Road,
5B, Sriniket, Alipore,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1373.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
S-267, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 2100 sq. ft. situated
at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in November,
1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as gives in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. III on the Rear 1st Floor & Front portion of the
2nd floor (Barsati) at the Building under construction of S-267
Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 2100 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/11-84/1375.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5A, G. F. Bajaj House, 97 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
85—166GI/85

(1) Brig. M. R. Dutt and
Mrs. Kaushalya Dutt
R/o C-12, Chirag Enclave,
New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Dulari Gupta,
W/o Shri Ram Rattan Gupta,
R/o T-12, Green Park,
New Delhi-110016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5A, Ground Floor, Bajaj House, 97, Nehru Place, New Delhi, mg. 310.35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/57EE/11-84/1376.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-375, Greater Kailash, New Delhi, mg. 950 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Zakaria Shahid Impex Pvt. Ltd.,
97, Ali Umar Street,
Bombay.

(Transferor)

(2) Master Umar Latif
S/o Shri Inamul Haq,
2. Master Fahad Ikram
S/o Shri Ikramul Haq,
R/o Bhatti Street,
Moradabad-244001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

App. 950 sq. ft. Flat No. E, IInd Floor, S-375, Greater Kailash, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1377.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00/- and bearing

App. 950 sq. ft. Flat No. D, 1st Floor S-375 situated at
Greater Kailash-II, New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961, in the Office of
the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in November,
1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Zakaria Shahid Impex Pvt. Ltd.,
97, Ali Umar Street,
Bombay.

(Transferor)

(2) Habib Ur Rehman
C/o M/s. Zakarason Impex,
Lal Bagh,
Moradabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

App. 950 sq. ft. Flat No. D, 1st floor, S-375, Greater Kai-
lash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE/11-84/1378.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. W-65, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 1025 sq. ft. situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC[Acq. Range-I in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Man Mohan Chatrath,
23, Park Street,
Calcutta. (Transferor)
- (2) M/s. Kamal Developers & Contractors (P) Ltd.,
G-48, Green Park,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Approximately 4/5th interest in Vacant land at W-65, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 1025 sq. yds. and one flat of 2400 sq. ft. covered area on the property under construction.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1379.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,00/- and bearing
Space No. 12 on First Basement in 'VIJAYA' building situated
at 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001, measuring
221.4 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of
the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in November,
1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd.,
17, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Gian Singh
S/o Mr. Sardar Singh,
R/o 37-A, Gobind Nagar,
Dehra Dun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Space No. 112 on First Basement in 'VIJAYA' building at
17, B. K. Road, New Delhi, measuring 221.4 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37-EE/11-84/1380.—Whereas, I, Whereas, I, B. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at One flat of 2600 sq. ft. to be constructed at W-65, G. K.-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Man Mohan Chatrath,
23, Park Street, Calcutta & Kamal Developers & Contractors (P) Ltd.,
G-48, Green Park,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sri Arjun Chatrath,
C-168, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 90 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat of 2600 sq. ft. to be constructed at W-65, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1381.—

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 7 on L.G.F. in 'Vijaya' Bldg. at 17, B. K. Road situated at New Delhi, measuring 137 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Gujral Estate (P) Ltd.,
17, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Ved Rattan Agarwal
S/o Mr. Prakash Chand Agarwal,
R/o B-179, Greater Kailash-I
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 7 on Lower Ground Floor in 'Vijaya' building at 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 137 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1382.—

Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25, total plinth area 1820 sq. ft. in proposed multi-storied Group Housing Scheme Gauri Apartments at 3 & 4 South End, Lane, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kailash Nath and Associates,
1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Aruna Jhala,
Flat No. 4-B, 33, Prithvi Raj Road,
New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A residential Flat No. 25, a servant quarters & open terrace, total plinth area 1820 sq. ft. in proposed multi-storeyed Group Housing Scheme Gauri Apartments at 3&4, South End Lane, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1385.—

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. FF-110, on 1st floor mg. 393 sq. ft. in Mansarovar situated at 90, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to, between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Baljit Brar W/o
Group Capt. P. S. Brar, R/o F-30, Pragati Vihar,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Chondak Enterprises.
V-37, Rajouri Garden,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor 110, on 1st floor measuring 393 sq.ft. in Mansarovar, 90,, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985.
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/11-84/1386.—

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rear Portion of 2nd floor of house No. W-165, G. K.-II, situated at New Delhi, measuring 800 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, on November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. D. S. Builders,
A-2/140, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Rani &
Murli Dhar Agarwal,
R/o 105, Nehru Nagar,
Agra-28002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear Portion of Second floor of house No. W-165, Greater Kailash II, New Delhi, measuring 800 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/11-84/1387.—

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Booked space for the Air Conditioning Plant & Water tanks in Basement and on terrace, Devika Tower 6m, Nehru Place, N. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Pragati Construction Co.
(Devika Tower) 4th floor,
Sheetla House, 73-74, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Devika Estate Management Pvt. Ltd.
Devika Tower, 6, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booked Space for the Air Conditioning Plant & Water tanks in Basement and on terrace, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/11-84/1388.—

Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- bearing
Space No. 8 on L.G.F. in 'Vijaya' bldg., 17 B. K. Road,
situated at New Delhi, measuring 266.3 sq. ft.(and more fully described in the Schedule annexure hereto)
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the
Office of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on November 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
56—176G1/85

- (1) M/s. Gujral Estate (P) Ltd.,
17, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

(Transferor)

- (2) Mr. Surinderjit Singh
S/o Mr. Gopal Singh
R/o E-569, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 8 on Lower Ground Floor in 'Vijaya' Building
at 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 266.3 sq.
ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/11-84/1389.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Space No. 17 on L.G.F. in Vijaya bldg., 17, B. K. Road,
situated at New Delhi, measuring 178.8 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the
Office of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Gujral Estate (P) Ltd.
17, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Surinderjit Singh
S/o Mr. Gopal Singh,
R/o E-569, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 17 on Lower Ground Floor in 'Vijaya' building
17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 178.8 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE/11-84/1390.—

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, in proposed Elite House at Plot No. 36, situated at Community Centre, Kailash Colony Extension (Zabroodpur) New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC[Acq. Range-I, on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Elite Developers (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Champawati,
C/o Dr. Chaman Lal Malhotra,
Professor & Head of Head of Pharmacology,
Christian Medical College,
Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extension (Zamroodpur) New Delhi, measuring 492 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. A. B. Estates,
208, Surya Kiran, K. G. Marg,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Vinod Khanna
S/o Late Sh. Madan Mohan Khanna
R/o F-437B, New Rajinder Nagar,
New Delhi-60.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/11-84/1392.—

Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 20, L.G.F. in Vijaya Bldg., 17, B. K. Road, situated at New Delhi, mg. 178.8 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 20 on Lower Ground Floor in Vijaya at 17, Barakhamba Road, New Delhi-1, mg. 178.8 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/11-84/1394.—

Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C-302 (Second Floor) in Palam Apartments, 328/1, situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on November 1985 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Chopra Promoters & Builders,
7-A/27, W.E.A., Karol Bagh,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Miss. K. R. Vaideli,
E-9/19, Vasant Vihar,
New Delhi-57. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ; that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-302, Second floor in Palam Apartments, at 328/1, Bijwasan, New Delhi, mg. 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1395.—

Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. K-202 (F.F.) in Palam Apartments at 328/1, situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Chopra Promoters & Builders,
7-A/27, W. E. A., Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Mukherjee,
C/o M/s. Arora & Associates,
GL-2, Ansal Bhawan, K. G. Marg,
New Delhi-110001

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. K-202, First Floor in Palam Apartments at 328/1, Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

(1) M/s. Chopra Promoters & Builders,
7-A/27, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Kapur,
E-258 Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1396 —

Whereas, I. R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
Flat No. M-103, (G.F.) in Palam Apartments, 328/1,
situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. M-103, (Ground Floor) in Palam Apartments,
328/1, Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1397.—

Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-101 (G. F.) in Palam Apartments, 328/1, situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Chopra Promoters & Builders,
7-A/27, W.E.A., Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. K. L. P. Finance Ltd.,
E-29, South Extension Part-II,
New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-101, Ground Floor in Palam Apartments at 328/1, Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE/11-84/1398.—

Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. C-202 (F.F.) Palam Apartments, Bijwasan, situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC[Acq. Range-I, on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

57—176GU/85

- (1) M/s. Chopra Promoters & Builders,
7-A/27, W. E. A., Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Dr. Anil Garg &
Mrs. Alka Garg,
E-60, Greater Kailash Enclave-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-202 (First Floor) Palam Apartments, Bijwasan
New Delhi, measuring 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Chopra Promoters & Builders,
7-A/27, W.E.A., Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. V. K. Kapur,
E-258, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1399.—

In as much as I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. M-204 (F.F.) Palam Apartments, 328/1,
situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 580 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been for
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and express
are defined in Chapter
Act, shall have the same
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. M-204 (First Floor) Palam Apartment, 328/1,
Bijwasan, New Delhi, measuring 580 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE[11-84]1400,—

Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]—and bearing No.

G. F. Flat No. B. 6, having drawing cum-dining, kitchen, 2 bed rooms, attached bath, one servant room with WC with WC Kailash Apartments Lajpat Rai Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC[Acq. Range-I, on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Km. Veena Chaudhary
D/o Ch. Harpal Singh,
Kailash Apartments,
New Delhi-14.

(Transferor)

- (2) Master Chiraj Passi (minor)
S/o Sh. Harish Kumar Passi,
R/o B-8, Kailash Apartments,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor, Flat No. B-6, having drawing-cum-dining, kitchen, 2 bed rooms, attached bath one servant room withh WC. Kailash Apartments, Lajpat Rai Road, New Delhi-48, mg, 1000 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-84/1401.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/-and bearing No.
Flat No. 11, Friends Colony, mg. Approx. 1827 sq. ft.
situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on November 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen percent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) M/s. Unitech Builders (P) Ltd.
702, Vishal Bhawan, 95, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Subir Kumar Dhawan &
Mrs. Primla Dhawan,
C/o Sh. B. L. Khanna & Sons,
61/2165, Gurdwara Road,
Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Friends Colony, New Delhi-65, mg. 1827
sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th July 1985

Ref. No. LAC/Acq. [Bpl] 5810.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 347/1/2 situated at Vill, Bavadiyakalan, Dist. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Jeetmal, 2, Nandkishore,
3, Ramnarayan S/o. Shri Hazarilal
R/o Bavadiyakalan, Dist. Bhopal. (Transferor)
- (2) Chairman,
The Holi Cross Co-op. Housing Society Ltd.,
Bhopal (Thro' Chairman). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 347/1/2 is situated at village Bavadiya-Kalan, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th July 1985

Ref. No. IAC/AcqN.Epl/5810.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Single storeyed building situated at Bhopal (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shouk Thajab
W/o Shri Khalil Ahmed Ansari
R/o Chouki Talaiyya, Bhopal. (Transferor)
- (2) Smt. Parvez Hussain
W/o Shri Jabbar Hussain &
Smt. Fardana
W/o Shri Javed Ali,
R/o Noor Mahal, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. on Plot No. 33 is situated at C-sector Indrapuri, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM IIN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th July 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5811.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 466/2, 463, 464, 464/4 situated at Vill. Salaiyya, Dist. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mangilal
S/o Shri Banderlal
R/o Salaiyya, Dist. Bhopal.

(Transferor)

- (2) Shri R. K. Malviya
S/o Shri Pyarelalji &
Shri B. N. Jaiswal
President & Vice-President,
Sahsra Bahu Grih Nirman Sahkari Samiti Sanstha
Maryadit, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 466/2, 463, 464/4 & 464 is situated at Vill. Salaiyya, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM LT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th July 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5812.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 10 & building thereon situated at Vill. Anand Nagar, Dist. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Krishna Bhasme
S/o Shri Binoba Bhasme.
R/o Tulsi Bhavan,
Anand Nagar, Bhopal. (Transferor)
- (2) Shri Krishna Gopal Litoriya
S/o Shri Bhaiyalal Litoriya,
R/o Qr. No. 72/2, N-2-B-sector, . .
Govindpura, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10 & building thereon is situated at village Anand Nagar, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL

Date : 5-7-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/5813.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/-and bearing No.
H. No. 26 situated at Saket Nagar, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Indore in November, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

8—176G/85

(1) Lt Col. Madan Mohan Mukherji,
S/o Late Shri Jyotish Chandra Mukherji
R/o. 129, DDA (MIG) Flats
Sheikh Sarai-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daulat Kunwar
W/o. Thakur Prithviraj Singhji Bidwal,
R/o 171, Anoop Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 26 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the
immovable property which has been described in form No.
37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5814.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 311/2 situated at Vill. Nainodh, Teh. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Daulathai
D/o Shri Shivrainsinghji Thakur,
R/o Chouthi Palton,
Khasbardar Line, Indore. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Ushabai W/o Shri Vijaysingh
R/o 59 Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore.
2. Smt. Pramiladevi W/o Shri Kailashchandra
R/o 42/1, Shakkerganj, Indore.
3. Shri Sanjaysingh S/o Shri Vijaysingh (Minor)
through Vijaysingh S/o Manna Singh,
R/o 59, Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore.
4. Smt. Chhaya W/o Shri Gopal Shrivastav,
R/o 130, Rupram Nagar, Indore.
5. Shri Dharamdev S/o Shri Murlidhar,
R/o 56, Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore.
6. Smt. Janki Bai W/o Shri Ramchandra Kalyani,
R/o 72/2, Shakkerganj, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 311/2 is situated at Vill. Nainodh, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Pratap Singh
S/o Shri Hanumansinghji Thakur,
R/o Gandhi Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1985

- (2) 1. Smt. Ushabai W/o Shri Vijayasingh
R/o 56, Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore.
2. Smt. Pramiladevi W/o, Shri Kailshchandra Yadav,
R/o 43/1, Shakkerganj, Indore.
3. Shri Sanjaysingh S/o Shri Vijaysingh (Minor)
through Vijayasingh S/o Manna Singh,
R/o 56, Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore.
4. Smt. Chhaya W/o Shri Gopal Shrivastava
R/o. Rupram Nagar, Indore.
5. Shri Dharamdev S/o Shri Murlidhar,
R/o. 56, Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore.
6. Smt. Janki Bai W/o. Shri Ramchandra,
R/o 72/2, Shakkerganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 311/1 is situated at Vill. Nainodh, Teh.
Indore. This is the immovable property which has been
described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Date : 8-7-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5816.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 221, Khatiwala Tank (Scheme No. 44) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Abdul Wahab Khan s/o Sh. Abdul Wahid Khan, R/o 222, Khatiwala Tank, Indore on behalf of Shri Ratanlal s/o Shri Chhogmal Jain, R/o 19-A, Mahesh Guard Lines, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Abdul Majid s/o Mohd. Ishaq R/o 37/3, Mohanpura, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 221, is situated at Khatiwala Tank, (Scheme No. 44), Indore. This is the immovable property which has been described in form number 37G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal (M.P.), the 8th July 1985

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl/5817.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Land Kh. No. 291 situated at Aimagard, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madanlal s/o Shri Bhogilal Seth,
R/o Sindhipura, Burhanpur. (Transferor)
- (2) The Indian labour co-op. Housing Society,
Burhanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 291 is situated at Aimagard, Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNE**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) M/s. Haji Khuda Baksha Shah Mohd.
Chowk, Burhanpur. (Transferor)
- (2) Smt. Vimladevi w/o Shri Shripalji Jain,
Lalbag Road, Burhanpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal (M.P.), the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5818.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said' Act), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 75/1 (Block No. 30) situated at Chowk, Burhanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Burhanpur on Nov. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of the notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 75/1 (Block No. 30) is situated at Chowk,
Burhanpur in Nov. 1984
described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq. [Bpl.] 5819.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House property known as 'Mukut Talkies' situated at Shanker Ward, Bhatapara, Dist. Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatapara in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kesoji Bhai Solanki
2. Mukut Bhai Solanki
3. Chatawar Singh Solanki
R/o Shankar Ward, Mukut Talkies,
Bhatapara, Dist. Raipur (M.P.).
(Transferor)

- (2) 1. Satishkumar S/o Sh. Jagish Prasad Agarwal
2. Sh. Mohanlal S/o Sh. Purnanlal Agarwal
3. Sh. Biharilal S/o Sh. Purnanlal Agarwal
C/o Shankar Ward, Mukut Talkies, Bhatapara,
Dist. Raipur.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property known as 'Mukut Talkies' is situated at Shanker Ward, Bhatapara, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-7-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq. [Bpl.] 5820.—Whereas, I,
S. C. SHARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 1295 (P.H. No. 78, B. No. 269) situated at Naya Amapara, Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) Ganeshilal & Shri Ramesh Prasad S/o
Sukhdeo Pd. Gupta, R/o
Sanichari Bazar, Durg.

(Transferor)

- (2) Gajanan Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd.
Amapara, Mohan Nagar, Durg. Through
President Shri Vithal S/o Krishnarao
Sakharkar, R/o Mohan Nagar,
Amapara, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1295 (P.H. No. 78, B. No. 269) is situated at Naya Amapara, Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-7-85
Seal :

FORM ITNS—

(1) Bhagwandas Roopchandani S/o Bhoolechand
Roopchandani 1071, Napier Town, Jabalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sunil Kumar Jain S/o Late Sh. Garib Das
Parwar, R/o 87, Narmada Road, Jabalpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl.5821.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ground floor of triple storeyed bldg. bearing Mun. Corporation No. 1071 (Lajpat Kunj) situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ground floor of 3 storeyed bldg. bearing Municipal Corporation No. 1071 (Lajpat Kunj) is situated at Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
59—176GI/85

Date : 8-7-85
Seal ;

FORM ITNS ———

(1) Vishambar Narain S/o Ramnarain Tiwari,
R/o 102, 102/1, Lordganj, Jabalpur (MP).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(2) Kasturchand S/o Gopaldas Jain
2. Sheelchand 3. Pannalal 4. Kaluram 5. Rajendra
All sons of Kasturchand Jain S/o Shahpura
Bittoni, Teh. Pattan.

(Transferee)

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5822.—Whereas, I,
S. C. SHARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,00/- and
bearing No. Building bearing No. 102, 102/1
situated at Lordganj Ward, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Jabalpur
on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. Bearing No. 102 & 102/1 is situated at Lordganj
Ward, Jabalpur. This is the immovable property which has
been described in form No. 37G duly verified by the
transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-7-85.
Seal ;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5823.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House at land Kh. No. 179/9 situated at Vill. Korimbhata, G. E. Road, Rajnandgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajnandgaon on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala W/o
Shri Shyamcharan Devalia,
C/o Shri Victor Ginny Christian Colony,
Sagar (MP).

(Transferor)

- (1) 1. Dr. Prabhat Kumar Tiwari,
S/o Sh. Kashi Prasad Tiwari,
Chief Medical Officer, Balaghat.
2. Smt. Jaya Tiwari
W/o Dr. P. K. Tiwari,
3. Sh. Sunil Kumar,
S/o Dr. P. K. Tiwari,
R/o Balaghat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house at Kh. No. 179/9 is situated at village Korimbhata, G. E. Road, Rajnandgaon (MP). This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.(1) Shri Rajeshkumar Vyas
R/o Hospital Ward,
Raja Talab, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Allaudin Farishta
2. Anwarali Farishta
3. Amir Ali Farishta
4. Arif Ali Farishta
5. Murad Ali Farishta, all 1/0
2/2, Shailendra Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5824.—Whereas, I,
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immo-
vable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building, Double Story situated at Civil Station Ward, Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Raipur on Nov. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the Object of :

(a) by of the aforesaid persons within a period of
forty five days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of thirty
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within forty five days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used hereint as
are defined in Chapter XXA of the Said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Building is situated at Civil Station Ward, Raipur. This
is the immovable property which has been described in
form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5825.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Bldg. bearing Mun. No. 14/206 & 14/231/2 (Nazul Plot No. 2/115, Block No. 77) situated at Jaisthambh Chowk, Modahapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on Nov 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Yashwant Amarsingh Rathore
Father & Guardian Amarsingh
S/o Aamji Rathore,
R/o Fufadih Chowk,
Raipur (MP).

(Transferor)

(2) M^{rs}. Farishta & Farishta,
Partners—Shri Amir Ali Farishta,
S/o late Shri Wazir Ali Farishta,
R/o Shailendra Nagar,
Raipur (MP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing Mun. No. 14/206 & 14/231/2 situated at Nazul plot No. 2/115 (Block No. 77), Jaisthambh Chowk, Modahapara, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 8-7-1985
Seal :

FORM IINS

(1) Shri B. M. Thakre S/o Madhorao Thakre,
R/o Vill. Pusad, Maharashtra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Maya Tamrakar, W/o Shri Shankarlal
Tamrakar, Thro' Shri J. K. Verma,
R/o Sati Bazar, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 13th May 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5755.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Property (House) situated at Sunder Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building is situated at Sunder Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vinodchand S/o Chhajulalji Jain,
Sanawad, Presently 22/1, Berati Colony, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surendrakumar S/o Nirmalkumarji Jain,
181, Bhavani Marg, Sanawad,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5734.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House at Bhavani Marg, Sanawad situated at Sanawad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) to the office of the Registering Officer at Sanawad on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

This is the immovable property situated at Sanawad the description of which has been given in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1985

Seal :

FORM NO. I.T.N.S. _____

(1) Shri Sumersingh S/o Thakur Jajamsinghji
15, Kshapnak Marg, Madhav Nagar, Ujjain.
(Transferor)

(2) Shri Jawaharlal S/o Shankerlalji Jain,
Madhav Nagar, Ujjain,
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5735.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot at Ujjain situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

This is the immovable property located at Azad Nagar, Ujjain, the description of which has been given in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dattatraya S/o Dinkar Rao Made,
55, Subhash Marg, Dhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Vilas S/o Prabhakar Rao Mungre, Indore
Now at Ratlam
H. No. 55, Ward No. 15, Subhash Marg, Dhar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl[5744.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. House bearing Municipal No. 55 situated at Subhash
Marg Ward No. 15, Dhar.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Dhar on November 1984.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 55 is situated in Ward No. 15, Subhash Marg,
Dhar. This is the immovable property which has been des-
cribed in form No. 37-G duly verified by the transferee.V. K. BARANWAL
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the date of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

60—176G/85

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Brindawan Apartments
Partner Shri Balkishna Agarwal S/o Daulatram
Agarwal 158, Saket Nagar, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5737.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3 on plot No. 77B situated Manishpuri colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on plot number 77-B is situated at Manishpuri colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC[Acqn.]Bpl]5738.—Whereas, I. V. K. BARANWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House on Plot No. 893 (Scheme No. 31) situated at Jeevan Deep colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manik S/o Bishan
Smt. Sheba W/o Bishan
893, Jeevan Deep colony, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Dilipkumar S/o Gurumukhdas,
54, Berati colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 893 (Scheme No. 31) is situated at Jeevan Deep colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-4-1985

Seal :

FORM ITNS— —

(1) Shri Culabrao S/o Keshavrao Gopale,
70, Kalani Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Manorama Devi W/o Vishnuprasad Khatri,
26/4, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC[Acq][Bpl]5739.—Whereas I. V. K.
BARANWALbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingNo. Single storeyed building bearing Mun. No. 70 on plot
No. 99-A situated at Kalani Nagar, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore
on November 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storeyed building bearing Municipal No. 70 on plot
No. 99-A is situated at Kalan Nagar, Indore. This is the
immovable property which has been described in form No. 37-
G duly verified by the transferee.V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, BhopalNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5740.—Whereas I, V. K. BARANWAL

Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. Plot No. C on 1st floor of the building on plot No. 154-A situated at Scheme No. 44 of Indore Vikas Pradhikaran, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shrichand S/o Tarachand Chug,
Flat No. A&B, Ground floor, 154-M,
Khaliwala Tank, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Gajanan Hadikar, S/o Shri Narain Hadikar,
B-17, M.I.G. colony, Jain Road, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C on 1st floor of building on plot No. 154-M is situated in Scheme No. 44 of Indore Vikas Pradhikaran, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajendra Kumar Shah, 51, Vallabh Nagar Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Asqa/Bph./5741.—Whereas I, V. K.

BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 7 situated at Ahilyamata colony, New Dewas Road, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) President Parshvanath Gria Nirman Sahakari Sanstha Maryadit, Indore S-313-14, Vikas Pradhikaran Bhavan Indore.
(Shri Surendra Kumar Sanghi—President).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, is situated at Ahilyamata colony, New Dewas Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5742.—Whereas I, V. K.

BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Garage & Structure on plot No. 58 situated at Vidya Nagar colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhavandas S/o Gyanshondji
H. No. 104, Berati colony No. 2, Indore.
(Transferor)

(2) Shri Ramnath Shri Triloknath S/o Shri Deshraj
Chopra, 45, Agarwal Nagar, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garage & structure on plot No. 58 is situated at Vidya Nagar, colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM I/NS

- (1) Shri Vijay S/o Shri Laxmanrao Deshpande,
R/o 35, Vyās Phala Juni, Indore, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Ramchandra Sharma S/o Shri Laxmanji
Sharma, R/o 44, Bahadurganj, Ujjain.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5743.—Whereas I, V. K.
BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing

No. House on plot No. 122 situated at Anand Nagar, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore
on November 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SCHEDULE

House on plot No. 122 is situated at Anand Nagar, Indore.
This is the immovable property which has been described in
form No. 37-G duly verified by the transferee.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

B. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Sumersingh S/o Thakur Jalamsinghji
15 Kshapnak Marg, Madav Nagar, Ujjain.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Jawaharlal S/o Shri Shankerlalji Jain,
Madavnagar, Ujjain.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Bhopal, the 29th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq/Bpl.—5736.—Whereas I, BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot at Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

This is the immovable property located at Ajadnagar Ujjain, the description of which has been given in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

61—176GI/85

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pravinchandra S/o Devji Katira
4, allabh Nagar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar S/o Shri Chandmalji Bandi,
5/3 Malharganj, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5745.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot at Devi Ahilya Colony, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Indore in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
-
- ~~and/or~~

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The plot is situated in Devi Ahilya Colony, Goshala is immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Near Central India Floor Mills, BhopalDate : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl]5746.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.House at Lahore Patti situated at Manawar, Dist. Dhar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Manawar on November 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Mangilal S/o Sa darmalji, Manawar Teh.
Dist. Dhar.

(Transferor)

- (2) Shri Gopalkrishna S/o Bonderji, Manawar Tehsil
Dist. Dhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective person,
whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

This is an immovable property situated in Manawar Teh
Dist. Dhar, the description of which has been given in form
No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raghunandanji S/o Nathmalji Verma
Smt. Sow. Gulab Devi W/o Shri Raghunandanji
Verma, Neemuch Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kudbuddin S/o Ishaqali Tayyabaliji Ravtiwala
Bohra, Bohra Bakal, Manak Chowk, Ratlam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5747.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot at Neemuch situated at Neemuch
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Neemuch on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

This is the immovable property located in Neemuch Cantt,
the description of which has been given in form No. 37-G,
duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5748.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House on block No. 36, Plot No. 94 situated at Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jawaharlal S/o Kushiramji Somani,
97, Jairampur, Indore.
Shri Chunnilal S/o Arjundasji, Khandwa.
(Transferor)

(2) Shri Beghamal S/o Sugnamalji Binwani,
Opposite Sagan Soap Factory, Vittal Mandir
Khandwa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House (on block No. 36, plot No. 94) is situated at Khandwa City, Khandwa.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5750.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Part of House No. 6 situated at Race Course Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madanlal S/o Sundelal Garg,
R/o 6, Race Course Road (Dr. Koshansingh
Bhandari Marg) Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Narayan S/o Laxmanji Agarwal,
R/o 78, Siyaganj, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Part of) House No. 6 is situated at Race Course Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madhav Prasad S/o Shri Nagjiramji,
R/o 191, Tilak Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

(2) Shri Ratanlal S/o Ramnath Rathi.
2. Hemlata W/o Brijmohandas Rathi,
3. Anita W/o Satyanarain Rathi,
R/o 7-C, Kailash Park, colony Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl/5751.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 131 situated at Kailash Park colony (Manoraman-
ganj), Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Indore in November, 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 131 is situated at Kailash Park colony (Mano-
ramaganj), Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5752.—Whereas, I, SMT. V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Kh. No. 23/113 situated at Shanker Nagar, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhargavi Devi Satpai W/o Laxman Satpai.
R/o Katora Talab, Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Jeevanlal Sindhiya S/o Pirulal
R/o Raja Talab, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 23/113 is situated at Shanker Nagar, Raipur. This is the imovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date : 29-4-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC[Acqn|Bp|]5753.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 306-D situated at Shailendra Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Akshar Kumar Singh Minas,
S/o Natha Singh Minas,
R/o Pandritarai, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Tikamdas Thorani S/o Shri Bharomal
R/o 306-D, Shailendra Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 306-D is situated at Shailendra Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
62—176GI/85

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5754.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 15/569 (M. G. Road) situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer land/or

(b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s. Sharda Talkies—firm Partners :—
1. Lalitkumar
2. Shyamcharan Tiwari
3. Ushadevi
W/o Lalit Kumar.
Lavkeshkumar, S/o Lalitkumar Tiwari,
R/o Raja Talab, Raipur.
(Transferor)
- (2) M/s Iristo Electricals—firm
Partners :
1. Motilal, & Mojamal,
R/o Jawahar Nagar Ward, Raipur.
(Transferee)
- (3) Shri Khubchand Uttamchand, H. No. 15/568
Jawahar Nagar, Ward, Raipur.
2. Smt. Champadevi W/o late Balkishanlal Dare
H. No. 15/569, Jawahar Nagar Ward,
Raipur.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 15/569 is situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur. This is the imovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
-INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bp/5756.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Plot No. 283 situated at Saket agar, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Indore on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this office notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) Shri Pratapsingh Rao S/o Shripatrao Sable
R/o 44-B, Rajendra Nagar, Indore thro' Genl.
power of attorney Shri Shantaram S/o Shripatrao
Sable, R/o D-2/1, M.O.C. Lines Indore.
(Transferor)

- (2) Shri Shantilal S/o Sewaramji Jain,
R/o 129, Shastri Market, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 283 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the
immovable property which has been described in form No.
37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shyamarani W/o Arjudev Chopra,
R/o 19/2, Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5757.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing

Plot No. 240 situated at Saket Nagar, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Indore on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

- (2) 1. Shri Laxmandas S/o Richumalji Binyani.
2. Mukhchand S/o Laxmandas
3. Mohanlal S/o Laxmandas
4. Vinodkumar S/o Laxmandas
R/o 14, MIG colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of
forty five days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of thirty
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within fortyfive days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the
immovable property which has been described in form No.
37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th May 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5758.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
House situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hiralal
S/o Shri Pandurang,
R/o 545/7, Nehru Nagar,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramji
S/o Shri Jagannath
Shanker Kumar Ka Bagicha,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date : 13-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No IAC/AcqN/Bpl/5759.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. N-32 situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Raj Baijamine
W/o Shri Baijamine Khan.
R/o Indore Christian College,
Indore.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Jagdish, 2. Bhagwandas
S/o Shri Jhanumaklalji Mansukhani,
34, Mangalam, Old Palasia,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. N-32 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 27-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl/5769.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 715 the house thereon (3rd floor, Flat No. 9) situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rani Construction Co., Indore
Thro' Partner Gopal
S/o Ram Sharan Bansal,
R/o 9-B, Adarsh Nagar,
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Upendra Kumar Shah
S/o Shri Natwarlal Shah,
R/o 16, Nagar Nigam Road,
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 715 & the house thereon (3rd floor, Flat No. 9) is situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date : 7-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5774.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 149 (Part thereof) on plot No. 309 situated at Katju Nagar, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahendra Singh
S/o Shri Bhanwarpal Singhji Bhati
R/o 149, Katju Nagar,
Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Samirmal
S/o Mangilal Aura, Mahajan,
R/o Mohalla 3, Ramgarh,
Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 (Part thereof) and house bearing No. 149 is situated at Katju Nagar, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th June 1985

C.R. No. 62/R-1503/37-EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. A-1 situated at Corporation Division No. 53 Osborne Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1324/84-85 dt. 6-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
63—176G1/85

(1) The Grasmere Housing Co-op. Society Ltd.
57/58 Osborne Road,
Bangalore-560042.

(Transferor)

(2) Mrs. Shashikula N. Ramnath
57/58 Osborne Road,
Bangalore-560042.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1324/84-85 dated 6-11-1984].

Apartment No. A-1 in the Ground floor in the property bearing Municipal No. 57-57/1-58 (Earlier bearing Municipal No. 57-58 and still earlier bearing No. 5-5/7), Osborne Rd., Corporation Division No. 53, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 18-6-1985

Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th June 1985

C.R. No. 62/45360/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 233/A/19, situated at 39th Cross Road, II Block, Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar on 21-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declared by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri C. Krishnappa,
No. 233/A, 30th Cross Road,
II Block, Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Smt. B. J. Padma,
No. 584, III Block, Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3515/84-85 dated 21-11-84)
Property bearing No. 233/A/19 39th Cross Road, II Block,
Rajajinagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th June 1985

(1) 1. Shri R. L. Sri Shula,
2. R. V. Pramila & 3. Pramoda,
No. 6[A&7, Saraswathipuram,
K.T.G. Mutt Road, C.H. Mohalla, Mysore.
(Transferor)

(2) Shri R. S. Kumar & R. S. Shiva Shankar
4, K. Lingaiah Colony,
Nannarbad Mohalla, Mysore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62[45158[84-85[ACQ[B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 6[A+7, situated at VII Cross, Saraswathipuram,
Chamaraja Mohalla, Mysore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Mysore on 2-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by the more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4104[84-85 dt. 2-11-84)

Property bearing No. 6[A & 7, Saraswathipuram, 7th Cross,
Chamaraja Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 6-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th June 1985

C.R. No. 62/45078/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 214, situated at Block-I, Koramangala Extn., Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rakesh Bajpai,
No. 651, Koramangala,
Block-III, Bangalore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Vincent James D'Souza
2. Mrs. Blossom Flavy D'Souza,
No. 13, Lewis Road,
Cooke Town, Bangalore-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5427/84-85 dt. 30-11-84)
Vacant site No. 214, Block I, Koramangala Extension,
Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 10-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th June 1985

C.R. No. 62/45645/84 85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, situated at Adugodi, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 8-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. G. Siddiah,
No. 70, Kumaraswamy layout,
Bangalore. (Transferor)
- (2) Smt. B. A. Padma,
No. 6, II floor, II Cross,
Lalbagh Road, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3174/84-85 dt. 8-11-84)
Property bearing No. 1, Adugodi, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 14-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th June 1985

C.R. No. 62/44762/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 112, situated at Binnamangala layout, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Menezes Cecelia,
W/o late L. A. Menezes,
No. 145, V Cross, Cambridge-
layout, Ulsoor, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Victor Menezes,
No. 145, V Cross,
Cambridge layout,
Ulsoor, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2234/84-85 dt. Nov. 1984)
Site bearing No. 112, at Binnamangala layout, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date : 17-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th May 1985

C.R. No. 62/45925/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-
ble property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1799 situated at BSK II Stage, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jayanagar on 17-1-1985for an amount of consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Shri T. Krishnappa,
No. 28-B, XIV Main
XII Cross, Hanumanthanagar,
Bangalore-50.

(Transferor)

- (2) Smt. Syeda Hatimunnisa,
No. 23, Kanzi Street,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4101/84-85 dt. 17-1-85)
Property No. 1799, BSK II Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 20-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd May 1985

C.R. No. 62/46108/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 448 situated at HAL III Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 30-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lalitha,
No. 421/3, Indiranagar,
I Stage, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Smt. G. Venkayama &
Sri S. N. G. Krishna Rao,
No. 101, Asha Kitan,
No. 39, K.R. Road,
Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3283/84-85 dt. 30-1-1985)
Property bearing No. 448, HAL III Stage, Bangalore.

R BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 22-5-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th May 1985

C. R. No. 62/46077/84-85/ACQ[B.—Whereas, I

R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 11, situated at Kempapura Agrahara, Hosahally, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lalithama,
No. 343, V Block,
Jayanagar South,
B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimati C. P. Suhara,
No. 329/9, 17th Main Road,
Vijayanagar West, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3514/84-85 dated 18-1-85)
Property bearing No. 11, Kempapura Agrahara, Hosahally, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
64-176G1/85

Date : 13-5-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th May 1985

C. R. No. 62/4607/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9 & 10, situated at II Main Road, Thimanhalli, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram on 16-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati N. Kamahanna,
No. 19, Pettygrove Street,
Seppings Road,
B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimathi K. Vijayalakshmi,
No. 58 "Health Centre",
Agrahara, Dasaribally,
Magadi Road,
B'lore-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3312/84-85 Dated 16-1-85)
Property No. 9 & 10, II Main Road, Thimanhalli, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-5-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 25th May 1985

C. R. No. 62/46151/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18 & 19, situated at V. V. Puram, West Circle Road, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Blavanagudi on 31-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (47 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Garla Viswanatha Gupta,
2. G. Sadananda Gupta,
No. 16, West Circle Road,
V. V. Puram, B'lore-4. (Transferor)
- (2) Shri K. Nagaraja,
No. 18, West Circle Road,
V. V. Puram, B'lore-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4421/84-85 Dated 31-1-85)
Premises No. 18 & 19, V. V. Puram, West Circle Road,
B'lore-4.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-5-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 20th May 1985

C. R. 62/45930/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 298, situated at Mico layout B'lore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jayanagar on 24-1-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Harichand,
s/o Lt. Col. Sansar Chand,
Village & P.O. Kakou,
Dist. Hoshiarpur,
Punjab.

(Transferor)

(2) Shri K. V. Ramanath,
No. 896, X Cross,
J. P. Nagar II Phase,
B'lore-78.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

7

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4226/84-85 Dated 24-1-85)
Property bearing No. 298, in MICO layout, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-5-85
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Fredrick Pinto,
Salvadore Villa Chilimbi,
Urva, M'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Blarve Linnal Pinto,
2. Mrs. E. G. Pinto, "Grace Maria",
Kinnigoly, M'lore Tq., D.K.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 14th June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

C. R. No. 62/46011/84-85/ACQ/B.—Whereas, I
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 302, situated at II floor, Deep Mahal Building, Bopoor
village, M'lore City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred the Registration Act, 1908, (16 of 1908)
M'lore in January 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the 'Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957) ;

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1572/84-85 Dated January, 85)
Apartment No. 302, II floor, Deep Mahal building in
Bolor village, Derebail Ward, M'lore City.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 14-6-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd May 1985

C. R. No. 62/45960/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Block—A, Domlur II Stage Extn., B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 17-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Susheelabai,
2. S. Jayaram,
3. S. Kriishna
4. S. Muniraj
All are residing at No. 2, Abbaiah Gaden,
Doopanahalli, B'lore.
(Transferor)
- (2) Shri Terence Alva,
Gpa holder : Mrs. Down D'Souza,
No. 73, St. Mark's Road, B'lore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3098/84-85 Dated 17-1-85)
Property bearing No. 2, in Block—A, Domlur II Stage Extn., Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-5-1985
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 13th May 1985

C. R. No. 62/46143/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1611, situated at PSK II Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at the Competent Authority Jayanagar on 8-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri M. R. Vasudeva Rao,
No. 66, III Across Viveknagar,
B'lore.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Satyanarayana,
No. 85, XI Cross, Gayathrinagar,
B'lore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3998/84-85 Dated 8-1-85)
Property No. 1611, in PSK II Stage, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th May 1985

C.R. No. 62/45923/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11/01 situated at 40th Cross, VIII Block, Jayanagar, B'lore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 17-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) K. Sridhar,
A1-4, Central Avenue Continuation,
ITI Colony, B'lore-16.

(Transferor)

- (2) K. Vijaya Raghavan &
Smt. V. Shantha, 3/2, Dewan Madhava Rao Road,
Basavanagudi, B'lore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4081/84-85 dated 17-1-1985).
Property No. 11/01, 40th Cross, VIII Block, Jayanagar,
B'lore-11.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 16-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th May 1985

C.R. No. 62/R-1529/84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1070, situated at 35 'D' Cross, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-41 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 6-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
65—176G/85

(1) Shri R. Satyanarayana,
S/o. M. Ramaswamappa,
No. 7, 36th Cross, 9th Block, Jayanagar,
Bangalore-41.

(Transferor)

(2) Smt. Nagarathamma W/o T. V. Srinivasaiah,
Smt. Uma Nagaraj w/o S. Nagaraj, 1070, 35D
Cross, IV, T Block, Jayanagar,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1326A/84-85 dated 6-11-1984).
All that property bearing No. 1076 situated at 35'D' Cross,
IV, T Block, Jayanagar, Bangalore-41.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 18-5-1985
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th June 1985

C.R. No. 62/45790/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 986, situated at "Shadi Mahal" in Madras, Bangalore Road, Kolar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kolar in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Abdul Gaffar,
2. Mohd. Ibrahim,
3. Mohd. Sadiq,
Manjoor Ahmed as minor guardian mother
Fazalunnisa, Chikkaballapur Channaraypet Town,
Kolar Distt.

(Transferor)

(2) 1. Shrimati Sakina Begum,
2. Mubeeda Khan,
3. Liyakat Ali Khan,
4. Naseema Begum, Minor,
G. Rahamathulla a guardian father
S. R. Gaffar, S. A. Abdul Saffoor S. Naib
C/o. Moosa Khan, Bismilla Silk Grainage,
Ammavarapet,
Kolar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3013/84-85 dated Nov. 1984).
Property bearing No. 986, called "Shadi Mahal", in Madras, Bangalore Road, Kolar.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 24-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th June 1985

C.R. No. 62/45157/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269AB(i)(b)
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 3, situated at Gokulam III Stage, V. V. Mohalla, Mysore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Mysore on 21-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri B. M. Prabhu Swamy,
No. 3, Model House,
Gokulam III Stage, V. V. Mohalla,
Mysore. (Transferor)
- (2) Shri K. Prabhakara Shenoy,
Manjushree Compound,
Mysore-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4099/84-85 dated 21-11-1984).
Property bearing No. 3, Gokulam III Stage, V. V. Mohalla,
Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 19-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st June 1985

C.R. No. 62/45896/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, situated at III Cross, Swasthi Main Road, Shantinagar, B'lore-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. C. Kotappa,
No. 6, III Cross, Swasthi Main Road,
Shantinagar, B'lore-27.
(Transferor)
- (2) Shri S. Bheemanna,
No. 6/1, Lakshmi Road, III Cross, Shantinagar,
B'lore-27.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4323/84-85 dated 12-11-1984).
Property bearing No. 6, III Cross, Swasthi Main Road,
Shantinagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 21-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001 the 18th June 1985

C.R. No. 62/45734/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 327 (327/39), situated at IXth Block, Jayanagar Extn. 37th 'B' Cross, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G. Krishna Kumar,
No. 22, 1 Main Road,
Nanjamba Agrahara, Chamarajpet,
Bangalore-18.

(Transferor)

(2) Shri B. S. Sanjeevamurthy, M/s. Murthy
Medicals, No. 1008, 26th Main, IV 'T' Block,
Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3325/84-85 Dated 19-11-84]
Property Bearing No. 327/39. (327), 37th 'B' Cross, IX Block, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 18-6-1985
Sd/ :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 19th June 1985

C.R. No. 62/45449/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 90 (147), situated at 18th Dn., Papanna Lane, Akkipet Cross, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 5-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Eetappa,
2. E. Rajasekhar,
3. E. Vishwanath,
4. E. Kumar,
5. E. Guruprasad,
6. E. Vijayakumar,
No. 24, 51st Cross, Siddaramanna Dinne,
Rajajinagar, B'lore.
7. Smt. Jyothamma,
8. Kum. Malini
C/o D. B. Srikar, Nagaraja Chemicals, SBW
Road, Tinkar.
Cross, Bangalore, Tumkar. (Transferor)
(2) Sh. S. Sampath,
No. 90, Papanna Lane
Akkipet, Cross B'lore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2400/84-85 Dated 5-11-84).
Property No. 90 (147), 18th Dn., Papanna Lane, Akkipet Cross, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-6-1985
Sd :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 27th June 1985

C. R. No. 62/45468/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. 115, 114 & T.S. Nos. 57 & 58, situated at Attavar Village, M'lore Tq. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar at M'lore on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Adarsh Enterprises,
Ganesha Kripa,
Opposite Jyothi Talkies,
Balmatta,
M'lore.
repd. by partners :
(1) Mr. H. Jayapitukash,
(2) Mrs. Padmavathi
Both residing at
Kadri Temple Road,
M'lore.

(Transferor)

- (2) Danial Menenzes,
Residing Care of Mr. A. D'Souza,
May Queen,
Bejai New Road,
M'lore.
- (3) Purchaser.

(Transferee)

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1275/84 85 Dated 17-11 84]
Property bearing No. RS. 115, 114 & TS. No. 57, 58, in Attavar Village, M'lore Tq.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-6-1985
Sent :

FORM IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 27th June 1985

C. R. No. 62/45763/84-85/ACQ/B.—Whereas, I
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Khata No. 728, situated at Kadirenahalli Village, B'lore South
Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
B'lore South Tq. 9-11-1984
at B'lore South Tq. on 9-11-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
thereof by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri M. Ashraf Ali Khan,
No. 39, Upstairs,
Tannery Road,
B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Noorjan,
No. 5/1, II Main Road,
Lakkasandra,
B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 6233/84-85 Dated 9-11-84]
Property bearing Khata No. 728, Kadirenahalli Village,
Bangalore South Taluk,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Bangalore

Date : 27-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 27th June 1985

C. R. No. 62/45070/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 951, situated at Sarakki II Phase, Jayaprakash Nagar, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South Tq. on 24-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri G. Satyanarayana,
No. 11, VII Cross,
Swimming Pool Extn.,
B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimati L. Vijayalakshmi,
No. 29/8, 38th Cross,
VIII block, Jayanagar,
B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

66—176GI/85

[Registering Document No. 5122/84-85 Dated 24-11-84]

Property bearing No. 951, Sarakki II Phase, Jayaprakash-nagar, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62/45039/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1, 2, 3, 4, 5 & 6, at III Main & 4, 5, 7, 8, 9 & 10 at I Cross situated at Gandhinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar with the competent authority under section 269AB, in his office at under Document No. 2532/84-85 Dated on 21-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. H. G. Sundarama Reddy
Dr. Vijayachandru
Kum. Vijayalatha Reddy
Dr. H. G. Ramakrishna Reddy.,
Mr. H. R. Venkatesh Reddy -
Reptd by Power of Attorney Holder
Mr. K. C. Sudarshan Reddy.,
Mrs. Vijayavani Reddy
No. 17/1 Ballary Road,
Sudashiva Nagar,
Bangalore-560080.

(Transferor)

(2) Mr. G. T. Mariswamy Reddy
Mr. G. T. Venkataswamy Reddy
Mr. G. T. Krishnappa Reddy
Mrs. Venkatamma.,
Mrs. Chennamma
Mrs. Leelavathamma
Mr. G. V. Nagaraja Reddy
Mr. G. N. Thimma Reddy
Mr. G. N. Satisha Reddy
Mr. G. V. Palaksha
Mr. G. V. Chandrashekhara Reddy and
Mr. G. K. Ganesha—
Master G. K. Suresh Reptd by father
Mr. G. T. Krishnappa Reddy
All are R/o Gunjur Village,
Varthur Hobli,
Bangalore South Taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2532/84-85 Dated 21-11-1984]
Property bearing Old Nos. 41 and 42 and later on assigned as Nos. 41, 45, 45/2, 45/3, 45/4 situated in III Main Road, Gandhinagar Division No. 22, Bangalore City AND Nos. 40, 40/1, 41/1, 42, 43 and 44 situated in 1st Cross, Gandhinagar, Bangalore and the Other properties are now bearing Municipal Nos. 1, 2, 3, 4, 5 and 6 at III Main Road Gandhinagar, Bangalore and the Other properties are now bearing Nos. 4, 5, , 8, 9 and 10 situated at 1st Cross, Gandhinagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 11-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore the 10th June 1985

D/R -95[84-85]37EE.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4 situated at "JOSEDNA APARTMENTS", Panaji-Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 14-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. Francisco Leao Pinto,
2. Mr. Thome Jose M. J. Pinto,
3. Mrs. Edna De Maria J.S.M. Pinto,
Calangute-Goa,

(Transferor)

- (2) M/s Ramesh Kamath & Associates,
Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D/25 Dated 14-11-1984]
Proposed Flat No. F-4 in "Josedna Apartments", Panaji-Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62/DR-98/84-85/37EE.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. S-3 situated at "JOSEDA APARTMENTS" Panaji-Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Dr. Francisco Leao Pinto,
2. Mr. Thome Jose M.J.M. Pinto,
3. Mrs. Edna De Maria J.S.M. Pinto,
Calangute, Goa.

(Transferor)

- (2) Shri Agostinho Domingons Vaz,
S/o. Pedro V. Vaz.,
Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registering Document No. D/27/Nov., 84 Dated 14-11-84]
Proposed Flat No. S-3 in "Josedna Apartments" Panaji-Goa., measuring 74.10 M2.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Bangalore

Date : 10-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
ANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 1st July 1985

Ref. No. M-16291/84-85.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8/25 situated at Raj Nagar Ghaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 36905 date 19-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vimal Sapra
W/o Sri K. G. Sapra
A-15, New Rajendra Nagar
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sikhar Chand Jain
s/o Late Sri Gooran Lal Jain &
Smt. Veena Jain
W/o Sri Sikhar Chand Jain
II-B/R-5, Nehru Nagar,
Sector-2, Ghaziabad. (Transferee)
- (3) —do—
(Person(s) in occupation of the property).
- (4) —do—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. R-8/25 at Raj Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 1st July 1985

Ref. No. M-6/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5/6 situated at Vill. Tilayti Kanrnwas (and more fully described in the schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 6856 date 29-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Daya Ram & Fireram
S/o Hayub Singh
Vill. Tilyta Karanwas, Teh. Dadri
Distt. Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shree Ram Faibers Ltd. Co.,
Regd. Office Express Building
9/10, Bahadur Sah Jafar Marg,
New Delhi. (Transferee)
- (3) —do—
(Person(s) in occupation of the property).
- (4) —do—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land at VIII Tilayti Karanwas Teh. Dadri,
Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 1st July 1985

Ref. No. M-9/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

SC-8 situated at Shastri Nagar Ghaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 37489 date 27-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Usha
W/o Sri Dinesh Mohan
59, Avas Vikas, Civil Lines,
Moradabad.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrakala
D/o Sri Ahand Kishore
W/o Sri Gopi Chand
R/o Ram Kumar Bhawan,
Sarai Kaji
Moradabad.

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property).

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. SC-8 at Shastri Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 1st July 1985

Ref. No. M-14/85-85.—Whereas, I,
H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated Vill. Pathaupura (and more fully described in the schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 10479 date 11-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Dr. Nalinesh Kumar
S/o Late Dr. Budha Prakash
Moti Bhawan, Ravi Bazar,
Saharanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Man Kauri
W/o Sri Ramji Lal Verma
Ram Nagar,
Court Road,
Saharanpur.

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property).

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Vill. Pathaupura, Ahmad Bagh Dist Saharanpur.

H. R. D/
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS — —

- (1) Shri Samer Chand
S/o Sri Har Saran Das Jain,
R/o Chipi Bada,
Meerut City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

- (2) Shri Om Prakash Batra
S/o Shri Amir Chand Batra,
R/o Tahir Hussain Kele Waligali,
Meerut City.

(Transferee)

- (3) —Do—
(Person(s) in occupation of the property)

- (4) —Do—
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. M-40/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. situated at Murari Puran, Meerut
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Meerut under registration No. 16474 date 12-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the transferor(s) and transferee(s) has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House at Murari Puran Behind Amrapali Talkies, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
67—176 GI/85

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-42/84-85.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- an bearing No. 2 situated at Civil Lines, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 16393 date 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (I) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Sudhir Kumar
S/o Shri Vishnu Saran Gupta,
343, Western Kachchri,
Meerut City.

(Transferor)

- (2) 1. Madhu Gupta
W/o Sri Ram Kisan Gupta,
2. Sri Sanjay Gupta
s/o Shri Ram Kisan Gupta,
70-A, Alampur,
Meerut Cantt.

(Transferee)

- (3) —Do—
(Person(s) in occupation of the property)

- (4) —Do—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 at Civil Lines, Meerut City.

H. R. DAS
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 Q12, the 1st July 1985

Ref. No. M-43/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 165 situated at North Patel Nagar, Meerut (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 16722 date 15-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Umesh Chand Agrawal,
S/o Shri S. S. Agrawal,
88, Pt. Sharma Road,
Meerut.
(Transferor)
- (2) 1. Kisan Lal,
S/o Gokal Chand,
2. Smt. Sarika Pal
D/o Sri Kishan Lal,
842, Bagpat Gate,
Meerut.
(Transferee)
- (3) 1. Kisan Lal
S/o Gokal Chand,
2. Smt. Sarika Pal
D/o Sri Kishan Lal,
842, Bagpat Gate,
Meerut.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) 1. Kisan Lal
S/o Gokal Chand,
2. Smt. Sarika Pal
D/o Sri Kishan Lal,
842, Bagpat Gate,
Meerut.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 165 at North Patel Nagar, Meerut City.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

- (1) Smt. Atar Kali
W/o Sri Asharfi Lal,
37, Deo Nagar,
Meerut. (Transferor)
- (2) Smt. Basanti Devi
D/o Sri Godhan Das,
37, Deo Nagar,
Meerut. (Transferee)
- (3) Smt. Basanti Devi
D/o Sri Godhan Das,
37, Deo Nagar,
Meerut. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Smt. Sasanti Devi
D/o Sri Godhan Das,
37, Deo Nagar,
Meerut. (Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Ref. No. M-48/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- an bearing
No. 37 situated at Deo Nagar, Meerut
Borivli (West), Bombay-92,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Meerut under registration No. 16925 date 19-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 37 at Deo Nagar, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-49/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 37 situated at Deo Nagar, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 16924 date 19-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Atar Kali
W/o Late Sri Asharfi Lal Verma,
37, Deo Nagar,
Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Gordhan Das
S/o Shri Ferumal,
10, Bagpat Gate,
Meerut.

(Transferee)

(3) Shri Gordhan Das
S/o Shri Ferumal,
10, Bagpat Gate,
Meerut.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Gordhan Das
S/o Shri Ferumal,
10, Bagpat Gate,
Meerut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 37, Deo Nagar, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-56/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.

situated at Khadi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Kaitana under registration No. 6049 date 14-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property is
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
sacneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Saroj Bala
W/o Sri Harpal Singh,
Vill. Khadi Karam,
P.O. Shamli,
Distt. Muzaffar Nagar.
(Transferor)
- (2) M/s. Gokhla Franciscan Society,
H.O. 13, Mahatma Gandhi Path,
Bhagalpur (Bihar).
(Transferee)
- (3) M/s. Gokhla Franciscan Society,
H.O. 13, Mahatma Gandhi Path,
Bhagalpur (Bihar).
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) M/s. Gokhla Franciscan Society,
H.O. 13, Mahatma Gandhi Path,
Bhagalpur (Bihar).
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land at Vill. Khadi, P.O. Shamli, Distt. Muza-
ffar Nagar.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-58/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- an bearing

No. situated at Sarwan Nath Nagar, Haridwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haridwar under registration No. 2399 date 6-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Manohar Lal Khanna & others,
S/o Sri Godha Ram Khanna,
R/o Sarwan Nath Nagar,
Haridwar,
Distt. Saharanpur.
(Transferor)
- (2) Akhil Bhartiya ji Nagar Samaj Dharamsala,
Haridwar,
Distt. Saharanpur,
through Sri Kanahiya Lal,
Gai. Sec.
(Transferee)
- (3) Akhil Bhartiya ji Nagar Samaj Dharamsala,
Haridwar,
Distt. Saharanpur,
through Sri Kanahiya Lal,
Gai. Sec.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Akhil Bhartiya ji Nagar Samaj Dharamsala,
Haridwar,
Distt. Saharanpur,
through Sri Kanahiya Lal,
Gai. Sec.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 30 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House at Sarwan Nath Nagar, Mayapur, Haridwar, Distt. Saharanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 Q12, the 1st July 1985

Ref. No. M-61/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
bearing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 193 situated at Begum Bagh, Meerut
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Meerut under registration No. 16392 date 12-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Tota Ram
S/o Sardar Nirmal Singh,
R/o Begum Bagh,
Meerut. (Transferor)
- (2) Shri Uttam Singh
S/o Sardar Nirmal Singh,
R/o Begum Bagh,
Meerut. (Transferee)
- (3) Shri Uttam Singh
S/o Sardar Nirmal Singh,
R/o Begum Bagh,
Meerut. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Shri Uttam Singh
S/o Sardar Nirmal Singh,
R/o Begum Bagh,
Meerut.

(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 193 at Chota Begum Bagh, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. 73/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. 825/1 situated at Mohd. Ismail Khan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at

Ghaziabad under registration No. 337 date 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
68—176GI/85

(1) Smt. Jai Prakash
S/o Shri Suraj Bhan,
369, Ram Nagar,
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) 1. Narendra Swarup
S/o Shri Cheda Lal,
2. Gopal Krishan
S/o Shri Cheda Lal,
R/o Patpara Dankor,
Distt. Bulandsahar.

(Transferee)

(3) 1. Narendra Swarup
S/o Shri Cheda Lal,
2. Gopal Krishan
S/o Shri Cheda Lal,
R/o Patpara Dankor,
Distt. Bulandsahar.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) 1. Narendra Swarup
S/o Shri Cheda Lal,
2. Gopal Krishan
S/o Shri Cheda Lal,
R/o Patpara Dankor,
Distt. Bulandsahar.

(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 825/1 at Mohd. Ismail Khan, Ram Nagar,
Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. JANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-74/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 94 situated at Hardev Sahai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 36751 date 17-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Shri Ratan Lal
S/o Shri Vidhawamal,
94, Hardev Sahai,
Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Smt. Sarita Devi Agrawal
W/o Shri Gulab Chand,
329, Gopuri,
Ghaziabad. (Transferee)
- (3) Smt. Sarita Devi Agrawal
W/o Shri Gulab Chand,
329, Gopuri,
Ghaziabad. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Smt. Sarita Devi Agrawal
W/o Shri Gulab Chand,
329, Gopuri,
Ghaziabad. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 94 at Hardev Sahai, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-7-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-79/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
situated at Vill. Pasouda Distt. Ghaziabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Ghaziabad under registration No. 304 date 11-10-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

- (1) M/s. Jai Prakash & Co.
R-6, Nehru Enclave, Kalkaji,
New Delhi,
through Sri Jai Prakash Goel.
(Transferor)
- (2) M/s. Amrit Sehkarı Avas Samiti Ltd.,
having its office at
Punjab & Sind Bank Building,
G. T. Road, Pasouda,
Distt. Ghaziabad.
(Transferee)
- (3) M/s. Amrit Sehkarı Avas Samiti Ltd.,
having its office at
Punjab & Sind Bank Building,
G. T. Road, Pasouda,
Distt. Ghaziabad.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) M/s. Amrit Sehkarı Avas Samiti Ltd.,
having its office at
Punjab & Sind Bank Building,
G. T. Road, Pasouda,
Distt. Ghaziabad.
(Persons whome the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vill. Pasouda, Pargana—Loni Tehsil & Distt.
Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 1-7-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-82/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. 1389 situated at Vill. Kanwali
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Dehradun under registration No. 8630 date 9-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act,
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of his notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) Shri Banwari Lal &
Mukund Lal
S/o Shri Lal Singh,
Vill. Kanwali, Central Doon,
Dehradun.
(Transferor)
- (2) Doon Engineers Co-operative Housing Society Ltd.
T-15, Yamuna Colony,
Dehradun,
through its Secretary
Sri R. S. Gunsola.
(Transferee)
- (3) Doon Engineers Co-operative Housing Society Ltd.
T-15, Yamuna Colony,
Dehradun,
through its Secretary
Sri R. S. Gunsola.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Doon Engineers Co-operative Housing Society Ltd.
T-15, Yamuna Colony,
Dehradun,
through its Secretary
Sri R. S. Gunsola.
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 1389 at Vill. Kanwali Central Doon,
Distt. Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-83/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1173 situated at Vill. Kanwali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun under registration No. 8976 on 20-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Ganesh Singh alias Gunesh Singh Gahlot & others S/o Rajpal Singh 339, Chukuwala, Dehradun.
(Transferor)

- (2) Doon Engg. Cooperative Housing Society Ltd.
T-15, Yamuna Colony, Dehradun.
(Transferee)

- (3) Doon Engg. Cooperative Housing Society Ltd.
T-15, Yamuna Colony, Dehradun.
(Person in occupation of the property)

- (4) Doon Engg. Cooperative Housing Society Ltd.
T-15, Yamuna Colony, Dehradun.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land No. 1173 at Vill. Kanwali Central Doon Distt. Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-122/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. KH-34 situated at Kavi Nagar Ghaziabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ghaziabad under registration No. 37427 on 26-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Ranjit Kishore Rana S/o Shri J. B. Rana,
2339/15, Bidanpura, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Shanti Devi W/o Shri Salig Ram
R/o Rajdwar, Rampur;
2. Smt. Urmila Saxena W/o Harish Chandra
Bihari Para, Civil Lines, Barrielly.
(Transferee)
- (3) Smt. Shanti Devi W/o Shri Salig Ram
R/o Rajdwar, Rampur.
2. Smt. Urmila Saxena W/o Harish Chandra
Bihari Para, Civil Lines, Barrielly.
(Person in occupation of the property)
- (4) Smt. Shanti Devi W/o Shri Salig Ram
R/o Rajdwar, Rampur.
2. Smt. Urmila Saxena W/o Harish Chandra
Bihari Para, Civil Lines, Barrielly.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. KH-34 at Kavi Nagar Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-121/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. KK-62 situated at Kavi Nagar, Ghaziabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad under registration No. 37474 on 26-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sadhu Ram Agrawal S/o Shri Durga Prasad Agrawal & others,
N-196, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Mradula Tayal W/o Shri Prem Narain Tayal
Nav Niketan, Mohalla—Mahadipur,
Distt. Gorakhpur.
(Transferee)
- (3) Smt. Mradula Tayal W/o Shri Prem Narain Tayal
Nav Niketan, Mohalla—Mahadipur,
Distt. Gorakhpur.
(Person in occupation of the property)
- (4) Smt. Mradula Tayal W/o Shri Prem Narain Tayal
Nav Niketan, Mohalla—Mahadipur,
Distt. Gorakhpur.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. KK-62 at Kavi Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-149/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. KE-92 situated at Kavi Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 35934 on 30-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sarla Mehta W/o Major Gen. B.K. Mehta.
(Retd.) R/o D-136, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)

(1) 1. Smt. Sharda Devi Jain W/o Lala Shree Chand Jain
2. Shree Chand Jain S/o Shri Jai Prakash Jain,
R/o Kothi Abhivadan Lalda Colony,
Nisbat Ganj, Lucknow.
(Transferee)

(3) 1. Smt. Sharda Devi Jain W/o Lala Shree Chand Jain
2. Shree Chand Jain S/o Shri Jai Prakash Jain,
R/o Kothi Abhivadan Lalda Colony,
Nisbat Ganj, Lucknow.
(Person in occupation of the property)

(4) 1. Smt. Sharda Devi Jain W/o Lala Shree Chand Jain
2. Shree Chand Jain S/o Shri Jai Prakash Jain,
R/o Kothi Abhivadan Lalda Colony,
Nisbat Ganj, Lucknow.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. KE-92 at Kavi Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th June 1985

No. M-152/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. --- situated at Vill. Chukna, Pan Loni,
Distt. Ghaziabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gharinbad under registration 36461 on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
69—176GI/85

- (1) Shri Jaspal Singh S/o Shrai Kunwar Sain
150, G. F. Road, Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) Vishwa Dharma Academy, New Delhi through its Executive Director Fr. Varghese Austin Kalapur S/o Shri M. Augustin Kalapur, R/o S-102, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferee)
- (3) Vishwa Dharma Academy, New Delhi through its Executive Director Fr. Varghese Austin Kalapur S/o Shri M. Augustin Kalapur, R/o S-102, Greater Kailash, New Delhi.
(Person in occupation of the property)
- (4) Vishwa Dharma Academy, New Delhi through its Executive Director Fr. Varghese Austin Kalapur S/o Shri M. Augustin Kalapur, R/o S-102, Greater Kailash, New Delhi.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land at Village-Ghukna, Pargana-Loni Tehsil & Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, KanpurDate : 25-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK.
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-155/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 57 situated at Noida, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Noida under registration No. 2224 on 28-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anji Kumar Sharma
D-122, Panchsheel Enclave, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Nikhil Nagpal & Shri M. L. Nagpal.
S-298, Panchsheel Park, New Delhi.
(Transferee)
- (3) Shri Nikhil Nagpal & Shri M. L. Nagpal
S-298, Panchsheel Park, New Delhi.
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Nikhil Nagpal & Shri M. L. Nagpal
S-298, Panchsheel Park, New Delhi.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 57, Sector No. 15-A, Noida Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHIAN BHAWANGANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-159/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 51 situated at Industrial Estate, Loni, Sahdara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 37537 on 27-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Rakesh Engg. Works, Gali No. 4, Paharganj, New Delhi through Sri Radhey Shyam (Partner).
(Transferor)
- (2) 1. Dr. Purshottam Lal Sachdeva S/o Sri Aaya Ram
2. mt. Sushma Sachdeva W/o Dr. P. L. Sachdeva
1635/33, Nall Wala, Karol Bagh, New Delhi-5.
(Transferee)
- (3) Dr. Purshottam Lal Sachdeva S/o Sri Aaya Ram
2. Smt. Sushma Sachdeva W/o Dr. P. L. Sachdeva
1635/33, Nall Wala, Karol Bagh, New Delhi-5
(Person in occupation of the property)
- (4) Dr. Purshottam Lal Sachdeva S/o Sri Aaya Ram
2. Smt. Sushma Sachdeva W/o Dr. P. L. Sachdeva
1635/33, Nall Wala, Karol Bagh, New Delhi-5
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51 at Colony Arya Nagar Industrial Estate, Loni, Sahdara.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985
Seal:

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-192/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20, 21, 23 & 24 situated at Vill. Dehra Khas (Dehradun), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 8675 on 12-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Apar Singh S/o S. Sardul Singh
R/o 21, Jurzon Road, Dehradun.
(Transferor)
- (2) 1. Mrs. B. J. Akbar D/o Sardar Sher Ahmad Khan
75, Rajpur Road, Dehradun,
2. Mrs. Nanhi Nigam D/o Mr. Zameer Hussain
7-A, Rajpur Road, Dehradun.
(Transferee)
- (3) 1. Mrs. B. J. Akbar D/o Sardar Sher Ahmad Khan
75, Rajpur Road, Dehradun,
2. Mrs. Nanhi Nigam D/o Mr. Zameer Hussain
7-A, Rajpur Road, Dehradun.
(Person in occupation of the property)
- (4) 1. Mrs. B. J. Akbar D/o Sardar Sher Ahmad Khan
75, Rajpur Road, Dehradun,
2. Mrs. Nanhi Nigam D/o Mr. Zameer Hussain
7-A, Rajpur Road, Dehradun.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Dehra Khas, Pargana—Pachhwadon Distt. Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-195/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,00/- and bearing
No. — situated at Daulatpura Ghaziabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ghaziabad under registration No. 36550 on 15-11-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely:

- (1) Shri Ranji Lal Sons (HUF),
through Sri Vijay Naresh Gupta
168, Rightganj, Gaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Ram Sakal Singh, Mantri,
Chetriya Shree Gandhi Ashram,
G.T. Road, Ghaziabad. (Transferee)
- (3) Shri Ram Sakal Singh, Mantri,
Chetriya Shree Gandhi Ashram,
G.T. Road, Ghaziabad.
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Ram Sakal Singh, Mantri,
Chetriya Shree Gandhi Ashram,
G.T. Road, Ghaziabad.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Daulatpura, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-196/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 471103M situated at Mauza, Dalanwala Dehradun,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Dehradun under registration No. 8529 on 15-11-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Dr. S. K. Gupta S/o Late Sri B. P. Gupta,
1-A, Race Course, Dehradun.
(Transferor)
- (2) M/s. Bansal & Associates
2, Middle Fan Row, Flat No. 7, 2nd Floor,
Calcutta-16,
B.O. 15/1, Tyagi Road, Dehradun.
(Transferee)
- (3) M/s. Bansal & Associates,
2, Middle Fan Row, Flat No. 7, 2nd Floor,
Calcutta-16,
B.O. 15/1, Tyagi Road, Dehradun.
(Person in occupation of the property)
- (4) M/s. Bansal & Associates,
2, Middle Fan Row, Flat No. 7, 2nd Floor,
Calcutta-16,
B.O. 15/1, Tyagi Road, Dehradun.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land at Mauza—Dalanwala Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BILAWAN
GANDHI NAGAR OPP. JANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-231/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 36/410 situated at Vill. Khandera (Meerut),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Dadri under registration No. 6225 on 15-11-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Rajkaur W/o Sri Likha,
Vill. Milk Khandera, Teh. Dadri,
Distt. Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) Shri Rajendra Singh, Brijendra Singh S/o Sri Ranjit
Singh Vill. Khandera, Teh. Dadri,
Distt. Ghaziabad.
(Transferee)
- (3) Shri Rajendra Singh, Brijendra Singh S/o Sri Ranjit
Singh Vill. Khandera, Teh. Dadri,
Distt. Ghaziabad.
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Rajendra Singh, Brijendra Singh S/o Sri Ranjit
Singh Vill. Khandera, Teh. Dadri,
Distt. Ghaziabad.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Plot No. 36 at Vill. Khandera Teh. Dadri Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-232/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. W-8 situated at Noida,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Noida under registration No. 2216 on 30-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
movable or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s J. I. Harkin Crafts,
C-33, Nizamuddin Estate,
New Delhi through Sri M. K. Jain,
(Transferor)
- (2) M/s R. C. Fabrics Pvt. Ltd.
5808, Sadar Bazar, Delhi,
through Sri L. K. Jain.
(Transferee)
- (3) M/s R. C. Fabrics Pvt. Ltd.
5808, Sadar Bazar, Delhi,
through Sri L. K. Jain.
(Person in occupation of the property)
- (4) M/s R. C. Fabrics Pvt. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Noida Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. MAIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-288 012, the 1st July 1985

F. No. 233/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.No. 92 situated at Beej Godau, Sikandarabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Sikandarabad under registration No. 3112 on
30-11-1984Sikandarabad under registration No. 3112 on 20-11-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to following
persons, namely :—(1) Shri Inder Swarup Bhatnagar
S/o Shri Sunder Swarup
458, Sector No. 17,
Faridabad (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Ganesh Lal
S/o Shri Beni Ram
2. Shri Kedar Nath
S/o Shri Banarshi Das
R/o Sikandarabad,
Distt. Bulandshar (U.P.), ,

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 92 at Kayasthwaok Teh. Sikandarabad, Buland-
shar.H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, KanpurDate : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
— GANDHI NAGAR OPP. LAIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-237/85-86.—

H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing
No. 243/2 situated at Vill. Adhoiwala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Dehradun under registration No. 9255 on 29-11-84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
or the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Shri Hauskaur Gupta
S/o Shri Tirkok Chand Gupta
II-F-72, Nehru Nagar,
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kant
S/o Shri Janardan Prasad
General Manager,
ONGC Najira,
Distt. Shiv Sagar (Assam).

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi at Adhoiwala, Distt. Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LAJN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 1st July 1985

No. M-242/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 926/927 situated at Vill. Ahmadpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar under registration No. 2406 on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the 1st of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Om Prakash Arora
S/o late Shri Bhola Das
Railway Road,
Jawalapur,
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri A. C. Dubey
Office Incharge,
Municipal Board,
Haridwar.

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Object^{ions}, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 926/927 at Vill. Ahmadpur Khurd,
Distt. Saharanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LAIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012 the 1st July 1985

No. M-246/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1615 situated at Nai Abadi, Pilkhua (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur under registration No. 8864 date 7-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Bundu & Yunus
S/o Shri Mohd. Ismail
R/o Shivaji Nagar,
Pilkhua, Far-Dasna,
Teh. Hapur,
Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) Shri Badri Prasad
S/o Shri Lurao Singh
R/o Arya Nagar, Pilkhua,
Teh. Hapur,
Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

- (3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

- (4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land at Pilkhua, Teh. Hapur, Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-31/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 876 situated at(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Agra under registration No. 21129 on 13-11-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transfer to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) Smt. Gori
-
- D/o Shri Ranvir Singh
-
- Towki, Agra.

(Transferor)

- (2) Shri Amar Nath
-
- S/o Shri Ram Veer Singh
-
- Pont—Dewi,
-
- Distt. Agra.

(Transferee)

- (3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

- (4) —do—

(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 876 situated at Agra.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, KanpurDate : 3-7-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-52/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 475 situated at Nagla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 20892 on 5-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Jaswant Kaur
W/o Sardar Pirtam Singh
R/o Nagla Padi,
Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Krishan Pachori
W/o Hari Babo Pachori
R/o Hingki Mandi,

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 475 situated at Nagla, Agra.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gauri
S/o Ran Vir Singh
Amarpura,
Tewki, Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Devi,
Smt. Indra Devi,
D/o Ran Vir Singh
R/o Chaman Pura,
Majra Mauja,
Tewki Fatehabad,
Agra.

(Transferee)

(3) —do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —do— (Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-54/85-86.—Whereas I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
876 situated at
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Agra under registration No. 21128 on 15-11-84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 876 Plot Per situated.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-7-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
106/282, KANCHAN BHAWAN,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-57/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Kakredha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 21107 on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Sanehi
S/o Par Sadi
R/o Kakredha,
Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Maharish Sahakari Ltd.,
through—Deneh Chand Singh
S/o Shri Kapoor Chand
New Barta,
Loha Mandi,
Agra.

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jaidad Baky, Village Kakredha, Distt. Agra.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-7-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

(1) Shri Gori
Shri Ran Vir Singh
Chamarpura,
Toki Agra.

(Transferor)

(2) Shri Bhart Singh
Shri Ran Vir Singh
Village Chamarpura,
Fatehabad, Agra.

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

No. A-60/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 876 situated at situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 21177 on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 876, Plot No. per situated.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
71—176G1/85

Date : 3-7-1985
Seal :

FORM 100

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-62/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 924 situated at Mawana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 20966 on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Radha Swami Sat Sang
Shaha Dayda Bagh,
Agra. (Transferor)
- (2) Shri Raja Balwant Singh
Sahkari Awash Samiti Ltd.
Agra. (Transferee)
- (3) —do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Araji Ag. Village Mow Mustkill.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-63/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
737 situated at Chowk Daran Mandi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the registration Act
1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Agra under registration No. 74790 on 15-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Girsh Mal
Chali Mal Othus,
Mathura. (Transferor)
- (2) Dr. K. G. Bansal
s/o Kailash Chand
Mandi Ramdas,
Mathura. (Transferee)
- (3) —do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Tal No. 737, Chowk Daran Mandi, Mathura.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-7-1985

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-78/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
402 situated at New Visnopuri, Aligarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Aligarh under registration No. 8699 on 9-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Hari Shanker Gupta
S/o Late Dori Lal
R/o New Visnopuri,
Aligarh.

(Transferor)

(2) Smt. Vina Gupta
W/o Shri Surender Kumar
R/o New Visnopuri,
Aligarh.

(Transferee)

(3) Do.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 21154, Vinopuri, Aligarh.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-7-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

(1) Shilla Kumar W/o Aswani Kumar
Ram Ghat Road—Aligarh.

(Transferor)

(2) Rajender Prasad Gang
S/o Bismehar Dayal Gang
Kawdia Gang—Aligarh.

(Transferee)

(3) Rajender Prasad Gang
S/o Bismehar Dayal Gang
Kawdia Gang—Aligarh.

(Person in occupation of the property)

(4) Rajender Prasad Gang
S/o Bismehar Dayal Gang
Kawdia Gang—Aligarh.

(Persons whom the undersigned
knows to be interested in the property).

Ref. No. A-79/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 3/144 situated at Ramghat Aligarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 9008 date 30-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Home Ramghat Road Aligarh.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-85
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sukhni Davi W/o Sh. Rewati Singh,
Village—Utra Atrawli—Aligarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

Ref. A-83/84-85.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Dodpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 9177 on 24-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Nasim Iqathar W/o
Kaji Iqatar Nawie Sidhqu
R/o Nagina—Bijnor.

(Transferee)

(3) Nasim Iqathar W/o
Kaji Iqatar Nawie Sidhqu
R/o Nagina—Bijnor.

(Person in occupation of the property)

(4) Nasim Iqathar W/o
Kaji Iqatar Nawie Sidhqu
R/o Nagina—Bijnor.(Persons whom the undersigned
knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House, village—Dodpur Aligarh.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-7-85

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

Ref. No. A-85/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
bearing No. situated at Mow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering
Officer at Aligarh
under registration No. 211418 15-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by this issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Nehali Bewa Shiveya
R/o Mow, Distt. Agra.
(Transferor)
- (2) Daya Nand Nagar
Sahkari Awash Sammit 2—D
Through Sh. Ran Bir Singh Verma S/o
Sh. Jhaliv Singh, R/o Prakash Nagar, Bhogipura
Agra.
(Transferee)
- (3) Daya Nand Nagar
Sahkari Awash Sammit 2—D
Through Sh. Ran Bir Singh Verma S/o
Sh. Jhaliv Singh, R/o Prakash Nagar, Bhogipura
Agra.
(Person in occupation of the property)
- (4) Daya Nand Nagar
Sahkari Awash Sammit 2—D
Through Sh. Ran Bir Singh Verma S/o
Sh. Jhaliv Singh, R/o Prakash Nagar, Bhogipura
Agra.
(Persons whom the undersigned
knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Jaidat Jarin No. 7002 Sq. M. Village—Mow—Distt.—
Agra.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-7-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

Ref. No. A-89/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 31/71 situated at Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 27125 on 15-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Brijender Pal Sharma
Master Ram Ji Pal
R/o—Khalsa Gali, Agra. (Transferor)
- (2) Smt. Mith Desh Jain,
W/o Santosh Kumar Jain
R/o Luhari Gali, Agra. (Transferee)
- (3) Smt. Mith Desh Jain
W/o Santosh Kumar Jain
R/o Luhari Gali Agra.
(Person in occupation of the property)
- 43) Smt. Mith Desh Jain
W/o Santosh Kumar Jain
R/o Luhari Gali, Agra.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Home No. 31/71 Luhari Gali, Agra.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-7-85
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

Ref. No. A.90/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
situated at M. G. Road, Agra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Agra
under registration No. 114 on 11-12-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kouina Sahkari Awash

(Transferor)

(2) Rajni Devi W/o Sh. Vinod Kumar
Agrawal others R/o Mahavir Nagar
Firozabad—Agra.

(Transferee)

(3) Rajni Davi W/o Sh. Vinod Kumar
Agrawal others R/o Mahavir Nagar
Firozabad—Agra.

(Person in occupation of the property)

(4) Rajni Davi W/o Sh. Vinod Kumar
Agrawal others R/o Mahavir Nagar
Firozabad—Agra.

(Persons whom the undersigned
knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property Dharma Inclave M.G. Road, Agra.

H. R. DAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons :

72—176GI/85

Date : 3-7-85

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

Ref. No. A-92/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.- and bearing No. situated at Daimpear Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura under registration No. 7077 on 23-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Phool Chand Garg S/o
Sh. Lala Nar Singh
R/o Daimpear Nagar, Mathura
(Transferor)
- (2) Rakesh Kumar S/o
Sh. Devidas Ji
R/o Daimpear Nagar, Mathura
(Transferee)
- (3) Rakesh Kumar S/o
Sh. Davidas Ji
R/o Daimpear Nagar, Mathura.
(Person in occupation of the property)
- (4) Rakesh Kumar S/o
Sh. Davidas Ji
R/o Daimpear Nagar, Mathura.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Jaidad Daimpear Nagar, Mathura.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-7-85
Seal :

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. A-94/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. 23 situated at MG Road Agra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Agra
under registration No. 113 on 11-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kavira Sahkari
Awash Samit L.T.D.
Agra.

(Transferor)

(2) Gansh Chand S/o
Ramesh Chand
R/o Mohalla-Gang, Firozabad, Agra.

(Transferee)

(3) Ganesh Chand S/o
Ramesh Chand
R/o Mohalla-Gang, Firozabad, Agra.
(Person in occupation of the property)

(4) Ganesh Chand S/o
Ramesh Chand
R/o Mohalla-Gang, Firozabad, Agra.
(Persons whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 423, Dharma Inclave, M.G. Road, Agra.

H. R. DAS,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-7-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. 97/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 326 situated at Inclave Ramji Road Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No 120 on 12-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Kavira Sahkari Awash
Samit Ltd.—Agra. (Transferor)
- (2) Sarswati Devi
W/o Sh. Munna Lal
R/o 237 Jalesan Road, Firozabad. (Transferee)
- (3) Sarswati Devi
W/o Sh. Munna Lal
R/o 237 Jalesan Road—Firozabad. (Person in occupation of the property)
- (4) Sarswati Devi
W/o Sh. Munna Lal
R/o 237 Jalesan Road, Firozabad. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 326, Inclave M.G. Road, Agra.

H. R. DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-7-85
Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. 99/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24 situated at M.G. Road, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 112 on 11-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kavira Sahkari Awash
Samit L.T.D. Agra. (Transferor)
- (2) Ramesh Chand Sharma
S/o Late Sri Ram Sharma,
Jasrana Mainpuri. (Transferee)
- (3) Ramesh Chand Sharma,
S/o Late Sri Ram Sharma,
Jasrana Mainpuri. (Person in occupation of the property)
- (4) Ramesh Chand Sharma
S/o Late Sri Ram Sharma
Jasrana Mainpuri. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24, Dharma Inalave, M.G. Road, Agra.

H. R. DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-7-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. A-100/85-86. —Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269D of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. 14, 21, 22, 23, situated at Bhopatti
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Furrukhabad
under registration No. 7823 on 5-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Lalit Kumar Goinka
S/o Godhar Goinka other C/o
Bhagwan Cold Storage, Furrukhabad.
(Transferor)
- (2) Shri Rajiv Kumar
Rastogi S/o Sh. Shiv Narain Rastogi
R/o Seth Hukum Chand F.B.D. For
Sushila Cold Storage, Furrukhabad.
(Transferee)
- (3) Shri Rajiv Kumar
Rastogi S/o Sh. Shiv Narain Rastogi
R/o Seth Hukum Chand F.B.D. For
Sushila Cold Storage, Furrukhabad.
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Rajiv Kumar
Rastogi S/o Sh. Shiv Narain Rastogi
R/o Seth Hukum Chand F.B.D. For
Sushila Cold Storage, Furrukhabad.
(Persons whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14, 21, 22, 23, Mayati Furrukhabad.

H. R. DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-7-85

Seal :

FORM ITNS

(1) Ram Bhoshay Lal
S/o Shiv Prasad Yadwa
Sikohabad—Mainpuri.

(Transferor)

(2) Jawahar Sahkari
Girh Nerman Samit Ltd.
Sikohabad.

(Transferee)

(3) Jawahar Sahkari
Girh Nerman Samit Ltd.
Sikohabad.

(Person in occupation of the property)

(4) Jawahar Sahkari
Girh Nerman Samit Ltd.
Sikohabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. A-101/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 109 situated at Rahchati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikohabad

under registration No. 5078 on 5-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Aq. No. 109 M. Village Rahchati, Sikohabad.

H. R. DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 3-7-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. K-36/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. 496 Scheme-7 situated at Guttaiya
Swaroopnagar
(and more fully described in the Schedule below),
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur
under registration No. 19736 dated 26-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Dr. Suman Basman W/o Atul Kumar
7/32 Tilak Nagar
Kanpur.
(Transferor)
- (2) Sangamlal Gupta, Banwarilal Gupta,
Kishori Lal Gupta S/o Munnalal Gupta
76/174 Sabzi Mandi
Kanpur.
(Transferee)
- (3) Sangamlal Gupta, Banwarilal Gupta,
Kishori Lal Gupta S/o Munnalal Gupta
76/174 Sabzi Mandi
Kanpur.
(Person in occupation of the property)
- (4) Sangamlal Gupta, Banwarilal Gupta,
Kishori Lal Gupta S/o Munnalal Gupta
76/174 Sabzi Mandi
Kanpur.
(Persons whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 496, Block C Scheme No. 7 Guttaiya Swaroop
Nagar, Kanpur.

H. R. DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-7-85
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,
[GANHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-38/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1038 situated at Vill. Chandari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 20008 on 27-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

_73—176G1/85

(1) Hukum Chand Jaiswal,
S/o Suraj Pd. Jaiswal,
R/o 30/99 Maheswari Mahal,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagannath Pd. Rastogi and
Smt. Swaraj Rani Rastogi,
105/689 Kalpi Road,
Bhanara Purwa, Kanpur.

(Transferee)

(Transferee)

(2) —Do—

(Person in occupation of the property).

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. land No. 1038 of Vill. Chandari, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-7-1985
Seal :

FORM 115

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-40/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1038 situated at Vill. Chandari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 20028 on 27-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Hukum Chand Jaiswal,
S/o Suraj Pd. Jaiswal,
R/o 30/99 Maheswari Mohal,
Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Jagannath Pd. Rastogi and
Smt. Swaraj Rani Rastogi,
105/689 Kalpi Road,
Bhanara Purwa, Kanpur.

(Transferee)

- (2) —Do—
(Person in occupation of the property).
(4) —Do—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. land No. 1038 of Vill. Chandari, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-7-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Rannoo Devi Bajpai,
Smt. Abha Shukla,
Km. Achala Bajpai,
8/136 Patkapur, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

(2) Shri Mahendra Kumar Sureka,
3A/185, Azadnagar,
Kanpur.

(Transferor)

(Transferee)

(2) —Do—

(Person in occupation of the property).

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Ref| No. K-41/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 240/241 situated at Old Kanpur (and were fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 19422 on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

240/241, Block West, Scheme 26, Old Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-43/85-86.—Whereas, J. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 1004, 1005 situated at Jogaiपुरा (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 19310 on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hargun S/o Bansi,
R/o Jogai Purwa, Kanpur. (Transferor)
- (2) Nehru Smarak Sahkari Avas Samiti,
through Prem Prakash Tripathy, Society
128/35, G-Block,
Kidwai Nagar, Kanpur. (Transferee)
- (2) —Do— (Person in occupation of the property).
- (4) —Do— (Persons who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. land No. 1004, 1005, at Jogai Purwa, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-7-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-45/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Orai under registration No. 2232 on 14-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Basant Lal S/o Shri Chaturbhuj,
R/o Vill. Vuthaunda,
Per-Orai, Dist. Jalaun.

(Transferor)

(2) Shri Kishna & Manak & Shri Pratap,
S/o Indrajit, Pramodh & others,
R/o Vill. Kuthaunda, Per-Orai,
District Jalaun.

(Transferee)

(2) —Do—

(Person in occupation of the property).

(4) —Do—

(Persons who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. 3755/10869/84-85 जो मार्च 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रजि पुना के दफ्तर में लिखा गया है।)

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-52/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 128/F/68A situated at Kidwai Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 19595 on 13-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Roop Kishore Agarwal,
S/o late Shri Mohan Lal Agarwal,
R/o 30/33, Maheswari Mohal,
Kanpur. (Transferor)
- (2) Shri Harilal Gupta S/o Gulzari Lal Gupta,
R/o 87/319 Acharya Nagar,
Kanpur. (Transferee)
- (2) —Do— (Person in occupation of the property).
- (4) —Do— (Persons who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 28/F/68A, Kindwai Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Fef. No. K-53/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10/429 situated at Khalari Lines, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 19835 on 26-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Sardari Lal S/o Late Shri Jhanda Ram,
11/311 Souterganj, Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Santwari,
S/o Late Shri Jai Kishan Dar,
7/188 Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)

(2) —Do—
(Person in occupation of the property).

(4) —Do—
(Persons who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10/429, Khalari Lines, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-54/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10/429 situated at Khalari Lines, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 19832 on 26-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sardari Lal S/o Late Shri Jhanda Ram,
11/311 Sootergan, Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Santwani,
S/o Late Shri Jai Kishan Dar,
7/188 Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)

(2) —Do—
(Person in occupation of the property).

(4) —Do—
(Persons who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10/429, Khalari Lines, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-7-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8062/1984-85.—Whereas, I,
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 110 in Sagar Apartments, 926 Synagogue Street, Pune-1, situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

74—176GI/85

- (1) Shri P.V. Mahadkar & Sons,
926, Synagogue Street, Pune.

(Transferor)

- (2) Mr. Ahmed Sharif Muhammad Usman,
Mrs. Mumtaz Ahmed Sharif,
Both residing at 398 Nana Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 110 in Sagar Apartments, 926 Synagogue Street, Pune-1.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8062/1984-85, in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-6-1985

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
PUNE**

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7729/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot 45, A/2A-1 Bopodi, Pune, situated at Pune and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Nov. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narayan Ramanna Gajbare,
59 Elphinston Road, Bopodi, Pune.
(Transferor)
- (2) M/s Laxmi Construction Co.,
by its partner Dayalji Mohan Rathod,
782 Raviwar Peth, Pune-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot 45 A/2A-1 Bopodi, Pune.
(Area 6500 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7729/84-85 in the month Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 6-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
PUNE

Pune, 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7488/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Pune in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

(1) M/s Deodhar & Joshi,
Promoters & Builders,
1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Ramdas Baburao Ponshe,
1630 Sadashiv Peth, Pune-3.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4.
(Area—)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7488/84-85 in the month of Nov 1984).

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 7th June, 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/7822/1984-85.—Whereas
I, ANIL KUMARbeing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingS. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4, situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of
the Competent Authority at
I.A.C. Acqn. Range, Pune in Dec. 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) M/s Dcodhar & Joshi,
Promoters & Builders,
1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. Yeshwant R. Gokhale,
176/A/1 Parvati, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 7822/1984-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 7th June 1985

Ref No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7823/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.S. No. 104/1/1 (Part) Erandwane, Pune-4, situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office at I.A.C.
Acqn, Range Pune on Dec. 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Deodhar & Joshi,
Promoters & Builders,
1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

- (2) Shri A.S. Joshi,
Sunder Niwas, Kothrud, Pune-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwane, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 7823/84-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 4th June 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/15322/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 57, Survey No. 43, Navghar Village, Tal Vasai, Dist. Thane, situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sharda Yograj Bhandari,
D-21, Punjab Housing Society,
Tagore Road, Santacruz (W) Bombay-54.

(Transferor)

(2) M/s Seema Construction Co.
5/4 Kajal Apartment (A), 53
Anand Nagar (Navghar) Vasai Road, (W)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 57, Survey No. 43, Navghar Village, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15322/1984-85 in the month of April 1985)

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 3-6-1985

Seal :

FORM TINS

(1) M/s Dedhia & Associates,
Kirti Vijay, Sewri Naka, Bombay-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Anil Keshavji Purecha
23 Rameshwar, Ramgalli, S.V. Road,
Kandivli(W) Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/16378/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing

Bungalow No. 43 of IBS Type on Plot No. 43 of Built up Area
1013 sq.ft. situated at Village Waliv Tal. Vasai, Dist. Thane
situated at Thane (and more fully described in the schedule
annexed hereto) has been transferred under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C., Acqn. Range, Pune on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Bungalow No. 43 of IBS type on Plot No. 43 of Built up
area 1013 sq.ft. situated at Village Waliv, Tal. Vasai, Dist.
Thane.

(Area 1013 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 16378/84-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
: Acquisition Range, Poo a

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 4th June 1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 11th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9781/1984-85.—Where as,
I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 414 Plot No. 16, Sector 17 DBC Vashi, New Bombay,
situated at New Bombay (and more fully described in the sche-
dule annexed hereto) has been transferred under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

(1) Liberty Investments Pvt. Ltd.
302 Dalamal House, 206 Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Satter Ibrahim Dossa,
32/36 Babala Tank Cross Road,
Bombay-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 414 Plot No. 16, Sector 17, DBC Vashi, New Bom-
bay.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 9781/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Liberty Investments Pvt. Ltd.
302 Dalamal House,
206 Nariman Point,
Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Ibrahim Oomar Dossa,
32/36 Babala Tank Cross Road, Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/9779/1984-85.—Whereas, I,
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 411 Plot No. 16, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

75—176II/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 414, Plot No. 16, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9779/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 11-6-1985

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9778/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 413, Plot No. 16, Sector 17 DBC Vashi, New Bombay,
situated at New Bombay (and more fully described in the sche-
dule annexed hereto) has been transferred under the Registra-
tion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Liberty Investments Pvt. Ltd.
302 Dalamal House,
206 Nariman Point,
Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Razak Ibrahim Dossa,
32/36 Babla Tank Cross Road,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 413, Plot No. 16, Sector 17 DBC Vashi, New
Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 9778/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10291/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingFlat No. 106, Plot No. 17, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay,
situated at New Bombay (and more fully described in the sche-
dule annexed hereto) has been transferred under the Registra-
tion Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
atteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
treasures or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(1) Liberty Investments Pvt. Ltd.
302 Dalamal House,
206 Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. A. Natarajan,
A/27 Endeyour Society,
Mulund, (E) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of the notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in the
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, Plot No. 17, Sector 17, DBC Vashi, New
Bombay.(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.D.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 10291/1984-85 in the month of Nov. 1984).ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 12th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EL/9075/1984-85.—Whereas, I,
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 10 on ground floor located in Shailish Industrial Estate No. 1 situated at Plot No. 15-16 on S.No. 31, 34, 35, 36 (Part) of village Navghar, Tal. Vassai, situated at Vasai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shree Constructions,
106 K.T. Chamber, Vasai Road (W).

(Transferor)

- (2) M/s Deevee Moulders & Electricals,
212 Sunil House, New 11th Road,
Chembur, Bombay-71.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 10 on ground floor located in Shailish Industrial Estate No. 1 situated at plot No. 15-16 on S.No. 31, 34, 35, 36 (Part) of village Navghar Tal. Vasai, Dist. Thana.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9075/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 12th June 1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6928/84-85.—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 7 having carpet area on 3rd floor @ 510 sq. ft. worth west side at S. No. 27/1-A Erandwana, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Mayuresh Enterprises,
722/45 Gangadhar Laxmi Park,
Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

- (2) Shri Raj Kumar Malhotra &
Mrs. Saroj Raj Malhotra,
E-6 Shankar-chayya Society,
Erandwana, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 having carpet area on 3rd floor @ 510 sq. ft. Worth west wide at S. No. 27/1-A Erandwana, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6928/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 6-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/437/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4 on the first floor Wing B in Dhanashri Apartments Plot No. 16, Oka Colony, Near Dena Vijay Colony, Trimbak Road, Nashik situated at Nashik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Sule Constructions,
38 Pradhan Park,
Mahatma Gandhi Road,
Nashik.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Suresh Patuskar,
1895 Parvati Sadan,
Tiwandha Lane,
Nashik City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the first floor Wing "B" in Dhanashri Apartments, Plot No. 16, Oka Colony, Near Dena Vijay Colony, Trimbak Road, Nashik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 437/1984-85 in the month of Nov. 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 6-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE—
PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/408/1984-85.—Whereas, I
ANIL KUMARbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearingFlat No. 7, Gopika Apartment Co-operative Housing Society
of S. No. 622/4 Plot No. 2A & S. No. 622/5 Plot No. 2B, Nashik
situated at Nashik(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Vimal Madhukar Shirsat,
Flat No. 7,
Gopika Apartment Society,
Tidke Colony, Nashik-2.

(Transferor)

- (2) M/s. Numan Builders,
4612-K Poddar Bhavan,
Old Agra Road,
Panchavati, Nashik-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Gopika Apartment Co-operative Housing Society
of S. No. 622/4 Plot No. 2A and S. No. 622/5, Plot No. 2B,
Nashik.

(Area 540 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 408/84-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date : 6-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9594/1984-85.—Whereas, I
ANIL KUMARbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingFlat No. 6, Building No. B-1, Plot No. 5, S. No. 114, 115-2B,
116 1 to 6, Village Kofrad Tal. Vasai, Distt. Thane situated at
Thane(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Paranjape Construction Co.
34 M. G. Road, Vile Parle (E),
Bombay-57

(Transferor)

(2) Shri S. L. Karulkar,
6/125 Vajray Nagar,
Andheri (E),
Bombay

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 Building No B-1, Plot No 5, S. No. 114, 115-
2B, 116 1 to 6, Village Kofrad, Tal. Vasai, Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 9594/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-6-1985

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE**

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/C -5/37EE/6860/1984-85.—Whereas,
I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11 & 12 Kamal Tara Apartments, Dhole Patil Road,
Pune-1 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office at
I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
76—176GI/85

(1) Shri Madan Tarachand Semant,
Flat No. 11 & 12, 191 Dhole Patil Road,
Pune-1.

(Transferor)

(2) Shri Jayshri P. Chhabria,
Five Star Apartments,
4/7 Bund Garden Road,
Pune-1.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 & 12 Kamal Tara Apartments, Dhole Patil
Road, Pune-1.

(Area 1780 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 6860/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 6-6-1985
Seal :

FORM ITNS — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37EE/7025/1984-85.—Whereas, I
ANIL KUMARbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingPlot No. 11+12 Ideal Colony, Survey No. 129, Kothrud,
Pune-29 situated at Pune(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri M. S. Godbole,
98/2 Erandwana, Prabhat Road,
Pune.
Shri U. S. Godbole, :
493 Model Colony,
Pune-16.

(Transferor)

- (2) Chaphalkar Laddha & Co.,
215 Parvati, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11+12 Ideal Colony, Survey No. 129, Kothrud,
Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 7025/84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 6-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EL/6906/1984-85.—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 6 & 7 on ground floor, situated at C. T.S. No. 1303 Sadashiv Peth, Near Godbole Hospital, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) stating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Nandakini Krishneshwar David,
C/o M/s. Dhoot Agencies,
5 Bhavani Peth,
Pune-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Chhaya Prakash Pawar,
307/B Shukrawar Peth,
Pune-2

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 & 7 on ground floor, situated at C.T.S. No. 1303, Sadashiv Peth, Near Godbole Hospital, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6906/1984-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Pune

Date : 6-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6701/1984-85.—Whereas, I
MNIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ownership flat No. 8 on 3rd floor having carpet area @ 55 sft. west side at S. No. 27/1-A Erandwana, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mayuresh Enterprises,
722/45 Laxmi Park,
"Gangadher" Navi Peth,
Pune-30.

(Transferor)

- (2) Shri Shantayya Basayya Mathapati,
E/2 Shanker-Chhaya Co-operative Housing Society,
Karve Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ownership flat No. 8 on 3rd floor having carpet area @ 55 s. ft. west side at S. No. 27/1-A Erandwana, Pune.
(Area 550 s. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6701/84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poofia

Date : 6-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 4th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7241/1984-85.—Whereas,
I ANIL KUMARbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingFlat No. B, 4th floor, Wing-1, at Thackers House, 2418 General
Thimayya Road, Camp, Pune-1 situated at Pune (and more
fully described in the schedule annexed hereto) has been trans-
ferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on
Nov. 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) Thacker & Parmar Properties Pvt. Ltd.,
116/118 1st Marine Street,
Bombay-2.

(Transferor)

- (2) Mr. Rashid Sharif Najati,
Guru Nanak House,
Parwani House,
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B, 4th floor, Wing-1, at Thackers House, 2418
General Thimayya Road, Camp, Pune-1.

(Area 1610 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under do-
cument No. 7241/1984-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poone

Date : 4-6-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 4th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10765/1984-85.—Whereas
I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

CTS No. 966/A, F. P. No. 894/A Flat No. 1, Shivajinagar Pune-16 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March 1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rajaram Shirole & Associates,
Plot No. 394/A Shivajinagar,
Pune-16.

(Transferor)

- (2) Shri Sadashiv Narayan Kharche,
Shri Vishnu Narayan Kharche,
Smt. Pushpa Diokar Kharche,
Mukkam Post, Shelgaon Bazzar,
Tal. Motala,
Distt. Buldhana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 966/A, F. P. No. 894/A Flat No. 4, Shivajinagar,
Pune-16.
(Area 770 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10765/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-6-1985
Seal :

FORM FINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 4th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10792/1984-85.—Where as ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B-3 on 1st Floor in "Kshitija" Apartments situated at S. No. 116/1+2+150+53A, Plot No. 12 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. K. Promoters & Builders,
58/A Kasturba Housing Society,
Vishrantwadi,
Poona.

(Transferor)

- (2) Mr. L. T. Mathai &
Mrs. Ponnamma L. Mathai
22 Bombay-Poona Road,
Khadki,
Pune-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-3 on 1st floor in "Kshitija Apartments" situated at S. No. 116/1+2+150+53A, Plot No. 12.
(Area 780 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered 7 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10792/1984-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-6-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10325/1984-85.—Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 107 on 1st floor Shree Niketan Plot No. 2 & 4 Behind Parvati cinema vasai (w) distt, Thane Situep at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Shree Enterprise,
161 Panjra Pole Road,
Bombay-4.

(Transferor)

(2) Mr. Manoj Roy,
E-30 Century Mill Staff Quarters,
P. B. Marg, Worli,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107 on 1st floor Shree Niketan Plot No. 2 & 4 Behind Parvati Cinema, Vasai (W) Distt. Thane.
(Area 630 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10325/1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 19-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12434/1984-85.—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. D-7/8 on second floor, in the building Hermes Complex situated at Old S. No. 122, New S. No. 349 and part of 349 A/1 Sir Bhandarkar Road, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

77—176GI/85

(1) M/s. Hermes Agencies,
793 Family House,
Jame Jamshed Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh G. Sujunani &
Mrs. G. R. Sujunani,
Deviram Mansion,
Quarter Gate,
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-7/8 on Second floor, in the building Hermes Complex situated at Old S. No. 122, New S. No. 349, and Part of 349 A/1, Sir Bhandarkar Road, Pune-1.

(Area 1700 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12434/1984-85 in the month of May 1985.

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 19-6-1985

Seal ;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 12th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37 EE/13254/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Residential block of 858 sq. ft. built up area in B Wing on S. No. 261A (P) of Virar situated at Virar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Shree Ganesh Builders,
C/o M. N. Samant & Co.,
Agashi Road,
Virar (W)

(Transferor)

(2) Manohar A. Mestry &
Meghana M. Mestry,
Sukhsagar Gaothan,
Virar (W)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential block of 858 sq. ft. built up in B Wing on S. No. 261A (P) of Virar.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13254/1983-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 12-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 24th June 1985

- (1) M/s. Ravi Industries Pvt. Ltd.
372 Narshi Natha Street,
Bombay-9.

(Transferor)

- (2) M/s. Amar Enterprises,
3/83 Anubhav Park,
Garodia Nagar,
Ghatkopar (E),
Bombay-77.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1775/1985-86.—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A plot of land bearing S. No. 349 H. No. 1 and S. No. 350 (Original plot No. 145) F. P. No. 226 sub plot No. 9 situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C. Acqn. Range, Pune on May 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

A plot of land bearing S. No. 349 H. No. 1 and S. No. 350 (Original plot No. 145) F. P. No. 226 sub plot No. 9 situated at Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1775/1985-86 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 24-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 21st June 1985

Ref. No. IAC ACQ/3A-5/37EE/10269/1984-85.—Whereas,
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit 7, Ground floor, Village Navghar, Tal. Bassein, Distt. Thane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhansukhlal M. Talik,
Partner Dhanlaxmi Builders,
82 Rammandir, Road,
Vile Parle (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Atmaran Bhage,
105 Omkareswari Jivan Vikas Kendra Marg,
Vile Parle, Bombay-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit 7, Ground Floor, Village Navghar, Taluka Bassein, Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12069/1984-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 21-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37 EE/311/1985-86.—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 678/1 Bibawe wadi, Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Tarabai Nandram Bibawe
& Others.
431 Kasba Peth,
Pune-11.

(Transferor)

(2) M/s. Unity Builders,
408/6 Gultekad Road,
Pune-37.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 678/1 Bibawewadi, Pune-37.
(Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 311/1985-86 in the month of April 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Pune

Date : 19-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 25th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37 EE/10324/1984-85. Whereas,
I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, First floor, Angels-84 Apartments, Plot No. 6 (Part-I), S. No. 30, Kothrud, Pune-29 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Raviindra Joshi & Co.
425/25 T.M.V. Colony,
Pune-37.

(Transferor)

- (2) J. S. Banwasi,
Plot No. 1011/10 Raghunandan,
Mitra Nagar Co-operative Society, Pune-16

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, First floor, Angels-84 Apartments, Plot No. 6 (Part-I) B. S. No. 30 Kothrud, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10324/1984-85 in the month of Feb. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 25-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 24th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10531/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 3, First Floor, "Brahmha Darshan" Sub plot 2 and 3,
10 Oswal Park, Shivajinagar, Pune-5, situated at Pune (and more
fully described in the schedule annexed hereto) has been trans-
ferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb-
ruary, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) Bramha Builders,
10 Oswal Park, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Mr. Malik Jogdand and Smt. Silmeeta Jogdand,
30 Jawahar Nagar,
Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, First floor, "Brahmha Darshan" Sub Plot No. 2
and 3 10, Oswal Park, Shivajinagar, Pune-5.

(Area 515 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under docu-
ment No. 10531/1984-82 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 24th June 1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 10th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7824/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing No. S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana Pune-411004, situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Deodhar & Joshi,
Promoters & Builders,
1295, Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. Anil R. Page,
1847 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4.
(Area 599 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7824/1984-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 10-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PUNE
Pune, the 24th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/11075/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 405 on 4th floor in Building Lok Shilip at Vashil, Plot No. 59, sector 17, DBC, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A. C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Lalit C. Gandhi,
Chief Promoter,
Lok Shilip Co-operative Housing Society Ltd.
14 Vishal Shopping Centre,
Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Ramdas Dayananda Kulya &
Mr. Devdas Dayananda Kudva,
11 Ali House, Ram Nagar,
Opp. Victoria House,
Byculla, Bombay-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405 on 4th floor in building "Lok Shilip" at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay.

(Area 880 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11075/1984-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 24th June 1985

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 25th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8081/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. S. No. 104/1/1 (Tart) Erandwana, Pune-4, situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) in has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Deodhar & Joshi,
Promoters & Builders,
1298 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri R.D. Jadhav,
18 Queen's Garden,
C/10, Pune-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4.
(Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8081/1984-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 25-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 10th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/27EE/13369/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Premises consisting of residential flat bearing No. A1/103 on 1st floor of "A" Building known as TANWAR Nagar, situated at Bombay Poona Road, Mumbra, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Pune on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Rajasthan Builders,
A/2 Swati Bldg. Juhu Lane,
Andheri West, Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Muttamma Chillayya,
Near Nurul Huda Mosque
Social Nagar, Kala Killa Dharavi,
Bombay-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Premises consisting of residential flat bearing No. A1/103 on 1st floor of "A" Building known as TANWAR NAGAR, situated at Bombay Poona Road, Mumbra, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13369/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 14th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10297/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 309, Shreyas, Plot No. 21, sector 17, New Bombay,
situated at New Bombay (and more fully described in the sche-
dule annexed hereto) has been transferred under the Registra-
tion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Nov. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s Shah & Vora Contractors Private Ltd.
7 Nanabhoy Mansion, Sir P.M. Road,
Fort, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Shri Nivrati Thukaram,
Rajpur,
G-170-171 APMC Market, Thurbe, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 309 Shreyas Plot 21, Sector 17, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune. under
document No. 10297/1984-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 14.6.1985

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

PUNE

Pune, the 14th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11820/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit Nos. 10, 11, 12 & 13 on first floor located in Sheetal Industrial Estate No. 2, situated at Plot No. 34, S. No. 30, 31 (pt.) 35 (pt.) and 55-C (pt.) of Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at AC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Swastik Developments,
12 Dubash Lane,
V. P. Road,
Bombay-4.

(Transferor)

(2) Samar Enterprises,
Prop. Abdul Karim Haji Ahmed Samar,
6 Tulloch Road,
National House,
1st Floor, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit Nos. 10, 11, 12, & 13 on first floor located in Sheetal Industrial Estate No. 2, situated at Plot No. 34, S. No. 30, 32 (Pt.) 35 (Pt.) and 55-C (Pt.) of Village Navghar, of Tal. Vasai Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 10820/1984-85 in the month of Jan. 1985).

ANIL KUMAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 10th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7468/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11 in Savali Apartments, Flat No. 71, Sr. No. 121, 122 Rambaug Colony, Kothrud, Pune-29 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Rekson Enterprises,
361/32 Budhwar Peth,
Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Shrish P. Yadwad,
84 Navi Peth, L.B. Road,
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, in Savali Apartments, Flat No. 71, Sr. No. 121, 122 Rambaug Colony, Pune-29.
(Area 592 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7468/1984-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 10-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/15574/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 132, Hissa No. 28, at Katenavali, Kalyan situated at Kalyan (and more fully described in the schedule hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Ramesh Laxman Hirwale,
Mr. Shyam Sudam Hirwale,
Railway Quarters, RB-1/Room No. 11,
Kalyan.

(Transferor)

- (2) R. K. Developments,
at Raye, Post Khadwali,
Tal. Kalyan, Distt. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 132, Hissa No. 28 at Katennawali, Kalyan.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15574/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 19-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/8077/1984-85.—Whereas,

ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4 situated at Pune (an more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Deodhar & Joshi,
Promoters & Builders,
1298 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferor)

- (2) Smt. Vatsalabai P. Sangle,
A6/4 Anchal Co-operative Housing Society,
Kothrud,
Pune-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4.

(Property as prescribed in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8077/1984-85, in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 19-6-1985

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 10th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9942/1984-85.—Whereas, I
ANIL KUMARbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 4, "Vishal Darshan" Plot No. 33, S. No. (10), (11) &
12 Part, Sai Nagar Scheme, Vasai (W), Distt. fThane situated at
Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto,
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn
Range, Pune on Nov. 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

79—176GI/85

- (1) Vishal Construction Co.
137 Jawaharnagar, Goregaon (W)
Bombay-52.

(Transferor)

- (2) Shri Manjitsingh Mohansingh Bhasin,
C/o P. S. Sethi, "Anand Sagar", 1st Floor,
Vallabh Bhaji Road, Vile Parle (W),
Bombay-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, "Vishal Darshan" Plot No. 33, S. No. (10)
(11) & (12) Part, Sai Nagar Scheme, Vasa, (W), Distt. Thane.
(Area 670 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
documents No. 9942/1984-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 10-6-1985

Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 13th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9453/1984-85.—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat admeasuring about 557.50 sq. ft. in a proposed building on CTS No. 2909 at Joshibaug, Kalyan situated at Kalyan (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Charan Shree Ram Pandit,
M/s. Maturukripa Constructions,
Joshibaug, Kalyan.

(Transferor)

(2) Shri Chanda Kiran Jain,
C/o Maturukripa Construction,
Joshi Baug,
Kalyan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat admeasuring about 557.50 sq. ft. in a proposed building on CTS No. 2909 at Joshi Baug, Kalyan.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9453/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1985

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, PUNE**

Pune, the 13th June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9455/1984-85— Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat admeasuring about 573.75 sq. Ft. in a proposed building on CTS No. 2909 at Joshi Baug, Kalyan situated at Kalyan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer the Competent Authority

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Charan Shree Ram Pandit,
M/s Matrukripa Constructions,
Joshi Baug, Kalyan.

(Transferor)

(2) Smt Bhagubhai Bhabutmal Jain,
C/o Matrukripa Constructions,
Joshi Baug, Kalyan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admeasuring about 573.75 sq. ft. in a proposed building on CTS No. 2909 at Joshi Baug Kalyan.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9455/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1985
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th June 1985

No. IAC ACQ/CA-S/37EE/9454/1984-85—Whereas,

I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat admeasuring about 557.50 sq. ft. in a proposed building on CTS No. 2909 at Joshi Baug, Kalyan situated at Kalyan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Oct 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Ram Charan Shree Ram Pandit,
M/s Matrukripa Constructions,
Joshi Baug, Kalyan;

(Transferor)

(2) Smt. Dhakabai Tarachand Jain,
C/o M/s Matrukripa Constructions,
Joshi Baug, Kalyan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admeasuring about 557.50 sq. ft. in a proposed building on CTS No. 2909 at Joshi Baug, Kalyan.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under No. 9454/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 13-6-1985

Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th July, 1985

- (1) Mr. S. N. Khedekar,
as a partner of
M/s K. Promoters & Builders,
58/A Kasturba Housing Society, Vishrantwadi,
Pune-15.

(Transferor)

- (2) Mr. Mukund Moreshwar Gore,
Railway Quarters No. K. B.-II, A-9,
Tadiwala Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XAX of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Survey No. $\frac{116 + 150 + 153}{1+2}$ Plot No. 1, Mohanwadi,
Yerwada, Pune

C.T.S. No. 2762.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under
document No. 6813/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date : 13-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9247/1984-85—Whereas, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. M. H. 519 pt. CTS No. 8010 A Village Gousri Pada, Ajanta Compound, Old Thana Road, Bhiwandi situated at Bhiwandi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acqn. Range, Pune on Oct 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
Seal :

(1) Shri Lachmandas Shirumal Gwalani,
Smt. Mohoni Lachmandas Gwalani,
12/325 Forward House,
Behind Agarwal School,
Wadala, Bombay.

(Transferor)

(2) Moonfields Trading & Investments Pvt. Ltd.
161 Lovely Home,
Cuffe Parade,
Colaba, Bombay-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. H. 519 pt. C. T. S. No. 8010 A village Gousri Pada, Ajanta Compound, Old Thana Road, Bhiwandi.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9247/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Pune.

Date : 12-6-1985.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, 6th June 1985

No. IAC ACQ/CA-51/37EE/6637/84-85—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar, Pune-9 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acqn. Range, Pune on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s Tamhankar Disa & Associates,
1535 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferor)

(2) Mrs. Swapnagandha Vishnu Vaidya,
1332 Shukrawar Peth,
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13 S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar, Pune-9.
(Area 811 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6637/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date. : 6-6-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, 13th June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6583/1984-85—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 16, at Survey No. 116 153 Mohanwadi
 $\frac{---}{1+2} + 150 + \frac{---}{1}$

Yerawada, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I. A. C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. S.N. Khodekar (HUF)
Prop. K. Construction,
58/A Kasturba Housing Society,
Vishrantwadi,
Pune-15.

(Transferor)

(2) Smt. Seethalakshmi Parameswaran,
Punjab National Bank,
Pune Camp, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pot No. 16, at Survey No. 116 153
 $\frac{---}{1+2} + 150 + \frac{---}{1}$

Mohanwadi, Yerawada, Pune-6.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6583/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 13-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, 12 June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9644/1984-85—Whereas,
I, ANIL KUMAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 41/62 in Building No. B-3 Plot No. 4, S. N.
144, 115, 2-B, 116 1 to 6-Village Kofrad, Tal. Vasai, Dist.
Thane situated at Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
I. A.C. Acqn. Range, Pune on Oct. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
80—176GI/85

(1) M/S Paranjape Construction Co.
34 M. G. Road,
Vile Parle (East)
Bombay-57.

(Transferor)

(2) Kishor S. Medhi,
C/o P. G. Kulkarni,
9 Sharce Society,
Opp. Parushna Main Post Office,
Vile Parle (E) Bombay-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41/42 Building No. B-3 Plot No. 4, S. No. 114
115 2B, 116 1 to 6-village Kofrad Tal. Vasai, Dist. Thane.
(Built up area 720 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 9644/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 12-6-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune 12th June 1985

No. IAC/CA-5 9291/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Block No. 8, Blding No. 2 1st floor Shri Vallabh Nagar, Opp., Purnima Talkies, Murbad Road, Kalyan, City Survey No. 3138A, 3149, 3141P, 3126, 3124, 3154 (P) situated at Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I. A. C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/S Vallabh Builder,
Opp. Purnima Talkies,
Murbad Road,
Kalyan

(Transferor)

(2) Smt. Suprabha D. Mehta,
In the capacity of legal & natural
guardian of MISS Swati D. Mehta.
Block No. 8,
Shri Vallabh Nagar.
Opp. Purnima Talkies,
Kalyan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 8, Building No. 2, 1st floor, Shri Vallabh Nagar
Opp. Purnima Talkies, Murbad Road, Kalyan. City Survey
Nos. 3138A, 3139, 3141P, 3126, 3124, 3154(P).

(Area 615 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, document No. 9391/84-85 in the month of Oct. 84).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 12-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Indraraj Sheshmal Parmar,
809 Budhwar Peth,
Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Parmar Associates,
1153/B Raviwar Peth,
Pune-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Pune, 12th June 1985

No. IAC Acq. CA-5/37EE/7112/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Surevy No. 93 A/3 Bhamburda, Plot No. 3025/9 Tal. Haveli, Poona-4 situated at Pune (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 93 A/3 Bhamburda, Plot No. 3025/9 Tal. Haveli, Poona.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7112/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1985.
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13, June 1985

No. IACACQ/CA-5/37EE/7157/1984-85—Whereas,

I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. S. No. 47, Sub Plot No. 7, C. T. S. No. 3746 of

Pune-9 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acquisition Range, Pune in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1 Smt. Savitribai M. Jodhwani,
406 Nana Peth,
Pune-2.
2 Shri Kishanchand Dwarkadas,
Relwani,
634 Wallabh Patel Street,
Pune.

(Transferor)

- (2) 1 Smt. Rukminibai S. Nirwan,
208 Rasta Peth,
Pune.
2 Mrs. Anuradha G. Bangade,
478 B/6 Parvati Anurag Society,
Pune-9

(Transferee)

- (3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 47, Sub Plot No. 7, C.T.S. No. 3746 of Parvati, Pune-9.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7157/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 13-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 10th June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9066/1984-85— Whereas, I
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 301 on 3rd floor, situated at "GIRNAR MAHAL" on plot No. 20 & 21 S. No. 19, 25, 26 and 30 of Village Diwanman, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq. Range, Pune on Oct. 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s GIRNAR BUILDERS,
K.T. Chambers, 1st floor,
Station Road, Vasai (W)
Dist. Thane

(Transferor)

(2) Mr. Narayan Nagappa Shiralkar,
C.G.S. Colony, S.M. Plot.,
Block No. 29/1006 Sion Koliwada,
Antop Hill,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 3rd floor situated at "GIRNARMAHAL" on Plot No. 20 & 21, S. No. 19, 25, 26 and 30 of Village Diwanman, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Area: 530 sq. ft.)

(Property as described in the agreement the sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document no. 9066/1984:85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 10-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
Acquisition Range, Pune

Pune, the 12th June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9029/1984-85— Whereas, I,
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property situated at 597 Sadashiv Peth, Pune-30 situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfereed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn., Range, Pune on Oct., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Laxmibai Ganesh Datar &
Dr. Kamlakar Ganesh Datar,
Madhura Sty. Navi Peth,
Pune-30.

(Transferor)

- (2) M/s Porwal Builders,
"White House" 1482 Sadashiv Peth,
Tilak Road, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at 597 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9029/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 12-6-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7023/1984-85—Whereas,
I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Ownership flat under construction at Bibvewadi, Ketki Apartment Plot No. 9, 692/1/6 Bibvewadi, Pune-37 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s S.K. Engineers,
613 Nana Peth,
Pune-2.

(Transferor)

(2) Smt. Krishnabai Maruti Bendbhar,
Block No. 6,
Room No. 357,
Swargate Police Line,
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ownership flat under construction at Bibvewadi, Ketki Apartment Plot No. 9, 692/1/6 Bibewadi, Pune-37.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 7023/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 13-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9103/1984-85—Whereas,
I, ANIL KUMARbeing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearingNo. 1/10 at Plot No. 62/13 at Kulgaon situated at Kulgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—(1) M/s Ronuka Builders,
Kulgaon Post,
Tal. Ulhasnagar.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Gopalkrishna Ullal,
B-15 Ganesh Prasad,
10 Sleater Road,
Grant Road,
(West) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

I/10 at Plot No. 62/13 at Kulgaon.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 9103/1984-85 in the month of Oct. 1984).ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 10-6-1985

Seal :

FORM 111B**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 11th June 1985

Ref No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9780/1984-85—
I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 412, Plot No. 16, Sector 17 DBC Vashi, New Bombay situated at New Bombay.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

81—176GI/85

- (1) Liberty Investments Pvt. Ltd.
302 Dalamal House,
206 Nariman Point,
Bombay-21.

(Transferor)

- (2) Abdul Majid Ibrahim Dossa,
32/36 Babala Tank Cross Road,
Bombay

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412, Plot No. 16, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9780/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8947/1984-85—Whereas,
I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 13, Liberty complex, Plot No. 17, DBC, CIDCO, Vashi New Bombay situated at New Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Liberty Investments Pvt. Ltd.
302 Dalmal House,
206 Nariman Point,
Bombay.

(Transferor)

(2) Papindersingh K. Batra,
Flat No. 13,
Liberty Complex,
Plot No. 17,
DBC, CIDCO, Vashi,
New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 13, "Liberty Complex" Plot No. 17, DBC, CIDCO Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8947/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7024/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 1, Sweet Home Apartments, Plot No. 9, S. No. 49, Kothrud, Pune-29 situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Chaphalkar Laddha & Co.,
Promoters & Builders,
215 Parvati,
Pune-9.

(Transferor)

- (2) V.N. Joshi,
No. 3 Sneha Apartments,
Plot No. 27,
S. No. 88/3 Chintamaninagar,
Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 Sweet Home Apartments, Plot No. 9 S. No. 49, Kothrud, Pune-29.

(Area 807 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7024/1984-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona)

Date : 11-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9498/1984-85—Whereas,
I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Village Tulinj, Nala Sopara (E) Gram Panchayat Tulinj, Dist. Thane situated at Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tukaram N. Jadhav,
Mrs. Prabhavati N. Jadhav,
Shri Suresh T. Jadhav,
Thane

(Transferor)

(2) Swati Property Developments,
39 Malad Shopping Centre,
Ground Floor,
S.V. Road,
Malad (W),
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Tulinj, Nala Sopara, Gram Panchayat Tulinj, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9498/1984-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Date : 13-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Pune

Pune, the 6th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7220/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. C-2 on the 11th floor in Hermes Grace House No. 1974 Gaffar Beg Street, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, named :—

- (1) M/s Ramesh Builders,
618 Sachapir Street,
Pune-1.

(Transferor)

- (2) Shri Yusuf Hathembhai Lakadwala,
363 B of Bhavani Peth,
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-2 on the 11th floor in Hermes Grace Building House No. 1974 Gaffar Beg Street, Pune-1.
(Area 1050 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7220/84-85 in the month of Nov. 1984)

(ANIL KUMAR)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona)

Date : 6-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th June, 1985.

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7825/1984-85—Whereas,
I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is Registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(0) M/s Deodhar & Joshi,
Promoters & Builders,
1298 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferor)

(2) Rama Hanmanta Alkunti,
Health Camp,
Opp. Chawl No. 4,
Naregal Math. Wadarwadi,
Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4.
(Area 430 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7825/1984-85 in the month of Dec. 1984)

(ANIL KUMAR)

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 6-6-1985

Seal :

FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7165/1984-85—Whereas,
I, ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing No.CTS No. 235 A Parvati, Pune-9 on this one flat on fourth
storey having an area about 717.50 sq. ft. situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 84for an apparent consideration which is less than the fair-
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (0) M/s V.C. Diwane & Associates,
21 Matru-Chhaya Society,
Nagar Road,
Pune-14.
Prop. Mrs. Vijaya C. Diwane.

(Transferor)

- (2) Shri Chandrashekhar Shrirang Nikam,
52 Guruwar Peth,
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette, or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in the Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 235-A Parvati, Pune-9.
(Area 717.50 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 7165/1984-85 in the month of Oct. 1984.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-6-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/10490/1984-85—Whereas, I
ANIL KUMAR;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. No. 5 in Bldg. No. A in "Paya" Housing Complex at S. No. 2/1+2, Aundh, Pune situated at Pune (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune, on Feb. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s Porwal Builders,
"White House",
1482 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh C. Tiwari,
A1-1-21 Staff Flats,
Telco Colony,
Pimpri,
Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

F. No. 5 in building No. A in "Paya" Housing Complex at S. No. 2/1+2 Aundh, Pune.
(Area 726 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10490/1984-85 in the month of Feb. 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-PUNE

Pune, the 4th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13852/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Industrial Unit bearing No. 8 on ground floor Bldg. No. 4 on plot No. 184 to 189 S. No. 31, 34, 35, 36 & 37 at Village Navghar, Vasai(E) Dist. Thane situated at Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Manish Industrial Development
126/128 Sheikh Memon Street,
1st floor,
Bombay-2.

(Transferor)

(2) Maharashtra Chem-Aux Industries,
205/2 Faiz-E-Qutabi,
375 Narsi Natha Street,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial unit bearing No. 8 on ground floor at Building No. 4 on Plot No. 184 to 189 S. No. 31, 34, 35, 36 & 37, at Village Navghar, Vasai (E) Dist. Thane.
(Area 670 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13852/1984-85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-6-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12074/1985-86—Whereas,
I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot of land at Village Bori Pakhadi in Uran and bearing S. No. 88, Hissa No. 7 City S. Nos. 924, 928, 929, 930 and 931 as per the weaker Section Scheme No. III C/PA/F-62/SR-8 situated at Village Bori Pakhadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Suniti Enterprises,
110 Javeri House,
Nagindas Master Road,
Bombay-23.
- (2) M/s Divya Builders,
12-A Shri Diamond Centre,
L.B.S. Marg,
Vikroli,
Bombay.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Right to develop and construct building on a plot of land at Village Bori Pakhadi in Urban and bearing S. No. 88, Hissa No. 7, City S. Nos. 924, 928, 929, 930 and 931 as per the weaker Section Scheme No. ULC/PA/F-62/SR-8/10th Oct. 1979.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12074/1984-85 in the month of January, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date : 26-6-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range Pune

Pune, the 26th June 1985

(1) Shri Bhaskar Navshya Babar,
C/o M/s Sheikh Constructions,
32 Ibrahim Rehmatullah Road,
Bombay-3.

(Transferor)

(2) M/s Shelkh Constructions,
32 Ibrahim Rehmatullah Road,
Bombay-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.Ref. No. IAC ACQ CA-5/37EE/13265/1984-85—Whereas,
I, ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Land bearing Survey No. 735 situated at Village Mira
Taluka and Dist. Thane situated at Thane
Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at I.A.C., q c n Fcb. 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the transferor(s) and the transferee(s) has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
the parties has not been truly stated in the said instrument of
object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 735 situated at Village Mira,
Taluka and District Thane.(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 13265/1984-85 in the month of February,
1985).ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, PoonaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 26-6-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13271/1984-85 - Whereas,
I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

No. Land bearing Survey No. 200 situated at Village Mira Taluka and Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC, Acqn. Range, Pune in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Balkrishna Rawji Kulme & Others,
C/o M/s Sheikh Constructions,
32 Ibrahim Rehmatullah Road
Bombay.

(Transferor)

(2) M/s Sheikh Constructions,
32 Ibrahim Rehmatullah Road,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 200 situated at Village Mira Tal and Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13271/1984-85 in the month of February, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poone)

Date : 26-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Pune

Pune, the 27th June 1985

Ref No. IAC ACQ CA-5/37EE/13269/1984-85 -Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Lands bearing Survey Nos. 75 Hissa No. 1, Survey No. 190 situated at village Mira Taluka and Dist. Thane situated at Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Feb. 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nana Navshya Babar and Others,
C/o M/s Sheikh Constructions,
32 Ibrahim Rehmatullah Road,
Bombay. (Transferor)
- (2) M/s Sheikh Constructions,
32 Ibrahim Rehmatullah Road,
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Lands bearing Survey No. 75 Hissa No. 1, Survey No. 190 situated at Village Mira, Taluka and District Thane. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 13269/1984-85 in the month of February, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poone

Date : 27-6-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Pune

Pune, the 27th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1198/1984-85 -Whereas,
I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Naupada, Thana with temporary Huts and one permanent
structure situated at Thana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Dattatraya Ramchandra Patil,
Shri Balkrishna Ramchandra Patil,
Kum. Suman Ramchandra Patil,
Smt. Sujata Prabhakar Varadkar,
Dada Patil Wadi,
Naupada,
Thane.

(Transferor)

- (2) M/s Maruti Builders,
Shop No. 2,
Mochi Building,
N.S. Road,
Mulund (W)
Bombay-80

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Naupada, Thana with temporary Huts and one permanent
Structure.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under docu-
ment No. 1198/85-86 in the month of April 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona)

Date : 27-6-1985

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Pune

Pune, the 27th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13270/1984-85—Whereas,
I ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Lands bearing Survey Nos. 744, 746, 747 and 748 situated
at Village Mira Tal and Dist. Thane, situated at Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
I.A.C. Acqun. Range, Pune on Feb. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Nana Navshya Babar & Others,
C/o M/s Sheikh Constructions,
32 Ibrahim Rehmatullah Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) M/s Sheikh Constructions,
32 Ibrahim Rehmatullah Road,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands bearing Survey Nos. 744, 746, 747 and 748 situated
at Village Mira Taluka and District Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in
the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under docu-
ment No. 13270/1984-85 in the month of February 1985)

ANIL KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 27-6-1985
Seal :

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Pune

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/7703/1984-85—Whereas,
I ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.No. Flat No. 114, S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar, Pune-
9, situated at Pune(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on No. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Tanhankar Disa & Associates,
1535 Sadashiv Peth, Pune-30,

(Transferor)

(2) Mr. Raveendra Vyankatesh Tilak,
1015 Sadashiv Peth, Pune-30,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 114, S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar, Pune-9
(Area 776 sq. ft.)(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 7703/1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 19-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11267/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5 on 1st floor in "Gaurav Apartment" situated at S. No. 113, Kalas, Pune-15, Plot No. 16 situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Mar. 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s K. Promoters & Builders,
58/A Kasturba Housing Society,
Vishrantwadi,
Pune-15.

(Transferor)

(2) Mr. R.T. Choudhary and,
Mr. S.R.R. Choudhary,
R. No. 9,
Pandurang Nivas,
Jadhav Vasti,
Kalas,
Pune-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 1st floor in "Gaurav Apartment" situated at S. No. 113, Plot No. 16, Kalas, Pune-15.

(Area 782 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11267/1984-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 19-6-1985

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th June 1985

Ref No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10711/1984-85—Whereas,
I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
**Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'),**
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 34 on ground floor in Vardhaman Market at
Plot No. 75, Sector, 17 Vashi, New Bombay situated
at New Bombay.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908 in the Office of the Registering officer
at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Nov. 1984
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer, and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(?) M/s Vardhaman Constructions,
40-41 Vishal Shopping Centre,
Sir M.V. Road, (A
(Andheri-Kurla Road)
Andheri (E)
Bombay-69.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Quram Mohd. Ilias,
Son of Ali Kasan,
Diamond Zadar Stores,
Jai Shankar Building,
Sanghani Estate,
LBS Marg,
Ghatkopar (W)
Bombay-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 34 on ground floor in Vardhaman Market at
Plot No. 75 Sector 17, Vashik New Bombay.
(Area 480 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 10711/1984-85 in the month of Nov.
1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Pooa)

Date : 14-6-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th June 1985

(1) M/s Urvil Builders.
1/5 Maya Nagar,
Thane (E)

(Transferor)

(2) Mrs. Vimal Kanta Katho,
Block No. 10,
Godavari Society,
Dombivli(E)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10852/1984-85—Whereas,
I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Property situated at Village Dombivli, Tal. Kalyan bearing Survey No. 293, Hissa No. 6 situated at Kalyan

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property situated at Village Dombivli, Tal. Kalyan, bearing Survey No. 293, Hissa No. 6.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 10852/1984-85 in the month of Dec. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 24-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10183/1984-85—Whereas,
I ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mini Market bearing No. 43 in the plan annexed ground and first floor No. 29 in Vardhaman Market at Plot No. 75, Sector 17, Vashi New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Vardhaman Constructions,
40-41 Vishal Shopping Centre,
Sir M.V. Road,
(Andheri-Kurla Road),
Andheri(E),
Bombay-69.

(Transferor)

- (2) M/s Roshan Enterprises
Plot No. 697,
Katrak Road,
Wadala,
Bombay-31

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mini Market bearing No. 43 in the plan annexed hereto consisting of Basement, ground and first floor No. 29, in Vardhaman Market at Plot No. 75, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10183/84-85 in the Month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date : 12-6-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE, PUNE

Pune, the 28th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13523/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 307 Saidham Apartments, Plot No. 40, Sector-17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Mar. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Saibaba Enterprises,
4 Ashiyana,
N.S. Road No. 10,
J.V.P.D. Scheme,
Vile Parle (W),
Bombay-58.

(Transferor)

(2) Mr. Ismail Y. Modak,
C/o A.K. Modak,
C-5/9/11 Sector-I A.
C.B.D. Belapur,
New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

307 Saidham Apartments, Plot No. 40, Sector-17, DBC Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13523/1984-85 in the month of Mar. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 28-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/10320/1984-85—Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 5, at Dhanlaxmi Industrial Estate, Plot No. 105 106, and 107 S. No. 31 (Part) S. No. 34, 35 & 36 parts of Navghar, Vasai (E) Dist Thane, situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune, in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (21 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Dhanlaxmi Builders,
by partner D.M. Tank,
82 Ram Mandir Road,
Vile Parle (E) Bombay.
(Transferor)
- (2) Shri Narayandas Prasad Luharka partner
Rishu Engineering Works,
Gala No. 5 at Dhanlaxmi Industrial Estate,
Navghar, Vasai (E) Thane.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 5 at Dhanlaxmi Industrial Estate, Plot No. 105, 106 and 107 S. No. 31 (Part) S. No. 34 35 & 36 parts of Navghar, Vasai (E) Distt. Thane.

(Area 1040 Sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 100320/1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 19-6-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 27th Ju 198

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11733/1984-85W—hereas,
I, ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Flat No. 8, Second floor, Mohit Park, Plot No. 140,
Lullanagar, Pune-40, situated at Pune(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) M/s Five Star Builders,
10, Kamal Chambers,
38 M.G. Road,
Pune-1.

(Transferor)

- (2) Mrs. Shakeela Jameel Ahmed,
916, Synagogue Street,
Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Second floor, Mohit Park, Plot No. 140, Lulla-
nagar, Pune-40.

(Area 690 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 11733/1984-85 in the Month of April 1985).

ANIL KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 27-6-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 21th June 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12071/1984-85. Whereas,
I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No. 6, Ground floor, Village Navghar, Tal. Bassein Distt. Thane, situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune, in Jan 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhansukhlal M Talik,
Partner Dhanlaxmi Builders,
82, Ram Mandir Road,
Vile Parle (E),
Bombay.

(Transferor)

(2) Shri T. Santhianath,
Karta for M/s Keru H.U.F.,
M/s Hiplast, 169/B Andheri Ind. Estate,
Veer Desai, Road,
Andheri (W),
Bombay-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 6, Ground floor, Village Navghar, Tal. Bassein, Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12071/1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 21-6-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Pune
Pune, the 14th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11819/1984-85—Whereas,

I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit Nos. 15, 16, 17 & 18 on first floor, located in Sheetal Industrial Estate No. 2 situated in Plot No-34, S No 30, 31 (pt) 35 (pt) 55-C (pt) of Village Navghar, situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn Range, Pune in Jun. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

84—176 GI/85

(1) Swastik Developments,
12 Dubash Lane,
V.P. Road,
Bombay-4.

(Transferor)

(2) Regency Textile Mills,
39 Meadows House,
Nagindas Master Road,
Bombay-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No.s 15, 16, 17 & 18 on first floor located in Sheetal Industrial Estate No. 2 situated at Plot No, 34 S. No. 30, 31 (pt), 35 (pt), 55-C (pt) of Village Navghar Tal. Vasai, Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No 11819/1984-85 in the Month of January 1985.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 14-6-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range Pune

Pune, the 7th June 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/7606/1984-85—Whereas, I,
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 26, Plot No. 149, Dahanukar Colony, Kothrud,
Pune, 29, situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at

I.A.C Acq Range, Pune in Nov. 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Atul Enterprises,
31 Sheela Vihar Colony,
Pune-4

(Transferor)

- (2) Mr. Manual Shantanurao Poharkar &
Mrs. Ushabai Manual Poharkar,
85 Kothrud,
Pune-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 26, Plot No. 149 Dahanukar Colony, Kothrud,
Pune-29.
(Area 723 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 7606/1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 7-6-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 27th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11604/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Room Flat, Back side on 1st floor, S. No. 47/6 B-2, Plot No. 1, Erandwana, Pune-38 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Radhika Apartment,
S. No. 47/6 B-2, Plot No. 1,
Erandwana,
Pune-38.

(Transferor)

- (2) Shri Kumar Jeenadatta Thote,
1194/24 Ghole Road,
Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Room flat, Back side on 1st floor, S. No. 47/6, B-2, Plot No. 1, Erandwana, Pune-38.

(Area 805 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11604/1984-85 in the month of April 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 27-6-1985

Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 24th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12248/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No 603 on 6th floor in building LOK SHILP at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, Bombay situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Lalit C. Gandhi,
Chief Promoter,
Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd.,
14 Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road,
Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Lalitha V. &
Mr. R. Vasudeven,
5 Sangam, Ghokle Road,
Chambur, Bombay-71.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603 on 6th floor in building Lok Shilp at Vashi
Plot No. 59, Sector 17, DBC Bombay.
(Area 640 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12248/84-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 24-6-1985

Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 18th May 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/785/1985-86.—Whereas, I
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 58, S. No. 89-90, Lockmanya Colony, Kothrud,
Pune Area 1018 sq. metres situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
I.A.C., Acq. Range, Pune on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer, as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Mr. Kantilal Narsi Shah,
18, Ajit Society,
Near Bhagwan Nagar,
Tekkara, Paldi,
Ahmedabad-380007

(Transferor)

(2) M/s. Ankur Pramoters,
1226-C, Shukrwar Peth,
Subhash Nagar, Lane No. 4,
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58, S. No. 89-90 Lockmanya Colony Kothrud,
Pune-29.

(Admeasuring 1018 sq. mtrs.)

(Property as described in the agreement to sale in registered
in the Office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under No. 78/5
85-86, May, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 18-5-1985

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
PUNE**

Pune, the 18th May 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37EE/10379/84-85.—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 110, S. No. 26, Village Kothrud, Pune- 7280 sq. ft. situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Sushilabai Govind Ekabote,
Railway Quarters,
Bhusawal

(Transferor)

- (2) A. B. Associates,
1206/23, B, Shivajinagar,
Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 110, S. No. 26, Village Kothrud, Pune.
(Admeasuring 7280 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under No. 10379/84-85 in the month of February 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date :
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 17th May 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7159/84-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. T-3 on IIIrd Floor at S. No. 42A/18, Erandawana Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) M/s. Natekar Gandhi And Co.
1206 B/15, Shivajinagar,
D. G. Pune.

(Transferor)

- (2) Shri Dhanaanjai Vinayak Jog,
53, Shree Niwas Modi Baugh,
Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T-3, on third floor at S. No. 42A/18, Erandawana Pune-4. Free hold.

(Property as described in the agreement to sale in registered in the Office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under his No. 7159/84-85 October 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 17-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

PUNE

Pune, the 17th May 1985.

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/663/85-86.—Whereas, I.

ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

47/22, Erandawane, Law College Road, T. P. Scheme No. 1, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at IAC, Acquisition Range, Pune on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. D. Karva,
47/22, Erandawane,
Pune-4.

(Transferor)

- (2) Om Engineers & Builders,
43/4, Erandawane,
Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

47/22, Erandawane Law College Road, T. P. Scheme No. 1, Pune-4.

Total Built up area 1894 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 663/85-86—May 1985.)

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 17-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 17th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/7736/84-85.—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C. S. No. 2043, Aundh Road, Pune-3 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Hatimbhai Turabbhai Chopdawala
& Others
1571 Shukrawar Peth,
Pune.

(Transferor)

(2) Mr. Ikram Malik Khan,
1202/5, Ghole Road,
Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. No. 2043, Aundh Road, Pune-3.
Free hold.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune under his No. 7736/84-85—Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

85—176 GJ/85

Date : 17-5-1985

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EI/11939/1985-86. --Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5-II floor, Dikshit Baug Apartments at CTS No. 96D/2-B Navi Sadashiv Peth situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Avinash B. Dikshit
through M/s. Leela Constructions (P) Ltd.,
836 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferor)

- (2) Mr. Vinay Baburao Kale &
Mrs. Vidula Vinay Kale,
"Vishwanath Sadan",
Kharkar Lane,
Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-II floor, Dikshit Baug Apartments at C.T.S. No. 96D/2-B Navi Sadashiv Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 11939/85-86 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/10041/84-85.— Whereas, —
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Serial 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 34 on 2nd Floor in 'Landmark' at Navghar, Vasai Road, S. No. 46 (Part) Plot No. 8, Anand Nagar Scheme, Villag Navghar (Vasai) (E) situated at Vasai (Navghar) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. V. S. Enterprises,
Court Chambers,
2nd Floor,
New Marine Lines,
Bombay-6.

(Transferor)

- (2) Mrs. Khatija Bibi Esooq Mamsa &
Mr. Mohmud M. Mamsa Tansim
2nd Floor,
L. J. Cross, Road, No. 2,
Mahim,
Bombay-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34 on 2nd Floor in 'Landmark' at Navghar, Vasai Road, S. No. 46 (Part) Plot No. 8, Anand Nagar Scheme, Village Navghar Vasai (E), Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune under No. 10041/84-85 on Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/9620/84-85.—Whereas, I
ANIL KUMARbeing the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 3 Ground Floor, Plot 27, Red-rose Co-operative
Housing Society, Sector-2, Vashi, New Bombay situated at
Vashi, New Bombay (and more fully described in the schedule
annexed hereto) has been transferred under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C. Acqn. Range, Pune on October 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);(1) Red Rose Co-operative Housing Society Ltd.,
Plot No. 27, Sectal,
Vashi, New Bombay,

(Transferor)

(2) Mr. Manu K. Sobti,
Manu Mahal,
Kings Circle, Matunga,
Bombay-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground Floor, Plot No. 27, Red-rose Co-
operative Housing Society, Sector-2, Vashi, New Bombay.

(Area 751.5 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale is registered
in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under No. 9620/
84-85 on Oct. 1984.)

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, PoonaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNERef No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/16524/84-85. —Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Gala No. 8 & 9 Ground Floor, Gayatri Industrial Estate, Plot No. 7/19, Village Navghar, Vasai Road, Vasai (E), Thane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Gayatri Builders,
Vikas Udyog Nagar,
Near Railway Crossing,
Bhayander East,
Distt. Thane.

(Transferor)

- (2) M/s. Pharmaceutical & Surgichem Equipments,
B1/10, Bee Jambo Darshan Co-operative Housing
Society, Koldongeri, Lane No. 2,
Andheri (E).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 8 and 9 ground floor, area 107.86 sq. mtrs.
Gayatri Industrial Estate, Plot No. 7/19, Village Navghar,
Vasai Road, Vasai (E), Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under No. 16524, dt. May, 1985).

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 31-5-1985

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/13408/1985-86.—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing

Residential Flat bearing No. A1/104 on 1st floor of "A" Build
ing known as Tanwar Nagar situated at Bombay Poona Road,
Mumbra, Distt. Thane situated at Thane (and more fully des-
cribed in the schedule annexed here to) has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at I.A.C., Acqm. Range Pune in
March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by this issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Rajasthan Builders,
A/2 Swati Building,
Juhu Lane,
Andheri West,
Bombay.

(Transfer)

- (2) Smt. Mehboob BI
W/o Saligram Chowdhry,
Near Nurul Huda Mosque,
Social Nagar,
Kala Killa,
Dharavi,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential flat bearing No. A1/104 on first fl
Building known as Tanwar Nagar situated at Bombay Poona
Road, Mumbra Distt. Thane.

(Area 858.50 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under
document No. 13408/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/10803/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 12 on the North Side on second floor of Geetali building at 708-9-10-15-16 Shivajinagar, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Vastushilp,
93/2A, Erandwana,
Pune-4.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Dinkar Bodekar,
1259/2, J. M. Road, :
Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 on the North side on second floor of Geetali Building at 708/9-10-15-16 Shivajinagar, Pune-4.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10803/84-85 in the month of March 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 31-5-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/11028/1984-85.—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 301 in Kadam Apartment at S. No. 214, Parvati, Pune-9 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at L.A.C., Acquisition Range, Pune in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajkumar J. Agarwal,
M/s. Raj Builders,
S. No. 9/3 Yerwada,
Pune-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Laxmibai Chandrakant Sutar,
955 Budhwar Peth,
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 in Kadam Apartment at S. No. 214, Parvati Pune-9.

(Built up Area 680 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the L.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1028/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 31-5-1985
Seal :

FOI ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/10864/1984-85.—Whereas, I
ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. C-17 on the 3rd floor in Hermes Complex situated at F. P. No. 203 of Sangamwadi T. P. Scheme New S. No. 349 & Part of 349-A-1 Bunglow No. 6, Pune and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. N. Thakkar,
M/s. Hermes Agencies,
793 Family House,
Bombay-14.

(Transferor)

(2) Noushad Husajnali Vazir,
36 Wonderland,
7 M. G. Road,
Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-17 on the IIIrd Floor in Hermes Complex situated at F. P. No. 203 of Sangamwadi T. P. Scheme, New S. No. 349 & Part of 349-A-1 Bunglow No. 6 Sir Bhandarkar Road, Pune.

(Area 590 Built up)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 10864/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 31-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12874/84-85.—Whereas, I
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 108, on 1st Floor, Plot No. 9, S. No. 44 & 46 at Navghar,
Vasai, Distt. Thane situated at Vasai, Distt. Thane
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition
Range, Pune in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transferor,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) M/s. V. S. Enterprises,
Court Chambers,
2nd Floor,
New Marine Lines,
Bombay-20.

(Transferor)

(2) Mrs. C. J. Multani,
7, Tulgi Mahal,
3rd Floor, Raghavji Road,
Opp : Central Bank of India,
Gowalia Tank,
Bombay-36.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, on 1st Floor, at Navghar, Vasai Road, Plot
No. 9, S. No. 44 & 46, Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale is registered
in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No
12874/84-85, on February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 31-5-1985
Seal :